बीएचईएल की 39वीं वार्षिक आम बैठक में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अभिभाषण

प्रिय शेयरधारक,

निदेशक मंडल और स्वयं मेरी ओर से मैं आपकी कंपनी के उन्चालीसवें वार्षिक आम बैठक में आप सभी लोगों का स्वागत करता हूँ। वर्ष 2002–2003 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट और लेखापरीक्षित लेखें आपके पास हैं, और आपकी अनुमति से मैं उन्हें पठित मानता हूँ। वर्ष 2002–2003 कई प्रभावशाली उपलब्धियों से परिपूर्ण एक और सफल वर्ष रहा था। मैं आपको सूचित करते हुए अत्यंत प्रसन्न हूँ कि बीएचईएल ने अर्थव्यवस्था की प्रतिबंधित कार्यनिष्पादन के बावजूद प्रभावशाली परिणाम दर्ज किए हैं।

वातावरण : वैश्विक

अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने वर्ष 2003 में सकल घरेलू उत्पाद में 3 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है और यह पूर्वानुमान किया है कि यह वर्ष 2003 में सुधरकर 3.2 प्रतिशत हो जाएगी। विकासशील देशों में उसके वर्ष 2003 में 5 प्रतिशत तक वृद्धि होना प्रत्याशित है। वर्ष 2002 के दौरान मुख्य विकसित देशों में वैश्विक व्यापार में धीमापन के साथ औद्योगिक उत्पादन मंद हो गया है। जबकि आधारिक परिदृश्य इराक युद्ध के फलस्वरूप निरंतर परंतु केवल धीमी गति को समुत्थान की भविष्यवाणी करता है वहीं दृष्टिकोण अत्यधिक अनिश्चितता के अधीन है। वैश्विक विद्युत उद्योग उद्योगमुखी प्रवृति का सामना कर रहा है, एनरॉन–पश्चात विफलता और अन्य उपयोगिता कंपनियों द्वारा अपने मौजूदा निवेशों पर पुनर्विचार करने से विद्युत संयंत्र उपस्करों के लिए नए ऑर्डरों में गिरावट आई। यह उल्लेख करना उचित है कि जहां वर्ष 2002 में विश्व भर में विद्युत संयंत्र उपस्कर के 150 जीडब्ल्यू से अधिक का ऑर्डर दर्ज किया गया था, वहीं यह वर्ष 2002 में 100 जीडब्ल्यू तक गिर गया और इसके वर्ष 2003 के दौरान 40–60 जीडब्ल्यू के बीच रहना अनुमानित है। जबकि ऑर्डरों में वैश्विक रूप से अत्यधिक गिरावट हुई है, वहीं विकासशील देशों में विशिष्ट उच्च–वृद्धि की अर्थव्यवस्थाओं में समग्र मांग अगले कुछ वर्षों में काफी होना संभावित है। बीएचईएल के कई लक्ष्य बाजारों और देशों में आशाजनक दृष्टिकोण है।

विश्व के विद्युत संयंत्र के उपस्कर बाजार में अद्योगामी प्रवृत्ति ने कुछ प्रमुख विद्युत संयंत्र उपस्कर विनिर्माताओं के लिए नकदी की कमी ला दी है जिससे कई क्षीण हो चुके समुद्रपारीय उपस्कर विनिर्माताओं के लिए नए विलय और अधिग्रहणों की आवश्यकता हुई। जबकि विकसित बाजारों में भागीदारों की संख्या कम होना बीएचईएल जैसी कंपनियों के लिए बाजार के अधिक अवसर प्रदान करता है वहीं बाजार की पहुँच पर लाइसेंसीकरण के प्रतिबंध विश्व के कुछ भागों में अवसरों को बाधा पहुंचा सकता है।

वातावरण : घरेलू

भारतीय अर्थव्यवस्था ने वर्ष 2001–2002 में 5.6 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2002–2003 में 4.3 प्रतिशत की धीमी वृद्धि दर्ज की। अल्प वर्षा कृषि में नकारात्मक वृद्धि के लिए उत्तरादायी थी और औद्योगिक मंदी वर्ष 2002 में जारी रही, यद्यपि स्थिति वर्ष 2002–2003 की अंतिम तिमाही से सुधरनी प्रारंभ हुई और यह सुधार वर्ष 2003–2004 की पहली तिमाही में जारी रहा। औद्योगिक उत्पादन ने वर्ष 2001–2002 में 2.6 प्रतिशत से वर्ष 2002–2003 में 5.8 प्रतिशत की प्रोत्साहनजनक वृद्धि दर्शाई है। पूंजीगत सामग्री उद्योग, जिसका बीएचईएल एक हिस्सा है, ने पिछले दो वर्षों की नकारात्मक प्रवृत्ति में बदलाव देखा है और वर्ष 2002–2003 में 10.5 प्रतिशत की वृद्धि की है। चालू वर्ष के लिए दृष्टिकोण अच्छी वर्षा के बाद आशाजनक प्रतीत होता है। उपलब्ध विभिन्न अनुमानों के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2003–2004 के दौरान 6.5 प्रतिशत की वृद्धि होना संभावित है। राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में उद्योग और सेवाओं का योगदान बढ़ता रहा है और इस प्रवृत्ति के चालू वर्ष में भी जारी रहने की प्रत्याशा है। देश के भुगतान–शेष की स्थिति में वर्ष 2002–2003 के दौरान लगातार दूसरी बार चालू खाता अधिशेष के कारण काफी सुधार हुआ है। विदेशी मुद्रा प्रारक्षित निधि मार्च, 2003 के अंत में 71 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक रही जबकि वर्ष के दौरान मुद्रास्फीति 3.4 प्रतिशत पर निम्न रही।

कार्यनिष्पादन विशिष्टताएं

वर्ष 2002–2003 के दौरान बीएचईएल ने पिछले वर्ष की अपेक्षा अपने कार्य निष्पादन में सुधार किया है और कठिन परिस्थितियों के बावजूद अबतक के सर्वाधिक 7482 करोड़ रुपए का कुल कारोबार दर्ज किया। कंपनी ने पिछले वर्ष की तुलना में ऑर्डर बुक करने, मूल्य वर्धन और सकल मार्जिन में वृद्धि प्राप्त की। प्रति शेयर निवल परिसंपत्ति मूल्य कंपनी की आंतरिक सुदृढ़ता को प्रदर्शित करते हुए 192.40 रुपए तक पहुंच गया।

कार्यशील पूंजी प्रबंध में सुस्पष्ट सुधार से लगाई गई वर्षांत पूंजी को 396 करोड़ रुपए कम किया गया है। निरंतर प्रयासों ने ऋणदाताओं और मालसूची को भी वर्ष 2001–2002 में कुल कारोबार के क्रमशः 230 दिनों और 100 दिनों की तुलना में कमी लाकर कुल कारोबार का 199 दिन और 98 दिन कर दिया है। मैं अब संक्षेप में वर्ष 2002–2003 के दौरान आपकी कंपनी की कुछ प्रभावशाली उपलब्धियों पर प्रकाश डालना चाहूंगा।

अब तक की सर्वाधिक आर्डर प्राप्ति

सुधरी हुई गुणवत्ता, चक्र अवधि की कमी और लागत में कमी करने के माध्यम से प्रतिस्पर्धा वृद्धि पर कंपनी के निरंतर बल देने से आर्डर प्राप्ति के मोर्चे पर उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त होते रहे हैं और मैं आपको सूचित करते हुए प्रसन्न हूं कि आपकी कंपनी ने वर्ष 2002–2003 में घरेलू और समुद्रपारीय बाजारों से 11,227 करोड़ रुपए मूल्य के अब तक का सर्वाधिक आर्डर प्राप्त किया। इसके फलस्वरूप आपकी कंपनी ने वर्ष के अंत में पिछले वर्ष की अपेक्षा

26 प्रतिशत अधिक 15,800 करोड़ रूपए का उत्कृष्ट ऑर्डर प्राप्त किया।

निर्यात पर बल

मैं आपको सूचित करते हुए हर्ष का अनुभव कर रहा हूं कि आपकी कंपनी ने स्वयं को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में एक ठोस आधारशिला पर स्थापित किया है। पिछले 3–4 वर्षों के दौरान समुद्रापारीय व्यवसाय प्राप्त करने के तीव्र प्रयासों से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुए हैं और इसने आपके संगठन की अत्यधिक प्रतिस्पर्धा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में एक वैश्विक भागीदार के रूप में उभरने में सहायता की है। आपकी कंपनी के पास पिछले पांच वर्षों की अवधि में निर्यात ऑर्डर बुक करने में लगभग पंद्रह गुना वृद्धि प्राप्त करते हुए वर्ष के दौरान 1455 करोड़ रुपए का रिकार्ड वास्वविक निर्यात ऑर्डर था। प्रमुख सफलता टर्नकी आधार पर लीबिया में 600 मेगावाट गैस–आधारित विद्युत स्टेशन की स्थापना के लिए ऑर्डर की प्राप्ति से हासिल हुई थी। यह संभवतः भारत में किसी पूंजीगत सामग्री की विनिर्माता कंपनी द्वारा प्राप्त एकमात्र सबसे बड़ा समुद्रपारीय ऑर्डर हैं। आपकी कंपनी ने पिछले पांच वर्षों के दौरान निरंतर प्रत्येक वर्ष निर्यात बाजार के नए क्षेत्रों में प्रवेश करने का भी गौरव बनाए रखा है।

परियोजना चालू करना

बीएचईएल ने के.वि.प्रा. के क्षमता वृद्धि लक्ष्य को 44 प्रतिशत से पारकर लिया है। वर्ष के दौरान देशों में कुल 20 उपयोगिता सैट (1960 मेगावाट) और 8 औद्योगिक/कैपटिव सेट (249 मेगावाट) चालू किए गए थे। इसके साथ बीएचईएल के उपयोगिता सेटों की संस्थापित क्षमता देश की कुल संस्थापित क्षमता में लगभग 65 प्रतिशत का हिस्सा बनाए रखते हुए बढ़कर 69,130 मेगावाट हो गई, जो वर्ष के दौरान देश में उत्पादित विद्युत का 76 प्रतिशत है।

उपस्कर का कार्यनिष्पादन

बीएचईएल निर्मित थर्मल सेटों ने अब तक का सर्वाधिक 74.1 प्रतिशत संयंत्र भार अनुपात (पीएलएफ) प्राप्त किए, जो राष्ट्रीय औसत से 1.9 प्रतिशत अधिक था और यह पिछले वर्ष की तुलना में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि है। बीएचईएल के थर्मल सेटों ने अब तक का सर्वाधिक 83.9 प्रतिशत प्रचालन उपलब्धता दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि है।

प्रौद्योगिकी विकास

चूंकि बीएचईएल के उत्पाद और प्रणालियां प्रकृति में प्रौद्योगिकी गहन हैं इसलिए कंपनी के लिए अनुसंधान और विकास तथा प्रौद्योगिकी विकास कार्यनीतिक महत्व रखते हैं। इस क्षेत्र में मुख्य विशिष्टता लोकप्रिय रूप से ज्ञात फ्लेक्सिबल ट्रांसमिशन सिस्टम (एफएसीटीएस) थाईरिस्टर नियंत्रित रिएक्टरों को शामिल करते हुए लाइन की विद्युत अंतरण बढ़ाने और पारेषण हानियों को कम करने के लिए नई श्रृंखला प्रतिपूर्ति स्कीम का सफल विकास था, जिससे देश को 'एफएसीटीएस' प्रौद्योगिकी रखने वाले देशों के चयनित दल में शामिल करना है। अन्य मुख्य उपलब्धि कार्यनिष्पादन विश्लेषण, परिवर्ती प्रचालन दशाओं के दौरान प्रचालन और अनुरक्षण लागत कम करने पर लक्षित विद्युत संयंत्रों की नैदानिकी और इष्टतमीकरण (पीएडीओ) के लिए साफ्टवेयर पैकेज को विकसित करना था। इस विकास ने बीएचईएल के लिए व्यवसाय का एक नया मार्ग खोला है।

पुरस्कार

मैं यहां यह उल्लेख करने में प्रसन्न हूं कि विभिन्न क्षेत्रों में आपकी कंपनी के कार्य निष्पादन को विधिवत मान्यता प्राप्त हुई हैं। बीएचईएल सीआईआई–एक्जिम बैंक संपूर्ण व्सवसाय उत्कृष्ट मॉडल के अधीन महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए प्रशस्ति प्रमाणपत्र जीतने वाला पहला सरकारी क्षेत्र का उद्यम बना। त्रिची यूनिट ने व्यवसायिक उत्कृष्टता और सभी स्तरों पर प्रोत्साहजनक संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंध की ओर अपनी निरंतर यात्रा के लिए यह पुरस्कार प्राप्त किया। विद्युत क्षेत्र–उत्तरी क्षेत्र ने गुणवत्ता में उत्कृष्टता प्राप्ति के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा स्थापित प्रतिष्ठित 'राजीव गांधी राष्ट्रीय गुणवत्ता पुरस्कार' प्राप्त किया। वर्ष 2003 के लिए प्रधानमंत्री के तीन प्रतिष्ठित श्रम पुरस्कारों के अतिरिक्त बीएचईएल के कर्मचारियों ने एक बार फिर देश में सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों में अधिकतम संख्या में विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, बीएचईएल के विनिर्माता संयंत्रों ने श्रम मंत्रालय द्वारा स्थापित छः राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार प्राप्त किया।

ग्राहक सेवा

बीएचईएल ने आबाधित विद्युत आपूर्ति सुविधाजनक बनाने और विद्युत संयंत्रों को अच्छी चालू दशा में रखने के लिए लक्षित तत्काल और सक्षम ग्राहक सेवा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनर्वालित किया। वर्ष के दौरान कंपनी ने 14 बीएचईएल–भिन्न सेटों सहित 101 थर्मल उपयोगिता और औद्योगिक सेटों की पूर्ण मरम्मत की। ग्राहक की आपारस्थिति मांग का प्रदयुत्तर देते हुए बीएचईएल ने मात्र 4 दिनों में ओएनजीसी, अंकलेशवर में ई 1400 तटीय रिग का युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए पुनरूद्धार किया। डीवीसी के मेजिया टीपीएस में 210 मेगावाट यूनिट की पूंजीगत पूर्ण मरम्मत 60 दिनों की समय–अनुसूची की तुलना में 45 दिनों में पूरी की गई थी, जिससे कामबंदी की अवधि में पर्याप्त कमी हुई।

दूरस्थ क्षेत्र विकास के लिए योगदान

बीएचईएल अपनी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में अपने योगदान के माध्यम से दूर–दराज/दूरस्थ क्षेत्रों के विकास के लिए राष्ट्रीय प्रयास में योगदान देता रहा है। बीएचईएल ने मौसुनी द्वीपसमूह (पश्चिम बंगाल) में पहली बार द्वीपसमूह में 500 घरों को प्रकाशवान बनाकर भारत के सबसे बड़े स्टैंड अलोन और सौर फोटो वोल्टिक विद्युत संयंत्र (105 केडल्ब्यू) की आपूर्ति की और उसे चालू किया। बीएचईएल इस समय लक्षद्वीप के विभिन्न द्वीपसमूहों में सौर ऊर्जा का प्रयोग करते हुए 1100 केडब्ल्यू क्षमता का विश्व में विशालतम द्वीपसमूह विद्युतीकरण परियोजना में से एक का निष्पादन भी कर रहा है। विद्युत की कमी वाले लद्दाख में ऊर्जा की आवश्यकता के प्रत्युत्तर में बीएचईएल ने क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए लद्दाख स्वायत्तशासी पर्वतीय विकास परिषद (एलएएचडीसी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

अ–परम्परागत ऊर्जा प्रणालियों, उत्पादों और सेवाओं तथा विपरित विद्युत उत्पादन के लिए संगठन के भीतर नवीकृत ध्यान प्रदान करने की दृष्टि से एक केंद्रीय विपणन समूह सृजित किया गया है। यह समूह बाजार, सरकारी/गैर–सरकारी निधिकरण एजेंसियों, विनिर्माता यूनिटों के साथ उपयुक्त परस्पर कार्रवाई सुनिश्चित करके कंपनी में अ–परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों के लिए कार्यनीतिक दिशा प्रदान करेगा और इस क्षेत्र में व्यवसाय वृद्धि के लिए आवश्यक उपाय करेगा।

उभरती हुई व्यावसायिक प्रवृत्तियां : अंतर्राष्ट्रीय

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दृष्टिकोण 2003 वर्ष 2001–2025 से 24 वर्षीय भावी अवधि में विश्व की ऊर्जा खपत में लगभग 58 प्रतिशत की वृद्धि का पुर्वानुमान करता है। उच्चतम वृद्धि का पुर्वानुमान विकासशील एशियाई देशों के लिए है, जहां ऊर्जा की मांग के भावी अवधि में दुगुना हो जाना प्रत्याशित है। जबकि तेल के प्रमुख ऊर्जा ईंधन बना रहना प्रत्याशित है, वैश्विक तेल के मूल्यों में उतार–चढ़ाव एक अनिश्चित कारक है। उद्योगीकृत विश्व में प्राकृतिक गैस के वृद्धिकारी ऊर्जा खपत में अत्यधिक योगदान देना प्रत्याशित है। कोयला–आधारित ऊर्जा के प्रयोग में पर्याप्त वृद्धि एशिया, विशेषकर चीन और भारत में होनी प्रत्याशित है। ये प्रवृत्तियां आपकी कंपनी के मूल व्यवसाय के दीर्घाविधिक स्थायित्व की संकेतिक हैं।

विकास संबंधी योजनाएं

बीएचईएल भारत में अपने व्स्यावसायिक क्षेत्रों में अपनी अग्रता को बनाए रखने और पुनर्बलित करने तथा एक व्यावसायिक और प्रतिस्पर्धी संगठन के रूप में विदेशी बाजारों में वर्धित उपस्थिति के साथ वैश्वीकरण प्रक्रिया के साथ एकीकृत होने के लिए भी पहले करने की आकांक्षा रखता है। कंपनी एक संगठनात्मक संस्कृति विकसित करेगी और मान्यताओं को बढ़ावा देगी, जो उसे अपनी लक्ष्य प्राप्ति में समर्थ बनाएंगे। जैसा मैंने पिछले वर्ष उल्लेख किया था, कंपनी ने कंपनी का विकास मार्ग प्रशस्त करते हुए ''कार्यनीतिक येाजना–2007'' शीर्षक नई नैगम योजना बनाई है। कल्पनादृष्टि, लक्ष्य और मान्यताओं को अपने व्यावसायिक क्षेत्रों में अपनी अग्रता बनाए रखने और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए उपयुक्त कार्यनीतियों के साथ घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में अपने मूल और संबद्ध व्यावसायिक क्षेत्रों में स्वयं की पुनः स्थापित करने के लिए पहले करने हेतु पुनः निर्धारित, संशोधित और पुनः समायोजित किया गया था। वर्तमान कार्यनीतिक योजना के विकास की प्रक्रिया की अद्वितीय विशेषताओं में कंपनी के कर्मचारियों से विचार और सुझाव आमंत्रित करना और सरकार, विनियामक निकायों, मुख्य ग्राहक मु.का.अ. आदि से परामर्श करना और कार्यनीतिक योजना में उनके सुझावों को उचित रूप से समामेलित करना शामिल है।

नई कार्यनीतिक योजना के भाग के रूप में आपकी कंपनी ने आगे बढ़ते हुए चुनौतियों का सामना करने और अर्थव्यवस्था के पुराने तथा साथ ही नए क्षेत्रों में उभरते हुए अवसरों का लाभ उठाने के लिए अपनी मूल शक्तियों को ध्यान में रखते हुए कई कार्यनीतिक पहले की हैं। कंपनी द्वारा अभिज्ञात कार्यनीतिक मुख्य क्षेत्रों में शामिल हैं : संगठन को पुनः स्थापित करना, वैश्वीकरण/निर्यात कार्यनीतियां, इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी संबंधी पहलें, प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए निरंतर पहलें, सूचना प्रौद्योगिकी संबंधित पहलें और मानव संसाधन प्रबन्ध तथा वित्तीय प्रबंध से संबंधित पहलें।

विकास की संभावनाओं को और बढ़ाने के लिए कई व्यवसाय संबंद्ध उपाय किए जा रहे हैं, जिनमें विद्युत, पारेषण, ढुलाई और औद्योगिक प्रणालियों एवं उत्पादों के मूल व्यवसाय को सुदृढ़ करके मूल्य वृद्धि तेल क्षेत्र आदि जैसे अर्ध–संबंद्ध क्षेत्रों में उपस्थिति बढ़ाने के लिए मौजूदा शक्तियां बढ़ाना शामिल है। चूंकि सेवाक्षेत्र अर्थव्यवसथा के विकास चालक के रूप में तेजी से उभर रहा है इसलिए ईपीसी, प्रचालन और अनुरक्षण (ओएंडएम), नवीकरण और आधुनिकीकरण (आरएंडएम) और अन्य सेवाओं जैसे अवसरों का पता लगाने के लिए ध्यान केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है।

समुद्रपारीय व्यवसाय में आपकी कंपनी वैश्विक बाजार मे एक नियमित ईपीसी संविदाकार के रूप में बीएचईएल को स्थापित करने, महत्वपूर्ण भागीदारों के साथ स्वतंत्र विद्युत उत्पादक प्रवर्तक के रूप में चयनात्मक भागीदारी, समुद्रपारीय संयुक्त उपक्रम स्थापित करने, उत्पाद, अतिरिक्त पुर्जों और सेवाओं आदि की बिक्री पर ध्यान केंद्रण जैसे कई महत्वपूर्ण व्यावसायिक पहलें भी कर रही है।

उभरते हुए व्यावसायिक परिदृश्य को देखते हुए आपकी कंपनी ने वर्ष 2006–2007 तक लगभग 12 प्रतिशत का सीएजीआर प्रदर्शित करते हुए 12,500 करोड़ रूपए का विक्रय कुल कारोबार, 15 प्रतिशत के वास्तविक निर्यात संघटक लगाई गई पूंजी पर न्यूनतम 20 प्रतिशत की आय और कुल कारोबार के 150 दिनों के कार्यशील पूंजी चक्र की प्राप्ति जैसे महत्वकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं।

बीएचईएल को प्रतिस्थापित करना

कार्यनीतिक योजना, 2007 के भाग के रूप में, अभिज्ञात कार्यनीतिक ध्यान केंद्रण क्षेत्रों में से एक कारपोरेशन को प्रतिस्थापित करना था। बीएचईएल व्यावसायिक वातावरण में परिवर्तनों को देखते हुए स्वयं को पुनः अनुकूलित करने और अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संगत कार्यनीतियां अपनाने के लिए समय–समय पर उपाय करता रहा है। तथापि, भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के पश्चात व्यावसायिक वातावरण में वर्धित अस्तव्यस्तताने संपूर्ण समाधान के लिए ग्राहक की बढ़ती हुई प्रत्याशाओं, टर्नकी परियोजनाओं, अवधि काल संबंध आदि के साथ संयोजित ओईएम संवर्धित वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी की अनुपलब्धता, अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक अवसरों का पता लगाने में तेजी लाने की आवश्यकता, चीन, रूस और चेकोस्लोवाकिया गणराज्य आदि जैसे उभरते हुए बाजारों से नए वैश्विक भागीदारों से बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा, जैसी कई चुनौतियां बीएचईएल के समक्ष उत्पन्न कर दी हैं। बाजार स्थल भी भारत के वैश्वीकरण प्रयासों 'विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के साथ एकीकरण और स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों जैसे नए ग्राहक क्षेत्रों के वैश्विक प्रादुर्भाव के कारण परिवर्तित हो गया है।

उपरोक्त परिदृश्य ने बीएचईएल को उन चुनौतियों का सामना करने और तेजी से परिवर्तित हो रही बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को पुनः अनुकूल बनाने का अधिवेश दिया। शामिल मुद्दों पर कंपनी में विभिन्न मंचों में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई थी और उन्हें व्यापक कार्य योजनाओं में संश्लेषित किया गया। तथापि, कंपनी के भीतर सोच की बाह्य–आंतरिक अपूर्वाग्रहित वैधीकरण और उसका यथा उपरोक्त परिमार्जन विवेकसम्मत महसूस किया गया था। तदनुसार, निदेशक मंडल ने संगठन के बाहर से परिदृश्य प्राप्त करने के लिए सावधानीपूर्वक, मामले पर विचार करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक वातावरण से उद्भासित, कार्यकलापों के संगत क्षेत्रों में सर्वोत्तम प्रबंधित वैश्विक कंपनियों के साथ कार्य करने की अनुभव रखने वाले विश्व विख्यात परामर्शदाता को नियुक्त करने की आवश्यकता महसूस की।

उसके अनुसरण में, बीएचईएल ने परामर्शदाताओं की एक विश्व विख्यात फर्म की सेवाओं का प्रयोग किया और संगठन को प्रतिस्थापित करने का कार्य का प्रारंभ किया है। परामर्शदाताओं ने अपने कार्य का नैदानिक चरण पूरा कर लिया है और कंपनी द्वारा तैयार की गई कार्यनीतिक योजना, 2007 में विकास के उद्देश्यों की अभिपुष्टि की है।

लोगों पर ध्यान

किसी भी संगठन की सफलता उसके सर्वाधिक महत्वपूर्ण संसाधन अर्थात ''मानव संसाधन'' पर निर्भर करती है। हेनरी फोर्ड ने एक बार कहा था ''आप मुझसे मेरी सभी इमारतें, कार्यालय और आधार ढांचा सुविधाएँ ले सकते हैं, 'मेरे लोगों' को मेरे साथ छोड़ दें और मैं इन सभी को पुनः निर्मित कर लूंगा।'' यह आज ज्ञान अर्थव्यवस्था में सत्य है, जहां किसी संगठन की वास्तविक परिसंपत्ति उसके लोग हैं। आपकी कंपनी विश्वास करती है कि सर्वोत्तम निवेश उसके मानव संसाधन में किया गया निवेश है और हम अद्यतन प्रौद्योगिकी और प्रबंधकीय कुशलताओं पर नियमित रूप से पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी द्वारा इस संसाधन की दक्षता का निरंतर उन्नयन कर रहे हैं। तदनुसार, कंपनी ज्ञान प्रबन्ध नीति विकसित करने के लिए प्रक्रियारत है। कंपनी में आज लगभग 45,000 कर्मचारियों का योग्य और प्रशिक्षित कार्यबल है। बेहतर कार्यनिष्पादन करने के लिए उन्हे प्रेरित करने हेतु मानव संसाधन प्रक्रियाओं की निरंतर समीक्षा की जा रही है और उन्हें अद्यतन बनाया जा रहा हैं। कार्य निष्पादन प्रबन्ध प्रणाली, जिसे पिछले वर्ष कार्यान्वित किया गया था को पुनःशोधित और ई–सामर्थवान किया गया था। ई–समर्थवान प्रणाली युक्त एमएपी (कार्य निष्पादन के माध्यम से अग्रसर होना) सभी कार्यपालकों को उपलब्ध एक साधन है, जो स्वयं उनके कार्य निष्पादन तथा साथ ही उनके दल के कार्यनिष्पादन की योजना बनाने, मॉनिटर और मूल्यांकित करने में उनकी सहायता करता है। यह प्रणाली आने वाले वर्षों में कार्यनिष्पादन प्रेरित करेगी, दक्षता बढ़ाएगी और उत्पादकता में सुधार लाएगी।

पर्यावरणीय और सामाजिक उत्तरदायित्व

कार्यबल को प्रेरित करते हुए आपकी कंपनी ने संपूर्ण समाज के प्रति भी अपने उत्तरदायित्व का पालन किया है। सामुदायिक विकास के लिए अपनी वास्तविक प्रयास जारी रखते हुए बीएचईएल ने कंपनी द्वारा अपनाए गए गांवों में कई कल्याण और सामाजिक–आर्थिक विकास के कार्यकलाप प्रारंभ किए।

वर्ष के दौरान वैश्विक पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप सतत विकास की प्राप्ति के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पूर्ति हेतु आपकी कंपनी की सभी युनिटों ने आईएसओ 14001 और ओएचएसएएस 18001 जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों का प्रमाणीकरण प्राप्त किया है, जिससे उन्होनें अपने व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरणीय दायित्वों के सक्रियतापूर्वक निर्वहन की कंपनी की प्रतिबद्धता रेखांकित किया है।

बीएचईएल ने वर्ष 2002–2003 के दौरान अपशिष्ट रोकने, अपशिष्ट पदार्थ का पुनःशोधित और पुनःप्रयोग आदि करने के लिए ''अपशिष्ट के विरूद्ध युद्ध'' का विशेष कार्यक्रम प्रारंभ किया है।

यह कार्यक्रम ''पुनःकार्य और अस्वीकृति'' समाप्त करने पर बल देने के साथ वर्ष 2003–2004 में जारी रखा जा रहा है।

कंपनी ने ''ऊर्जा प्रबन्ध नीति'' भी तैयार की है, जो एकमात्र ऊर्जा संरक्षण तक हमारे प्रयासों को सीमित नहीं करके बल्कि ऊर्जा क्षमता की वृद्धि और ऊर्जा के अपव्यय के निवारण शामिल करते हुए हमारे दृष्टिकोण में निदेर्शनात्मक अंतरण लाना चाहती है।

आभार

अपना अभिभाषण समाप्त करने के पूर्व मैं निदेशक मंडल की ओर से समी कर्मचारियों और उनके परिवारों को उनके अत्यधिक कठोर परिश्रम और समर्पण के लिए हार्दिक धन्यवाद देना चाहूंगा। वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट वास्तव में बीएचईएल का गौरव ऊचांईयों तक ले जाने में कर्मचारियों और उनके परिवारों का प्रयास प्रदर्शित नही कर सकती। मैं निदेशक मंडल तथा स्वयं अपने ओर से भी भारत और विदेश में अपने सभी सम्मानित ग्राहकों को संगठन में उनके विश्वास और समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद देना चाहूंगा। और इस पारस्परिक समर्थनकारी संयंत्र को जारी रखने की आशा रखूंगा। मैं बीएचईएल के शेयरधारकों को कंपनी के अस्तित्व और उसके अर्थ को समझने तथा उनके कंपनी में विश्वास करने के लिए धन्यवाद देता हूं। इस महान संगठन की मान्यताओं और दक्षताओं में उनका विश्वास अपनी कंपनी के प्रबन्ध और कर्मचारियों को किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए प्रेरणा देता है। कंपनी अपने तकनीकी सहयोगकर्ताओं, आपूर्तिकर्ताओ और व्यावसायिक सहयोगियों को उनके मूल्यवान समर्थन और हमारे सभी प्रयासों में विश्वास व्यक्त करने के लिए सराहना करना चाहेगी। मैं भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेषकर भारी उद्योग विभाग, राज्य सरकारों, बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को कंपनी के विभिन्न प्रचालनों और विकास योजनाओं में प्राप्त समर्थन और दिशानिर्देश के लिए हमारी हार्दिक सराहना सूचित करना चाहूंगा।

सधन्यवाद,

ह./–

नई दिल्ली — **(के.जी. रामचंद्रन)**

दिनांक : 30 सितम्बर, 2003 — अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110 049

प्रतिनिधि फार्म

फोलियों/आईडी नं.
शेयरों की संख्या

मैं, हम ..... जिला .....
..... का/के .....
..... उपर्युक्त कंपनी का/के सदस्य

हूं/हैं और एतद्द्वारा ..... जिला ..... को अथवा

उनकी अनुपस्थिति में ..... जिला ..... को मेरे/हमारे प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करता हूं/करते हैं, जो 30 सितम्बर, 2003 को आयोजित होने वाली 39वीं वार्षिक सामान्य बैठक में मेरी/हमारी ओर से मतदान करेंगे।

दिनांक ..... 2003 को हस्ताक्षरित

एक रुपए का रसीदी टिकट

टिप्पणियां : क) फार्म पर कंपनी में दर्ज नमूना हस्ताक्षर के अनुसार टिकट के ऊपर हस्ताक्षर किया जाना चाहिए।
ख) यह फार्म बैठक के आयोजन से अड़तालीस घंटे पूर्व कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा कराया जाना चाहिए।

यहां से काटिये

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110 049

उपस्थिति-पर्ची

दिनांक 30 सितम्बर, 2003 मंगलवार को
पूर्वाह्न 10.00 बजे फिक्की सभागार, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली–110001
में आयोजित होने वाली 39वीं वार्षिक सामान्य बैठक

उपस्थित सदस्य का नाम	
फोलियो/आई डी नं.	
धारित शेयरों की संख्या	
प्रतिनिधि का नाम (यदि सदस्य के स्थान पर प्रतिनिधि भाग ले रहा हो)	

मैं एतद्द्वारा 30 सितम्बर, 2003 को आयोजित 39वीं वार्षिक सामान्य बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज करता/करती हूं।

सदस्य/प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

विधिवत् भरी गई इस पर्ची को बैठक कक्ष में प्रवेश द्वार पर सौंपा जाए।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110 049

प्रिय शेयरधारक/शेयरधारकों

संदर्भ : इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवाएं (ईसीएस) द्वारा लाभांश का भुगतान

यदि आपने पहले से हमारे रजिस्ट्रारों यानि मैसर्स कार्वी कंसल्टेंट्स लिमिटेड या निक्षेपागार सहभागी (डीमेट होल्डिंग के मामले में), को ईसीएस/बैंक लेखा विवरण प्रेषित नहीं किए हैं, तो आपसे हमारा अनुरोध है कि नीचे दिए गए फॉर्मेट में उक्त विवरण उपलब्ध कराएं, ताकि 30 सितम्बर, 2003 को आयोजित होने वाली कंपनी की 39वीं वार्षिक सामान्य बैठक में घोषित होने वाले लाभांश का शीघ्र, सुरक्षित एवं सही भुगतान किया जा सके।

कृपया सुनिश्चित करें कि रजिस्ट्रारों/निक्षेपागार सहभागी को आपके द्वारा प्रस्तुत किए गए विवरण सही हैं, क्योंकि उनमें कोई त्रुटि होने पर लाभांश की राशि गलत खाते में जमा हो जाएगी।

ईसीएस द्वारा और/अथवा नामोदिष्ट बैंक खाते में लाभांश का भुगतान, जो कि लाभांश वारंट पर लिखा होगा, लाभांश वारंट के कपटपूर्ण नकदीकरण को रोकने में सहायक होगा।

कृपया आपकी बेहतर सेवा करने के प्रयास में हमारी सहायता करें।

भवदीय

(एन.के. सिन्हा)
कंपनी सचिव

पीएस : यदि आपके पास डीमेट रूप में शेयर हैं, तो अपने निक्षेपागार सहभागी को आपके बैंक खाता विवरणों/ईसीएस अधिदेश पर ध्यान देने का परामर्श दें।

ईसीएस अधिदेश/बैंक खाता विवरणों के लिए फार्म

मैं/हम ..... एतद्द्वारा बीएचईएल/अपने निक्षेपागार सहभागी को

- ❑ मेरे/हमारे लाभांश वारंट पर निम्न विवरण छापने
- ❑ ईसीएस द्वारा बैंक खाते में मेरी लाभांश राशि जमा करने हेतु प्राधिकृत करता हूं/करते हैं

(जो लागू न हो, कृपया उसे काट दें)

मेरा/हमारा फोलियो सं. ..... डीपी आईडी सं. ..... ग्राहक खाता सं. .....

बैंक खाते का विवरण :

क.	बैंक का नाम	:	.....
ख.	शाखा का नाम (केवल अधिदेश के लिए पता)	:	.....
ग.	एमआईसीआर चैक में दिए गए बैंक और शाखा के 9 अंकों की कोड संख्या	:	.....
घ.	लेखा का प्रकार (बचत/चालू)	:	.....
ङ.	चैक बुक में दिए गए अनुसार लेखा सं.	:	.....
च.	शेयरधारक का एसटीडी कोड एवं दूरभाष सं.	:	.....
छ.	पैन/जीआईआर सं.	:	.....

यदि ईसीएस कार्यान्वित न हो सकी अथवा बैंक ईसीएस को किसी कारण से समाप्त कर देता है, तो मैं/हम कंपनी को जिम्मेदार नहीं ठहराऊंगा/ठहराएंगे।

को प्रेषण :

मैसर्स कार्वी कंसल्टेंट्स लिमिटेड
यूनिट : बीएचईएल
105–108, अरूणाचल भवन
19, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली–110 001

.....
शेयरधारक के हस्ताक्षर

9 अंकों की कोड सं. की यथार्थता के सत्यापन हेतु कृपया आपके उक्त लेखा से संबंधित आपके बैंक द्वारा जारी चैक या खाली रद्द किए गये चैक की प्रति संलग्न करें।

फार्म 2 बी

(कृपया नियम 4 गगग एवं 5घ देखें)

नामांकन फार्म

(व्यक्तिगत या संयुक्त रूप में आवेदन करने वाले व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा भरा जाए)

मैं/हम ..... एवं ..... और .....
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के क्रमांक ..... का/के शेयरधारक, नामांकन करना चाहता हूं/चाहते हैं तथा निम्न व्यक्ति (व्यक्तियों), जिसमें मेरी या जिनमें हमारी मृत्यु होने पर अंतरण और/अथवा शेयरों से सम्बद्ध देय राशि के सभी अधिकार निहित हैं, को नामित करता हूं/करते हैं।

नामिती/नामितियों के नाम एवं पता/पते

नाम : .....
पता : .....
.....
जन्म तिथि* : .....

(*नामिती के नाबालिग होने के मामले में भरा जाए)

** नामित नाबालिंग है, जिसका अभिभावक ..... है
नाम एवं पता .....
.....
.....

(** यदि लागू न हो, तो हटा दिए जाए)

हस्ताक्षर : .....
नाम : .....
पता : .....
तिथि : .....
हस्ताक्षर : .....
नाम : .....
पता : .....
तिथि : .....
हस्ताक्षर : .....
नाम : .....
पता : .....
तिथि : .....

दो गवाहों के पते, नाम एवं हस्ताक्षर

	नाम एवं पता	तिथि सहित हस्ताक्षर
1.		
2.		

अनुदेश :

1. केवल उन व्यक्तियों द्वारा ही नामांकन किया जा सकता है,जिन्होंने अपनी ओर से एकल या संयुक्त रूप से शेयरों के लिए आवेदन किया हो या धारक हो। सोसायटी,न्यास,कॉरपोरेट निकाय, साझेदारी फर्म,हिन्दू अविभाजित परिवार का कर्ता, मुख्तारनामा धारक सहित गैर-व्यक्ति नामांकन नहीं कर सकते। यदि शेयर संयुक्त रूप से धारित किया जाता है,तो सभी संयुक्त शेयरधारक नामांकन फार्म पर हस्ताक्षर करेंगे। नमूने के तौर पर स्थान उपलब्ध कराया गया है। यदि संयुक्त धारक अधिक है, तो शेयरों के धारकों तथा गवाह के हस्ताक्षर के लिए अधिक शीटें प्रयोग में लाई जा सकती हैं।
2. शेयरों के धारक द्वारा नाबालिग को नामित किया जा सकता है तथा उस स्थिति में धारक द्वारा अभिभावक का नाम और पता दिया जाएगा।
3. न्यास,सोसायटी,कारपोरेट निकाय,साझेदारी फर्म, हिन्दू अविभाजित परिवार का कर्ता या मुख्तारनामा धारक नामिती नहीं होगा। अनिवासी भारतीय प्रत्यावर्तन के आधार पर नामिती हो सकता है।
4. शेयर के अंतरण पर नामांकन विखंडित हो जाता है।
5. वैध उत्तराधिकारी के विरूद्ध कंपनी द्वारा नामिती के पक्ष में शेयर का अंतरण वैध निर्वहन होगा।
6. कंपनी/कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्त्ता को नामांकन/नामांकन फार्म के संबंध में सूचना दो प्रतियों में देनी होगी,जो उसकी एक प्रति शेयरधारक को वापस करेगी/ करेगा।

विषय – सूची

वार्षिक सामान्य बैठक की सूचना 9

बीएचईएल (भेल) एक दृष्टि में 12

पांच वर्षों का सार 14

निदेशकों की रिपोर्ट 15

- प्रबंध चर्चा एवं विश्लेषण
- लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट और नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक की टिप्पणियां
- ऊर्जा संरक्षण आदि
- कारपोरेट अभिशासन
- सूचीकरण करार के अनुसार नियुक्ति/पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशक का संक्षिप्त जीवन–वृत्त

लेखापरीक्षित लेखे 60

- महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां
- तुलन–पत्र
- लाभ एवं हानि लेखा
- अनुसूचियां

नकद प्रवाह विवरण 99

उत्पाद की रूपरेखा 111

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110 049

सूचना

सूचित किया जाता है कि **भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड** के सदस्यों की 39वीं वार्षिक सामान्य बैठक मंगलवार, 30 सितम्बर, 2003 को 10.00 बजे (पूर्वाह्न) फिक्की सभागार, बाराखम्भा रोड (तानसेन मार्ग), नई दिल्ली-110001, में आयोजित की जाएगी, जिसका कार्यक्रम निम्नानुसार है :

सामान्य कार्यक्रम

1. कंपनी के 31 मार्च, 2003 के लेखापरीक्षित तुलन-पत्र, उस तारीख् को समाप्त वर्ष के लाभ एवं हानि लेखा और उस पर निदेशकों एवं लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट को प्राप्त करना, उस पर विचार करना और उन्हें स्वीकार करना।
2. लाभांश की घोषणा करना।
3. श्री ए.सी.वधावन के स्थान पर निदेशक की नियुक्ति करना, जो चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्र होने पर पुनःनियुक्ति के लिए अपना नाम प्रस्तावित करेंगे।
4. डॉ. आनंद पाटकर के स्थान पर निदेशक की नियुक्ति करना, जो चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्र होने पर पुनःनियुक्ति के लिए अपना नाम प्रस्तावित करेंगे।
5. श्री जी.पी.गुप्ता के स्थान पर निदेशक की नियुक्ति करना, जो चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्र होने पर पुनःनियुक्ति के लिए अपना नाम प्रस्तावित करेंगे।
6. लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक निर्धारित करना।

विशेष कार्यक्रम

7. निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उपयुक्त समझे जाने पर आशोधन करके या बिना आशोधन के इसे **सामान्य संकल्प** के रूप में पारित करना :

   ''संकल्प किया जाता है कि श्री ईशान शंकर, जिन्हें कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 के साथ पठित कंपनी के अन्तर्नियम के अनुच्छेद 67 के अनुसरण में कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जो इस वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक इस पद पर मौजूद हैं और जिनके संबंध में कंपनी ने स्वयं निदेशक की ओर से लिखित रूप में नोटिस प्राप्त किया है, जो कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के उपबंधों के अनुसरण में है, को एतद्द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।''

8. निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उपयुक्त समझे जाने पर आशोधन करके अथवा बिना आशोधन के इसे **सामान्य संकल्प** के रूप में पारित करना :

   ''संकल्प किया जाता है कि ए.दीदार सिंह, जिन्हें कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 260 के साथ पठित कंपनी के अन्तर्नियम के अनुच्छेद 67 के अनुसरण में कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जो इस वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक इस पद पर मौजूद हैं तथा जिनके संबंध में कंपनी ने स्वयं निदेशक से लिखित रूप में नोटिस प्राप्त किया है, जो कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 257 के उपबंधों अनुसरण में है, को एतद्द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाता है।''

निदेशक मंडल के आदेश से

ह./-
(एन.के.सिन्हा)
कंपनी सचिव

नई दिल्ली
दिनांक : 29 अगस्त, 2003
पंजीकृत कार्यालय
बीएचईएल हाऊस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली-110049

टिप्पणियां :

1. बैठक में उपस्थित होने और मतदान के लिए हकदार सदस्य अपने स्थान पर उपस्थित होने और मतदान के लिए प्रतिनिधि नियुक्त करने के लिए हकदार हैं और इस प्रतिनिधि का कंपनी का सदस्य होना आवश्यक नहीं है। विधिवत भरा हुआ प्रतिनिधि फार्म वार्षिक सामान्य बैठक के निर्धारित समय से कम से कम अड़तालीस घंटे (48 घंटे) पूर्व कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा करा दिया जाना चाहिए। खाली (ब्लैंक) प्रतिनिधि फार्म संलग्न है।

2. उपर्युक्त विशेष कार्यक्रम के संबंध में कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 173(2) के अनुसरण में संगत व्याख्यात्मक विवरण संलग्न है।

3. नियुक्ति और पुनःनियुक्ति के लिए प्रस्तावित प्रत्येक निदेशक का संक्षिप्त जीवनवृत्त निदेशक रिपोर्ट के **अनुबंध-5** में दिया गया है।

4. श्री ए.सी.वधावन, डॉ. आनंद पाटकर और श्री जी.पी.गुप्ता, कंपनी के निदेशक चक्रानुक्रम में सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्र होने के कारण उन्होंने पुनःनियुक्ति के लिए स्वयं का प्रस्ताव किया है। तथापि, उनकी नियुक्ति की शर्तों के अनुसार श्री ए.सी.वधावन और डॉ. आनंद पाटकर की सेवावधि दिनांक 14.06.2004 तक और श्री जी.पी.गुप्ता की नियुक्ति की दिनांक 13.08.2004 तक है।

5. सदस्य पंजी और कंपनी की शेयर अंतरण बहियां सदस्यों द्वारा अनुमोदित लाभांश, यदि कोई है, के भुगतान के लिए 10 सितम्बर, 2003 से 30 सितम्बर, 2003 तक (दोनों दिनों सहित) बंद रहेंगी।

6. सदस्यों को सुझाव दिया जाता है कि वे अपनी इलेक्ट्रानिक क्लियरिंग सर्विसेज (ईसीएस) अधिदेश विधिवत भरे हुए और हस्ताक्षरित फार्म (वार्षिक रिपोर्ट में कहीं भी दिया गया हो) में प्रस्तुत करें।

7. 31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशक मंडल द्वारा इक्विटी शेयरों पर सिफारिश किया गया लाभांश कंपनी की वार्षिक सामान्य बैठक में मंजूर हो जाने पर, सदस्यों द्वारा लाभांश की घोषणा की तारीख से 30 दिन के अंदर अर्थात 29 अक्तूबर, 2003 को या इसके पूर्व उन शेयरधारकों को संदेय होगा, जिनके नाम कंपनी की सदस्य पंजी में मौजूद होंगे या जिनके नाम मंगलवार, 10 सितम्बर, 2003 को जमाकर्ता के रिकार्डों में शेयरों के हिताधिकारी स्वामी के रूप में दर्ज होंगे।

8. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205ग के साथ पठित धारा 205क के अनुसरण में लाभांश की राशियां, जो कि 7 वर्षों से अप्रदत्त/अदावाकृत हैं, केन्द्रीय सरकार के निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में अंतरित की जानी अपेक्षित हैं। तत्पश्चात उक्त राशि पर सदस्यों का कोई दावा नहीं रह जाएगा। तदनुसार वित्तीय वर्ष 1995-96 का देय लाभांश, जो कि अदावाकृत है, 29 सितम्बर, 2003 के बाद और 1996-97 के बाद के वर्षों के लिए उनकी क्रमशः नियत तारीखों को उक्त खाते में अंतरित कर दिया जाए।

   जिन सदस्यों ने 31.3.1996 को समाप्त वित्तीय वर्ष अथवा बाद के किसी वित्तीय वर्ष (वर्षों) के लिए अपने लाभांशों को नकदीकृत नहीं कराया है वे निर्दिष्ट 7 वर्ष की अवधि समाप्त होने से पहले उनका भुगतान प्राप्त करने के लिए कंपनी से संपर्क करें।

9. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 109क के संदर्भ में सदस्य फार्म 2बी (वार्षिक रिपोर्ट में अन्यत्र दिया गया है) में उस व्यक्ति को नामित करके नामांकन सुविधा का लाभ उठा सकते हैं, जिन्हें सदस्य की मृत्यु होने पर कंपनी में उसके शेयर प्राप्त होंगे।

10. धारा 619(2) के अनुसरण में, सरकारी कंपनी के लेखापरीक्षक की नियुक्ति/पुनःनियुक्ति भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक द्वारा की जाएगी और धारा 224 की उप-धारा (8) के खंड (कक) के संदर्भ में उनका पारिश्रमिक वार्षिक सामान्य बैठक में कंपनी द्वारा नियत किया जाएगा। वर्ष 2003-2004 के लिए कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों की नियुक्ति भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक द्वारा अभी की जानी है। सामान्य बैठक बोर्ड को प्राधिकृत कर सकती है कि वह कार्य की मात्रा में वृद्धि और वर्तमान मुद्रास्फीति पर विचार करने के बाद 2003-2004 के लिए लेखापरीक्षकों का समुचित पारिश्रमिक निर्धारित करें।

11. कारपोरेट सदस्य को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित तभी माना जाएगा जबकि वह कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 187 के अनुसार प्रतिनिधित्व करे, अर्थात यदि कारपोरेट सदस्य वार्षिक सामान्य बैठक में उपस्थित होने और मतदान करने के लिए अपना प्रतिनिधि प्राधिकृत करते समय बोर्ड के संकल्प/मुख्तारनामे की प्रमाणित प्रति प्रेषित करें।

12. सदस्यों से अनुरोध है कि उनके पते में कोई परिवर्तन होने पर निम्नलिखित को तत्काल सूचित करें:

    क) इलेक्ट्रॉनिक शेयर लेखे के संबंध में अपने निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) सहभागियों को, और

    ख) प्रत्यक्ष शेयरों के संबंध में कंपनी को इसके पंजीकृत कार्यालय में, जिसमें उनके फोलियो नं., बैंकर के नाम तथा खाता संख्या का भी उल्लेख किया जाए ताकि लाभांश वारंट तुरंत और सुरक्षित स्थिति में प्राप्त किए जा सकें।

13. बैठक में उपस्थित होने वाले सदस्यों से अनुरोध है कि वे संलग्न हाजिरी पर्ची को भरकर बैठक के स्थान पर प्रवेश के समय प्रस्तुत करें। तथापि, सभागार में प्रवेश उस स्थान पर काउंटरों पर उपलब्ध प्रवेश-पत्र के आधार पर ही होगा, जो हाजिरी-पर्ची के बदले में दिया जाएगा।

14. कंपनी के लेखों और प्रचालन के बारे में जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक सदस्यों से अनुरोध है कि वे बैठक की तारीख से कम से कम एक सप्ताह पूर्व कंपनी को अपने प्रश्न (क्वेरीज) भेजें ताकि अपेक्षित जानकारी बैठक में तुरंत उपलब्ध कराई जा सके।

15. सदस्यों से अनुरोध है कि वे :

(i) बैठक के समय वार्षिक रिपोर्ट,नोटिस और हाजिरी पर्ची की अपनी प्रतियां लाएं।

(ii) सभी पत्राचारों में अपनी फोलियो संख्या लिखें।

(iii) सुरक्षा की दृष्टि से सभागार के अंदर ब्रीफकेस अथवा बैग ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(iv) यह नोट करें कि वार्षिक सामान्य बैठक में कोई उपहार नहीं दिया जाएगा।

निदेशक मंडल के आदेश से
ह./-
(एन.के.सिन्हा)
कंपनी सचिव

नोटिस का अनुबंध

कंपनी अधिनियम,1956 की धारा 173(2) के अनुसरण में व्याख्यात्मक विवरण

निम्नलिखित व्याख्यात्मक विवरण में दिनांक 29 अगस्त,2003 के संलग्न नोटिस की मद संख्या 7 और 8 में उल्लिखित कार्यक्रम से संबंधित वास्तविक तथ्यों का उल्लेख है।

मद संख्या 7

59-वर्षीय श्री ईशान शंकर मैकेनिकल इंजीनियर हैं। भारत सरकार के निदेशानुसार,श्री ईशान शंकर को दिनांक 10 अक्तूबर,1997 से पांच वर्षों के लिए कंपनी का निदेशक (कार्मिक) [अब निदेशक (मानव संसाधन)] नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्हें प्रत्येक क्रमशः 9 अक्तूबर,2002 और 9 जनवरी,2003 के बाद तीन महीने की अवधि के लिए सेवा विस्तार किया गया था। भारत सरकार ने आगे 29 फरवरी,2004 अर्थात 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर उनकी अधिवर्षिता की तारीख तक उनका सेवाकाल बढ़ा दिया। इस प्रकार नियुक्त किए जाने के कारण श्री ईशान शंकर कंपनी के अन्तर्नियम के अनुच्छेद 67(iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम,1956 की धारा 260 द्वारा आगामी वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक इस पद पर हैं और पुनःनियुक्ति के पात्र हैं।

कंपनी अधिनियम,1956 की धारा 257 के अनुसार कंपनी ने स्वयं निदेशक से 500/-रुपए की जमाराशि के साथ लिखित रूप में नोटिस प्राप्त किया है,जिसमें उन्होंने कंपनी के निदेशक पद के लिए अपना नाम प्रस्तावित किया है।

श्री ईशान शंकर को छोड़कर कंपनी का कोई भी निदेशक उस संकल्प से किसी भी प्रकार संबद्ध नहीं है अथवा इसके लिए इच्छुक नहीं है।

निदेशक मंडल शेयरधारकों से इस संकल्प के अनुमोदन की सिफारिश करता है।

मद संख्या 8

51-वर्षीय श्री ए.दीदार सिंह,भारत सरकार,भारी उद्योग और सरकारी उद्यम मंत्रालय,भारी उद्योग विभाग में संयुक्त सचिव हैं। भारत सरकार के निर्देशानुसार श्री दीदार सिंह को श्री एस.वी.भावे के स्थान पर दिनांक 10.03.2003 से कंपनी का निदेशक नियुक्त किया गया था। इस प्रकार नियुक्त किए जाने के कारण श्री दीदार सिंह कंपनी के अन्तर्नियम के अनुच्छेद 67(iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम,1956 की धारा 260 द्वारा आगामी वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक इस पद पर हैं और पुनःनियुक्ति के पात्र हैं।

कंपनी अधिनियम,1956 की धारा 257 के अन्तर्गत कंपनी ने स्वयं निदेशक से 500/-रुपए की जमाराशि के साथ लिखित रूप में एक नोटिस प्राप्त किया है,जिसमें उन्होंने कंपनी के निदेशक पद के लिए अपना नाम प्रस्तावित किया है।

श्री ए. दीदार सिंह को छोड़कर कंपनी का कोई निदेशक इस संकल्प से किसी भी प्रकार से संबद्ध नहीं है अथवा इसके लिए इच्छुक नहीं है।

निदेशक मंडल शेयरधारकों से इस संकल्प के अनुमोदन की सिफारिश करता है।

निदेशक मंडल के आदेश से
ह./-
नई दिल्ली **(एन.के.सिन्हा)**
दिनांक : 29 अगस्त,2003 **कंपनी सचिव**

पंजीकृत कार्यालय : ''बीएचईएल हाउस'' सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110049

बीएचईएल एक दृष्टि में

(मिलियन रुपए में)

	2001-02	2002-03	परिवर्तन (%)
कुल कारोबार	72866	74822	2.68
मूल्यवर्धन	30740	32475	5.64
कर्मचारी (संख्या)	47516	46855	-1.39
कर–पूर्व लाभ	6628	8024	21.06
कर–पश्चात लाभ	4679	4445	-5.00
लाभांश	979	979	0.00
लाभांश–कर	0	125	---
प्रतिधारित अर्जन	3700	3341	-9.70
कुल परिसंपत्तियां	92950	95879	3.15
निवल मूल्य	42203	47082	11.56
कुल उधार	6658	5310	-20.25
ऋण : इक्विटी	0.16	0.11	-31.25
प्रति शेयर (रुपए में)			
- निवल मूल्य	172.43	192.36	11.56
- अर्जन	19.12	18.16	-5.02
- लाभांश	4.00	4.00	0.00
			(मिलियन अमरीकी डालर में)
कुल कारोबार	1503	1581	5.19
कर–पूर्व लाभ	137	169	23.36
कर–पश्चात लाभ	97	94	-3.09

रूपांतरण दरें (31 मार्च को दरें)

1 अमरीकी डालर = वर्ष 2001–2002 के लिए 48.47 रुपए

1 अमरीकी डालर = वर्ष 2002–2003 के लिए 47.34 रुपए

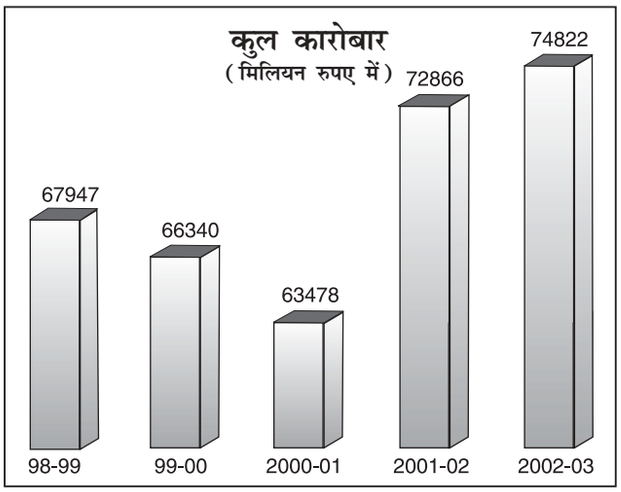
कुल कारोबार
(मिलियन रुपए में)
67947
66340
63478
72866
74822
98-99
99-00
2000-01
2001-02
2002-03

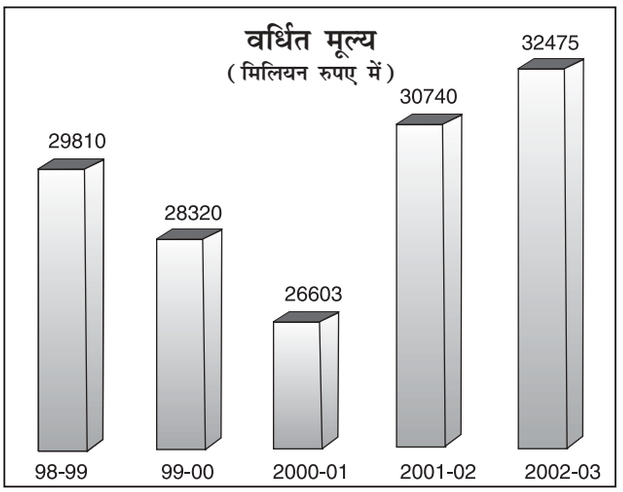
वर्धित मूल्य
(मिलियन रुपए में)
29810
28320
26603
30740
32475
98-99
99-00
2000-01
2001-02
2002-03

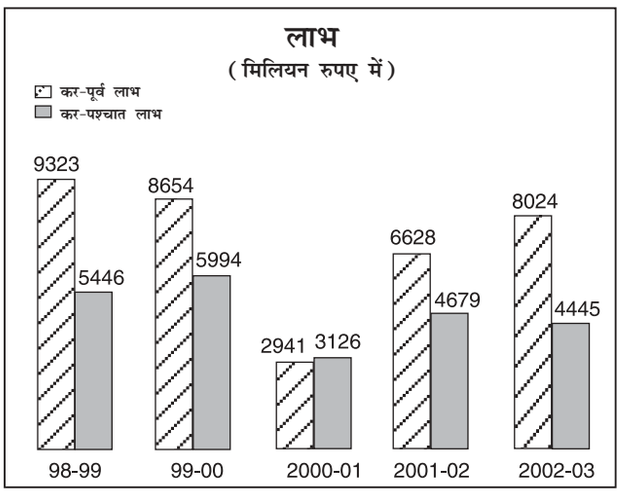
लाभ
(मिलियन रुपए में)
कर-पूर्व लाभ
कर-पश्चात लाभ
9323
5446
8654
5994
2941
3126
6628
4679
8024
4445
98-99
99-00
2000-01
2001-02
2002-03

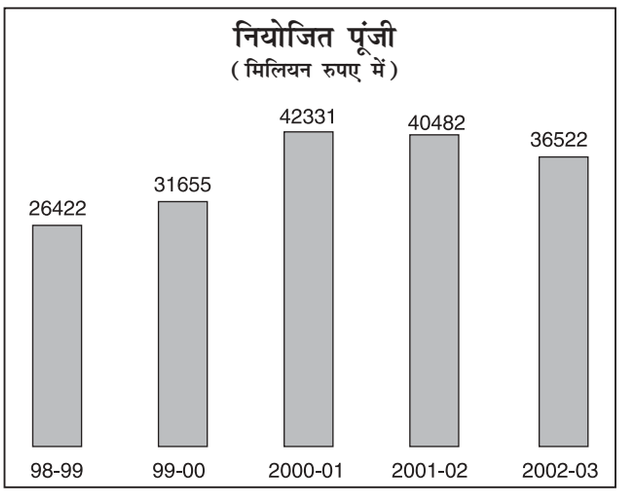
नियोजित पूंजी
(मिलियन रुपए में)
26422
31655
42331
40482
36522
98-99
99-00
2000-01
2001-02
2002-03

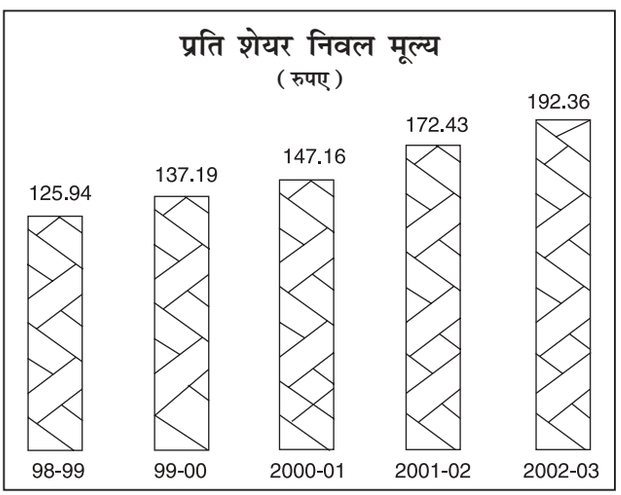
प्रति शेयर निवल मूल्य
(रुपए)
125.94
137.19
147.16
172.43
192.36
98-99
99-00
2000-01
2001-02
2002-03

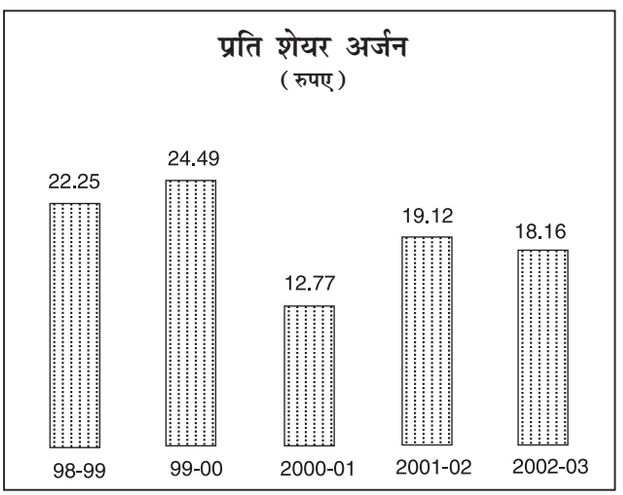
प्रति शेयर अर्जन
(रुपए)
22.25
24.49
12.77
19.12
18.16
98-99
99-00
2000-01
2001-02
2002-03

पांच वर्षों का सार

(मिलियन रुपए में)

	2002-03	2001-02	2000-01	1999-2000	1998-99
I आय					
उत्पादों की बिक्री व ग्राहकों को सेवाएं	74822	72866	63478	66340	67947
अन्य आय	5087	4940	5054	4704	5433
स्टॉक में परिवर्तन	-453	-373	2507	-237	823
कुल अर्जन	79456	77433	71039	70807	74203
सामग्री	31604	33068	30496	28120	30495
कर्मचारियों को भुगतान	15046	14446	21702*	11330	12416
अन्य विनिर्माण, प्रशासनिक एवं बिक्री व्यय	22380	20629	13884**	20951	20204
ब्याज तथा मूल्यह्रास से पहले के व्यय	69030	68143	66082	60401	63115
मूल्यह्रास ब्याज और कर से पहले का लाभ	10426	9290	4957	10406	11088
मूल्यह्रास	1854	1692	1578	1535	1432
सकल लाभ	8572	7598	3379	8871	9656
ब्याज	548	970	438	217	333
कर–पूर्व लाभ	8024	6628	2941	8654	9323
कर के लिए प्रावधान	3579	1949	-185	2660	3877
कर–पश्चात लाभ	4445	4679	3126	5994	5446
लाभांश (लाभांश कर सहित)	1104	979	809	855	679
प्रतिधारित लाभ	3341	3700	2317	5139	4767

* इसमें 1.1.1997 से 31.3.2000 तक का 7078 मिलियन रुपए का वेतन संबंधी संशोधन का बकाया शामिल है।

** 5140 मिलियन रुपए वेतन बकाया के संबंध में किया गया प्रावधान समाप्त करने के बाद।

II कंपनी की निजी संपत्तियां					
सकल ब्लॉक	33493	31820	30040	28109	26573
घटाएं : संचित मूल्यह्रास और पट्टा समायोजन	21788	20054	18614	17230	15948
निवल ब्लॉक	11705	11766	11426	10879	10625
पूंजीगत चालू कार्य	587	567	612	724	733
निवेश	103	103	103	103	151
चालू परिसंपत्तियां, ऋण तथा अग्रिम	83484	80514	75762	70190	65385
कुल परिसंपत्तियां	95879	92950	87903	81896	76894
III कंपनी की देनदारियां					
उधार (पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के क्रेडिट सहित)	5310	6658	10256	2407	1701
चालू देयताएं एवं प्रावधान	47561	47135	41630	45911	44368
कुल देयताएं	52871	53793	51886	48318	46069
IV कंपनी का निवल मूल्य					
शेयर पूंजी	2448	2448	2448	2448	2448
प्रारक्षित निधि तथा अधिशेष	45589@	42248	35856	33539	28400
घटाएं : आस्थगित राजस्व व्यय	955	2493	2286	2409	23
निवल मूल्य	47082	42203	36018	33578	30825
V नियोजित पूंजी	36522	40482	42331	31655	26422
VI वर्धित मूल्य	32475	30740	26603	28320	29810
VII अनुपात					
परिसंपत्तियों पर पीबीडीआईटी (%) #	11.0%	10.3%	5.8%	13.1%	15.0%
नियोजित पूंजी पर सकल लाभ (%)#	22.3%	18.3%	9.1%	30.5%	37.4%
प्रति शेयर अर्जन (रुपए)	18.16	19.12	12.77	24.49	22.25
प्रति शेयर निवल मूल्य (रुपए)	192.36	172.43	147.16	137.19	125.94
चालू अनुपात	1.76	1.71	1.82	1.53	1.47
कुल ऋण/इक्विटी	0.11	0.16	0.28	0.07	0.05

@ आस्थगित कर परिसंपत्तियों के लिए 4074 मिलियन रुपए (पिछले वर्ष 3046 मिलियन रुपए) शामिल हैं।

औसत परिसंपत्तियों एवं नियोजित पूंजी के आधार पर।

निदेशकों की रिपोर्ट

आपके निदेशक 31 मार्च,2003 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षित लेखों के साथ अपनी 39वीं वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करते हैं।

कार्य-निष्पादन विशिष्टताएं

आपकी कंपनी ने वर्ष 2002-2003 में एक और सफलतापूर्वक वर्ष पूरा कर लिया है और 4445 मिलियन रुपए का निवल लाभ दर्ज किया है। कंपनी का निवल मूल्य 2001-2002 में 42203 मिलियन रुपए से बढ़कर 2002-2003 में 47082 मिलियन रुपए हो गया है,जो कि 11.56 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। प्रति शेयर निवल परिसंपत्ति मूल्य वर्ष 2001-2002 में 172.4 रुपए की तुलना में वर्ष 2002-2003 में 192.4 रुपए हो गया है।

वर्ष 2002-2003 के कार्यनिष्पादन की मुख्य विशिष्टताएं निम्नानुसार हैं :

(मिलियन रुपए में)

	2002-2003	2001-2002	द्वारा वृद्धि/कमी
कुल कारोबार	74822	72866	2.68%
कर–पूर्व लाभ	8024	6628	21.06%
कर–पश्चात लाभ	4445	4679	-5.00%
प्रति शेयर निवल परिसंपत्ति मूल्य (रुपए)	192.4	172.4	11.56%
प्राप्त ऑर्डर	112270	98553	13.92%

इराक में युद्ध के कारण 1249 मिलियन रुपए मूल्य के उपस्कर का पोतलदान नहीं होने से कुल कारोबार प्रभावित हुआ था। वर्ष 2002-2003 के दौरान 112.270 मिलियन रुपए के आदेश प्राप्त हुए। यह वर्ष लगभग 158,000 मिलियन रुपए की उल्लेखनीय आर्डर प्राप्ति से समाप्त हुआ,जो वर्ष 2003-2004 और उसके आगे निष्पादन के लिए उपलब्ध था।

वर्ष के लिए लाभ का विनियोजन संबंधी ब्यौरा निम्नानुसार है :

(मिलियन रुपए में)

	2002-2003	2001-2002
कर–पश्चात लाभ	4445	4679
जोड़ें : - पिछले वर्ष से लाए गए लाभ का शेष	190	–
- विदेशी परियोजना प्रारक्षित निधि से अंतरण	68	49
	4703	4728
विनियोजन :		
- विदेशी परियोजना प्रारक्षित निधि	12	10
- बांड शोधन प्रारक्षित निधि	1000	1000
- लाभांश - प्रस्तावित	979	979
- कारपोरेट लाभांश कर	125	–
- सामान्य प्रारक्षित निधि में अंतरण	2068	2549
- तुलन–पत्र में अग्रेनीत	519	190
	4703	4728

वर्ष 2002-2003 के लिए 2447.60 मिलियन रुपए की चुकता पूंजी पर 40 प्रतिशत लाभांश अर्थात 979 मिलियन रुपए की राशि की सिफारिश की गई है,जो उसी स्तर पर है,जिसकी घोषणा वर्ष 2001-2002 के लिए की गई थी। इसके अतिरिक्त,उस पर कारपोरेट लाभांश कर के लिए 125 मिलियन रुपए का प्रावधान किया गया है।

समझौता ज्ञापन के लक्ष्य की तुलना में वर्ष के दौरान प्रचालन

वर्ष 2001-2002 में बीएचईएल का कार्यनिष्पादन भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के संदर्भ में ''उत्कृष्ट'' आंका गया है। वर्ष 2002-2003 के लिए रेंटिंग का मूल्यांकन किया जा रहा है।

राजभाषा कार्यान्वयन

बीएचईएल के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों/यूनिटों में राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है। सभी समितियों की बैठक नियमित रूप से होती है और हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए समुचित कदम उठाए जाते हैं। कंपनी की नियम-पुस्तकाएं द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं। वार्षिक रिपोर्ट,समझौता ज्ञापन,कार्यनिष्पादन बजट,राजस्व बजट,प्रेस विज्ञप्ति,विज्ञापन, पदोन्नति आदेश, कैलेंडर और डायरियां भी द्विभाषी रूप में प्रकाशित किए जाते हैं।

बीएचईएल हिन्दी समन्वयकर्ताओं की वार्षिक बैठक में कम्प्यूटर पर हिन्दी के संवर्धन और हिन्दी को बढ़ावा देने में सूचना प्रौद्योगिकी के अधिकतम प्रयोग के लिए एक विशेष प्रस्तुतिकरण दिया गया था। राजभाषा को प्रोत्साहित करने के लिए कार्योन्मुखी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। इन प्रतियोगिताओं के अधीन कर्मचारियों द्वारा हिन्दी में किए गए कार्य का प्रत्येक तिमाही के अंत में मूल्यांकन किया गया था और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया था। हिन्दी में कार्य करने के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने हेतु कई हिन्दी कार्यशालाएं आयोजित की गई थीं। इसके अतिरिक्त एक कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया था।

माननीय प्रधानमंत्री के निर्देशों के अनुसरण में ''हिन्दी में किए गए प्रशंसनीय कार्यों'' के लिए कर्मचारियों की गोपनीय रिपोर्टों में प्रविष्टियां की जा रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक समझौते में भागीदारी

'वैश्विक समझौता' संयुक्त राष्ट्र,व्यापारिक समुदाय,अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक और गैर-सरकारी संगठनों के बीच एक भागीदारी है। यह एक साथ कार्य करने और सहयोग के माध्यम से कारपोरेट पद्धतियों में सुधार लाने के लिए उन्हें एक मंच प्रदान करता है। बीएचईएल 'वैश्विक समझौता' में शामिल हुआ है और यह उसे और अपने नौ सिद्धांतों में प्रतिष्ठापित मूल मान्यताओं के सेट को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। निम्नलिखित एक संक्षिप्त विवरण कि कंपनी ने वर्ष 2002-2003 के दौरान अपने 9 सिद्धांतों में से प्रत्येक पर कैसे ध्यान दिया है।

मानवाधिकार

(1) *कारोबार को अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रमाणित मानवाधिकारों के संरक्षण को समर्थन और सम्मान देना चाहिए;*

मानवाधिकार के सिद्धांतों, भारत के संविधान, श्रम कानून आदि को ध्यान में रखते हुए कंपनी की नीतियां सतर्कतापूर्वक तैयार की गई हैं।

(2) *यह सुनिश्चित करें कि वे मानवाधिकारों के दुरूपयोग के साथ संयोजित नहीं हो।* कंपनी द्वारा किसी भी तरीके से मानवाधिकार के दुरूपयोग का कोई उदाहरण नहीं है।

श्रम मानक

(3) *कारोबार को संघ की स्वतंत्रता और सामूहिक समझौते के अधिकार की प्रभावी मान्यता बनाई रखनी चाहिए।*

भारत सरकार ने कामगार वर्ग के पर्याप्त हित संरक्षण के लिए कई कानून अधिनियमित किए हैं। इन कानूनों का बीएचईएल में सख्ती से पालन किया जाता है। सभी यूनिट प्रमुखों से विभिन्न कानूनों के अनुपालन के बारे में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अपेक्षा होती है। ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि श्रमिकों का हित संरक्षण हो। इसके अतरिक्त, बीएचईएल में कामगारों के लिए कई द्विपक्षीय मंच हैं, जहां कामगारों से संबंधित मुद्दों/समस्याओं पर विचार-विमर्श किया और उनका निपटारा किया जाता है। बीएचईएल में एक शीर्ष स्तर द्विपक्षीय मंच भी है, जिसमें केन्द्रीय मजदूर संघ संग्ठनों, जिनसे यूनियन संबद्ध हैं, के साथ बीएचईएल की सभी यूनिटों के प्रतिनिधि होते हैं, का प्रतिनिधित्व कामगार द्वारा और प्रबंध का प्रतिनिधित्व विभिन्न यूनिट प्रमुखों के साथं अध्यक्ष और कार्यात्मक निदेशकों द्वारा किया जाता है।

(4) *बलपूर्वक और अनिवार्य श्रम के सभी रूपों को हटाना;*

कंपनी बलपूर्वक अथवा अनिवार्य रूप से श्रमिकों को नियोजित नहीं करती।

(5) *बाल श्रम का प्रभावी समापन*

बीएचईएल की भर्ती नीति के अनुसार नियोजन की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है। इस आयु से कम के किसी व्यक्ति को बीएचईएल में नियोजित नहीं किया जा सकता, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि बाल श्रमिकों को बीएचईएल में नियोजित नहीं किया जाता।

(6) *रोजगार और व्यवसाय के संबंध में भेदभाव दूर करना।*

कंपनी में नियमो का समस्या सेट (कार्मिक नीति) है जो लिंग, जाति, धर्म, वंश आदि पर ध्यान दिए बिना सभी कर्मचारियों पर लागू होती है।

पर्यावरण

(7) *कारोबार को पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के प्रति एक निवारक दृष्टिकोण का समर्थन करना चाहिए।*

कंपनी ने पर्यावरण के लिए नीति निर्धारित की हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानक आईएसओ 14001 के अनुरूप प्रबंध प्रणालियों के माध्यम से उसे कार्यान्वित किया है। मैसर्स डेट नॉर्क वेरिटास (डीएनवी) ने सख्त लेखापरीक्षा के बाद कंपनी की सभी यूनिटों को इस मानक से प्रमाणित किया है।

(8) *अधिक पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का संवर्धन करने के लिए पहल करना।*

वर्ष के दौरान कुछ पहलें कर्मचारियों और आसपास के समुदाय को शामिल करते हुए सामूहिक वनरोपण, वर्षा जल कृषि, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, अपशिष्ट से ऊर्जा का उत्पादन, सक्षम जल प्रबंध आदि थीं।

(9) *पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और विस्तार को प्रोत्साहन।*

कंपनी ने वायु विद्युत जेनरेटर, सौर फोटोवोल्टिक प्रणालियां, सौर उष्मन प्रणालियां, सौर लालटेन और बैटरी चालित सड़क वाहन जैसे अ-पारंपरिक और नवीकरण स्रोतों के क्षेत्र में उत्पादों का विकास और उन्हें प्रदान किया है। कंपनी ने ईंधन सेल और मल्टीजंक्शन एमॉरफस सिलिकॉन सोलर सेल के विकास के लिए अनुसंधान और विकास संबंधी प्रयास किया है।

सतर्कता

बीएचईएल के सतर्कता संगठन के प्रमुख मुख्यतः सतर्कता अधिकारी होते हैं। बीएचईएल की प्रत्येक यूनिट/क्षेत्र में कार्यात्मक रूप से मुख्य सतर्कता अधिकारी को रिपोर्ट करने वाले वरिष्ठ सतर्कता कार्यपालक के नेतृत्व में एक स्वतंत्र सतर्कता ढांचा होता है।

वर्ष 2002-2003 के दौरान बीएचईएल का बल निवारक सतर्कता पर था। बीएचईएल की सभी यूनिटों/क्षेत्रीय कार्यालयों में नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठी, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं और नैतिक मूल्यों पर भाषण आयोजित किए गए थे। मौजूदा प्रणालियों और कार्यविधियों को सुधारने की दृष्टि से प्रणाली अध्ययन भी किए गए थे। विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले कार्यपालकों के साथ पारस्परिक चर्चा सत्र भी आयोजित किए गए ताकि उन्हें सतर्कता के प्रति जागरूक किया जा सके और कंपनी के नियमों, कार्यविधियों और नीतियों के बारे में उनकी जानकारी बढ़ाई जा सके। बीएचईएल के सतर्कता विभाग ने सतर्कता, जांच सूची और अन्य संबद्ध क्षेत्रों पर अनेक लेखों से युक्त अपनी वार्षिक पत्रिका 'दिशा' का दूसरा अंक भी प्रकाशित किया।

यह महसूस किया गया कि कंपनी के विभिन्न प्रचालन क्षेत्रों में पारदर्शिता उपायों के कार्यान्वयन के माध्यम से सतर्कता संबंधी कई उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है। अतएव, बीएचईएल के सतर्कता विभाग ने कंपनी के प्रचालन विशेषकर ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं के संपर्क क्षेत्रों में पारदर्शिता की वृद्धि के लिए उत्प्रेरक की भूमिका निभाई। वर्ष के दौरान कंपनी की मुख्य यूनिटों ने ऐसे सॉफ्टवेयर पैकेज विकसित किए, जिनसे ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं के साथ सूचना का आदान-प्रदान सुविधाजनक हुआ। यूनिटों में सतर्कता संबंधी ''वेब पेज'' सृजित किए गए थे।

रिपोर्ट के अधीन वर्ष के दौरान बीएचईएल के सतर्कता विभाग ने अन्वेषण के कई मामले भी हाल में लिए। जहां कहीं भी अन्वेषण से कंपनी के अधिकारियों में कमी/अनियमितता पाई गई, वहां उपयुक्त अनुशासनिक कार्यवाही की सिफारिश की गई, जिसके परिणामस्वरूप दंड अधिरोपित किए गए। आकस्मिक/नैमेत्तिक निरीक्षणों को भी विधिवत महत्व दिया गया था, जिसके परिणमस्वरूप कुछ गंभीर कमियों का पता चला, जिन्हें अन्वेषण के लिए हाथ में लिया गया।

वर्ष 2002-2003 के दौरान बीएचईएल के सतर्कता विभाग द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी का व्यापक प्रयोग किया गया। कर्मचारियों के लाभ के लिए सूचना की भागीदारी, नियम, नीतियों और परिपत्रों आदि के प्रदर्शन के लिए सतर्कता ''होम पेज'' सृजित किया गया था। सतर्कता संबंधी सभी मामलों से संबंधित सूचना के ऑन-लाइन संग्रहण और प्रक्रियान्वयन के लिए वर्ष के दौरान एक वेब-आधारित सतर्कता प्रबंध सूचना प्रणाली भी विकसित की गई थी।

सुरक्षा

कंपनी की एक सुपरिभाषित सुरक्षा पद्धति है। कंपनी के अधिकांश बड़े संयंत्रों की सुरक्षा का प्रबंध केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल द्वारा किया जा रहा है। कुछ छोटे संयंत्रों में कंपनी की अपनी सुरक्षा व्यवस्था है, जबकि अन्य संयंत्रों, कारपोरेट कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में केन्द्रीय पुलिस संगठनों से प्रतिनियुक्ति पर लिए गए कार्मिकों द्वारा सुरक्षा प्रबंध किया जाता है। परियोजना कार्यस्थलों में आवश्यकतानुसार निजी सुरक्षा कार्मियों की व्यवस्था की जाती है। हाल ही में, एक छोटी यूनिट अर्थात रूद्रपुर ने भूतपूर्व-सैन्य कार्मिकों द्वारा प्रबंधित निजी सुरक्षा कंपनी (उत्तर प्रदेश भूतपूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड) की सेवाएं ली हैं।

बड़े संयंत्रों की सुरक्षा लेखापरीक्षा आवधिक रूप से आसूचना ब्यूरो द्वारा की जा रही है और जहां कहीं भी उनके द्वारा इंगित किया जाता है अतिरिक्त सुरक्षोपाय का संबंधित यूनिटों द्वारा तत्काल अनुपालन किया जाता है। चूंकि आसूचना ब्यूरो द्वारा सुरक्षा लेखापरीक्षा पर्याप्त समयान्तराल पर किया जाता है इसलिए हैदराबाद, हरिद्वार, भोपाल, त्रिची, कारपोरेट अनुसंधान और विकास, हैदराबाद और इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन, बंगलौर संयंत्र की आंतरिक सुरक्षा समीक्षाएं भी की गई थीं। इन समीक्षाओं में पिछली समीक्षा के बाद सामने आए सुरक्षा संबंधी अतिरिक्त खतरों और ऐसे नए खतरों के लिए अपेक्षित प्रत्युत्तर पर भी विस्तृत चर्चा की गई थी और मौजूदा सुरक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए कई निर्णय लिए गए थे।

प्रबंधन, सुरक्षा स्टाफ और कंपनी के कर्मचारीगण कंपनी की सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के प्रति पूर्णतः जागरूक हैं।

निदेशकों की रिपोर्ट का अनुबंध

प्रबंध चर्चा और विश्लेषण

प्रबंध चर्चा और विश्लेषण पर एक रिपोर्ट **अनुबंध-1** में दी गई है।

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में उल्लिखित बिन्दुओं के उत्तर और उनका अनुबंध तथा टिप्पणियां और ''भारत के नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक द्वारा लेखे की समीक्षा'' **अनुबंध-2** में दिए गए हैं।

अन्य प्रकटन

ऊर्जा के संरक्षण, प्रौद्योगिकी आत्मसातकरण और विदेशी मुद्रा अर्जन तथा व्यय से संबंधित कंपनी (निदेशक मंडल की रिपोर्ट में ब्यौरों का प्रकटन) नियमावली, 1998 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(1)(ङ) के उपबंधों के अनुसार सूचना **अनुबंध-3** में दी गई है।

कारपोरेट अभिशासन पर 'सेबी' द्वारा निर्धारित सूचीकरण करार के खंड 49 के उपबंधों के अनुसार सूचना **अनुबंध-4** में दी गई है।

कंपनी (कर्मचारियों का विवरण) नियमावली, 1975 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(2क) के अधीन निर्धारित सीमाओं से अधिक कंपनी का कोई भी कर्मचारी पारिश्रमिक आहरित नहीं कर रहा है।

निदेशक मंडल

कंपनी के निदेशक मंडल के गठन में पिछली रिपोर्ट से निम्नलिखित परिवर्तन हुए हैं।

नियुक्ति

श्री ईशान शंकर को दिनांक 10 अक्तूबर, 1997 से पांच वर्षों की अवधि के लिए कंपनी के निदेशक (कार्मिक) [अब निदेशक (मानव संसाधन)] के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें इसके बाद क्रमशः 9 अक्तूबर, 2002 और 9 जनवरी, 2003 के बाद प्रत्येक तीन महीने की

अवधि के लिए सेवा विस्तार प्रदान किया गया था। भारत सरकार ने उनकी सेवावधि दिनांक 29 फरवरी, 2004 अर्थात 60 वर्ष की आयु पूरी कर लेने पर उनकी अधिवर्षिता की तारीख तक और बढ़ा दी।

श्री ए.दीदार सिंह, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, भारी उद्योग और सरकारी उद्यम मंत्रालय, भारी उद्योग विभाग को श्री एस.वी.भावे के स्थान पर दिनांक 10 मार्च, 2003 से कंपनी के अंशकालिक सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

कंपनी के अन्तर्नियम के अनुच्छेद 67(iv) के अनुसार, श्री ईशान शंकर और श्री ए.दीदार सिंह कंपनी की आगामी वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख तक निदेशक के रूप में पदधारित करेंगे और पुनःनियुक्ति के पात्र हैं।

सेवा समाप्ति

श्री एस.वी.भावे, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, भारी उद्योग और सरकारी उद्यम मंत्रालय, भारी उद्योग विभाग दिनांक 10 मार्च, 2003 से कंपनी के निदेशक नहीं रहे।

श्री वी.के.मल्होत्रा, अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग का पदभार छोड़ने पर दिनांक 12 जून, 2003 से कंपनी के निदेशक नहीं रहे।

निदेशक मंडल क्रमशः श्री एस.वी.भावे और श्री वी.के.मल्होत्रा की मूल्यवान सेवाओं और योगदान के लिए अपना आभार व्यक्त करता है।

कंपनी के अन्तर्नियम के अनुच्छेद 67(i) के अनुसार श्री ए.सी.वधावन, डॉ. आनंद पाटकर और श्री जी.पी.गुप्ता आगामी वार्षिक सामान्य बैठक में चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होंगे और पात्र होने पर पुनःनियुक्ति के लिए अपना नाम प्रस्तावित करेंगे।

सूचीकरण करार के खंड 49Vi(क) के अनुपालन में नियुक्ति और पुनःनियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों का संक्षिप्त जीवनवृत्त, विशिष्ट कार्यक्षेत्रों में उनकी विशेषज्ञता और उन कंपनियों के नाम, जिनमें वे निदेशक हैं, निदेशकों की रिपोर्ट के **अनुबंध-5** में दिए गए हैं।

निदेशकों का दायित्व संबंधी ब्यौरा

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(2कक) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह पुष्टि की जाती है कि :

(i) 31 मार्च, 2003 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखे तैयार करते समय वास्तविक विपथन की समुचित व्याख्या के साथ-साथ लागू लेखा मानकों का अनुपालन किया गया है।

(ii) निदेशकों ने ऐसी लेखा नीतियां तैयार की हैं और उन्हें निरंतर लागू किया है तथा ऐसे निर्णय और अनुमान किए हैं, जो कि इतने तर्कसंगत और उपयुक्त हैं कि वित्तीय वर्ष 2002-2003 के अंत में कंपनी के कारोबार की स्थिति तथा इस अवधि के दौरान कंपनी के लाभ और हानि का सही और उचित चित्र प्रस्तुत कर सके।

(iii) निदेशकों ने कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और जालसाजी तथा अन्य अनियमितताओं से बचाव एवं उनका पता लगाने के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 के उपबंधों के अनुसार लेखा का समुचित रिकार्ड रखे जाने पर उपयुक्त एवं पर्याप्त ध्यान दिया।

(iv) निदेशकों ने ''गोइंग कन्सर्न'' आधार पर 31 मार्च, 2003 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखा तैयार किया है।

लेखापरीक्षक

कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 2000 के द्वारा यथासंशोधित धारा 619(2) के अनुसरण में किसी सरकारी कंपनी के लेखापरीक्षक की नियुक्ति अथवा पुनःनियुक्ति, जैसा कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 617 में पारिभाषित है, भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक द्वारा की जाएगी। संशोधन अधिनियम, 2000 द्वारा धारा 224 की उप-धारा(8) में समाविष्ट किए गए खंड (कक) के संदर्भ में सरकारी कंपनी के लेखापरीक्षक का पारिश्रमिक कंपनी द्वारा वार्षिक सामान्य बैठक में नियत किया जाएगा। सामान्य बैठक लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक नियत करने के बजाए अपनी ओर से निदेशक मंडल को इसके लिए प्राधिकृत कर सकती है।

आभार

निदेशक मंडल कंपनी के बहुमूल्य भारतीय और विदेशी ग्राहकों को संगठन के प्रति उनके सहयोग एवं विश्वास के लिए हार्दिक धन्यवाद देता है और भविष्य में आपस में सहयोगपूर्ण संबंध बनाए रखने की आशा करता है।

निदेशक मंडल कंपनी के प्रचालन और विकास संबंधी योजनाओं में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेषतः भारी उद्योग विभाग से प्राप्त सहयोग और मार्गदर्शन के लिए भी कृतज्ञतापूर्वक आभार प्रकट करता है। निदेशक मंडल भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक, लेखापरीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष, सांविधिक लेखापरीक्षक और शाखा लेखापरीक्षकों को भी हार्दिक धन्यवाद देता है। कंपनी सभी तकनीकी सहयोगियों और आपूर्तिकर्ताओं, वित्तीय संस्थाओं और बैंकरों द्वारा दिए गए सहयोग की भी प्रशंसा करती है। निदेशक मंडल बीएचईएल परिवार के सभी सदस्यों को भी अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता है, जिनके उत्साह, सहयोग और समर्पण से संतोषजनक कार्यनिष्पादन संभव हो सका।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के
निदेशक मंडन के लिए तथा उनकी ओर से
ह./-
(के.जी. रामचन्द्रन)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 22 अगस्त, 2003

प्रबंध चर्चा एवं विश्लेषण

वित्तीय परिचालन

वर्ष 2001-2002 में 72866 मिलियन रुपए की तुलना में वर्ष 2002-2003 में कुल कारोबार अब तक के सबसे अधिक 74822 मिलियन रुपए तक पहुंच गया, जो 2.68 प्रतिशत की वृद्धि है। आर्डर बुक किए जाने की दिशा में विद्युत क्षेत्र ने वर्ष 2001-2002 में 70903 मिलियन रुपए की तुलना में वर्ष 2002-2003 में 68800 मिलियन रुपए का आर्डर बुक किया,जो 2.97 प्रतिशत की सीमांतिक कमी है। उद्योग क्षेत्र ने वर्ष 2001-2002 में 19650 मिलियन रुपए की तुलना में वर्ष के दौरान 28920 मिलियन रुपए का आर्डर प्राप्त किया,जो 47.18 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वर्ष 2001-2002 में 8000 मिलियन रुपए की तुलना में वर्ष 2002-2003 के दौरान 14550 मिलियन रुपए का निर्यात आदेश बुक किया गया था, जो 81.88 प्रतिशत की वृद्धि है।

वर्ष 2001-2002 के लिए 30740 मिलियन रुपए की तुलना में वर्ष 2002-2003 के लिए मूल्यवर्धन 32475 मिलियन रुपए रहा, जिसने 5.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

वर्ष के लिए कर-पूर्व लाभ 8024 मिलियन रुपए रहा जो वर्ष 2001-2002 में 6628 मिलियन रुपए के कर-पूर्व लाभ की तुलना में 21.06 प्रतिशत अधिक है। उत्पादन के मूल्य (उत्पाद-शुल्क घटाकर) की प्रतिशतता के रूप में सकल मार्जिन वर्ष 2001-2002 में 13.77 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर वर्ष 2002-2003 में 15.21 प्रतिशत हो गया। उत्पादन के मूल्य की प्रतिशतता के रूप में कर-पूर्व लाभ वर्ष 2001-2002 में 9.82 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2002-2003 में 11.70 प्रतिशत हो गया।

4445 मिलियन रुपए का कर-पश्चात लाभ पिछले वर्ष के 4679 मिलियन रुपए के कर-पश्चात लाभ की तुलना में पूर्व वर्षों से संबंधित आयकर के अतिरिक्त प्रावधान के कारण 5 प्रतिशत कम हो गया।

कार्यशील पूंजी के सक्षम प्रबंधन के कारण निवल कार्यशील पूंजी (नकद और बैंक शेष के अतिरिक्त) वर्ष के दौरान 5899 मिलियन रुपए घट गई। कमी में योगदान करने वाले कारक निम्नानुसार हैं :

(क) पिछले वर्ष की तुलना में विविध देनदारों में 5083 मिलियन रुपए की कमी।

(ख) अन्य चालू परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों में 459 मिलियन रुपए की कमी।

(ग) अन्य चालू देयताओं और प्रावधानों में 1769 मिलियन रुपए की वृद्धि।

तथापि, मालसूची में वृद्धि (69 मिलियन रुपए की) ,ग्राहकों से अग्रिम में कमी (938 मिलियन रुपए की) और ऋणदाताओं में कमी (405 मिलियन रुपए की) ने कार्यशील पूंजी में कमी को सीमांतिक रूप से प्रतिसंतुलित कर दिया है।

बिक्री दिवसों की संख्या के रूप में विविध देनदारों में वर्ष 2001-2002 के 230 दिनों से कमी होकर वर्ष 2002-2003 में 199 दिन हो गई। कुल कारोबार में दिनों की संख्या में मालसूची वर्ष 2001-2002 में 100 दिनों से घटकर वर्ष 2002-2003 में 98 दिन रह गई।

वर्ष 2001-2002 में कुल उधार 6658 मिलियन रुपए से घटकर वर्ष 2002-2003 में 5310 मिलियन रुपए हो गया,जो 1348 मिलियन रुपए की कमी है, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2001-2002 में ऋण-इक्विटी अनुपात 0.16 से घटकर वर्ष 2002-2003 में 0.11 हो गया। इक्विटी 2448 मिलियन रुपए रही। निवल मूल्य 4879 मिलियन रुपए से बढ़कर 47082 मिलियन रुपए हो गया। वर्ष के अंत में नकद और बैंक शेष पिछले वर्ष के अंत में 4766 मिलियन रुपए की तुलना में 13209 मिलियन रुपए रहा।

विद्युत क्षेत्र

❑ वर्ष के दौरान विद्युत क्षेत्र ने 3521 मेगावाट उत्पादन उपस्कर, संयंत्र निष्पादन सुधार व्यवसाय,सेवाओं और आंतरिक पुर्जों की आपूर्ति तथा संस्थापन हेतु 68800 मिलियन रुपए मूल्य का आर्डर प्राप्त किया। 1564 मेगावाट के जल विद्युत उपस्कर की आपूर्ति और संस्थापन के लिए वर्ष के दौरान प्राप्त आदेश अब तक का अधिकतम था।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली (आईसीबी) से प्राप्त किए गए आर्डरों सहित प्रमुख आर्डर निम्नलिखित थे :

- **थर्मल (1920 मेगावाट) :**
  - परीछा (2 x 210 मेगावाट) - उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) से पूर्ण विद्युत संयंत्र उपस्कर और पूर्ण सिविल निर्माण कार्य की आपूर्ति,उत्थापन और चालू करने के लिए बातचीत के आधार पर टर्नकी आर्डर।
  - बीरसिंघपुर (1x 500 मेगावाट) - मध्य प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (एमपीएसईबी) से पूर्ण सिविल और संरचनात्मक निर्माण कार्य के अतिरिक्त बॉयलर और टीजी पैकेज,सीएंडआई की आपूर्ति, उत्थापन और चालू करने के लिए बातचीत के आधार पर टर्नकी आर्डर।
  - विंध्याचल (2x500 मेगावाट) - बातचीत के आधार पर बॉयलर और टीजी पैकेज, बीओपी,सीएंडआई आदि के लिए नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एनटीपीसी) से अभी तक का एकमात्र सबसे बड़े मूल्य का आर्डर।
- **गैस-सीसीपी (37 मेगावाट) :**
  - वलंनथरावल सीसीपी (55 मेगावाट) - फ्रेम 6बी जीटी (37 मेगावाट) की आपूर्ति के लिए बातचीत के आधार पर मैसर्स आर्के एनर्जी से आर्डर।
- **जलविद्युत :**
  - परबती एचईपी (4x 200 मेगावाट) - परियोजना के लिए पूर्ण विद्युत-यांत्रिक निर्माण कार्य की डिजाइन,विनिर्माण, आपूर्ति,संस्थापन और चालू करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली (आईसीबी) पर नेशनल हाइड्रो पावर कारपोरेशन (एनएचपीसी) से बीएचईएल द्वारा प्राप्त किया गया पहला मेगा विद्युत परियोजना का आर्डर।

- तुरियल एचईपी (2x 30 मेगावाट) - समतुल्य जेनरेटरों, जेनरेटर ट्रांसफॉर्मरों और संयंत्र शेष के साथ फ्रांसिस हाइड्रो टर्बाइनों की आपूर्ति, संस्थापन और चालू करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली आधार पर नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन (नीपको) से जापानी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बैंक (जेबीआईसी) निधिपोषित परियोजना के लिए ऑर्डर।
- मनेरीभाली एसटी-II एचईपी (4x76 मेगावाट) - समतुल्य जेनरेटरों और संबद्ध उपस्कर के साथ फ्रांसिस हाइड्रो टर्बाइन की आपूर्ति, उत्थापन और चालू करने के लिए बातचीत के आधार पर उत्तरांचल जल विद्युत निगम लिमिटेड (यूजेवीएनएल) से प्राप्त पहला ऑर्डर।
- कोटेश्वर एचईपी (4x100 मेगावाट) - समतुल्य जेनरेटरों और संबद्ध उपस्कर के साथ फ्रांसिस हाइड्रो टर्बाइन की आपूर्ति, उत्थापन और चालू करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली (आईसीबी) के आधार पर टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कारपोरेशन से ऑर्डर।

- **संयंत्र कार्यनिष्पादन सुधार कारोबार (पीपीआईबी)**
  - ऊकल टीपीएस (2x210 मेगावाट) के शेष अवधि आंकलन (आरएलए) ,दशा आंकलन (सीए) ,अवधि विस्तार अध्ययन (एलईएस) और कार्यनिष्पादन मूल्यांकन परीक्षण (पीईटी) करने के लिए गुजरात विद्युत बोर्ड (जीईबी) से प्राप्त ऑर्डर।
  - बोगाईगांव टीपीएस में प्रत्येक 60 मेगावाट की सभी 4 यूनिटों का आरएलए अध्ययन करने के लिए असम राज्य विद्युत बोर्ड (एएसईबी) से प्राप्त ऑर्डर।
- **अतिरिक्त पुर्जे/नवीकरण और आधुनिकीकरण (आरएंडएम)**
  - वर्ष के दौरान प्रचालन और अनुरक्षण/नवीकरण और आधुनिकीकरण अतिरिक्त पुर्जों के लिए कुल 6220 मिलियन रुपए का ऑर्डर, जो किसी भी वर्ष में अधिकतम था।
- **प्रचालन और अनुरक्षण कारोबार**
  - बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप, बीएचईएल ने दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के चन्द्रपुरा टीपीएस में 120 मेगावाट की यूनिट के लिए पहला प्रचालन और अनुरक्षण ठेका प्राप्त करके प्रचालन और अनुरक्षण (ओएंडएम) के क्षेत्र में प्रवेश किया है।

❑ वर्ष के दौरान बीएचईएल (भेल) ने देश की संस्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में कुल 1960 मेगावाट के 20 यूटीलिटी सेटों की वृद्धि की। इससे, बीएचईएल निर्मित सेट अब 69130 मेगावाट के हैं, जो देश की कुल संस्थापित क्षमता का लगभग 65 प्रतिशत है। वर्ष के दौरान चालू किए गए थर्मल सेट आंध्रप्रदेश में सिम्हाद्रि - (1x500 मेगावाट), कर्नाटक में रायचूड़ (1x210 मेगावाट) और उड़ीसा में तालचर (1x500 मेगावाट) थे। इसके अतिरिक्त, दिल्ली में प्रगति से 225.8 मेगावाट, राजस्थान के रामगढ़ में 75.3 मेगावाट, त्रिपुरा में बारामुरा और रोखिया में प्रत्येक 21 मेगावाट और तमिलनाडु में पेरूगुलम में 94 मेगावाट के गैस-आधारित सेटों को चालू किया गया था।

उपरोक्त के अतिरिक्त देश में 249 मेगावाट के 8 औद्योगिक सेट चालू किए गए थे।

वर्ष के दौरान भूटान में कुरिचु में 15 मेगावाट का एक हाइड्रो सेट भी चालू किया गया था।

❑ बीएचईएल ने निम्नलिखित के द्वारा नए मानदंड सृजित किए :
- सिम्हाद्रि-I में 39 महीने पूर्व की रिकार्ड अवधि की तुलना में मुख्य उपस्कर का ठेका देने से 38 महीने में तालचर-III में 500 मेगावाट की यूनिट का सिंक्रोनाइजेशन।
- रायचूड़ यूनिट-5 के पूर्व 28.9 महीने के सर्वोत्तम की तुलना में रायचूड़ में यूनिट 6 के 210 मेगावाट के थर्मल सेट के कोयला प्रज्जवलन सहित 25.8 महीने में सिंक्रोनाइजेशन।
- सिम्हाद्रि में प्रारंभ तारीख से 45 महीने में टर्नकी आधार पर 1000 मेगावाट मेगा ग्रीनफील्ड ताप परियोजना पूरा करना।

❑ बीएचईएल थर्मल सेटों का समग्र कार्यनिष्पादन राष्ट्रीय औसत से बेहतर था। बीएचईएल आपूरित यूनिटों ने वर्ष के दौरान अब तक के उच्च कार्यनिष्पादन पर प्रचालन किया।

- बीएचईएल के थर्मल सेटों ने अब तक का **उच्चतम 74.1 प्रतिशत संयंत्र भार अनुपात (पीएलएफ)** प्राप्त किया जो राष्ट्रीय औसत (72.2 प्रतिशत) से 1.9 प्रतिशत अधिक है।
- बीएचईएल के 500/250/200/210 मेगावाट के थर्मल सेटों, जो देश के विद्युत उत्पादन क्षमता का मेरूदंड हैं, का संयोजित संयंत्र भार अनुपात **(पीएलएफ) अब तक अधिकतम 79.6 प्रतिशत रहा।** इन सेटों की 88.1 प्रतिशत पर प्रचालन उपलब्धता **(ओए) भी उच्चतम थी।**
- बीएचईएल के 200/210 मेगावाट, 250 मेगावाट और 500 मेगावाट के थर्मल सेटों ने वर्ष के दौरान **अब तक की अधिकतम क्रमशः 78.1 प्रतिशत, 90.5 प्रतिशत और 82.3 प्रतिशत** संयंत्र भार अनुपात (पीएलएफ) दर्ज किया।
- बीएचईएल द्वारा आपूरित 147 थर्मल सेटों ने 70 प्रतिशत से अधिक का संयंत्र भार अनुपात (पीएलएफ) प्राप्त किया। इनमें से 39 सेटों ने 90 प्रतिशत से अधिक का संयंत्र भार अनुपात और 67 सेटों ने 80-90 प्रतिशत के बीच संयंत्र भार अनुपात दर्ज किया।
- बीएचईएल के 107 थर्मल सेटों ने 90 दिनों से अधिक अबाधित परिचालन का समय दर्शाया, जिसमें से 12 सेट वर्ष के दौरान लगातार 200 दिनों से अधिक तक परिचालित रहे।
- बीएचईएल के उपस्करों की खराबी के कारण बीएचईएल के थर्मल सेटों की कामबंदी वर्षों से काफी कम हुई है। यह वर्ष 1986-87 में 12.5 प्रतिशत, वर्ष 1989-90 में 8 प्रतिशत, वर्ष 2000-2001 में 5 प्रतिशत, वर्ष 2001-2002 में 4.8 प्रतिशत और वर्ष 2002-2003 के दौरान 4 प्रतिशत थी।
- वर्ष के दौरान बीएचईएल के हाइड्रो सेटों की यूनिट उपलब्धता 97.92 प्रतिशत थी।

❑ बीएचईएल ने अबाधित विद्युत आपूर्ति सुविधाजनक बनाने और विद्युत संयंत्रों को अच्छी चालन दशा में बनाए रखने के उद्देश्य से सक्षम ग्राहक सेवा प्रदान करने का अपना प्रयास जारी रखा। वर्ष

के दौरान बीएचईएल के 101 ताप संगठनों और बॉयलरों, टीजी और सहायक उपकरणों जैसे विभिन्न उत्पादों को शामिल करते हुए 14 बीएचईएल-भिन्न सेटों सहित औद्योगिक सेटों की पूर्ण मरम्मत की।

- ❑ बीएचईएल ने मुसावल में सीमेन्स निर्मित (बीएचईएल-भिन्न) टीजी की पूर्ण मरम्मत उसकी 62.5 मेगावाट की डिजाइनशुदा क्षमता को बहाल करने के लिए की, जिससे उसे ग्राहक महाराष्ट्र राज्य विद्युत बोर्ड (एमएसईबी) से सराहना प्राप्त हुई। यूनिट पूर्ण मरम्मत के पूर्व अधिकतम 40 मेगावाट का उत्पादन कर रही थी।
- ❑ बीएचईएल ने एमएसईबी/कोराडी टीपीएस के पोलैंड निर्मित 120 मेगावाट के टीजी का पुनर्बलन किया जिससे सेट ने पिछले कई वर्षों से 90-95 मेगावाट के प्रतिबंधित भार की तुलना में अपनी पूर्ण निर्धारित क्षमता प्राप्त की।
- ❑ कोठागुडम यूनिट 6, जो अपनी 110 मेगावाट की मूल क्षमता की तुलना में 105 मेगावाट की अनिर्धारित क्षमता पर चालू था, को वर्ष के दौरान पुनःमार्जित और 120 मेगावाट की निर्धारित क्षमता तक पहुंचाया गया।
- ❑ पानीपत में 110 मेगावाट का पुनर्वास कार्य पूरा किया गया था और कार्य अन्य पार्टी द्वारा बीच में छोड़ देने के बाद वर्ष के दौरान मशीन को सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज किया गया।

औद्योगिक क्षेत्र

औद्योगिक क्षेत्र ने पिछले वर्ष प्राप्त 19650 मिलियन रुपए की तुलना में वर्ष 2002-2003 के दौरान 28920 मिलियन रुपए का आदेश बुक किया। वर्ष के दौरान 60 प्रतिशत से अधिक की समग्र सफलता प्राप्त की गई है। बीएचईएल ने कारोबार के नए क्षेत्रों में मार्ग प्रशस्त किया है और नए उत्पादों के लिए 3500 मिलियन रुपए मूल्य के पर्याप्त आदेश बुक किए।

प्रमुख कारोबार संबंधी विशिष्टताएं निम्नानुसार हैं :

- ❍ आईओसी ने मथुरा में अपने प्रचालन के लिए एफआर 5 जीटीजी आधारित कैप्टिव विद्युत संयंत्र के लिए बड़े आर्डर से बीएचईएल में अपना विश्वास बनाए रखा। हिन्दुस्तान एल्युमीनियम कंपनी (हिंडाल्को) से 31.4 मेगावाट और 5.6 मेगावाट एसटीजी आधारित सह-उत्पादन संयंत्र और भारत एल्युमीनियम कंपनी (बाल्को) से 275 टीपीएच पीएफ बॉयलर के लिए आर्डर प्राप्त किए गए हैं। रिलाएंस, राऊरकेला इस्पात संयंत्र और आईटीसी भद्राचलम से तथा साथ ही चीनी उद्योग की परियोजनाओं से एसटीजी और बॉयलरों का आर्डर प्राप्त किया गया है।
- ❍ 'गेल' इंडिया द्वारा अपने दाहेज-विजयपुर पाइप लाइन परियोजना के लिए 3 प्राकृतिक गैस कंप्रेसरों के लिए प्रतिष्ठित आर्डर प्राप्त किए गए। कंप्रेसर के अन्य आर्डरों में बीपीसीएल, मुंबई से हाइड्रोजन पुनःचक्रण गैस कंप्रेसर, चेन्नई पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, (सीपीसीएल), चेन्नई से आर्द्र गैस कंप्रेसर और इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) पानीपत रिफाइनरी विस्तार परियोजना से दो पुनःचक्रण गैस कंप्रेसर शामिल हैं। बीएचईएल ने वेलहेड्स और क्रिसमस ट्री वाल्वों के लिए 90 प्रतिशत से अधिक का अपना बाजार शेयर बनाए रखा है।
- ❍ बीएचईएल और ओएनजीसी ने ओएनजीसी द्वारा अपेक्षित तेल क्षेत्र के विभिन्न उपस्करों की आपूर्ति, पुनःमार्जन और उन्नयन के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। चालू वर्ष के लिए ओएनजीसी से 12 तेल के रिगों के पुनःमार्जन के लिए महत्वपूर्ण आर्डर प्राप्त हुआ है।
- ❍ बीएचईएल ने औद्योगिक मशीनों और एल्टरनेटरों के लिए 70 प्रतिशत से अधिक का बाजार शेयर बनाए रखा - प्रमुख ऑर्डरों में न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन इंडिया लिमिटेड में प्रशीतक जल पम्प के लिए 2800 कि.वा., 1500 आरपीएफ, 6.6 के.वी.के 16 वर्टिकल मोटर का आर्डर शामिल है।
- ❍ भारतीय रेलवे के पास संसाधनों की कमी ने रोलिंग स्टॉक की मांग में कमी बनाए रखी। इस प्रकार, परिवहन क्षेत्र के लिए आर्डर की बुकिंग पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा है। प्रमुख आर्डरों में रेल कोच फैक्टरी (आरसीएफ), कपूरथला से 25 केवी बीजीएसी ईएमयू के लिए विद्युत कर्षण (ट्रेक्शन) उपस्कर के 20 सेट शामिल हैं।
- ❍ 400 केवी पारेषण लाइन के साथ 400/220/110 केवी स्विचयार्ड के लिए तमिलनाडु विद्युत बोर्ड (टीएनईबी) ,अलमट्टी से पारेषण परियोजना हेतु सबसे बड़ा आर्डर प्राप्त किया गया था। अन्य प्रमुख पारेषण परियोजनाओं के ऑर्डर में पावरग्रिड से बारीपद में 400/220/132 केवी सब-स्टेशन, न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन से कैगा में 400 केवी स्विचयार्ड, राजस्थान राज्य विद्युत निगम लिमिटेड से जोधपुर में 400/220 केवी सब-स्टेशन और उत्तराचंल पावर कारपोरेशन लिमिटेड से रूड़की में 220/132 केवी सब-स्टेशन शामिल हैं। 400 केवी सब-स्टेशन जेपोर-गजुवाका डी/सी लाइन, रेंगाली-इंद्रावती एस/सी लाइन और मेरामंडली-जेपोर एस/सी लाइन के लिए नियत श्रृंखला कैपेसिटर हेतु आर्डर प्राप्त किए गए हैं। पारेषण उत्पादों के क्षेत्र में प्रमुख ऑर्डरों में जीईबी, बड़ौदा से 100 एमवीए, 220 केवी के 10 ऑटो ट्रांसफॉर्मर और 90 केएन के 374585 डिस्क इंसुलेटर, एमपीएसईबी, जबलपुर से 315 एमवीए के 3 ऑटो ट्रांसफॉर्मर और राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड से 100 एमवीए के 8 ऑटो ट्रांसफॉर्मर शामिल हैं।
- ❍ रक्षा मंत्रालय से 3 एसआरजीएम के ऑर्डर प्राप्त किए गए हैं।
- ❍ बीएचईएल ने टर्नकी आधार पर रिहंद सुपर थर्मल विद्युत संयंत्र-चरण-II (2x500 मेगावाट) के लिए कोयला प्रहस्तन संयंत्र की इंजीनियरी आपूर्ति, उत्थापन, परीक्षण और चालू करने के लिए एनटीपीसी से ऑर्डर प्राप्त करके कोयला प्रहस्तन संयंत्र के क्षेत्र में प्रवेश किया। यह बीएचईएल के आईएसजी यूनिट के लिए टर्नकी आधार पर संपूर्ण कोयला प्रहस्तन प्रणाली निष्पादित करने में एक प्रमुख सफलता है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण लिमिटेड, चेन्नई से डिसेलिनेशन संयंत्र और एनटीपीसी रिहंद से राख जल पुनःचक्रण प्रणाली के लिए ऑर्डर प्राप्त किए गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

- वर्ष 2002-2003 के दौरान अब तक का सर्वाधिक 14550 मिलियन रुपए का वास्तविक निर्यात ऑर्डर प्राप्त किया गया था। यह उपलब्धि समुद्रपारीय व्यवसाय को संपूर्ण कंपनी में दिए जा रहे बल के परिणामस्वरूप पिछले पांच वर्षों के दौरान प्राप्त गति जारी रखना प्रदर्शित करती है।
- वर्ष के दौरान बीएचईएल ने विविध उत्पादन क्षेत्रों में निम्नलिखित प्रतिष्ठित परियोजना ऑर्डर प्राप्त किए और इस प्रकार अपने निर्यात आय का और विस्तार किया :
  - **टर्नकी आधार पर लीबिया में 4x156.1 मेगावाट गैस-आधारित विद्युत स्टेशन स्थापित करने का ऑर्डर।** चार वी94.2 गैस टर्बाइन जेनरेटिंग उपस्कर वाला यह ऑर्डर बीएचईएल द्वारा अब तक प्राप्त एकमात्र सबसे बड़ा समुद्रपारीय ऑर्डर है।
  - **उन्नत श्रेणी गैस टर्बाइन के लिए पहला समुद्रपारीय ऑर्डर-** ईपीसी आधार पर **2 x फ्रेम 6एमए गैस टर्बाइन आधारित 140 मेगावाट (आईएसओ रेटिंग) टर्नकी विद्युत परियोजना।** यह आर्डर ऑनलाइन इंटरनेट बोली देने के आधार पर पेट्रोलियम डेवलेपमेंट ओमान(पीडीओ) से प्राप्त हुआ था। ऑनलाइन इंटरनेट बोली देने के माध्यम से ऐसी बड़ी परियोजना में सफलता द्वारा कंपनी में ई-कॉमर्स संबंधी पहल को और बल देना प्रत्याशित है।
  - **इंडोनेशिया में 20 मेगावाट स्टीम टर्बाइन आधारित सह-उत्पादन परियोजना की आपूर्ति और पर्यवेक्षण-**यह दक्षिण-पूर्व एशिया में हाइड्रो और गैस टर्बाइन आधारित विद्युत संयंत्रों की पहले की गई स्थापना के बाद वहां स्टीम चक्र आधारित ताप विद्युत परियोजना के लिए पहला ऑर्डर है। परियोजना के सीमाक्षेत्र में "फ्लूडाइज्ड बेड कम्बशन बॉयलर", "इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर" और "न्यू जेनरेशन मैक्स डीएनए वितरित नियंत्रण प्रणाली" के लिए एकमात्र निर्यात ऑर्डर भी शामिल हैं।
  - **ताईवान पावर कंपनी से बिहाई हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्लांट के लिए संयंत्र सीएंडआई सहित 1x68 एमवीए हाइड्रो टर्बाइन जेनरेटर और सहायक उपकरणों की आपूर्ति और पर्यवेक्षण-** इस ऑर्डर से बीएचईएल ने पहले न्यूजीलैंड, थाईलैंड, मलेशिया, अजरबैजान, नेपाल और भूटान को जल विद्युत संयंत्र उपस्कर की आपूर्ति करके जल विद्युत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति का और विस्तार किया है।

उपरोक्त प्रत्येक परियोजनाएं अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में और समेकन की ओर एक मुख्य कदम प्रदर्शित करती है।

- वर्ष के दौरान प्राप्त अन्य उल्लेखनीय निर्यात ऑर्डरों में निम्नलिखित शामिल हैं :
  - मलेशिया, बंगलादेश, ग्रीस और कजाकिस्तान से ट्रांसफॉर्मर।
  - कुवैत, ईरान, घाना और इंडोनेशिया से वाल्व और सूट ब्लोअर।
  - इटली और आस्ट्रेलिया से सोलर सेल।
  - संयुक्त राज्य अमरीका, ओमान, आयरलैंड और आस्ट्रेलिया से इन्सुलेटर।
  - बंगलादेश से मोटर।
- बिक्री पश्चात सर्विस पर निरंतर ध्यान देने के कारण ओमान, अजरबैनान, कजाकिस्मान, थाइलैंड, लीबिया, बंगलादेश, चीन माल्टा, मलेशिया, ग्रीस, श्रीलंका और सऊदी अरब से अतिरिक्त पुर्जों और सर्विस के लिए ऑर्डर प्राप्त हुए।
- ओईएम/एमएनसी के लिए स्रोत प्रदान केन्द्र बनने के लिए अपने प्रयासों के भाग के रूप में एबीबी और सीमेन्स से नियंत्रण उपस्कर और एस्टॉम से इन्सुलेटर की आपूर्ति के लिए ऑर्डर प्राप्त हुए थे।
- अपनी समुद्रपारीय व्यवसाय की संभावनाओं में और वृद्धि करने की दृष्टि से वर्ष 2002-2003 के दौरान बीएचईएल द्वारा निम्नलिखित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे :
  - *''मलेशिया में ट्रैक्शन इलेक्ट्रिक्स और डीजल इलेक्ट्रिक लोको के पुनर्वास''* के लिए व्यावसायिक अवसरों में संयुक्त भागीदारी के लिए ईएम-रेल, मलेशिया के साथ समझौता ज्ञापन।
  - *''भारत से बाहर विद्युत उत्पादन, पारेषण और परिवहन परियोजनाओं''* में संयुक्त भागीदारी के लिए मैसर्स स्कोडा एक्सपोर्ट, चेकोस्लोवाकिया गणराज्य के साथ समझौता ज्ञापन।
- वर्ष के दौरान निष्पादित मुख्य समुद्रपारीय ऑर्डरों में निम्नलिखित शामिल हैं :
  - संयुक्त राष्ट्र के ''ऑयल फॉर फुडस'' कार्यक्रम के अधीन शामिल चार ऐसी यूनिटों के लिए ऑर्डर के एवज में बैजी, इराक में पहले 154 मेगावाट (आईएसओ रेटिंग) गैस टर्बाइन जेनरेटर सेट को चालू करना। सभी यूनिटों के लिए आपूर्तियां पूरी हो गई हैं।
  - बीएचईएल के पर्यवेक्षणाधीन शेनझेन नान्शान पावर स्टेशन चीन में 123 मेगावाट(आईएसओ रेटिंग) गैस टर्बाइन जेनरेटर सेट को मात्र 35 दिनों की रिकार्ड अवधि में चालू करना।
  - श्रीलंका स्थित एईएस के केलानीतिसा सीसीपीपी में 123 मेगावाट (आईएसओ रेटिंग) गैस टर्बाइन जेनरेटर सेट को चालू करना और 57 मेगावाट स्टीम टर्बाइन के लिए आपूर्तियां।
  - इराक में रुमैला मुक्त चक्र विद्युत संयंत्र के लिए 2X123 मेगावाट (आईएसओ रेटिंग) गैस टर्बाइन जेनरेटर सेट का कारखाने से एसआईटीईए इंटरनेशनल, स्विटजरलैंड को प्रेषण।
  - ईपीसी संविदा के अधीन अब तक का पहला 70 मेगावाट (आईएसओ रेटिंग) उन्नत श्रेणी गैस टर्बाइन जेनरेटर सेट का कारखाने से कान आलम विद्युत परियोजना, पेट्रोलियम डेवलेपमेंट ओमान के लिए प्रेषण।

पूंजी निवेश

विनिर्माण प्रौद्योगिकी और सुविधाओं का उन्नयन करने के लिए हमारे निरंतर प्रयास में वर्ष 2002-2003 के दौरान आयोजना पूंजी कार्यक्रमों पर 1617 मिलियन रुपए का पूंजी निवेश किया गया। निवेश का बल चालू उत्पाद आधुनिकीकरण स्कीमों को पूरा करने और पुरानी सुविधाओं

के प्रतिस्थापन और उन्नयन पर भी था। पूरा करने की वृद्धिकारी प्रबलता का सामना करने के लिए वर्ष 2003-2004 के लिए योजनाबद्ध निवेश चालू आधुनिकीकरण स्कीमों को पूरा करने और उत्पाद की गुणवत्ता सुधारने, चक्र अवधि और लागत कम करने और नई विनिर्माण प्रौद्योगिकियों के विकास और प्रारंभ् करने के लिए चयनित उत्पादों के लिए सुविधाओं के आवश्यकता आधारित उन्नयन को अपनाने की ओर अभिमुख हैं।

मुख्य स्कीमों की विशिष्टताएं निम्नानुसार हैं :

इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन/बंगलौर में :

- विद्युत स्टेशन नियंत्रण के लिए अद्यतन सीएंडआई प्रौद्योगिकी प्रदान करने/ऑटोमेशन स्थापित करने की विनिर्माण दक्षता (139 मिलियन रुपए)। इस नई प्रौद्योगिकी के आधार पर लगभग 4000 मिलियन रुपए मूल्य का ऑर्डर प्राप्त किया गया।

एचईईपी और सीएफएफपी/हरिद्वार यूनिट में

- उच्चतर टर्बाइन क्षमता और निम्नतर उष्मा दर के साथ 210/250/500 मेगावाट सेटों के लिए उन्नत डिजाइन वाले स्टीम टर्बाइन ब्लेड का विनिर्माण करने के लिए एक आधुनिक, वातानुकूलित ''अत्याधुनिक ब्लेड'' शॉप की स्थापना की गई थी (727 मिलियन रुपए) ।
- दो सिलिण्डर के स्टीम टर्बाइन और निष्पादनाधीन 660 मेगावाट और उससे अधिक रेटिंग के सुपर-क्रिटिकल पैरामीटर स्टीम टर्बाइन की नई श्रृंखला को प्रारंभ करने के लिए स्टीम टर्बाइन विनिर्माण सुविधाओं का आधुनिकीकरण (565 मिलियन रुपए)।
- 660 मेगावाट की रेटिंग सहित टीजी सेटों के विनिर्माण और आपूर्ति के लिए अद्यतन सुविधाओं से सज्जित करने के लिए जेनरेटर विनिर्माण सुविधाओं का आधुनिकीकरण चल रहा है (710 मिलियन रुपए)।
- सीएफएफपी/हरिद्वार में स्वच्छ कार्य वातावरण और सांविधिक उत्सर्जन मानदंडों को पूरा करने के लिए धूम निष्कर्षण और धूल संग्रहण प्रणाली का कार्य चल रहा है (61 मिलियन रुपए)।

त्रिची यूनिट में

- कतिपय परीक्षण और दीर्घावधि प्रचालन करने के लिए 6.2 मेगावाट एकीकृत गैसीकरण संयुक्त चक्र संयंत्र को पुनःमार्जित किया जा रहा है (40 मिलियन रुपए) । यह एक राष्ट्रीय अनुसंधान और विकास परियोजना यथा एनटीपीसी के विद्युत स्टेशन कार्यस्थल में से एक में 100 मेगावाट आईजीसीसी प्रदर्शन संयंत्र प्रारंभ करने के लिए एक प्रारंभिक कदम है।

एचपीईपी/हैदराबाद यूनिट में :

- विभिन्न मॉडलों के संयोजन (एसेम्बली) और परीक्षण के लिए चक्र अवधि घटाने हेतु स्थापित किए जा रहे बड़े आकार के गैस टर्बाइनों का परीक्षण बेड और संयोजन स्थान (72 मिलियन रुपए) ।
- गैस टर्बाइन नोजल खंड और बकेट्स आंतरिक विनिर्माण में समर्थ बनाने के लिए सुविधाएं स्थापित की जा रही हैं।

पीएस-ईआर, कोलकाता कार्यालय में

- 3200 वर्गमीटर के कार्यालय क्षेत्रफल वाला बीएचईएल के स्वामित्वाधीन कार्यालय काम्पलेक्स साल्ट लेक में निर्मित किया गया था।

ये स्कीमें कंपनी को सुविधाओं को आधुनिक बनाने और समकालीन स्तर तक इसकी विनिर्माण प्रौद्योगिकी का उन्नयन करने में समर्थ बनाएंगी।

इन आधुनिकीकरण स्कीमों से बीएचईएल ने वर्ष के दौरान 14 सीएनसी मशीने संस्थापित कीं, जिनसे सीएनसी मशीनों की कुल संख्या 311 हो गई। ये संयंत्र और मशीनरी के कुल सकल ब्लॉक का लगभग एक-तिहाई हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

मौजदा और नए उत्पादों/प्रणालियों के लिए नई प्रौद्योगिकियां विकसित करने के हमारे अभियान में वर्ष 2002-2003 में कंपनी ने वर्चुअल प्रोटोटाइपिंग/वर्चुअल रिएलिटी सिस्टम और ट्रांसफॉर्मरों के अवशिष्ट अवधि विश्लेषण जैसी पूंजीगत विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कीमों पर लगभग 53 मिलियन रुपए खर्च किए है।

इसके अतिरिक्त, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डाइनेमिक्स(सीएफडी) के लिए उत्कृष्टता केन्द्र (84 मिलियन रुपए) ,विद्युत संयंत्रों और उद्योगों के लिए सिमुलेटरों हेतु उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना(38 मिलियन रुपए) और 100 केडब्ल्यू हाई एनर्जी हाई वेल/सिटी प्लाज्मा स्प्रे (एचईएचवीपीएस) सुविधा (14 मिलियन रुपए) का विकास कार्यान्वयनाधीन है।

10वीं योजनावधि में पूंजी निवेश

बीएचईएल की योजना 10वीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान 7000 मिलियन रुपए निवेश करने की है। योजना के पहले वर्ष में 1617 मिलियन रुपए का व्यय किया गया था। वर्ष 2003-2004 में 1803 मिलियन रुपए का निवेश योजनाबद्ध है, जिसमें निम्नलिखित मुख्य उत्पाद क्षेत्रों में सुविधाओं का आधुनिकीकरण शामिल है :

- भोपाल में जल विद्युत उत्पाद विनिर्माण सुविधाओं का आधुनिकीकरण (406 मिलियन रुपए की अनुमानित लागत पर कार्यान्वित किया जा रहा है)।
- हैदराबाद में उन्नत श्रेणी और बड़े आकार के गैस टर्बाइनों, सुविधाओं, पम्पों, कम्प्रेसरों, स्टीम टर्बाइन और जेनरेटर में आधुनिकीकरण के लिए सुविधाओं की वृद्धि।
- ईडीएन, बंगलौर में सोलर फोटोवोल्टिक विनिर्माण प्रौद्योगिकी का उन्नयन।
- सीबीयू, बंगलौर में कम्पोजिट इन्सुलेटर के विनिर्माण की सुविधा।

सुधार और रिट्रोफिटिंग प्रयास :

सुधार करके, नवीकरण, उन्नयन और रिट्रोफिटिंग द्वारा मौजूदा सुविधाओं की अवधि बढ़ाने के लिए भी बल दिया जा रहा है। वर्ष 2002-2003 में ऐसे कार्यकलापों पर लगभग 286 मिलियन रुपए खर्च किए गए थे और 380 मिलियन रुपए वर्ष 2003-2004 के लिए योजनाबद्ध है।

संयुक्त उद्यम

बीएचईएल द्वारा प्रवर्तित दो संयुक्त उद्यम कंपनियों, अर्थात जीई द्वारा डिजाइन की गई गैस टर्बाइन की मरम्मत और देखभाल हेतु जीई

संयुक्त राज्य अमरीका के साथ ''बीएचईएल जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज लिमिटेड'' बीजीजीटीएस और पुराने जीवाश्म (फॉसिल) ईंधन विद्युत संयंत्रों के संयंत्र निष्पादन में सुधार लाने के लिए सीमेंस एजी, जर्मनी के साथ ''पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रुवमेंट लिमिटेड'' (पीपीआईएल) ने अब परिचालन के पांच पूर्ण वित्तीय वर्ष पूरे कर लिए हैं।

वर्ष 2002-2003 के दौरान 227 मिलियन रुपए के कर-पश्चात् लाभ के साथ बीजीजीटीएस ने 2100 मिलियन रुपए की बिक्री का कुल कारोबार किया। वर्ष के दौरान बीजीजीटीएस द्वारा 2000 मिलियन रुपए का ऑर्डर बुक किया गया। हैदराबाद में बीजीजीटीएस की मरम्मत सुविधा को गैस टर्बाइन संघटकों की मरम्मत के लिए जीई की विशिष्टियों को पूरा करने के लिए अपनी योग्यता प्रदर्शित करने के बाद ''जीई प्राधिकृत मरम्मत सुविधा'' के रूप में विधिवत प्रमाणित किया गया है। बीजीजीटीएस ने वर्ष 2001-2002 के लिए 235 प्रतिशत का अंतिम लाभांश और वर्ष 2002-2003 के लिए 350 प्रतिशत का अंतरिम लाभांश अदा किया है।

वर्ष 2002-2003 के दौरान पीपीआईएल ने 2403 मिलियन रुपए के आर्डर बुक करने के साथ 204.5 मिलियन रुपए की बिक्री का कुल कारोबार दर्ज किया। पिछले वर्ष 302 मिलियन रुपए के कर-पश्चात लाभ की तुलना में पीपीआईएल ने वर्ष के दौरान 0.05 मिलियन रुपए का कर-पश्चात लाभ दर्ज किया। पीपीआईएल एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में प्रचालन करता है। राज्य विद्युत बोर्डों के पास अपने विद्युत संयंत्रों के नवीकरण और आधुनिकीकरण के लिए संसाधनों की अनुपलब्धता नए आर्डर प्राप्त करने में मुख्य बाधा रही है। यहां तक कि जहां संसाधन की व्यवस्था की जा सकी वहां राज्य विद्युत बोर्ड बहुत कम मांग-आपूर्ति स्थिति के कारण संयंत्रों को बंद करने की स्थिति में नहीं हैं। इस प्रकार वे नए आर्डर आस्थगित कर रहे हैं। बाजार में धीमी वृद्धि ने पीपीआईएल के कार्यनिष्पादन को प्रभावित किया है।

अनुसंधान और विकास तथा वर्ष 2002-2003 में प्रौद्योगिकीय उपलब्धियां

वर्ष के दौरान आंतरिक अनुसंधान और विकास के माध्यम से विकसित उत्पादों और प्रणालियों के वाणिज्यिीकरण द्वारा 5275 मिलियन रुपए का कुल कारोबार किया गया।

नए उत्पाद और प्रणाली विकास तथा लागत प्रभावोत्पादकता और उच्चतर विश्वसनीयता, क्षमता, उपलब्धता, गुणवत्ता आदि के लिए मौजूदा उत्पादों में सुधारों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए अनुसंधान और विकास कार्यक्रमों पर 732 मिलियन रुपए की राशि खर्च की गई। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान और विकास कार्यक्रमों के लिए पूंजीगत परिसंपत्तियों की खरीद के लिए 85 मिलियन रुपए का व्यय किया गया है।

वर्ष के दौरान कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियां निम्नानुसार हैं :

- बीएचईएल ने एक नई श्रृंखला प्रतिपूर्ति स्कीम विकसित की है, जिसमें पारेषण लाइनों की विद्युत अंतरण दक्षता बढ़ाने और पारेषण हानियां कम करने के लिए फ्लैविसबल एसी ट्रांसमिशन प्रणाली (एफएसीटीएस) के रूप में सामान्यतया ज्ञात थाइरिस्टर नियंत्रित रिएक्टर शामिल हैं। इस परियोजना का चरण-I, नियत श्रृंखला प्रतिपूर्ति कानपुर-बल्लभगढ़ सब-स्टेशन में पूरी की गई है। बीएचईएल आंतरिक रूप से विकसित प्रौद्योगिकी को स्थापित करने के लिए अब परियोजना का चरण-II (परिवर्ती प्रतिपूर्ति) निष्पादित कर रहा है। शीघ्र ही चालू किए जाने के लिए निर्धारित यह परियोजना विश्व में ऐसी छठी परियोजना होगी। बीएचईएल द्वारा इस परियोजना की सफलता से भारत को देशों के उन चुनिन्दा देशों के समूह में शामिल होने का गौरव प्राप्त होगा जिनके पास ''फैक्ट्स'' (एफएसीटीएस) प्रौद्योगिकी है।
- भिन्न-भिन्न प्रचालन दशाओं के दौरान प्रचालन और अनुरक्षण लागत कम करने के लिए बीएचईएल ने विद्युत संयंत्रों के कार्यनिष्पादन विश्लेषण, नैदानिकी और इष्टतमकरण (पीएडीओ) के लिए एक सॉफ्टवेयर पैकेज विकसित किया है। इस विकास ने बीएचईएल को व्यवसाय का एक नया अवसर प्रदान किया है।
- कोणार्क मेटकोक लिमिटेड, उड़ीसा में 65 टन प्रति घंटे के बॉयलर के लिए एक ब्लास्ट फर्नेस गैस (बीएफजी) प्रज्जवलन प्रणाली विकसित की गई है। ब्लॉस्ट फर्नेस की गैस इस्पात उत्पादन प्रक्रिया का एक उप-उत्पाद है, जो सामान्यतया बर्बाद हो जाती हैं। बाष्प उत्पादन के लिए इसका प्रयोग इस्पात संयंत्र की समग्र क्षमता में सुधार लाता है।
- बीएचईएल ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरों) को उसके अंतरिक्ष मिशनों में प्रयोग के लिए स्पेस ग्रेड सोलर फोटोबोल्टिक पैनलों का सफलतापूर्वक विनिर्माण किया और सौंपा है। हाल ही में छोड़े गए उपग्रह इन्सेट 3ए और जीसेट 2 प्रत्येक बीएचईएल से प्राप्त सोलर पैनल से सज्जित हैं। कंपनी ने स्पेस क्वालिटी बैटरियों की एसेम्बली और परीक्षण के लिए 'इसरो' के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।
- बीएचईएल ने 210 मेगावाट अथवा 250 मेगावाट थर्मल सेटों के लिए एरोफॉयल ब्लेडयुक्त रेडियल फैन विकसित किया है, जो पारम्परिक सीधे ब्लेड वाले फैन की अपेक्षा अधिक सक्षम हैं।
- इन्टेलिकॉम प्रोटोकॉल कन्वर्टर विकसित किया गया है, जो किसी ताप विद्युत स्टेशन में इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसीपेटेटर (प्रदूषण नियंत्रण उपकरण) का केन्द्रीकृत प्रचालन समर्थ बनता है, जिससे उनके प्रचालन के लिए अपेक्षित जनशक्ति में कमी आती है। इन्टेलिकॉम कन्वर्टर आईटीसी भद्राचलम, बनारी अम्मान सुगर्स और आदित्य सीमेंट्स में संस्थापित किए गए हैं।
- जेनरेटरों के अर्जन नियंत्रण के लिए न्यू जेनरेशन डिजीटल वोल्टेज रेगुलेटर विकसित किया गया है, जो पहले की डिजाइन की तुलना में बेहतर प्रत्युत्तर, विश्वसनीयता और स्व-नैदानिकी प्रदान करता है। जल विद्युत संयंत्रों के नवीकरण

और आधुनिकीकरण के लिए उत्तरांचल जल विद्युत निगम लिमिटेड के 12 सेटों की आपूर्ति की गई है। भद्र एचईपी (6 मेगावाट) में दो वर्षों के लिए एक प्रोटोटाइप का पहले सफलतापूर्वक क्षेत्र परीक्षण किया गया था।

- भारत के पहली बार बीएचईएल ने 20 केवी एचवीडीसी कैपेसिटर विकसित किया है। इन कैपेसिटरों का प्रयोग एचवीडीसी प्रणालियों में हार्मोनिक्स कम करने के लिए फिल्टर बैंक में किया जाता है।
- बीएचईएल ने हाइड्रो जेनरेटरों के लिए निरंतर वीपीआई (वैक्यूम प्रेशर इंप्रेगनेटेड) इन्सुलेशन के साथ स्टेटर-वाइडिंग बार के विनिर्माण के लिए प्रौद्योगिकी स्थापित की है। हाइड्रो जेनरेटर वाइडिंग्स के लिए वीपीआई प्रणाली मोनोलिथिक शून्य-मुक्त निरंतर (एक सिरे से दूसरे सिरे तक) इन्सुलेशन है। इसके लाभ इन्सुलेशन की मोटाई में कमी, सुधारा हुआ उष्मा अंतरण,ओवरहेड लंबाई में कमी की संभावना, सुधरी हुई आर्द्रता प्रतिरोध और गुणवत्ता और विश्वसनीयता में समग्र सुधार है। इस प्रौद्योगिकी पर आधारित दो हाइड्रो जेनरेटर का विनिर्माण,परीक्षण किया गया है और 2x42 मेगावाट लरजी एचईपी को उसकी आपूर्ति की गई है।
- मैसर्स सल्जर की डिजाइन पर आधारित 110 और 210 मेगावाट वाले ताप विद्युत स्टेशनों के लिए उपयुक्त एक उन्नयित बॉयलर फीड पम्प (200 केएचआई) ने सफलतापूर्वक क्षेत्र परीक्षण पूरा किया है। इससे एपीजेनको से आठ उन्नयित बीएफपी के लिए ऑर्डर प्राप्त हुआ और इससे लगभग 250 मौजूदा पुराने चेक डिजाइन वाले बीएफपी के उन्नयन के लिए संभावित व्यवसाय का मार्ग प्रशस्त हुआ। सरल अनुरक्षणीयता,वर्धित विश्वसनीयता आदि के लिए कार्टिज डिजाइन सहित उन्नयित पम्पों की मौजूदा 72 प्रतिशत (चेक डिजाइन वाले) की तुलना में 80 प्रतिशत की क्षमता है।

मानव संसाधन प्रबंध

1. औद्योगिक संबंध

कंपनी की विभिन्न यूनिटों और सेवा प्रभागों में रिपोर्ट के अधीन वर्ष के दौरान मैत्रीपूर्ण और मधुर औद्योगिक संबंध बनाए रखे गए। चालू वर्ष के दौरान भी कंपनी में भागीदारी संस्कृति को विकसित और पल्लवित-पुष्पित करने के लिए बल देना जारी रहा। विभिन्न विनिर्माता यूनिटों और सेवा प्रभागों में शीर्ष स्तर संयुक्त समिति के प्रतिनिधित्व के लिए गुप्त मतदान के माध्यम से यूनियन के चुनाव जुलाई, 2002 में कराए गए। तदनुसार, बीएचईएल के लिए संयुक्त समिति पुनर्गठित की गई थी। तत्पश्चात पुनर्गठित संयुक्त समिति के नए सदस्यों के उन्मुखीकरण और कंपनी के संबद्ध मुद्दों से परिचित कराने के लिए एक संगोष्ठी अक्तूबर,2002 में 2 दिनों के लिए हैदराबाद में आयोजित की गई थी।

पर्यवेक्षकों और कार्यपालकों के लिए संगठनात्मक प्रभावोत्पादकता बढ़ाने पर नवम्बर,2002 में एक दो-दिवसीय कार्यशाला भी आयोजित की गई थी। कार्यशाला का उद्देश्य कंपनी और कर्मचारियों दोनों द्वारा सामना किए जा रहे मुद्दों की बेहतर समझ और अनुमान की जानकारी प्रदान करना था।

कंपनी की विभिन्न यूनिटों में वर्ष के दौरान शीर्ष-स्तरीय द्विपक्षीय मंच यथा बीएचईएल की संयुक्त समिति ने 3 बैठकें की जबकि संयंत्र और शॉप काउंसिल की क्रमशः 51 और 236 बैठकें हुई।

2. बीएचईएल उत्कृष्टता पुरस्कार 2001-2002

''योग कर्मषु कौशलम'' के आदर्शों द्वारा प्रेरित होकर बीएचईएल के निदेशक मंडल ने दिनांक 30 अक्तूबर,2000 को हुई अपनी 320वीं बैठक में बीएचईएल में उत्कृष्टता की संस्कृति सांस्थानिक बनाने के लिए बीएचईएल उत्कृष्टता पुरस्कार स्कीम अनुमोदित करके ऐतिहासिक कदम उठाया। ऐसे पहले पुरस्कार वर्ष 2000-2001 के लिए दिनांक 13 जनवरी,2002 को प्रदान किए गए थे। इस स्कीम का उद्देश्य कंपनी के विकास और लाभदायकता के लिए कर्मचारी द्वारा किए गए किसी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष उल्लेखनीय और अनुकरणीय योगदान को मान्यता देना,पुरस्कृत करना और आभार व्यक्त करना है। यह स्कीम पुरस्कारों की निम्नलिखित नौ श्रेणियां निर्दिष्ट करती है जिसमें से प्रत्येक का मूल्य पुरस्कार जीतने वाले व्यक्ति के मामले में 50,000 रुपए और समूह/दल की दशा में 5 लाख रुपए तक है।

1. बीएचईएल उत्कृष्टता पुरस्कार
2. बीएचईएल गुणवत्ता पुरस्कार
3. बीएचईएल तत्परता पुरस्कार
4. बीएचईएल उत्पादकता पुरस्कार
5. बीएचईएल उत्कृष्ट तकनीकी लेख पुरस्कार
6. बीएचईएल अनुसंधान पुरस्कार
7. बीएचईएल सृजनात्मकता पुरस्कार
8. बीएचईएल ग्राहक संतुष्टि पुरस्कार
9. बीएचईएल पर्यावरण/समाज सेवा/संस्कृति/खेल पुरस्कार

जबकि पहले आठ पुरस्कार केवल कंपनी के कर्मचारियों के लिए है वहीं नौंवा पुरस्कार कर्मचारियों के पति/पत्नी और आश्रित बच्चों को भी शामिल करता है।

यह स्कीम स्वस्थ कर्मचारी सम्मान भी निर्दिष्ट करती है, जो अच्छे स्वास्थ्य की प्रशंसा में कर्मचारियों को प्रदान किया जाता है। यह सम्मान यूनिट स्तर पर कर्मचारियों के लिए है,जो स्वयं के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति का दावा नहीं करने और पिछले वित्तीय वर्ष में बीमारी के कारण कोई अवकाश भी नहीं लेते।

वर्ष 2001-2002 के लिए विभिन्न यूनिटों/प्रभागों से प्राप्त 106 नामांकनों की एक संवीक्षा समिति द्वारा संवीक्षा की गई थी और उसकी सूची बनाई गई थी। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा गठित जूरी द्वारा सूची का मूल्यांकन किया गया था। पुरस्कार की घोषणा कुल 50 कर्मचारियों/परिवार के सदस्यों के लिए 8 श्रेणियों में और वैयक्तिक कुशलताओं के मान्यतास्वरूप 2 सांकेतिक पुरस्कार के लिए की गई है। उनके उल्लेखनीय योगदान की

प्रशंसा बीएचईएल की उत्कृष्टता यात्रा में एक महत्वपूर्ण मानदंड के रूप में की जाती है। उन सभी, जिन्होंने भाग लिया है और उत्कृष्ट होने का उत्साह दर्शाया है, के लिए प्रशंसा के शब्द।

उत्कृष्टता की यात्रा सदैव बहते हुए उत्साह के साथ अबाधित चलती रहेगी।

3. वर्ष 2002-2003 के दौरान बीएचईएल की यूनिटों और कर्मचारियों द्वारा प्राप्त पुरस्कार

उत्कृष्टता और सरकारी क्षेत्र प्रबंध को उल्लेखनीय योगदान के लिए स्कोप पुरस्कार - व्यक्तिगत श्रेणी

श्री के.जी. रामचन्द्रन,अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता में सरकारी क्षेत्र प्रबंध को अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए वर्ष 2001-2002 के लिए सरकारी क्षेत्र प्रबंध में उल्लेखनीय योगदान और उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्टित ''स्कोप'' पुरस्कार प्राप्त किया है। इस पुरस्कार में एक लाख रुपए की नकद राशि और स्वर्ण पट्टिका प्रदान की जाती है।

केमटेक फाउंडेशन द्वारा ''वर्ष के उपलब्धिकर्ता का पुरस्कार''

श्री के.जी.रामचन्द्रन,अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को विद्युत संयंत्र और मशीनरी उद्योग की श्रेणी के अधीन उद्योग को उनके योगदान के मान्यताप्राप्त ''केमटेक'' फाउंडेशन द्वारा ''वर्ष के उपलब्धिकर्ता का पुरस्कार'' प्रदान किया गया है। उनका चयन देश के कुछ अत्यधिक प्रसिद्ध उद्योगपतियों की पुरस्कार समिति द्वारा सर्वसम्मति से किया गया था।

प्रधानमंत्री का श्रम पुरस्कार

श्रम मंत्रालय द्वारा संस्थापित प्रतिष्ठित ''प्रधानमंत्री का श्रम पुरस्कार'' नामतः श्रम भूषण, श्रम वीर और श्रम श्री वर्ष 2002 के लिए बीएचईएल के चार कर्मचारियों द्वारा प्राप्त किया गया है। यह वर्ष 1995 में पुरस्कार प्रारंभ करने से अब तक बीएचईएल द्वारा प्राप्त की गई पुरस्कारों की सर्वाधिक संख्या है।

विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार

वर्ष 2000 के लिए बीएचईएल के 13 कर्मचारियों द्वारा छः विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए गए। यह पुरस्कार श्रम मंत्रालय द्वारा स्थापित किया गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार

बीएचईएल की चार यूनिटें अर्थात तिरूची,हैदराबाद,इलेक्ट्रॉनिक्स प्रभाग बंगलौर और इलेक्ट्रोपोर्सलीन प्रभाग बंगलौर ने वर्ष 2000 के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार प्राप्त किया। यह पुरस्कार श्रम मंत्रालय द्वारा स्थापित किया जाता है।

''ऊर्जा प्रबंध में उत्कृष्टता'' - सीआईआई का पुरस्कार

एचईपीपी-हरिद्वार यूनिट को सीआईआई द्वारा चेन्नई में दिसम्बर,2002 में आयोजित प्रतियोगिता में अन्य कंपनियों के साथ ''ऊर्जा सक्षम यूनिट'' की श्रेणी में प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है।

''इनसान'' पुरस्कार

हैदराबाद यूनिट ने वर्ष 2002 के लिए ''इनसान'' राष्ट्रीय सम्मेलन में सुझाव स्कीम में उत्कृष्टता के लिए प्रथम पुरस्कार,सर्वोत्तम सुझावकर्ता पुरस्कार और दो सर्वोत्तम नारा पुरस्कार प्राप्त किया है। ये पुरस्कार भारतीय राष्ट्रीय सुझाव संघ (इनसान) द्वारा स्थापित किये जाते हैं। हैदराबाद यूनिट द्वारा प्राप्त किए गए पुरस्कारों का ब्यौरा निम्नानुसार हैं :

(क) सुझाव स्कीम (समूह-III) में उत्कृष्टता-प्रथम
(ख) सर्वोत्तम सुझावकर्ता पुरस्कार
(ग) सर्वोत्तम नारा पुरस्कार (हिन्दी)
(घ) सर्वोत्तम नारा पुरस्कार (अंग्रेजी)

4. मानव संसाधन विकास

वर्ष 2002-2003 के दौरान यूनिट तथा साथ ही नोएडा में शीर्ष स्तर पर हमारे विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 40466 भाग लेने वालों को शामिल किया गया। इसके अतिरिक्त समाज के प्रति हमारे सामाजिक दायित्व की पूर्ति के भाग के रूप में 3700 शिशिक्षुओं और 1300 तकनीशियन शिशिक्षुओं को भी हमारी यूनिटों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। हमारे उच्चतर ग्राहक संतुष्टि के लिए चालू प्रयासों के लिए भी लगभग 1100 ग्राहक कार्मिकों को यूनिटों में प्रशिक्षण केन्द्रों में हमारे उत्पादों पर पृष्ठभूमि संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।

5. अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति समुदाय के कल्याण और उन्नति के लिए कंपनी के कार्यकलाप

कंपनी अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण से संबंधित भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों और राष्ट्रपति के निर्देशों का नियमनिष्ठतापूर्वक अनुपालन करती रही है। वर्ष के दौरान बीएचईएल द्वारा अपनाए गए 56 गांवों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सामाजिक-आर्थिक विकास पर केन्द्रित कई सामुदायिक विकास कार्यकलाप किए गए।

अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व

दिनांक 1.1.2003 को कुल मानव शक्ति में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व क्रमशः 18.13 प्रतिशत और 3.73 प्रतिशत था।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की समूह बार संख्या **अनुबंध-क** में दी गई है।

वर्ष 2002 के दौरान अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की भर्ती

समूह-वार भर्ती के आंकड़े **अनुबंध-ख** में दिए गए हैं।

वर्ष 2002 के दौरान अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की पदोन्नति

समूह-वार पदोन्नति के आंकड़े **अनुबंध-ग** में दिए गए हैं।

6. दिनांक 1 जनवरी, 2003 को विकलांग कर्मचारियों की मानवशक्ति संख्या

दिनांक 1 जनवरी,2003 को कंपनी में विकलांग कर्मचारियों की समूह-वार मानवशक्ति संख्या **अनुबंध-घ** में दी गई है।

अनुबंध–क

दिनांक 1.1.2003 को कुल कर्मचारियों की संख्या और उनमें से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की संख्या दर्शाने वाला विवरण।

समूह / श्रेणी	कर्मचारियों की कुल सं.	अनुसूचित जाति	कुल कर्मचारियों में प्रतिशतता	अनुसूचित जनजाति	कुल कर्मचारियों में प्रतिशतता
समूह क	11851	1429	12.06	432	3.65
समूह ख	10672	1324	12.41	287	2.69
समूह ग	21233	4743	22.34	941	4.43
समूह घ	3179	1011	31.80	89	2.80
कुल	**46935**	**8507**	**18.13**	**1749**	**3.73**

अनुबंध–ख

वर्ष 2002 के दौरान अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों द्वारा भरी गई सीधी भर्ती में आरक्षित रिक्तियों की संख्या दर्शाने वाला विवरण।

पद की श्रेणी	भरी गई रिक्तियों की सं.	आरक्षित रिक्तियों की सं.		भरी गई रिक्तियों की सं.		परिवर्तित रिक्तियों की सं.	
		अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.जा.	अ.ज.जा.
क	267	39	18	41	19	0	0
ख	0	0	0	0	0	0	0
ग	56	10	3	14	0	0	0
घ	1	0	0	0	0	0	0
कुल	**324**	**49**	**21**	**55**	**19**	**0**	**0**

अनुबंध–ग

बीएचईएल में वर्ष 2002 के दौरान अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों द्वारा भरी गई रिक्तियों की कुल संख्या दर्शाने वाला विवरण।

समूह	पदोन्नति की कुल सं.	अनुसूचित जाति	प्रतिशतता	अनुसूचित जनजाति	प्रतिशतता
समूह क	1939	248	12.79	66	3.40
समूह ख	1996	303	15.18	46	2.30
समूह ग	3295	758	23.00	133	4.04
समूह घ	297	116	39.06	4	1.35
कुल	**7527**	**1425**	**18.93**	**249**	**3.31**

अनुबंध–घ

दिनांक 1 जनवरी, 2003 को कुल मानवशक्ति में विकलांग व्यक्तियों की समूह–वार स्थिति

समूह	कर्मचारियों की कुल संख्या	विकलांग व्यक्तियों की संख्या
क	11851	61
ख	10672	64
ग	21233	261
घ	3179	34

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली

कंपनी की कार्यकलापों के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों यथा बजट, खरीद, सामग्री, भंडार, निर्माण कार्य, लेखा, कार्मिक आदि को शामिल करते हुए प्रबंधन द्वारा जारी विभिन्न संहिताओं और नियम-पुस्तिकाओं में निर्धारित आंतरिक नियंत्रण कार्य विधियां हैं। उन संहिताओं और नियम-पुस्तिकाओं को समय-समय पर अद्यतन किया जाता है। कंपनी में विनिर्मिता यूनिटों और क्षेत्रीय कार्यकलापों में अवस्थित सुसंगठित आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग है, जो निदेशक (वित्त)/निदेशक मंडल स्तरीय लेखा परीक्षा समिति द्वारा अनुमोदित वार्षिक लेखा परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार लेखा परीक्षा करते हैं और उसका कारपोरेट आंतरिक लेखा परीक्षा द्वारा अनुवीक्षण किया जाता है। ऐसी लेखा परीक्षा का मुख्य उद्देश्य कंपनी की निर्धारित संहिताओं और नियम-पुस्तिकाओं में नियत आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और प्रभावोत्पादकता की जांच करना है। आंतरिक लेखा परीक्षा के कार्य और आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता की समीक्षा यूनिट स्तर की लेखा परीक्षा समितियों और निदेशक मंडल स्तर की लेखा परीक्षा समिति द्वारा की जाती है।

अवसर और चुनौतियां

विश्व

विद्युत क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय निवेश विदेशी विद्युत उपक्रमों और विकासशील विश्व में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश दोनों के रूप में हाल के वर्षों में धीमा हो गया है। यह भाग स्वरूप वैश्विक अर्थव्यवस्था की धीमी दशा और विद्युत क्षेत्र में कार्य अधिग्रहणों के असंतोषजनक वित्तीय कार्यनिष्पादन के कारण भी है। समग्र वातावरण से विकासकर्ताओं द्वारा एक जागरूक दृष्टिकोण अपनाया गया है और नई परियोजनाओं के प्रारंभ होने में लम्बा समय लग रहा है। विद्युत बाजार के पुनर्गठन और सुधार संबंधी प्रयोगों की ओर अग्रसर होने में परिवर्तन आ रहा है और कुछ देशों ने अपनी योजनाओं को विलंबित अथवा संशोधित किया है। कुल विश्वव्यापी आर्डर बुकिंग विनिर्माण क्षमता से बहुत कम रही है जिसके के कारण प्रमूख वैश्विक विद्युत संयंत्र उपस्कर विनिर्माओं, जो समेकन के चरण में गुजर रहे हैं, द्वारा उत्साही विपणन किया गया है।

जबकि हाल में समग्र आर्डरों में गिरावट आई, कई विकासशील देश आने वाले वर्षों में अपने विद्युत आधारढांचे को विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों, मध्य-पूर्व और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के कार्य देशों में नए विद्युत उपस्कर के लिए आशाजनक बाजार विद्यमान है। इसके अतिरिक्त विकासशील देशें में जेनरेटिंग मशीनरी की सर्विसिंग तथा साथ ही वितरित जेनरेशन में वैश्विक अवसर हैं।

भारत

विद्युत क्षेत्र

विद्युत मंत्रालय ने ''वर्ष 2012 तक सभी के लिए विद्युत'' प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें वर्ष 2007 तक सभी गांवों और वर्ष 2012 तक सभी घरों की विद्युतीकरण शामिल होगा। इस संबंध में, भारतीय विद्युत क्षेत्र की वित्तीय स्थिति और परियोजनाओं की तैयारी को देखते हुए योजना आयोग केअनुसार 10वीं योजनावधि के दौरान 41,110 मेगावाट की व्यवहार्य विद्युत उत्पादन क्षमता वृद्धि निर्धारित की गई है। इसके लिए उत्पादन पर 2000 बिलियन रुपए और पारेषण, वितरण और ग्रामीण विद्युतीकरण पर लगभग 1600 बिलियन रुपए के निवेश की आवश्यकता होगी। इस परिप्रेक्ष्य में, सरकार ने 10वीं योजना को परिव्यय में क्षेत्र के लिए सरकारी निधिपोषण में वृद्धि कर दी है ; इसके अतिरिक्त चालू योजनावधि में राज्य विद्युत बोर्डों को वित्तीय सहायता को रूप में 400 बिलियन रुपए की राशि निर्धारित की गई है।

जबकि यह परिदृश्य विद्युत संयंत्र उपस्कर के विनिर्माताओं के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत करना है वहीं वृद्धिकारी क्षमता वृद्धि लक्ष्य का मुख्य भाग केवल 10वीं योजना के परवर्ती वर्षों के दौरान ही मूर्त रूप ले सकता है। विद्युत क्षेत्र का विकास इस क्षेत्र में अच्छेद उत्साह और प्रोत्साहन के बावजूद धीमा है।

केन्द्रीय सरकार त्वरित विद्युत विकास और सुधार कार्यक्रम (एपीडीआरपी) के माध्यम से वितरण सुधारों को भी वित्तीय रूप से सहायता दे रही है और दसवीं पंचवर्षीय योजनावधि के लिए उसने त्वरित उत्पादन और आपूर्ति कार्यक्रम (एजीएंडएसपी) के विस्तार का अनुमोदन किया है। इसके अतिरिक्त कई राज्यों में केन्द्रीय सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ केन्द्रीय संगठनों को राज्य विद्युत बोर्डों द्वारा बकाया राशि के निपटान के लिए त्रिपक्षीय करारों पर हस्ताक्षर किए गए हैं जो सुधार प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा और उसका विद्युत क्षेत्र पर दीर्घावधिक लाभकारी प्रभाव पड़ेगा।

जबकि ईंधन के रूप में कोयला मध्यावधि और दीर्धावधि में विद्युत का मुख्य आधार बना रहेगा वहां सरकार जल-तापीय संयोजन में सुधार लाने और जल विद्युत को तीव्रतर गति से विकसित करने के लिए उपयुक्त नीतिगत उपायों पर कार्य कर रही है। सरकार की जल विद्युत पहल इस संबंध में अधिक बजटीय सहायता और तीव्रतर स्वीकृतियों जैसे विभिन्न प्रस्तावों को रेखांकित करती है। नई नवीकरणीय ऊर्जा नीति का लक्ष्य नवीकरणीय स्टैंड एलोन प्रणालियों और स्थानीय विद्युत ग्रिडों के माध्यम से दूरस्थ गांवों में विद्युत प्रदान करता है। अवधि विस्तार, ऊचत्तर क्षमता अनुपात और क्षमता की दर्जा वृद्धि के कार्यक्रमों द्वारा विद्युत क्षेत्र में कुछ क्षमता हानि को प्रतिसंतुलित करना प्रत्याशित है।

विद्युत विधेयक, 2003 का अधिनियम भारतीय विद्युत क्षेत्र में किए जा रहे व्यवसाय के तरीके में परिवर्तन लाएगा क्योंकि यह विद्युत वितरण में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करेगा और ग्राहक के चयन का अवसर देगा, जो विद्युत पारेषण और वितरण (टीएंडडी) खंड में तथा विद्युत उत्पादन में निवेशों को वर्धित गति और अवसर प्रदान करेगा। अधिनियम निजी संगठनों को उत्पादन में बढ़ावा देगा क्योंकि पारेषण स्तर और उपभोक्ताओं को सीधी बिक्री में मुक्त पहुंच स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों (आईपीपी) का शीघ्र वित्तीय समापन सुविधाजनक बनाएगा।

यह ऐसी स्थिति भी लाएगा जिसमें कैप्टिव विद्युत क्षमता के उदारीकरण से निवेश प्रारंभ करना प्रत्याशित है।

उद्योग क्षेत्र

घरेलू औद्योगिक उत्पादन ने संपूर्ण वर्ष 2002-2003 में उर्ध्वमुखी प्रवृत्ति दर्शाई और विनिर्माण क्षेत्र सुधार के संकेत दर्शा रहा है। इसके अतिरिक्त,आधारढांचा उद्योगों का कार्यनिष्पादन भी प्रोत्साहनजनक रहा है। औद्योगिक उत्पाद का सूचकांक (आईपीपी) पूंजीगत वस्तुओं में गति के साथ वर्ष 2001-2002 में -3.4 प्रतिशत के तीव्रतम से वर्ष 2002-2003 में 10.4 प्रतिशत की वृद्धिकारी प्रवृत्ति दर्शा रहा है।

वर्ष 2003-2004 में औद्योगिक वातावरण जैसा विभिन्न औद्योगिक दृष्टिकोण सर्वेक्षण द्वारा यथाप्रदर्शित है अनुकूल हो रहा है,जो मांग में वृद्धि और क्षमता उपयोग के आंकलन में सुधार इंगित करता है। तथापि, कई पूंजीगत वस्तु बाजार खंड मांग के संकुचन और इस्पात,पेट्रो-रसायन,उर्वरक आदि जैसे क्षेत्रों में विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं के प्रारंभ नहीं होने से प्रभावित हुए हैं। तेल-शोधन परियोजनाओं में विलम्ब/आस्थगन हो रहा है जबकि अन्य उद्योंगों में निवेश अवसंरचना की वृद्धि और निर्मित की जा चुकी मौजूदा क्षमताओं के उपयोग पर निर्भर है।

निजी और सरकारी क्षेत्र में हाल ही में गैस का पता लगाने से यह संभावना है कि नए विद्युत संयंत्र ईंधन के रूप में गैस पर आधारित होंगे। इसके अतिरिक्त,यह तेल और गैस क्षेत्र में अन्वेषण और उत्पादन उपस्कर विशेषकर पुराने हितों के पुनःमार्जन,नए रिगों की आवश्यकता तथा साथ ही पाइपलाइनों,कंप्रेसरों आदि की आवश्यकताओं में वृद्धि करेगा।

भविष्य के लिए दृष्टिकोण

बीएचईएल ने ''कार्यनीतिक योजना 2007'' शीर्षक से एक नई कारपोरेट योजना को अंतिम रूप दिया है और उसमें रेखांकित पहलों को कार्यान्वित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। कंपनी ने उन कल्पनादृष्टि लक्ष्य और मूल्य विवरण भी पुनःनिर्धारित किया है, जिसे इसकी वर्तमान आकांक्षाओं को प्रदर्शित करने के लिए उपयुक्त रूप से पुनःसमायोजित किया गया है। कारपोरेट विवरण के अनुरूप कंपनी उपयुक्त कार्यनीतियों और ध्यान केन्द्रण क्षेत्रों के साथ त्वरित विकास का लक्ष्य बना रही है। इस परिप्रेक्ष्य में कंपनी की मूल सुदृढ़ताओं के साथ संयोजन करते हुए कंपनी द्वारा कई विकास को अवसरों का पता लगाया गया है, जैसे :

- विद्युत उत्पादन, विद्युत पारेषण,परिवहन और औद्योगिक प्रणालियों और उत्पादों के मूल व्यवसाय को सुदृढ़ करना और उसका विस्तार करना।
- एनसीईएसव,तेल क्षेत्र,लवणता समापन आदि जैसे कतिपय क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए मौजूदा सुदृढ़ता में वृद्धि और ईपीसी,विद्युत संयंत्र प्रचालन और अनुरक्षण (ओएंडएम) तथा महत्व श्रृंखला विस्तार के रूप में बाजार-पश्च सेवाओं जैसे संबद्ध क्षेत्रों में विविधीकृत होना।
- जल प्रबंध, प्रदूषण नियंत्रण और अपशिष्ट प्रबंध,पत्तन प्रहस्तन प्रणालियों, सिमुलेटर (विद्युत और प्रक्रिया) ,ऊर्जा संरक्षण प्रणालियों,एलएनजी टर्मिनल आदि जैसे नए क्षेत्रों में प्रवेश करना।
- विद्युत क्षेत्र में आधिपत्यपूर्ण ज्ञान और कतिपय उद्योगों में प्रक्रियात्मक ज्ञान में वृद्धि और विद्युत क्षेत्र के लिए सूचना प्रौद्योगिकी सॉफ्टवेयर सेवाओं और इंजीनियरी अनुप्रयोगों तथा साथ ही औद्योगिक सूचना प्रौद्योगिकी/ऑटोमेशन में प्रवेश करना।
- विद्युत उत्पादन और पारषण तथा वितरण जैसे अनवरत राजस्व प्रवाह व्यवसाय में प्रवेश करना।
- वैश्वीकरण/निर्यात पहलों के एक भाग के रूप में नियमित ईपीसी संविदाकार के रूप में स्थापित होना और बिक्री पश्च,नवीकरण और आधुनिकीकरण,प्रचालन और अनुरक्षण सेवाओं पर ध्यान देना और अतिरिक्त पुर्जों से योगदान में वृद्धि करना।

जोखिम और चिन्ताएं

वैश्विक बाजार के वातावरण में,मुख्य चिन्ता इस बात पर है कि क्या विकासशील देश विद्युत क्षेत्र में अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं और आवश्यक निवेश के निधिपोषण के लिए पूंजी कैसे तत्काल उपलब्ध होगी।

घरेलू विद्युत क्षेत्र नेमांग में वृद्धि के साथ गति नहीं बनाई रखी है जिससे देश को ऊर्जा और शीर्ष कमियों का सामना करना पड़ा है। वास्तव में 40,245 मेगावाट में लक्ष्य की तुलना में 9वीं योजना के दौरान केवल 19,015 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता वृद्धि प्राप्त की गई थी और 10वीं योजना के लिए लक्षित क्षमता वृद्धि के पर्याप्त भाग के लिए मुख्य संयंत्र के उपस्करों का आर्डर अभी भी दिया जाना है।

भारतीय विद्युत क्षेत्र के अन्तर्निहित मुद्दों के कारण सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए सुधारों को उनके द्वारा गति प्राप्त करने के पूर्व कुछ समय लग सकता है और व्यवसाय में संलग्न संगठनों को नई अनिश्चितताओं और जटिलताओं का सामना करना होगा। यद्यपि विद्युत अधिनियम,2003 आशय में सख्त है परन्तु सुधारों को अंगीकार करने के लिए राज्य स्तर तैयारी अभी भी महत्व रखती है। उसकी सफलता प्रत्येक राज्य और उनके विनियामक आयोगों पर निर्भर करेगी। इसके अतिरिक्त, विद्युत अधिनियम, 2003 उसमें संशोधनों के समामेलन के बाद ही अपने वास्ताविक रूप में सामने आएगा। इसके अतरिक्त, ईंधन का चयन और विद्युत क्रय करार विद्युत क्षेत्र में चिन्ता के मुद्दे है।

परिवहन उपस्कर के अतिरिक्त,यह दर्शाते हुए कि औद्योगिक सुधार के बावजूद निवेश में अभी भी वृद्धि होनी है, मशीनरी और उपस्कर का घरेलू औद्योगिक समूह ने धीमा विकास दर्ज करना जारी रखा है।

सहयोगकर्त्ता भारत से बाहर विशेषकर जहां बीएचईएल ने संदर्भ और सुदृढ़ता निर्मित किया है, के क्षेत्रों में अपने बाजार के हिस्से के संरक्षण के लिए लाइसेंस करार के अधीन निर्यात की सीमाओं को वर्धित रूप से प्रतिबंधित कर रहे हैं।

लेखापरीक्षक रिपोर्ट

सेवा में,
सदस्य
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

हमने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड,नई दिल्ली के दिनांक 31 मार्च,2003 के संलग्न तुलनपत्र और उसी तारीख को समाप्त वर्ष के संलग्न लाभ और हानि लेखा की लेखापरीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण कंपनी के प्रबंधन के उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखापरीक्षा को आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर मत व्यक्त करना है।

हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार की है। वे मानक अपेक्षा करते हैं कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाते और निष्पादित करते हैं कि क्या वित्तीय विवरण वास्तविक गलत विवरण से मुक्त हैं या नहीं। लेखापरीक्षा में परीक्षण आधार पर वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटनों का समर्थन करने वाले साक्ष्य की जांच शामिल होती है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों तथा प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आंकलन तथा साथ ही समय वित्तीय विवरण प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है। हम विश्वास करते हैं कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे मत के लिए उचित आधार प्रदान करते हैं।

(i) उपरोक्त तुलनपत्र और लाभ और हानि लेखा में कारपोरेट कार्यालय,उन्नत अनुसंधान परियोजना, विद्युत क्षेत्र परियोजना इंजीनियरी प्रबंध और वाणिज्यिक समूह तथा विद्युत क्षेत्र मुख्यालय नई दिल्ली के हमारे द्वारा लेखापरीक्षित लेखे और विदेशी शाखाओं सहित अन्य यूनिटों,शाखाओं सहित अन्य यूनिटों,शाखाओं तथा कार्यालयों/ प्रभागों,जहां हमारा दौरा नहीं हुआ है,और जिनकी भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त शाखा लेखापरीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षा की गई थी,के लेखे शामिल हैं।

(ii) विदेशी शाखाओं,क्षेत्रीय और अन्य कार्यालयों के लेखे की रिपोर्ट पर उन यूनिटों/ प्रभागों, जिनके इन विदेशी शाखाओं और क्षेत्रीय तथा अन्य कार्यालयों के लेखे शामिल किए गए हैं,का शाखा लेखापरीक्षकों द्वारा विचार किया गया है। शाखा लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट हमें प्रस्तुत कर दी गई है और उस पर कंपनी के उक्त तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि लेखे पर हमारा मत तैयार करने के प्रयोजनार्थ हमारे द्वारा विचार किया गया है।

(iii) कंपनी अधिनियम,1956 की धारा 227(4क) की शर्तों के अनुसार कंपनी विधि बोर्ड द्वारा जारी विनिर्माण और अन्य कंपनी

(लेखापरीक्षक रिपोर्ट) आदेश,1988 द्वारा जैसा अपेक्षित है,हम अनुबंध में उक्त आदेश के पैराग्राफ 4 और 5 में निर्दिष्ट मामलों पर एक विवरणी संलग्न करते हैं।

(iv) ऊपर पैराग्राफ-III में उल्लिखित अनुबंध में अपनी टिप्पणियों के अतिरिक्त हम रिपोर्ट करते हैं कि :

(1) लेखाकरण नीति सं. 9(iii) के कारण 10,000 रुपए तक की लागत वाली अचल परिसंपत्तियों और जिनका हासिल मूल्य वर्ष के प्रारंभ में 10,000/-रुपए अथवा उससे कम है, के खर्च के लिए 288.56 लाख रुपए का अतिरिक्त मूल्यह्रास प्रदान किया गया है (अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 4 का अवलोकन करें)।

(1) लेखे में आवश्यक प्रकटन के साथ लेखापरीक्षकों द्वारा उल्लिखित नीति का कंपनी द्वारा कई वर्षों से लगाकार अनुपालन किया जा रहा लेखाकरण नीति के अनुरूप है।

(2) विविध देनदारों, लेनदारों, संविदाकारों को दिए गए अग्रिमों, जमाराशियों और उप-संविदाकारों/ फैब्रिकेटरों के पास पड़ी हुई स्टाक सामग्री पुष्टिकरण तथा समंजन के अधीन हैं। लेखे पर उनका परिणामी प्रभाव,अगर कोई है, अनिश्चित रहता है (अनुसूची 19 की टिप्पणी सं. 25 का अवलोकन करें)।

(2) पुष्टि के लिए अनुरोध भेजे जाते हैं और पार्टियों के साथ चालू प्रक्रिया के रूप में समंजन किया जाता है तथा प्रबंधन इसके कारण लेखे पर किसी महत्वपूर्ण प्रभाव की संकल्पना नहीं करता।

(3) आपका ध्यान निम्नलिखित की ओर आकर्षित किया जाता है :

(i) 24,974.61 लाख रुपए की निर्धारण वर्ष 1992-93 से संबंधित आयकर की विवादित मांग के संबंध में अनुसूची 19 में टिप्पणी सं. 9 (क)।

(i) मामला न्यायनिर्णयाधीन है।

(ii) निर्णीत हर्जाने और सेवानिवृत्ति पर कर्मचारियों को यात्रा लाभ,जिससे वर्ष के लिए लाभ में 2,675.87 लाख रुपए की कमी हुई,से संबंधित लेखाकरण नीति के संशोधन के संबंध में अनुसूची 19 की टिप्पणी सं.15(क) और 15(ख)।

(ii) वर्ष 2001-2002 के लिए लेखे की लेखापरीक्षा के दौरान सरकारी लेखापरीक्षा को दिए गए आश्वासन के अनुरूप संशोधन कर दिए गए है।

(4) हम आगे सूचित करते हैं कि उपरोक्त पैराग्राफ 2 के प्रभाव और ऊपर 1 में यथाउल्लिखित मूल्यह्रास पर पूर्व वर्षों के प्रभाव पर विचार किए बिना,उनके प्रभाव का निर्धारण नहीं किया जा सका,अगर उपरोक्त पैराग्राफ 1 में हमारे द्वारा किए गए अवलोकन पर विचार किया गया होता तो वर्ष के लिए कर-पूर्व लाभ 80,532.02 लाख रुपए (सूचित किए गए 80,243.46 लाख रुपए के आंकड़े की तुलना में) हुआ होता,प्रारक्षित निधि और अधिशेष 456,179.57 लाख रुपए (4,56,891.01 लाख रुपए के सूचित आंकड़ों की तुलना में) हुआ होता और अचल परिसंपत्तियों का कुल निवल ब्लॉक 1,17,338.72 लाख रुपए (1,17,050.16 लाख रुपए के सूचित आंकड़ों की तुलना में) हुआ होता।

पूर्वाक्त और उसके परिणामी प्रभाव के अधीन :

(क) हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं,जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास में लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे।

(ख) जहां तक उन बहियों की हमारी जांच से प्रतीत होता है, हमारी राय में कंपनी ने विधि द्वारा यथापेक्षित उचित लेखा बहियां रखी है।

(ग) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलनपत्र, लाभ और हानि लेखा और रोकड़ प्रवाह विवरण लेखा बहियों और शाखाओं से प्राप्त लेखापरीक्षित विवरणियों से मेल खाते हैं।

(घ) हमारी राय में इस उत्तर में उल्लिखित तुलनपत्र, लाभ और हानि लेखा तथा रोकड़ प्रवाह विवरण कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 211 के उप-धारा(3ग) में उल्लिखित लेखाकरण मानकों के अनुरूप हैं।

(ड.) निदेशकों से प्राप्त लिखित अभ्यावेदनों तथा निदेशक मंडल द्वारा दर्ज किए गए के आधार पर हम सूचित करते हैं कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274 की उप-धारा (1) के खंड (छ) के अनुसार दिनांक 31 मार्च, 2003 को किसी भी निदेशक को निदेशक होने में अयोग्य नहीं किया गया है। तथापि, कंपनी कार्य विभाग, भारत सरकार से प्राप्त दिनांक 22 मार्च, 2002 के पत्रानुसार धारा 274(1)(छ) के उपबंध भारत सरकार द्वारा नामित निदेशकों पर लागू नहीं है।

(च) हमारी राय और हमारी सर्वोत्तम जानकारी में तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार अनुसूची-19 में लेखाकरण नीतियों और व्याख्यात्मक टिप्पणियों के साथ पठित उक्त लेखे कंपनी अधिनियम, 1956 द्वारा यथापेक्षित सूचना इस प्रकार अपेक्षित तरीके से प्रदान करते हैं और भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप उचित और सही चित्र प्रस्तुत करते हैं :

(i) दिनांक 31 मार्च, 2002 को तुलनपत्र के मामले में कंपनी की कार्य स्थिति; और

(ii) उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए लाभ के लाभ और हानि लेखे के मामले में; और

(iii) उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए रोकड़ प्रवाह के रोकड़ प्रवाह विवरण के मामले में।

कृते जे.सी. भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

ह./-
(सुधीर मल्लिक)
भागीदार

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 13 जून, 2003

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध

(समसंख्यक दिनांक की हमारी रिपोर्ट के पैरा-III में उल्लिखित)

प्रबंधन का उत्तर

1. कंपनी ने सामान्यतः मात्रात्मक विवरण और अपनी स्थायी परिसंपत्तियों की स्थिति सहित पूर्ण विवरण दर्शाते हुए उचित रिकार्ड रखा है। पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों को छोड़कर प्रबंधन ने वास्तविक सत्यापन के अपने चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार सामान्यतः स्थायी परिसंपत्तियों के एक भाग का वास्तविक सत्यापन कर लिया है,जिसे कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए उचित माना गया है और वर्ष के दौरान किए गए सत्यापन की सीमा तक ऐसे सत्यापन पर कोई वास्तविक विसंगति नहीं पाई गई है।

2. वर्ष के दौरान किसी भी स्थायी परिसंपत्ति का पुर्नःमूल्यन नहीं किया गया है।

3. विनिर्माता प्रभागों के मामले में सामग्री के स्टॉक,अतिरिक्त पुर्जे,संघटक और इकाइयों में पड़े कच्चे माल का सतत मालसूची प्रणाली के अधीन सत्यापन किया गया है।

   व्यापार के लिए अधिग्रहित तथा इकाईयों के भंडारों में पड़े हुए सामानों और अतिरिक्त पुर्जों का प्रबंधन द्वारा समुचित अंतरालों पर वास्तविक सत्यापन किया गया और ऐसे सत्यापन पर कोई वास्तविक विसंगति नहीं पाई गई।

   सेवा प्रभागों के संबंध में सामग्री,अतिरिक्त पुर्जे आदि की तत्काल खपत के लिए खरीद की जाती है और अप्रत्युक्त शेष सामग्री का वर्ष के अंत में वास्तविक रूप से सत्यापन किया गया है।

   अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए खरीदी गई सामग्रियों को सीधे लाभ और हानि लेखे में प्रभारित किया जाता है।

   प्रभागों के योजना विभाग की उत्पादन रिपोर्टों और निरीक्षण रिपोर्टों के संदर्भ में वर्ष के अंत में निर्मित सामग्रियों के स्टॉक और चालू कार्यों का सत्यापन किया जाता है।

   संविदाकारों/फेब्रिकेटरों और अन्य पक्षों के पास पडे हुए स्टॉक के संबंध में केवल कुछ मामलों में पुष्टियां प्राप्त हुई थी।

   उपयुक्त के अधीन,हमारी राय में सत्यापन की बारम्बारता उचित है।

4. प्रबंधन द्वारा स्टॉक के वास्तविक सत्यापन के लिए अपनाई गई कार्यविधि कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रकृति के संबंध में सामान्यतः उचित और पर्याप्त है।

बीएचईएल ने दिनांक 31 मार्च,2002 तक भारतीय रेल की टाईप (डब्ल्यूसीएएम-3) के 53 एसी/डीसी इंजनों और टाइप डब्ल्यूसीएजी-1 के 12 एसी/डीसी इंजनों की पट्टे पर आपूर्ति की है। भारतीय रेल के साथ किए गए पट्टा करार के अनुसार पूर्व की भांति भारतीय रेल से इन इंजनों के वास्तविक कब्जे की पुष्टि करते हुए एक प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया गया है।

पुष्टि के लिए अनुरोधों को भेजा जाता है और पक्षों के साथ चालू प्रक्रिया के रूप में समंजन किया जाता है तथा प्रबंधन इसके कारण लेखे पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव संकल्पित नहीं करता।

5. कंपनी के आकार और प्रचालन की प्रकृति से संबंधित बही के रिकार्ड की तुलना में स्टॉक के वास्तविक सत्यापन पर देखी गई विसंगति कोई अर्थ नहीं रखती और कंपनी की लेखा बहियों में समुचित रूप से विचार किया गया है।

6. हमारी राय में लेखाकरण नीति संख्या 7 के साथ पठित उपर्युक्त स्टॉक का मूल्यांकन सही और उचित है और सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार है और उधार लेने की लागत के पूंजीकरण की सीमा तक छोड़कर पूर्व वर्षों के आधार पर की है।

7. दी गई सूचना और प्रदान किए गए स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 और 307(1ख) के अधीन रखे जाने के लिए अपेक्षित रजिस्टर सूचीबद्ध या तो फर्मों अथवा किसी अन्य पक्षों से रक्षित अथवा आरक्षित ऋण नहीं लिया है।

8. दी गई सूचना और प्रदान किए गए स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने कंपनी अधनियिम, 1956 की धारा 301 और 307(1ख) के अधीन रखे जाने के लिए अपेक्षित रजिस्टर में सूचीबद्ध फर्मों अथवा अन्य पक्षों से रक्षित अथवा अरक्षित कोई ऋण नहीं किया है।

9. कंपनी द्वारा ऋण की प्रकृति में पक्षों और कर्मचारियों को दिए गए ऋणों और अग्रिमों के संबंध में मूल राशि और ब्याज की वसूली, जहां भी लागू हो, सामान्यतः यथानिर्दिष्ट की गई है।

10. हमारी राय में और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी के आकार और इसके व्यवसाय के अनुरूप संघटकों, संयंत्र और मशीनरी, उपस्कर और अन्य परिसंपत्तियों तथा सामग्रियों की बिक्री सहित भंडारों , कच्चे माल की खरीद के लिए पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण कार्यविधि है।

11. दी गई और प्रदान किए गए स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने संविदा अथवा करार के अनुसरण में कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 201 के अधीन रखे जाने के लिए अपेक्षित रजिस्टर में सूचीबद्ध प्रत्येक पक्ष के संबंध में वर्ष के दौरान 50,000 रुपए अथवा अधिक के सामानों और सामग्रियों की खरीद सामानों और सेवाओं की बिक्री नहीं की गई है।

12. जैसा हमें स्पष्ट किया गया है, कंपनी में अप्रयोज्य या क्षतिग्रस्त सामग्री, कच्चे माल और निर्मित माल के निर्धारण के लिए उचित प्रणाली है। कंपनी की नीति के अनुसार इस प्रकार निर्धारित मदों के संबंध में होने वाली क्षति के लिए लेखे में पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं।

13. कंपनी ने वर्ष के दौरान जनता से कोई जमाराशि स्वीकार नहीं की है।

14. हमारी राय में, कंपनी ने महत्वपूर्ण रद्दी की बिक्री और निपटान के लिए उचित रिकार्ड रखे हैं। हमें सूचित किया गया है कि कंपनी के प्रचालनों द्वारा कोई प्राप्तव्य उप-उत्पाद का उत्पादन नहीं होता।

15. हमारी राय में, कंपनी की आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली व्यापक तौर पर कंपनी के आकार और उसके व्यावसाय की प्रकृति के अनुरूप है। तथापि, कुछ इकाइयों में इसे अधिक व्यापक बनाने, आवधिकिता में सुधार करने और आंतरिक लेखापरीक्षा की सुदृढ़ बनाने की गुंजाइश है।

जहां भी आवश्यक है, आंतरिक लेखापरीक्षा को सुदृढ़ करने के उपाय किए जा रहे हैं।

16. प्रथम दृष्टया, कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 209 (1)(च) के अधीन केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार विद्युत मोटरों सीवन रहित (सीमलेस) इस्पात ट्यूबों, इलेक्ट्रिक जेनरेटर, पावर ट्रांसफार्मर विद्युत चालित पम्पों, कंट्रोल ईसट्मेटेंशन और ऑटोमेशन उपस्कर के विनिर्माण के लिए निर्धारित लागत लेखा और रिकार्ड रखा है। तथापि यह निर्धारित करने की दृष्टि से कि वे यथार्थ अथवा पूर्ण हैं, रिकार्डों की विस्तृत जांच नहीं की गई थी। हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दी गई सूचना के अनुसार केन्द्र सरकार ने कंपनी के अन्य उत्पादों के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 209(1)(घ) के अधीन लागत रिकार्ड रखना निर्धारित नहीं किया है।

17. कंपनी के रिकार्ड के अनुसार कुछ यूनिटों के मामले में 547.97 लाख रुपए की कर्मचाररी राज्य बीमा की बकाया राशि, जिसे उच्च प्राधिकारियों के समक्ष अमान्य सिद्ध किया जा रहा है, को छोड़कर वर्ष के दौरान भविष्य निधि और कर्मचारी राज्य बीमा की बकाया राशियां, जहा लागू हों, साधारण्तया उपयुक्त प्राधिकारियों के पास जमा की गई हैं।

दोनों मामले न्यायनिर्णयाधीन हैं।

18. हमें दी सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार आयकर, संपत्ति कर, बिक्री कर, सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क जो दिनांक 31 मार्च, 2003 को इनके देय होने की तारीख से छः महीनें की अनधिक अवधि के लिए बकाया रही है, के संबंध में कोई अविवादित और बकाया राशियां नहीं हैं।

19. दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार और सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण व्यवहारों के अनुसार लेखा बहियों की जांच पर संविदात्मक दायित्वों से उत्पन्न हुए अथवा सामान्यतः स्वीकृत व्यवसाय व्यवहार के अनुसार कोई भी व्यक्तिगत व्यय लाभ और हानि लेखे में प्रभारित नहीं किया गया है।

20. रूग्ण औद्योगिक कंपनी(विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 की धारा 3 (1)(ण) के उपबंधों के अधीन कंपनी रुग्ण कंपनी नहीं गई है।

21. सेवा कार्यकलापों के संबंध में :

(क) कंपनी में उसके आकार और व्यवसाय की प्रकृति के अनुरूप प्राप्तियों, निर्गमनों, सामग्रियों और भंडार की खपत तथा संबद्ध कार्यों के लिए खपत की गई सामग्री के आबंटन का रिकार्ड रखने की उचित प्रणाली है।

(ख) कंपनी के पास सामान्यतः अपने आकार और उसके व्यवसाय की प्रकृति के अनुरूप संबद्ध कार्यों के लिए प्रयुक्त मानव-घंटे आबंटित करने की उचित प्रणाली है।

(ग) भंडार से माल निर्गमन और कार्य के लिए भंडार और श्रमिक के आबंटन पर कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय को प्रकृति के अनुरूप आंतरिक नियंत्रण की पर्याप्त प्रणाली के साथ उचित स्तरों पर प्राधिकार की उचित प्रणाली है।

कृते जे.सी.भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
ह./-
(सुधीर मल्लिक)
भागीदार

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 13 जून, 2003

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के 31 मार्च, 2003 को समाप्त हुए वर्ष के लेखे पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक की टिप्पणियां।

नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां		प्रबंधन का उत्तर
क. लाभ और हानि लेखा	**(लाख रुपए)**	
कंपनी के 44451.27 लाख रुपए के लाभ को निम्नलिखित के कारण 2544.66 लाख रुपए अधिक बनाया गया था :		
(i) परीक्षण चालन के पूरा होने में विलंब और गैस टर्बाइनों की उपलब्धता (एनटीपीसी की फरीदाबाद परियोजना) में कमी के लिए निर्णीत हर्जाने का प्रावधान नहीं करना, संशोधित नीति और दिशानिर्देशों के अनुसार इस वित्तीय वर्ष के दौरान इस परियोजना के लिए निर्णीत हर्जाने हेतु प्रावधान का सृजन आवश्यक नहीं है।	2500.00	वर्ष 2001-2002 के लिए लेखे की लेखा परीक्षा के दौरान एमएबी को दिए गए आश्वासन के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय रूप से विख्यात चार्टर्ड एकाउंटेंट की फर्म से राय प्राप्त की गई थी और दिशानिर्देशों के साथ निर्णीत हर्जाने पर नीति को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए संशोधित और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था।
(ii) तीन वर्षों से अधिक के लिए वसूली के लिए शेष डुबंत और संदिग्ध ऋणों का प्रावधान नहीं करना।	33.14	प्रबंधन के आंकलन पर आधारित वर्ष के दौरान इन मामलों में कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा जाता है।
(iii) मार्गस्थ सामग्रियों का कुल कारोबार के रूप में लेखाकरण	11.52	दर्ज किया गया।
ख. सामान्य		
(i) कंपनी निर्यात बिक्री के संबंध में और संविदाओं के पूरा होने के पूर्व आपूर्ति और उत्थापन संविदाओं के कुछ मामलों में वसूली योग्य मूल्य के 97.5 प्रतिशत की बजाए 100 प्रतिशत का राजस्व मानती रही है। यह इसकी लेखाकरण नीति सं. 5(ii) और (iii) के अनुसार नहीं है।		(क) निर्यात बिक्री पूर्व वर्षों के समान परिणामों पर कोई प्रभाव नहीं होने के साथ समतुल्य 2.5 प्रतिशत के वारंटी प्रावधान सहित 100 प्रतिशत पर मानी गई है। (ख) बीएचईएल विनिर्मित मदों की आपूर्ति पूर्ण वर्षों के समान सही रूप से 47.5 प्रतिशत पर लेखाबद्ध की गई है। (ग) उत्थापन आय को लेखाकरण नीति सं.5(iii) के अनुसार पूर्व वर्षों के समान सही रूप से लेखाबद्ध किया गया है।
(ii) आकस्मिक देयताओं (अनुसूची 19) में सूरतगढ़ यूनिट के संबंध में 226.56 लाख रुपए के निर्णीत हर्जाने की राशि से संबंधित दावा शामिल नहीं है।		ग्राहक ने लिखित रूप में निर्णीत हर्जाने की माफी पर विचार करने पर सहमति दी है। इसलिए इसे आकस्मिक देयता में शामिल करना आवश्यक नहीं समझा गया था।

ह./-
रेवती बेदी
प्रधान निदेशक,वाणिज्यिक लेखापरीक्षा एवं पदेन
सदस्य,लेखापरीक्षा बोर्ड-III,
नई दिल्ली

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 21 अगस्त,2003

भारत के नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक द्वारा भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के 31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लेखों की समीक्षा।

टिप्पणी : लेखे की समीक्षा कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के अधीन और सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में विहित प्रतिबंधों को ध्यान में रखे बिना तैयार की गई है।

1. वित्तीय स्थिति

नीचे दी गई सारणी पिछले तीन वर्षों के लिए मुख्य शीर्षों के अधीन कंपनी की वित्तीय स्थिति का सारांश प्रस्तुत करती है :

(करोड़ रुपए में)

	2000-2001	2001-2002	2002-2003
देयताएं			
(क) चुकता पूंजी			
(i) सरकार (आबंटन होने तक शेयर आवेदन राशि सहित)	165.76	165.76	165.76
(ii) अन्य	79.00	79.00	79.00
(ख) (i) मुक्त प्रारक्षित निधि और अधिशेष	3582.83	4222.08	4556.14
(ii) पूंजी प्रारक्षित निधि	2.77	2.77	2.77
(ग) उधार			
(i) वित्तीय संस्थाओं से	120.29	15.61	4.69
(ii) नकद ऋण	590.34	0.28	0.00
(iii) अन्य	312.64	626.28	500.00
(iv) प्रोद्भूत और देय ब्याज	2.33	2.33	2.33
(घ) (i) चालू देयताएं और प्रावधान	4162.96	4715.86	4756.06
(ii) पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए क्रेडिट	0.00	21.29	24.07
जोड़	**9018.92**	**9851.26**	**10090.82**
परिसंपत्तियां			
(ङ) सकल ब्लॉक	3004.05	3182.00	3349.31
(च) घटाएं : मूल्यह्रास	1902.81	2057.68	2230.28
जोड़ें : पट्टा समायोजन लेखा	41.37	52.26	51.47
(छ) निवल ब्लॉक	1142.61	1176.58	1170.50
(ज) चालू पूंजीगत कार्य	61.18	56.67	58.70
(झ) निवेश	10.34	10.34	10.33
(ञ) चालू परिसंपत्तियां, ऋण तथा अग्रिम	7576.20	8053.77	8348.40
(ट) आस्थगित कर परिसंपत्तियां	-	304.62	407.39
(ठ) बट्टे खाते नहीं डाले गए विविध व्यय	228.59	249.28	95.50
जोड़	**9018.92**	**9851.26**	**10090.82**
(ड) कार्यशील पूंजी (ञ-घ(i)-ग(iv)	3410.91	3335.58	3590.01
(ढ़) नियोजित पूंजी (छ+ड)	4553.52	4512.16	4760.51
(ण) निवल मूल्य (क+ख(i)-ठ)	3599.00	4217.56	4705.40
(त) पूंजी का प्रति रुपया निवल मूल्य	14.70	17.23	19.22

2. निधियों के स्त्रोत और उपयोग

नीचे दिये गए विवरण के अनुसार वर्ष के दौरान आंतरिक और बाह्य स्त्रोतों से 770.90 करोड़ रुपए की राशि वसूल की गई और उसका उपयोग किया गया :

(करोड़ रुपए में)

निधियों के स्त्रोत		
(क) प्रचालन से प्राप्त निधियां :		
कर–पश्चात लाभ	444.51	
जोड़े : मूल्यह्रास	172.60	617.11
(ख) बट्टे खाते नहीं डाले गए विविध व्यय में कमी		153.78
(ग) उधार ली गई निधियों में कमी		0.01
जोड़		**770.90**
निधियों का उपयोग		
(क) स्थायी परिसंपत्तियों में वृद्धि		166.52
(ख) अदा किया गया लाभांश (लाभांश कर सहित)		97.90
(ग) उधार ली गई निधियों में कमी		134.70
(घ) आस्थगित कर परिसंपत्तियों में वृद्धि		102.77
(ङ) कार्यशील पूंजी में वृद्धि (प्रस्तावित लाभांश और उस पर कर को छोड़कर)		266.98
(च) सीडब्ल्यूआईपी में वृद्धि		2.03
जोड़		**770.90**

3. कार्य परिणाम

दिनांक 31 मार्च को समाप्त पिछले तीन वर्षों के लिए कंपनी के कार्य परिणाम नीचे दिए गए हैं

(करोड़ रुपए में)

	2000-2001	**2001-2002**	**2002-2003**
(i) बिक्री	6377.36	7297.28	7482.22
(ii) घटाएं : उत्पाद शुल्क	633.65	691.54	551.92
(iii) निवल बिक्री	5743.71	6605.74	6930.30
(iv) अन्य अथवा विविध आय	505.42	493.92	508.72
(v) कर–पूर्व लाभ और पूर्वावधि समायोजन	294.53	657.35	812.24
(vi) पूर्वावधि समायोजन	0.44	5.48	9.81
(vii) कर–पूर्व लाभ*	294.09	662.83	802.43
(viii) कर प्रावधान	(-) 18.52	194.89	357.92
(ix) कर–पश्चात लाभ	312.61	467.95	444.51
(x) प्रस्तावित लाभांश	80.92	97.90	110.45

*यूनिट–वार कार्य परिणाम अनुबंध में दिया गया है।

4. अनुपात विश्लेषण

31 मार्च को समाप्त पिछले तीन वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति पर कुछ महत्वपूर्ण वित्तीय अनुपात निम्नानुसार है :

(करोड़ रुपए में)

	2000-2001	**2001-2002**	**2002-2003**
क. नकदी अनुपात :			
चालू अनुपात [ञ/घ(i)+ग(iv)]	1.82	1.71	1.75

ख. ऋण इक्विटी अनुपात			
दीर्घावधिक ऋण/इक्विटी [ग(i) से (iii) अल्पावधिक ऋण/ण को छोड़कर]	0.13	0.15	0.11
ग. लाभप्रदता अनुपात :			(प्रतिशत में)
(क) कर–पूर्व लाभ			
(i) नियोजित पूंजी	6.46	14.69	16.86
(ii) निवल मूल्य	8.17	15.72	17.05
(iii) बिक्री	4.61	9.08	10.72
(ख) इक्विटी पर कर–पश्चात लाभ	127.72	191.19	181.61
(ग) प्रति शेयर अर्जन (रुपए में)	12.77	19.12	18.16

5. माल–सूची स्तर

31 मार्च को समाप्त पिछले तीन वर्षों के अंत में माल–सूची स्तर निम्नानुसार है :

(करोड़ रुपए में)

	2000-2001	**2001-2002**	**2002-2003**
(क) कच्चा माल	660.35	7655.60	719.66
(ख) सामग्री, अतिरिक्त पुर्जे और खुले औजार	98.83	90.26	80.86
(ग) चालू कार्य और अर्ध–निर्मित वस्तुएं	1081.44	1074.13	938.43
(घ) निर्मित वस्तुएं	208.98	185.62	274.81
(ङ) रद्दी	12.07	12.11	13.30
जोड़	**2061.67**	**2017.72**	**2027.06**

निर्मित वस्तुओं का स्टॉक वर्ष 2000–01, 2001–02 और 2002–03 में क्रमशः 0.39,0.31 और 0.44 महीनों की बिक्री प्रदर्शित करते हैं।

6. विविध देनदार

31 मार्च को समाप्त पिछले तीन वर्षों में विविध देनदार और बिक्रियां निम्नानुसार हैं :

(करोड़ रुपए में)

31 मार्च को	विविध देनदार			बिक्री (उत्पाद शुल्क सहित)	विविध देनदारो ंकी बिक्री के अनुसार प्रतिशतता
	सही माने गये	संदिग्ध माने गये	जोड़		
2001	4174.30	608.81	4783.11	6377.36	75.00
2002	4584.19	638.30	5222.49	7297.28	71.57
2003	4075.78	677.56	4753.34	7482.22	63.53

दिनांक 31.03.2003 को विविध देनदारों का अवधि–वार विश्लेषण नीचे दिया गया है :

		(करोड़ रुपये में)
(i)	6 महीने से कम	2543.43
(ii)	6 महीने से 1 वर्ष तक	368.86
(iii)	1 वर्ष से 3 वर्ष तक	919.92
(iv)	3 वर्ष से अधिक	921.33
	जोड़	**4753.54**

ह./–
रेवती बेदी
प्रधान निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा एवं पदेन
सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड–III, नई दिल्ली

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 21.08.03

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड की इकाइयों के कार्यचालन परिणाम

अनुबंध
(करोड़ रुपए)

	2000-2001	2001-2002	2002-2003
हेवी इलेक्ट्रिकल्स उपस्कर संयंत्र, हरिद्वार	26.16	65.72	117.05
हेवी पावर इक्विपमेंट प्लांट, हैदराबाद	54.55	104.46	136.80
हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट, तिरूचि	150.52	148.40	131.21
हेवी इलेक्ट्रिकल्स प्लांट, भोपाल	-70.10	16.40	56.13
सैंट्रल फाउंड्री फोर्ज प्लांट, हरिद्वार	-30.84	-21.62	-9.65
ट्रांसफार्मर प्लांट, झांसी	-117.29	-20.90	1.44
इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन, बंगलौर	16.66	47.21	78.61
इंडस्ट्रियल वाल्व प्लांट, गोइंदवाल	2.23	1.18	1.79
इंडस्ट्रियल सिस्टम ग्रुप, बंगलौर	-2.70	-10.99	-9.81
बॉयलर ऑक्जिलरी प्लांट, रानीपेट	13.31	28.23	20.41
इलेक्ट्रो पोर्सिलेंस डिवीजन, बंगलौर	1.34	11.75	1.45
इंसुलेटर प्लांट, जगदीशपुर	-16.64	-9.00	-6.90
पावर ग्रुप (चार क्षेत्र तथा परियोजना इंजीनियरिग प्रबंध)	182.68	224.60	220.72
इंटरनेशनल ऑपरेशन्स डिवीजन, नई दिल्ली	0.12	-0.01	0.06
ओवरसीज प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेशन, नई दिल्ली	2.21	3.25	13.38
प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केन्द्र, हैदराबाद	1.22	1.77	2.50
उद्योग क्षेत्र, नई दिल्ली	-0.38	0.15	-0.10
संघटक संरचना संयंत्र, रूद्रपुर	-2.02	-1.53	-1.32
क्षेत्रीय प्रचालन प्रभाग	-4.28	-0.12	0.68
भारी उपस्कर मरम्मत संयंत्र, वाराणसी	5.33	5.57	1.67
उन्नत अनुसंधान परियोजना, नई दिल्ली	0.45	0.19	0.28
पारेषण परियोजना ग्रुप, भोपाल	21.79	18.13	2.40
ईएमआरपी और ओएसबी, मुंबई	-	-	0.12
कारपोरेट समायोजन	59.77	49.99	43.51
जोड़	**294.09**	**662.83**	**802.43**

ऊर्जा का संरक्षण

वर्ष 2002-2003 के दौरान ऊर्जा की लागत कम करने के लिए किए गए उपाय निम्नानुसार हैं :

1. उचित भार आयोजना द्वारा विद्युत की अधिकतम मांग में कमी।
2. परिवर्ती स्पीड ड्राइव मोटरों का संस्थापन।
3. जल की खपत में कमी जिससे विद्युत की खपत में कमी होती है।
4. विभिन्न उत्पादन ब्लॉकों की छत पर पारदर्शी शीट प्रदान करके प्रकाश के लिए सूर्य के प्रकाश का प्रयोग।
5. फर्नेस का इष्टतम उपयोग।
6. फर्नेस में सिरामिक लाइनिंग प्रदान करके ईंधन की खपत में कमी।
7. एलपीजी की बजाए उत्पादक गैस का प्रयोग।
8. मौजूदा एमजी सेटों के स्थान पर एसी/डीसी ड्राइव का प्रयोग।
9. ऊर्जा सक्षम लैंपों आदि का प्रयोग करते हुए प्रकाश व्यवस्था प्रणाली का संशोधन।
10. कंप्रेस्ड एयर पाइपिंग और स्टीम पाइपिंग में रिसाव रोकना।
11. प्रकाश को स्वाचालित रूप से बंद करने की प्रणाली अपनाना।

उपरोक्त उपायों के परिणामस्वरूप,कुल कारोबार की प्रतिशतता के रूप में उत्पाद शुल्क को घटाकर ऊर्जा लागत वर्ष 2002-2003 के दौरान ईंधन की लागत और विद्युत टैरिफ में वृद्धि के बावजूद पिछले वर्ष में लगभग 3 प्रतिशत की तुलना में घटकर 2.86 प्रतिशत हो गई हैं।

प्रौद्योगिकी आमेलन और अनुसंधान एवं विकास

अनुसंधान एवं विकास

1. विशेष क्षेत्रों, जिनमें कंपनी द्वारा अनुसंधान और विकास कार्य किए गए]
2. उपरोक्त अनुसंधान एवं विकास के परिणामस्वरूप प्राप्त लाभ]

''अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी'' के अधीन निदेशकों की रिपोर्ट में दिया गया है।

3. भावी कार्य योजना

अनुसंधान और विकास तथा प्रौद्योगिकी के लिए बल देने वाले क्षेत्र निम्नालिखित हैं :

- ताप (थर्मल) विद्युत संयंत्र और औद्योगिक अनुप्रयोग के लिए उन्नत नियंत्रण और इंस्ट्रूमेंटेशन प्लेटफार्म
- ताप (थर्मल) विद्युत संयंत्र अनुप्रयोग के लिए निष्पादन विश्लेषण,निदान और अनुकूलन (पीएडीओ) प्रणालियां।
- एकीकृत गैसीकरण संयुक्त चक्रीय (आईजीजीसी) विद्युत संयंत्र
- सुपर क्रिटिकल पैरामीटर का प्रयोग करते हुए अधिक सक्षम पारंपरिक ताप विद्युत संयंत्र
- वायुमंडलीय और सर्कुलेटिंग फ्लूडाइज्ड बेड कम्बशन (सीएफबीसी) बॉयलर
- बॉयलर से उत्सर्जन की कमी
- उच्चतर क्षमता और दीर्घ अवधि सहित जल विद्युत संयंत्र
- उच्च क्षमता वाले बॉयलर फीड पम्प और कंप्रेसर
- पल्वराइजर्स
- 8 मेगावाट औद्योगिक स्टीम टर्बाइन
- डीजल विद्युत इंजनों के लिए तीन फेज एसी ड्राइव प्रणाली जैसी सक्षम,विश्वसनीय और लागत प्रभावी परिवहन प्रणालियां।
- थाइरिस्टर नियंत्रित श्रृंखला प्रतिपूर्ति,फेज शिफ्टिंग ट्रांसफार्मर, स्टेटिक सिंक्रोनाइज्ड कम्पनशेसन (स्टेटकॉम) ,नियंत्रित शंट रिएक्टर आदि जैसे उपकरणों सहित फ्लैक्सिबल एसी पारेषण प्रणालियां।
- 765 केवी पारेषण उपस्कर
- एचवीडीसी पारेषण प्रणालियां
- गैस विसंवाहित स्विचगियर

- अपशिष्ट अवधि आकलन अध्ययन
- चक्र अवधि और लागत की कमी
- कंपन और शोर की कमी
- विशिष्ट इंजीनियरी सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग
- संगठनों के लिए विशिष्ट सॉफ्टवेयर
- सिमुलेटर्स
- अ-परम्परागत ऊर्जा प्रणालियां
- वेल्डिंग प्रौद्योगिकियां
- सरफेस कोटिंग्स

4. अनुसंधान और विकास पर व्यय

(क) पूंजी	-	85 मिलियन रुपए
(ख) आवर्ती	-	732 मिलियन रुपए
(ग) जोड़	-	817 मिलियन रुपए
कुल कारोबार की प्रतिशतता के रूप में व्यय	-	1.09 प्रतिशत

प्रौद्योगिकी आमेलन और उसे अपनाना

पिछले 5 वर्षों के दौरान आयातित प्रौद्योगिकी का ब्यौरा :

प्रौद्योगिकी	आयात का वर्ष	आमेलन की स्थिति
वन्स-थ्रू बॉयलर	1999	प्रौद्योगिकी आमेलन चल रहा है।
फैब्रिक फिल्टर्स	1999	प्रौद्योगिकी आमेलन चल रहा है। आदेश निष्पादनाधीन
न्यू जेनरेशन सीएंडआई ऑटोमेशन प्लेटफार्म	2000	प्रौद्योगिकी आमेलन चल रहा है। आदेश निष्पादनाधीन
एक्सियल फैन	2002	प्रौद्योगिकी आमेलन चल रहा है।

विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय

(क) ''अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय'' के अधीन निदेशकों की रिपोर्ट में निर्यात से संबंधित कार्यकलापों की सूचना दी गई है।

(ख) प्रयुक्त और अर्जित कुल विदेशी मुद्रा :

(मिलियन रुपए)

	2002-2003	**2001-2002**
(i) प्रयुक्त विदेशी मुद्रा	13090	14085
(ii) अर्जित विदेशी मुद्रा	19231	21680

कारपोरेट अभिशासन

01. कारपोरेट शासन की संहिता पर कंपनी का दर्शन

कारपोरेट अभिशासन की संकल्पनाप,जिसने अभूतपूर्व विश्वव्यापी ध्यान प्राप्त किया है, सामयिक और पारदर्शी वित्तीय तथा साथ ही शेयरधारकों को प्रबंधकीय प्रकटन सुनिश्चित करने के लिए जांच और संतुलनों का हवाला देता है। कारपोरेट अभिशासन नियमों एवं विनियमों का अनुपालन मात्र नहीं है,बल्कि यह निष्पक्ष तरीके से किसी कारपोरेट संस्था द्वारा कार्य करने की सच्ची इच्छा, नीति एवं उत्सुकता से संबंधित है।

बीएचईएल अपने सभी परिचालनों में अच्छे कारपोरेट अभिशासन में विश्वास और उसका प्रयोग करता है तथा अभिशासन के उच्चतम मानकों की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्धता दोहराता है। बीएचईएल सक्रिय उपायों को अपनाकर पणधारियों के महत्व में वृद्धि पर ध्यान केन्द्रित करता है, जिससे कंपनी और इसके निवेशकों, लेनदारों, वेंडरों तथा ग्राहकों के मध्य पारदर्शिता आती है। कारपोरेट अभिशासन के क्षेत्र में किसी भी नए आयाम को अपनाने का बीएचईएल ने हमेशा प्रयास किया है।

02. निदेशक बोर्ड

कंपनी अधिनियम,1956 की धारा 617 के अनुसरण में बीएचईएल एक सरकारी कंपनी है। इस समय कंपनी की कुल चुकता शेयर पूंजी का 67.72 प्रतिशत भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित है।

दिनांक 31 मार्च, 2003 को बीएचईएल के बोर्ड में 12 (बारह) निदेशक यथा अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक,पांच पूर्णकालिक कार्यकारी निदेशक(कार्यात्मक निदेशक),भारी उद्योग और सरकारी उद्यम मंत्रालय,भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले दो सरकारी नामिती और चार गैर-कार्यकारी निदेशक शामिल है। चार और गैर-कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार के सक्रिय विचाराधीन है।

- **उत्तरदायित्व :**

बोर्ड का अधिदेश कंपनी की कार्यनीति संबंधी दिशा का निरीक्षण करना,कारपोरेट निष्पादन की समीक्षा और अनुवीक्षण करना,विनियामक अनुपालन सुनिश्चित करना और शेयरधारकों के हितों की सुरक्षा करना है।

- **स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका :**

स्वतंत्र निदेशक बोर्ड की बैठकों में विचार-विमर्श में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इंजीनियरी,वित्त,प्रबंधन,विधि और सरकारी नीति के क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता कंपनी को प्रदान करते हैं।

बोर्ड ने लेखा परीक्षा समिति,शेयरधारक शिकायत समिति और शेयर अंतरण समिति जैसी कई समितियां स्थापित की हैं। सूचीकरण करार के खंड 49 के अनुसार लेखापरीक्षा समिति और शेयरधारक शिकायत समिति की अध्यक्षता स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है और उक्त समितियां परिभाषित विचारार्थ विषयों के भीतर कार्य करती है। समिति की बैठकों का कार्यवृत्त परिचालित किया जाता है और बोर्ड की बैठक में उस पर चर्चा की जाती है।

- **बोर्ड की बैठक :**

बोर्ड की बैठकें सामान्यतः नई दिल्ली स्थित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में आयोजित की जाती है और वे बहुत पूर्व निर्धारित की जाती है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के परामर्श से कंपनी सचिव प्रत्येक निदेशक को लिखित में बोर्ड की प्रत्येक बैठक की सूचना भेजता है। बोर्ड की कार्यसूची अग्रिम रूप से निदेशकों को परिचालित की जाती है। बोर्ड के सदस्यों की कंपनी की सभी जानकारी तक अभिगम्यता होती है और वे चर्चा के लिए कार्यसूची में किसी विषय को शामिल करने की सिफारिश करने के लिए स्वतंत्र हैं। आवश्यकता के मामले में वरिष्ठ प्रबंधन सदस्यों को चर्चा की जा रही मदों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी प्रदान करने और/अथवा बोर्ड को प्रस्तुतिकरण देने के लिए बोर्ड की बैठकों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान बोर्ड की निम्नलिखित तारीखों को तेरह बैठकें हुई : (i) 3 अप्रैल, 2002 (ii) 29 अप्रैल,2002 (iii) 16 मई,2002 (iv) 14 जून,2002 (v) 30 जुलाई,2002 (vi) 16 अगस्त,2002 (vii) 26 अगस्त,2002 (viii) 09 अक्तूबर,2002 (ix) 28 अक्तूबर, 2002 (x) 29 अक्तूबर,2002 और (xi) 9 जनवरी,2003 (xii) 29 जनवरी, 2003 (xiii) 10 मार्च,2003 ।

किसी भी दो बैठकों के बीच अधिकतम समयांतराल तीन कैलेंडर महीने से अधिक नहीं था।

➢ **निदेशकों का संयोजन और श्रेणी,बोर्ड की बैठकों और पिछली आम वार्षिक बैठक में प्रत्येक निदेशक की उपस्थिति,कंपनी के प्रत्येक निदेशक की अन्य कंपनियों में निदेशक पदधारण और सदस्यता नीचे दी गई है (दिनांक 31 मार्च,2003 को) :**

नाम सर्व / श्री	उपस्थिति विवरण		अन्य निदेशक / पदधारण और समिति की सदस्यता / अध्यक्षता की संख्या	
	बोर्ड बैठक (01 / 04 / 02 से 31 / 09 / 03 तक)	अंतिम वार्षिक आम बैठक (30.09.02 को आयोजित)	अन्य पब्लिक लिमिटेड कंपनियों में निदेशक पदधारिता का विवरण	समित सदस्यता एवं समिति की अध्यक्षता का विवरण
क) पूर्णकालिक कार्यात्मक (कार्यकारी) निदेशक				
के.जी. रामचन्द्रन (सीएमडी)	12	उपस्थित	शून्य	शून्य
ईशान शंकर	13	उपस्थित	शून्य	शून्य
एच डब्ल्यू भटनागर	13	उपस्थित	शून्य	शून्य
आर सी अग्रवाल	12	उपस्थित	शून्य	शून्य
सी श्रीनिवासन	13	उपस्थित	शून्य	शून्य
वीरेन्द्र कुमार	13	उपस्थित	शून्य	शून्य
ख) अंशकालिक सरकारी (गैर–सरकारी/ प्रवर्तक निदेशक)				
के के जसवाल (02.07.2002 तक)	3	उपलब्ध नहीं	1) मारूति उद्योग लिमिटेड 2) हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन लि. 3) एंड्रू यूल एंड कंपनी लि. 4) भारत भारी उद्योग निगम लि. 5) हैवी इंजी. कारपोरेशन लि. 6) एचएमटी लिमिटेड 7) एचएमटी वाचेज लि. 8) एचएमटी मशीन टूल्स लि.	शून्य
बी के मल्होत्रा (30.07.2002 से)	4	उपस्थित	1) एंड्रू यूल एंड कंपनी लि. 2) एचएमटी लिमिटेड 3) मारूति उद्योग लिमिटेड	शून्य
एस वी भावे (10.03.2003 तक)	9	उपस्थित	1) भारत भारी उद्योग निगम लि. 2) इंजी. प्रोजेक्ट्स (इं.) लि. 3) माइनिंग एंड एलायड मशीनरी कारपोरेशन लि. 4) इलेक्ट्रिकल कन्सट्रक्शन कं. लि.	**सदस्य** लेखापरीक्षा समिति 1) भारत भारी उद्योग निगम लि.
ए दीदार सिंह (10.03.2003 से)	1	उपलब्ध नहीं	1) भारत यंत्र निगम लिमिटेड 2) त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लि. 3) हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन लि.	शून्य
ग) अंशकालिक गैर–सरकारी (गैर–कार्यकारी / स्वतंत्र) निदेशक				
ए सी वधावन	10	उपस्थित	1) टाटा रिफ्रेंक्ट्रीज लि. 2) टाटा मेटालिंक्स लि. 3) ट्रांसवे (इंडिया लि.) 4) रिलायंस सैलुलोज प्रोडक्ट्स लि. 5) जिंदल पालिस्टर लि. 6) हिन्दुस्तान ज़िंक लि.	**सदस्य** लेखापरीक्षा समिति 1) टाटा रिफ्रेंक्ट्रीज लि. 2) जिंदल पालिस्टर लि. 3) टाटा मेटालिंक्स लि. ***पारिश्रमिक समिति*** 1) टाटा मेटालिंक्स लि. **अध्यक्ष** ***पारिश्रमिक समिति*** 1) टाटा रिफ्रेंक्ट्रीज लि.

आनन्द पटकर	11	उपस्थित	1) प्राइमटाइम–आईपी मीडिया सर्विसेज लि. 2) आईटीएम इन्फोटेक इंडिया लि. 3) एसडब्ल्यूआईएल लिमिटेड	**सदस्य** पारिश्रमिक समिति 1) एसडब्ल्यूआईएल लि.
जी पी गुप्ता	9	उपस्थित	1) जम्मू एंड कश्मीर बैंक लि. 2) स्वराज इंजन लि. 3) नेशनल एल्युमीनियम कं. लि. 4) हिन्दुस्तान एरोनाक्टिस लि. 5) एम.पी. पावर जेनरेटिंग कं. लि.	**सदस्य** लेखापरीक्षा समिति 1) स्वराज इंजन लि. 2) नेशनल एल्युमीनियम कं. लि. 3) हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लि.
शरद उपासनी	9	उपस्थित	1) यूनाइटेड वेस्टर्न बैंक लि. 2) एंड्रू यूल एंड कं. लि.	**सदस्य** लेखापरीक्षा समिति 1) एंड्रू यूल एंड कं. लि.

कंपनी का कोई भी निदेशक उन सभी कंपनियों जिनमें वह निदेशक हैं, को शामिल कर दस (10) समितियों से अधिक में सदस्य तथा पांच (5) समितियों से अधिक में अध्यक्ष नहीं है।

➢ निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत सूचना

निम्नलिखित शीर्षों के अन्तर्गत सूचना सामान्यतया बीएचईएल के निदेशक मंडल को कार्यसूची पत्रों के भाग के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं अथवा बोर्ड की बैठक के दौरान पेश/प्रस्तुत किए जाते हैं :

- ✓ वार्षिक संचालन योजनाएं तथा बजट एवं कोई अद्यतन सूचना।
- ✓ पूंजी बजट एवं कोई अद्यतन सूचना।
- ✓ कंपनी तथा इसके कार्यात्मक प्रभागों अथवा व्यवसाय खंडों के तिमाही परिणाम।
- ✓ लेखापरीक्षा समिति तथा बोर्ड की अन्य समितियों की बैठकों का विवरण।
- ✓ बोर्ड स्तर से ठीक पहले के वरिष्ठ अधिकारियों के चयन एवं पारिश्रमिक संबंधी सूचना।
- ✓ निदेशक मंडल के अनुमोदनार्थ अपेक्षित किसी संयुक्त उपक्रम,अनुसंधान एवं विकास परियोजना अथवा तकनीकी सहयोग करार का विवरण।
- ✓ महत्वपूर्ण श्रम समस्याएं तथा उनके प्रस्तावित समाधान। मजदूरी समझौता पर हस्ताक्षर, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना का क्रियान्वयन आदि जैसी मानव संसाधन/औद्योगिक संबंध मोर्चे में कोई महत्वपूर्ण घटना।
- ✓ महत्वपूर्ण प्रकृति के निवेशों, सहायक कंपनियों, परिसंपत्तियों की बिक्री,जो कि व्यवसाय के सामान्य क्रम में नहीं है।
- ✓ सभी लंबित मामलों पर की गई कार्रवाई।
- ✓ निदेशकों द्वारा उनकी निदेशक पदधारिता तथा अन्य कंपनियों में उनके द्वारा हासिल समिति पदों के बारे में हित का प्रकटीकरण।
- ✓ विभिन्न नियमों के अनुपालन संबंधी तिमाही रिपोर्ट।
- ✓ प्रमुख कानूनी विवादों से संबंधित सूचना।
- ✓ अधिशेष निधियों का अल्पकालिक निदेश।
- ✓ कोई संविदा (संविदाएं) जिनमें निदेशक (निदेशकों) की रूचि मानी जाती है।
- ✓ शेयरधारकों की शिकायतों संबंधी त्रैमासिक स्थिति।
- ✓ विद्युत तथा उद्योग क्षेत्रों एवं अंतर्राष्ट्रीय कार्य प्रभाग के संबंध में त्रैमासिक आधार पर सूचना/स्थिति।
- ✓ महत्वपूर्ण पूंजी निवेश प्रस्ताव।
- ✓ विभिन्न एककों/कार्यों के निष्पादन संबंधी विस्तृत प्रकटीकरण।

03. लेखापरीक्षा समिति

लेखापरीक्षा समिति में इस समय केवल गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक शामिल हैं। लेखापरीक्षा समिति के सदस्य हैं, श्री ए.सी.वधावन श्री जी.पी.गुप्ता और डा. आनंद पाटकर। श्री वधावन लेखापरीक्षा समिति के अध्यक्ष हैं। लेखापरीक्षा समिति में सूचीकरण करार और कंपनी अधिनियम,1956 के उपबंधों के अनुसार किया जाता है। समिति के सभी सदस्य वित्त लेखा और कंपनी कानून में योग्यता प्राप्त और अनुभवी है।

लेखापरीक्षा समिति का कोरम दो सदस्य हैं। कंपनी सचिव समिति के सचिव हैं।

➢ विचारार्थ विषयों का संक्षिप्त विवरण :

लेखापरीक्षा समिति के बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट विचारार्थ विषय सूचीकरण करार के खंड 49 तथा साथ ही कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 292क की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं। वे निम्नानुसार हैं :

1. कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया को देखना और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त तथा विश्वसनीय है, इसकी वित्तीय सूचना का प्रकटन।
2. बाहरी लेखापरीक्षकों का लेखापरीक्षा शुल्क नियत करना तथा अन्य किसी सेवा के लिए भुगतान के लिए अनुमोदन।
3. प्रबंधन, बाहरी और आंतरिक लेखापरीक्षकों के साथ आंतरिक नियंत्रण, लेखापरीक्षकों के अवलोकनों सहित लेखापरीक्षा के सीमा क्षेत्र की आवधिक रूप से समीक्षा करना और आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का अनुपालन सुनिश्चित करना।
4. बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किए जाने से पूर्व प्राथमिक तौर पर निम्नलिखित पर विशेष बल देते हुए प्रबंधन के साथ अर्धवार्षिक तथा वार्षिक वित्तीय विवरण की समीक्षा :
   - लेखाकरण नीतियों तथा पद्धति में कोई परिवर्तन
   - प्रबंधन के निर्णय के आधार पर प्रमुख लेखाकरण प्रविष्टियां
   - प्रारूप लेखापरीक्षा रिपोर्ट में अर्हता
   - लेखापरीक्षा में उत्पन्न महत्वपूर्ण समायोजन
   - गोइंग कन्सर्न का पूर्वानुमान
   - लेखाकरण मानकों का अनुपालन
   - स्टॉक एक्सचेंज विनियमों तथा वित्तीय विवरणों से संबंधित कानूनी अपेक्षाओं का अनुपालन
   - किसी संबद्ध पक्ष से लेन-देन अर्थात् कंपनी का प्रवर्तकों अथवा प्रबंधन, उनकी सहायक कंपनियों अथवा संबंधियों आदि के साथ वास्तविक लेन-देन, जिसमें पूरी कंपनी के हितों से संभावित विवाद की संभावना हो।
5. आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग का ढांचा, कर्मचारियों की संख्या और विभाग की अध्यक्षता करने वाले अधिकारी की वरिष्ठता, रिपोर्टिंग की ढांचागत व्यवस्था, सीमा क्षेत्र और आंतरिक लेखापरीक्षा की बारम्बारता सहित आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य की पर्याप्तता की समीक्षा।
6. किसी महत्वपूर्ण निष्कर्ष पर आंतरिक लेखापरीक्षकों के साथ चर्चा तथा उन पर अनुवर्ती कार्रवाई।
7. आंतरिक लेखापरीक्षकों द्वारा ऐसे विषयों की आंतरिक जांच, जिनमें धोखाधड़ी अथवा अनियमितता या वास्तविक रूप में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विफलता का संदेह हो, के निष्कर्षों की समीक्षा करना और बोर्ड को इस विषय की जानकारी देना।
8. लेखापरीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व, लेखापरीक्षा के स्वरूप और कार्यक्षेत्र के विषय पर बाहरी लेखापरीक्षकों के साथ चर्चा करना तथा चिन्ता के किसी क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए लेखापरीक्षा पश्चात चर्चा करना।
9. कंपनी की वित्तीय और जोखिम प्रबंधन नीतियों की समीक्षा करना।
10. जमाकर्ताओं, डिबेंचरधारकों, शेयरधारकों (घोषित लाभांश के भुगतान नहीं होने की स्थिति में) तथा लेनदारों के भुगतान में पर्याप्त चूक के लिए कारणों का पता लगाना।
11. लेखापरीक्षा समिति की कंपनी अधिनियम की धारा 292क में निर्दिष्ट अथवा बोर्ड द्वारा उसे भेजी गई मदों के संबंध में किसी भी मामले को जांच करने का प्राधिकार होगा और इस प्रयोजनार्थ उसे कंपनी के रिकॉर्ड में विहित जानकारी और बाह्य व्यावसायिक सुझाव, अगर आवश्यक हो, प्राप्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।
12. लेखापरीक्षा समिति कंपनी अधिनियम तथा स्टॉक एक्सचेंज के साथ लागू तथा समय-समय पर यथा-संशोधित सूचीकरण करार की अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगी।

➢ समिति की संरचना और सदस्यों की उपस्थिति

समिति की समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आठ बार बैठकें हुई। संरचना का विवरण, सदस्यों के नाम, उनका कार्यकाल और अध्यक्ष तथा सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार है :

		श्री ए.सी. वधावन अध्यक्ष	श्री जी.पी. गुप्ता (सदस्य)	डॉ. आनंद पाटकर (सदस्य)
कार्यकाल →	से	26.07.2001	23.08.2001	26.07.2001
	तक	जारी	जारी	जारी
बैठकें / उपस्थिति ↓	29.04.2002	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
	14.06.2002	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
	30.07.2002	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
	16.08.2002	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
	26.08.2002	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
	29.10.2002	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
	16.12.2002	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
	29.01.2003	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित

श्री सी. श्रीनिवासन, निदेशक (वित्त) तथा श्री आर.सरस्वाथन, महाप्रबंधक (आंतरिक लेखापरीक्षा एवं कराधान) भी सूचीकरण करार की अपेक्षा के अनुरूप वर्ष के दौरान लेखापरीक्षा समिति की सभी बैठकों में आमंत्रिती के रूप में उपस्थित थे।

04. पारिश्रमिक समिति

सरकारी क्षेत्र का उपक्रम होने के कारण बीएचईएल के निदेशकों की नियुक्ति, कार्यकाल तथा पारिश्रमिक भारत के राष्ट्रपति द्वारा निश्चित किया जाता है। इसलिए बोर्ड निदेशकों के पारिश्रमिक का निर्णय नहीं लेता। स्वतंत्र निदेशकों को बोर्ड की बैठकों तथा साथ ही समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए सिटिंग फीस का भुगतान किया जाता है। तथापि, खंड 49(III)(ख) द्वारा यथापेक्षित, निदेशकों के पारिश्रमिक के संबंध में आवश्यक प्रकटीकरण निम्नानुसार हैं :

कंपनी के कार्यकारी निदेशकों के पारिश्रमिक का विवरण :

क्र. सं.	निदेशक का नाम	वेतन	लाभ	बोनस / कमीशन	निष्पादन संबद्ध प्रोत्साहन	कुल	स्टॉक विकल्प	सेवा संविदा / नोटिस अवधि / सेवा प्रदाय फीस
	सर्व / श्री	(रुपए)	(रुपए)	(रुपए)	(रुपए)	(रुपए)	(रुपए)	
1	के जी रामचन्द्रन	527557	253132	शून्य	13525	794214	शून्य	चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त नहीं होंगे
2	ईशान शंकर	481381	222294	शून्य	13525	717200	शून्य	चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्ति
3	एच डब्ल्यू भटनागर	477069	261979	शून्य	13525	752573	शून्य	चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्ति
4	आर सी अग्रवाल	481409	239799	शून्य	13525	734733	शून्य	चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्ति
5	सी श्रीनिवासन	439601	208426	शून्य	13525	661552	शून्य	चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्ति
6	वीरेन्द्र कुमार	506869	231450	शून्य	13525	751844	शून्य	चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्ति

➢ **वर्ष 2002–2003 के दौरान गैर–कार्यकारी निदेशकों को दिए गए भुगतान का विवरण नीचे दिया गया है :**

(रुपए में)

गैर–कार्यकारी निदेशकों का नाम	सिटिंग फीस		कुल
	बोर्ड की बैठक	समिति की बैठक	
श्री ए.सी. वधावन	50, 000/-	70, 000/-	1,20, 000/-
श्री जी.पी. गुप्ता	45, 000/-	45, 000/-	90, 000/-
डॉ. आनंद पाटकर	55, 000/-	50, 000/-	1,05, 000/-
श्री शरद उपासनी	45, 000/-	5,000/-	50, 000/-

05. शेयरधारक समिति

I. शेयरधारक समिति

बोर्ड ने बहुत पहले एक शेयर अंतरण समिति गठित की थी, जिसमें कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (विद्युत) तथा निदेशक (वित्त) शामिल हैं। यह शेयर अंतरण समिति सभी शेयर से संबद्ध मुद्दों शेयरों के अंतरण/पारेषण, डीमैट मोड के अधीन लाभप्रद स्थिति को ध्यान में रखने के अतिरिक्त फिजिकल मोड में डुप्लीकेट शेयर प्रमाण-पत्र आदि जारी किए जाने पर विचार करती है और अनुमोदन प्रदान करती है। वर्ष 2002-2003 के दौरान अंतरण समिति ने इक्कीस बैठकें कीं और शेयर से संबद्ध मुद्दों से संबंधित कार्य किया। शेयर अंतरण से संबंधित कार्य मैसर्स कार्वी कंसल्टेंट्स लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा देखा जाता है। शेयर अंतरण समिति की बैठकों के कार्यवृत्त आवधिक रूप से निदेशक मंडल को प्रस्तुत किए जाते हैं।

चूंकि कुल चुकता शेयर पूंजी के विनिवेशित 32.28 प्रतिशत का 99 प्रतिशत शेयर अमूर्त रूप में है, अतः वर्ष के दौरान भौतिक खंड में शेयरों का अंतरण काफी कम हुआ तथा शेयर अंतरण समिति की बैठकें अंतरण की आवश्यकता के अनुसार की गईं।

II. शेयरधारकों / निवेशकों की शिकायत समिति

कंपनी ने दिनांक 26 जुलाई, 2001 को एक शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति का गठन किया। समीक्षाधीन वर्ष में कंपनी ने चार बैठकें की। संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष का नाम, आयोजित बैठकों की संख्या और सदस्यों की उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार है :

क्र. सं.	निदेशक का नाम तथा पद	बैठकें / उपस्थिति			
	सर्व / श्री	07.05.2002	26.08.2002	16.12.2002	22.03.2003
1.	ए.सी. वधावन (अध्यक्ष)	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
2.	ईशान शंकर (सदस्य)	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
3.	सी. श्रीनिवासन (सदस्य)	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित

शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति के गठन के पूर्व, शेयरधारकों की शिकायत का निपटारा कंपनी के आरटीए, कार्वी कंसल्टेंट्स, लिमिटेड द्वारा किया जाता और बोर्ड को सूचित किया जाता था और इस प्रकार मामला समिति की बजाए पूरे बोर्ड द्वारा देखा जाता था।

- **अनुपालन अधिकारी का नाम तथा पदनाम**
  श्री एन.के.सिन्हा, कंपनी सचिव सूचीकरण करार के खंड 47 के अनुसार अनुपालन अधिकारी हैं।
- **अभी तक शेयरधारकों से प्राप्त शिकायतों की संख्या**
  जैसा कार्वी कंसल्टेंट लिमिटेड (आरटीए) द्वारा सेबी को सूचित किया गया है, वर्ष के दौरान शेयरधारकों की 2329 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें से सभी का दिनांक 31 मार्च, 2003 तक निपटारा कर दिया गया था।
- **शेयरधारकों की संतुष्टि तक नहीं निपटाई गई शिकायतों की संख्या**
  शून्य
- **लंबित शेयर अंतरणों की संख्या**
  दिनांक 31 मार्च, 2003 को कोई भी शेयर अंतरण लंबित नहीं था। वर्ष के दौरान शेयर अंतरण स्टॉक एक्सचेंज द्वारा निर्धारित समय के भीतर ही किए गए और इस आशय का प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र स्टॉक एक्सचेंजों को प्रस्तुत कर दिया गया है।

06. आम बैठकें

- **अवस्थान और समय, जहां पिछली तीन वार्षिक आम बैठकें आयोजित हुईं :**

विवरण	वित्तीय वर्ष 1999-00 (36वीं वार्षिक आम बैठक)	वित्तीय वर्ष 2000-01 (37वीं वार्षिक आम बैठक)	वित्तीय वर्ष 2001-02 (38वीं वार्षिक आम बैठक)
दिनांक और समय	**29 सितम्बर, 2000** 10.00 बजे पूर्वाह्न	**29 सितम्बर, 2001** 10.00 बजे पूर्वाह्न	**30 सितम्बर, 2002** 10.00 बजे पूर्वाह्न
अवस्थान	फिक्की सभागार बाराखम्बा रोड (तानसेन मार्ग) नई दिल्ली-110 001	फिक्की सभागार बाराखम्बा रोड (तानसेन मार्ग) नई दिल्ली-110 001	फिक्की सभागार बाराखम्बा रोड (तानसेन मार्ग) नई दिल्ली-110 001

- **क्या पिछले वर्ष डाक-मत पत्र के माध्यम से विशेष संकल्प किए गए,मतदान पैटर्न का विवरण :**
  पिछले वर्ष डाक मत-पत्र के माध्यम से कोई विशेष संकल्प नहीं किए गए।
- **व्यक्ति,जिसने डाक मत-पत्र कार्य संचालित किया :**
  लागू नहीं
- **क्या डाक मत-पत्र के माध्यम से विशेष संकल्प किए जाने प्रस्तावित हैं**
  डाक मत-पत्र के माध्यम से कोई विशेष संकल्प किया जाना प्रस्तावित नहीं है।

07. प्रकटीकरण (डिस्क्लोजर)

संबद्ध पक्ष के साथ वास्तविक रूप से महत्वपूर्ण लेन-देन का प्रकटीकरण अर्थात कंपनी के प्रवर्त्तकों,निदेशकों अथवा प्रबंधन,उसकी सहायक कंपनियां अथवा संबंधियों के साथ वास्तविक लेन-देन,जिसके कंपनी के हित के विरूद्ध होने की संभावना हो।

कंपनी का किसी संबद्ध पक्ष से कोई भी ऐसा लेन-देन नहीं है, जिसका उसके हित के विरूद्ध होने की संभावना हो।

- **कंपनी द्वारा अनुपालन नहीं किए गए विषयों,पूंजी बाजार से संबद्ध किसी विषय पर स्टॉक एक्सचेंज अथवा ''सेबी'' या अन्य किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान कंपनी पर लगाए गई दंडों,अवक्षेपों का विवरण।**
  कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीकरण करार तथा साथ ही ''सेबा'' द्वारा निर्धारित विनियमों और दिशानिर्देशों को सभी अपेक्षाओं का अनुपालन किया है। पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजार से संबंधित किसी भी विषय पर किसी सांविधिक प्राधिकारियों द्वारा कंपनी पर कोई दंड या अवक्षेप नहीं लगाया गया है।

08. संप्रेषण के साधन

- कंपनी और शेयरधारकों के बीच संप्रेषण का साधन पारदर्शी और निवेशक अनुकूल है।
- कंपनी की उपलब्धियों और महत्वपूर्ण घटनाओं जैसे-बड़े ऑर्डर प्राप्त करना, को प्रेस तथा इलेक्ट्रॉनिक प्रचार माध्यमों के द्वारा घोषणाएं की जाती हैं और उन्हें कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध किया जाता है।
- **प्रत्येक आंतरिक शेयरधारकों को अर्धवार्षिक रिपोर्ट**
  तथापि, शेयरधारकों को प्रत्येक के घर में अलग से कोई अर्ध-वार्षिक रिपोर्ट नहीं भेजी गई है। दिनांक 30 सितम्बर,2003 को समाप्त अर्ध-वर्ष के वित्तीय परिणाम दिनांक 30.10.2002 को इंडियन एक्सप्रेस,नई दिल्ली में अंग्रेजी में तथा दिनांक 30.10.2002 को जनसत्ता,नई दिल्ली में हिन्दी में प्रकाशित किए गए थे तथा वेबसाइट पर भी रखे गए थे।
- **तिमाही परिणाम**

टिप्पणियों सहित अ-लेखापरीक्षित तिमाही परिणाम समाचार पत्रों में निम्नानुसार प्रकाशित किए गए थे :

समाचार–पत्र	समाप्त तिमाही में प्रकाशित परिणामों की तिथि				
	31.03.2002	**30.06.2002**	**30.09.2002**	**31.12.2002**	**31.03.2003**
इंडियन एक्सप्रेस, नई दिल्ली (अंग्रेजी)	01.05.2002	31.07.2002	30.10.2002	31.01.2003	02.05.2003
जनसत्ता, नई दिल्ली (हिन्दी)	01.05.2002	31.07.2002	30.10.2002	31.01.2003	02.05.2003

- **वेबसाइट, जहां प्रदर्शित किया गया**
  कंपनी की वेबसाइट : http://www.bhel.com में
- **क्या इसमें आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियां, संस्थागत निवेशकों अथवा विश्लेषकों के लिए बनाए गए प्रस्तुतीकरण भी प्रदर्शित किए जाते हैं**
  जी, हां। कंपनी के आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों, अन्य प्रेस कवरेज तथा संस्थागत निवेशकों और विश्लेषकों के लिए बनाए गए कॉरपोरेट प्रस्तुतीकरण भी वेबसाइट पर उपलब्ध है।
- **क्या प्रबंधन के विचार–विमर्श तथा विश्लेषण रिपोर्ट वार्षिक रिपोर्ट का भाग है या नहीं :**
  जी, हां। प्रबंधन के लिए विचार–विमर्श और विश्लेषक रिपोर्ट, निदेशकों की रिपोर्ट के अनुबंध–1 में है।

09 शेयरधारकों के लिए सामान्य सूचना

- **वार्षिक आम बैठक (दिनांक, समय तथा स्थान)** दिनांक 30 सितम्बर, 2003 को पूर्वाह्न 10.00 बजे
  फिक्की सभागार, बाराखम्बा रोड (तानसेन मार्ग)
  नई दिल्ली–110001

➢ **वित्तीय वर्ष 2003–2004 के लिए वित्तीय कैलेंडर**

विवरण	दिनांक
लेखाकरण अवधि	1 अप्रैल, 2003 से 31 मार्च, 2004 तक
पहली तिमाही के परिणाम	31 जुलाई, 2003 को या उससे पूर्व
दूसरी तिमाही के परिणाम	31 अक्तूबर, 2003 को या उससे पूर्व
तीसरी तिमाही के परिणाम	31 जनवरी, 2004 को या उससे पूर्व
चौथी तिमाही के परिणाम	30 अप्रैल, 2004 को या उससे पूर्व
वार्षिक आम बैठक (अगले वर्ष)	सितम्बर, 2004 (अस्थायी)

➢ **लेखा बही बंदी की तारीख** - 10 सितम्बर, 2003 से 30 सितम्बर, 2003 तक (दोनों दिन शामिल हैं)

➢ **लाभांश भुगतान की तारीख** - 29 अक्तूबर, 2003 को या उससे पूर्व

➢ **लाभांश इतिहास :**

लाभांश भुगतानों के संबंध में बीएचईएल **''स्थिरता-सह-वृद्धि''** नीति अपनाती रही है। विगत दस वर्षों के दौरान बीएचईएल द्वारा भुगतान किए गए लाभांश का सारांश निम्नांकित है :

वर्ष	लाभांश की दर	शेयरों की संख्या	भुगतान किए गए लाभांश की कुल राशि (रुपए)	वार्षिक आम बैठक की तारीख जिसमें लाभांश की घोषणा की गई	भुगतान की तारीख
1992-1993	15%	244760000	367140000	30.09.1993	05.11.1993
1993-1994	15%	244760000	367140000	30.09.1994	10.11.1994
1994-1995	15%	244760000	367140000	28.09.1995	08.11.1995
1995-1996	20%	244760000	489520000	30.09.1996	11.11.1996
1996-1997	20%	244760000	489520000	29.09.1997	10.11.1998
1997-1998	25%	244760000	611900000	30.09.1998	11.11.1998
1998-1999	25%	244760000	611900000	30.09.1999	11.11.1999
1999-2000 (अंतरिम)	15%	244760000	367140000	19.05.2000	31.05.2000
1999-2000 (अंतिम)	15%	244760000	367140000	29.09.2000	10.11.2000
2000-2001	30%	244760000	734280000	28.09.2001	03.10.2001
2001-2002	40%	244760000	979040000	30.09.2002	07.10.2002

➢ **स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीकरण** - बीएचईएल के शेयर डीएसई, बीएमई, एएमई, सीएसई और मद्रास स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध हैं। बीएचईल के शेयरों का एनएसई में ''कारोबार के लिए अनुमति प्राप्त'' श्रेणी के अन्तर्गत की कारोबार होता है। एनएसई में सूचीकरण की प्रक्रिया चल रही है।

स्टॉक एक्सचेंज का नाम और पता	स्टॉक कोड
1. दि दिल्ली स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लि. डीएसई हाउस, 3/1 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002	6334
2. दि स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई प्रथम तल, फिरोज जीजीभॉय टावर्स दलाल स्ट्रीट, मुंबई–400 001	उ.न.

3. दि स्टॉक एक्सचेंज, अहमदाबाद — 08580/भारत हेवी
कामधेनु काम्पलेक्स, सहजानन्द कालेज के सामने
पंजारा पोल, अहमदाबाद–380015

4. दि कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लि. — उ.न.
7 लेयॉन्स रेंज, कलकत्ता–700 001

5. दि मद्रास स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड — उ.न.
एक्सचेंज बिल्डिंग, पोस्ट बॉक्स नं. 183,
11, सेंकेंड लाइन बीच, चेन्नई–600 001

➢ **अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्या (आईएसआईएन)**
आईएनई 257 ए01018

➢ **सूचीकरण शुल्क का भुगतान**
वर्ष 2003–2004 तक उपरोक्त सभी स्टॉक एक्सचेंजों को सूचीकरण शुल्क का भुगतान कर दिया गया है।

➢ **बाजार मूल्य आंकड़ा**
स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई में व्यापार किए गए शेयरों के मासिक उच्च और निम्न कोटेशन बीएसई सेंसेक्स, कारोबार हुए शेयरों की संख्या, कारोबार की संख्या तथा कुल टर्नओवर का सारांश नीचे दिया गया है :

माह	बीएचईएल शेयर मूल्य (रुपए)		बीएसई सेंसेक्स (रुपए)				
	उच्च	निम्न	उच्च	निम्न	*कारोबार किए गए शेयरों की संख्या	*कारोबार की संख्या	*कुल टर्नओवर (हजार रुपए)
अप्रैल, 2002	194.40	161.00	3512.55	3301.21	11425485	88801	2,064,354.866
मई, 2002	182.50	150.05	3462.01	3114.05	7985380	65547	1,333,312.833
जून, 2002	183.35	154.45	3362.42	3161.09	5400691	42727	920,939.963
जुलाई, 2002	191.00	167.20	3358.58	2990.91	5633361	49460	1,003,419.047
अगस्त, 2002	182.85	169.00	3181.23	2950.09	4035437	36777	711,894.964
सितम्बर, 2002	188.10	158.15	3187.26	2991.36	3472381	25503	576,976.183
अक्तूबर, 2002	164.00	148.10	3009.76	2834.41	3527967	26154	559,857.856
नवम्बर, 2002	165.50	144.00	3228.82	2948.04	4740603	37558	728,341.875
दिसम्बर, 2002	174.85	161.55	3398.00	3207.36	2675766	25668	450,006.733
जनवरी, 2003	194.50	164.70	3390.12	3219.88	6239364	44609	1,139,358.502
फरवरी, 2003	220.85	176.60	3322.17	3223.41	9656798	82662	1,985,993.577
मार्च, 2003	226.25	196.25	3277.27	3048.72	7139530	66298	1,522,574.237

*** स्रोत : www.bseindia.com**

बीएसई संवेदी सूचकांक (उच्च) बनाम बीएचईएल शेयर मूल्य (उच्च) का निष्पादन

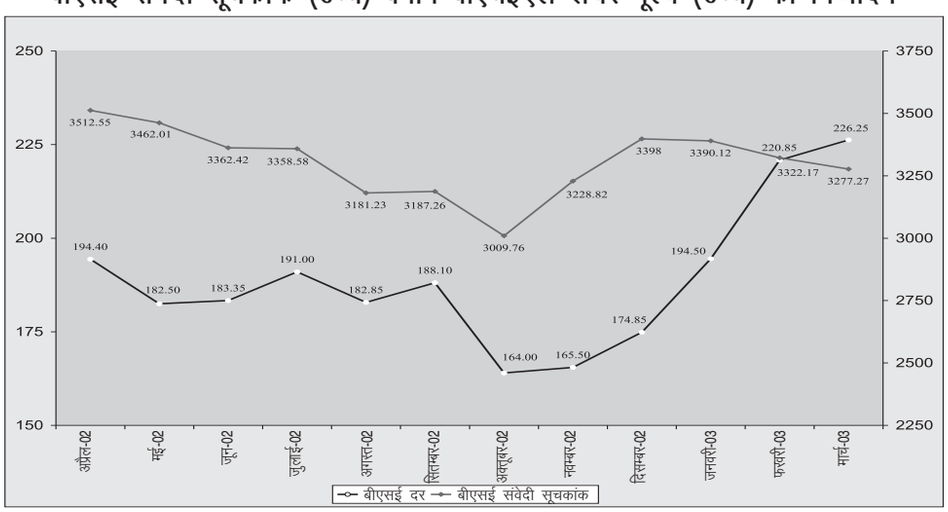

➢ **पंजीयक और शेयर अंतरण एजेंट (आरटीए)** - मैसर्स कार्वी कंसल्टेंट लिमिटेड
यूनिट : भेल
105–108, अरूणाचल बिल्डिंग,
19, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली–110001
दूरभाष : 23324401, 23324409, 23324417,
23324435, 23324613. फैक्स : 011-23730743

शेयरधारकों के लिए आरटीए की सेवाएं संतोषजनक रही हैं। निवेशकों की सभी शिकायतों का तुरंत निराकरण किया गया है।

➢ **शेयर अंतरण पद्धति**

वास्तविक खंड के अधीन संपूर्ण शेयर अंतरण संबंधी कार्यकलाप कार्वी कंसल्टेंट लि. (आरटीए) द्वारा किए जाते हैं। शेयर अंतरण प्रणाली में अंतरिती से अंतरण विलेख के साथ शेयरों की प्राप्ति, उसका सत्यापन ज्ञापन तैयार करना, शेयर अंतरण समिति द्वारा उसके अनुमोदन और सूचीकरण करार के अनुसार, निर्धारित समय के भीतर संबंधित अंतरितियों को अंतरित प्रमाणपत्र के प्रेषण जैसे कार्यकलाप शामिल हैं।

➢ **शेयरधारिता का वितरण**

(i) शेयरधारिता की पद्धति

बीएचईएल के 28373 से अधिक शेयरधारक हैं। दिनांक 31 मार्च, 2003 को बीएचईएल के इक्विटी शेयर पूंजी की शेयरधारिता की पद्धति निम्नानुसार थी :

क्र.सं.		श्रेणी	धारित शेयरों की संख्या	शेयरधारिता की प्रतिशतता
क.		**प्रवर्त्तकों की शेयरधारिता**		
	1	**प्रवर्त्तक**		
		- भारतीय प्रवर्त्तक		
		*(i) भारत के राष्ट्रपति	165755000	67.72
		(ii) भारत के राष्ट्रपति के नामिती	200	0.00
		- विदेशी प्रवर्त्तक	0	0.00
	2	**सहयोगी व्यक्ति**		
		(i) निदेशक और संबंधी	650	0.00
		उप–जोड़	**165755850**	**67.72**
ख.		**गैर–प्रवर्त्तकों की शेयरधारिता**		
	3	संस्थागत निवेशक		
	क.	**म्युचुअल फंड तथा यूटीआई** * यूटीआई - एसयूएस 1999 3332270 (1.36%)	22067427	9.02
	ख.	**बैंक, वित्तीय संस्थाएं, बीमा कंपनियां (केन्द्र/राज्य सरकार की संस्थाएं/ गैर–सरकारी संस्थाएं)** * जीवन बीमा निगम 4305723 (1.76%)	8684024	3.55
	ग.	**विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई)**	42271360	17.27
		उप–जोड़	**73022811**	**29.83**
	4	**अन्य**		
	क.	**निजी निगमित निकाय**	1268637	0.52
	ख.	**भारतीय जनता**	3164167	1.29
	ग.	**एनआरआई/ओसीबी/ओवरसीज बैंक कारपोरेशन**	61272	0.03
	घ.	**अन्य कोई**		
		(i) कर्मचारी	773570	0.32
		(ii) न्यास	279	0.00
		(iii) मार्गस्थ शेयर (एनएसडीएल/सीडीएसएल)	713414	0.29
		उप–जोड	**5981339**	**2.44**
		कुल जोड़	**244760000**	**100.00**

***टिप्पणी** : नाम, धारित शेयरों की संख्या और कंपनी शेयर का 1 प्रतिशत (एक प्रतिशत) से अधिक धारित करने वाली शेयर कंपनियों/व्यक्तियों की शेयरधारिता की प्रतिशतता प्रत्येक शीर्ष के अधीन दी गई है।

2.

कुल विदेशी शेयरधारिता	शेयरों की संख्या	प्रतिशत शेयरधारिता
विदेशी संस्थागत निवेशक	42271360	17.27
एनआरआई	57172	0.02
समुद्रपारीय निगमित निकाय	4100	0.00
ओवरसीज बैकिंग कारपोरेशन	0	0.00
एडीआर और जीडीआर धारिता	0	0.00
कुल	**42332632**	**17.29**

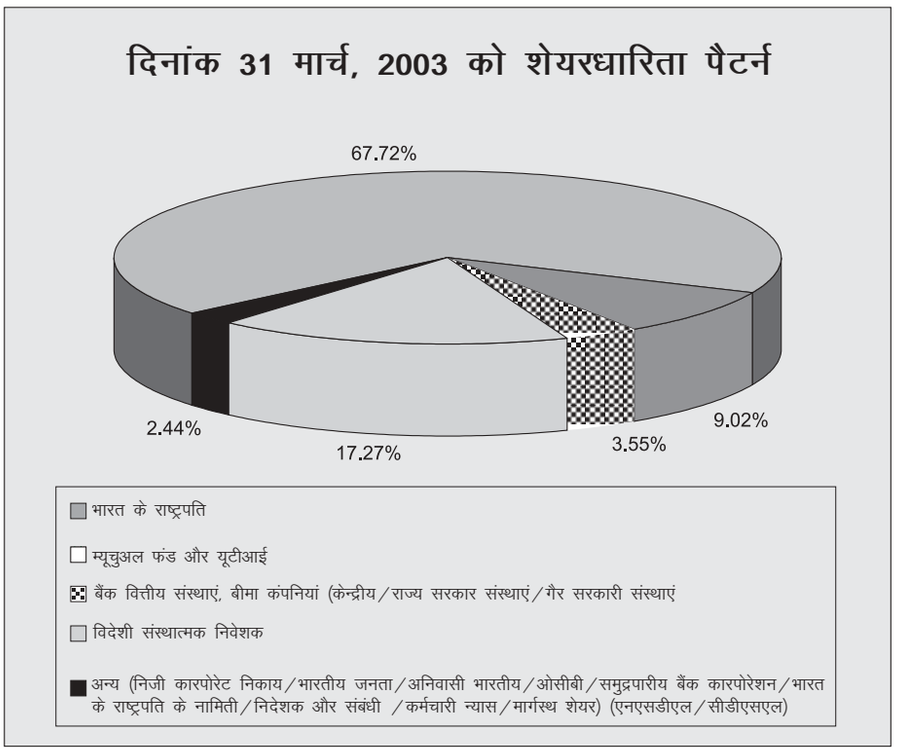

(ii) शीर्ष पांच शेयरधारक

दिनांक 31 मार्च, 2003 की बीएचईएल के शीर्ष पांच शेयरधारक निम्नानुसार थे :

नाम	शेयरों की संख्या	पूंजी का प्रतिशत
भारत के राष्ट्रपति	165755000	67.72
भारतीय जीवन बीमा निगम	4305723	1.76
भारतीय यूनिट ट्रस्ट–एसयूएस 1999	3332270	1.36
दि इंडिया फंड	2373445	0.97
अबुधाबी इंवेस्टमेंट अथॉरिटी	2206569	0.90
कुल	**177973007**	**72.71**

➢ **शेयरों और नकदी का अमूर्तकरण**

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के निर्देशों के अनुसार सभी श्रेणियों के निवेशकों द्वारा, बीएचईएल के शेयरों का अमूर्त (डीमैट) रूप में व्यापार दिनांक 5 अप्रैल, 1999 से अनिवार्य कर दिया गया है। बीएचईएल ने देश के दोनों निक्षेपागारों अर्थात नेशनल सिक्यूरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपाजिटरी सिक्यूरिटीज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) के साथ अपनी प्रतिभूतियों के डीमैट रूप में प्रवेश देने के लिए करार निष्पादित किया है। दिनांक 31 मार्च, 2003 को बीएचईएल की कुल इक्विटी शेयर पूंजी के 31.99 प्रतिशत को शेयरधारकों ने अमूर्त करा लिया है और वे एनएसडीएल/सीडीएसएल के नाम से धारित है। निक्षेपागारों के नाम और पते निम्नानुसार हैं :

1. नेशनल सिक्यूरिटी डिपाजिटरी लिमिटेड
   ट्रेड वर्ल्ड, चौथा तल,
   कमला मिल्स कम्पाउंड
   सेनापति बापत मार्ग
   लोअर परेल, मुंबई-400013

2. सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड
   फिरोज जीजीभॅय टावर्स
   28वां तल, दलाल स्ट्रीट
   मुंबई-400 023

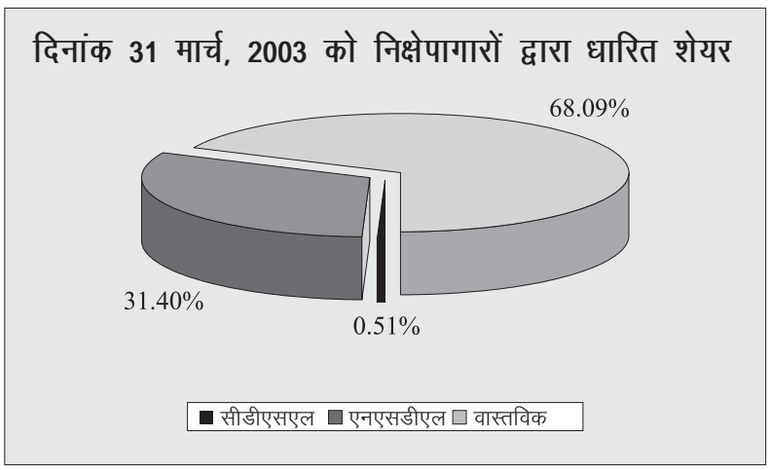

➢ **बकाया जीडीआर/एडीआर/वारंट अथवा अन्य कोई परिवर्तनीय लिखत, परिवर्तन की तारीख और इक्विटी पर संभाव प्रभाव**

- शून्य

➢ **संयंत्र अवस्थान**

- हेवी इलेक्ट्रिकल्स इक्विपमेंट प्लांट हरिद्वार
  सेंट्रल फाउंड्री फोर्ज प्लांट, हरिद्वार
  हैवी पावर इक्विटपमेंट प्लांट, हैदराबाद
  हाई प्रेशर बॉलयर प्लांट, त्रिची,
  हेवी इलेक्ट्रिकल्स प्लांट, भोपाल
  ट्रांसफार्मर प्लांट, झांसी
  इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन, बंगलौर
  बॉयलर ऑक्जिलरीज प्लांट, रानीपेट
  इंडस्ट्रियल वाल्व्स प्लांट, गोईदवाल
  इलेक्ट्रोपोसेंलिन डिवीजन, बंगलौर
  इंसुलेटर प्लांट, जगदीशपुर
  कम्पानेंट फ्रेब्रिकेशन प्लांट, रूद्रपुर
  हेवी इक्विपमेंट रिपेयर प्लांट, वाराणसी

➢ **निवेशकों के साथ पत्राचार हेतु पता**

शेयरों के अंतरण/अमूर्तकरण, शेयरों पर लाभांश भुगतान, लाभांश वारंटों को पुनःवैधीकरण और कंपनी के शेयरों के संबंधित अन्य पूछताछ के लिए शेयरधारक अपने पत्र निम्नांकित में किसी को भी प्रेषित कर सकते हैं :

एन.के. सिन्हा
कम्पनी सेकेटरी
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : बीएचईएल हाउस,
सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110049
फोन : 91 11 26001046
फैक्स : 91 11 26001102
ई–मेल : csynks@asiad.bhel.co.in

अथवा

कार्वी कंसल्टेंट्स लिमिटेड
यूनिट : बीएचईएल
105–108, अरूणाचल बिल्डिंग
19, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली–110001
दूरभाष : 91 11 23324401, 23324409,
23324417, 23324435, 23324613.
फैक्स : 91 11 23730743
ई–मेल : michaelg@karvy.com
madhusudhan@karvy.com

टिप्पणी : इलेक्ट्रॉनिक मोड में शेयरधारित करने वाले शेयरधारिकों को सभी पत्राचार अपने संबंधित निक्षेपागार सहभागियों के साथ करना चाहिए।

कारपोरेट अभिशासन के संबंध में लेखापरीक्षकों का प्रमाण-पत्र

सेवा में,

सदस्य,
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
भेल हाउस,सीरी फोर्ट,
नई दिल्ली

हमनें स्टॉक एक्सचेंज के साथ उक्त कंपनी के सूचीकरण करार के खंड 49 में यथानिर्दिष्ट दिनांक 31 मार्च,2003 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा कारपोरेट शासन की शर्तों के अनुपालन की जांच कर ली है।

कारपोरेट शासन की शर्तों का अनुपालन करना प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारी जांच कारपोरेट शासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई कार्यविधि और उसके कार्यान्वयन तक सीमित थी। यह न तो लेखापरीक्षा है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों के संबंध में राय की अभिव्यक्ति।

हमारे राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार निम्नलिखित के अधीनः

सूचीकरण करार के खंड 49(1)(क) यह अपेक्षा करता है कि कंपनी के निदेशक बोर्ड के कम से कम पचास प्रतिशत स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक होने चाहिए। तथापि, वर्ष के दौरान कंपनी के निदेशक बोर्ड में कार्यकारी और स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशकों की संख्या इष्टतम नहीं थी।

हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने ऊपर उल्लिखित सूचीकरण करार में यथा निर्दिष्ट कारपोरेट शासन की शर्तों का अनुपालन किया है।

हम यह उल्लेख करते हैं कि कंपनी के पंजीयक और शेयर अंतरण एजेंट (आरटीए) द्वारा प्रस्तुत सूचना और शेयरधारक/निवेशक शिकायत समिति को सूचित किए गए अनुसार कंपनी के विरूद्ध एक महीने सेअधिक की अवधि के लिए शेयरधारक/निवेशक की कोई शिकायत लंबित नहीं है।

हम यह भी उललेख करते हैं कि यह अनुपालन न तो कंपनी की भविष्यकालीन व्यवहार्यता का और न ही कंपनी की कार्यों को संचालित करने में प्रबंधन की कुशलता अथवा प्रभावशीलता का आश्वासन है।

कृते
जे.सी.भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 22.08.2003

ह./-
(सुधीर मल्लिक)
भागीदार

सूचीकरण करार [खंड 49(iv) क] के अनुसार नियुक्ति एवं पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों का संक्षिप्त जीवन-वृत्त

पूर्णकालिक कार्यात्मक निदेशक

59-वर्षीय श्री ईशान शंकर एक मैकेनिकल इंजीनियर हैं। भेल के बोर्ड में शामिल होने के पहले भेल में विभिन्न पदों पर तथा एनआईडीसी, जो कि सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है, के सीएमडी (दिसम्बर 1994 से अक्तूबर,1997) के रूप में कार्य करने का उन्हें मूल्यवान अनुभव है। श्री शंकर ने भेल के हरिद्वार संयंत्र में 1969 में पदभार ग्रहण किया। तत्पश्चात् उन्हें कारपोरेट कार्यालय, सीएफएफपी तथा आरओडी मुख्यालय में पदस्थापित किया गया। वे क्षेत्रीय कार्यालय,लखनऊ के 5 वर्षों तक प्रमुख भी रहे। वे कंपनी योजना एवं विकास में 1981 में पदस्थापित थे और यहां उन्होंने 12 वर्ष तक कार्य किया। अगस्त,1993 में वे जगदीशपुर इकाई के प्रमुख बने। वहां उनके कार्यकाल के दौरान संयंत्र ने बजट लक्ष्यों से ज्यादा उत्पादन किया तथा आईएसओ-9001 प्रमाण्पत्र भी मिला।

निदेशक (कार्मिक) अभी निदेशक (मानव संसाधन) के रूप में वे भेल के बोर्ड में अक्तूबर,1997 से हैं। उन्होंने परिप्रेक्ष्य-2002 (कंपनी की कारपोरेट योजना) तथा रणनीतिक-2007 के भाग के रूप में एचआरएम कार्यात्मक योजना के उद्देश्यों को तय करने एवं पूरा करने में कंपनी के प्रयासों को मार्ग-निर्देशित किया। वे अंतर्राष्ट्रीय कार्य प्रभाग के भी प्रमुख हैं,जिसमें उनके कार्यकाल के दौरान आदेश प्रवाह में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई।

अंशकालिक सरकारी निदेशक

51-वर्षीय श्री ए.दीदार सिंह पंजाब कैडर से 1976 बैच के भा.प्र.से. अधिकारी हैं। भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार (जनवरी,2003 में) में संयुक्त सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व वे राज्य सरकार में सचिव थे, जहां उन्होंने उद्योग,पर्यटन,वित्त,स्थास्थ्य आदि विभागों के विभागाध्यक्ष के रूप में कई पदों पर कार्य किया। इलेक्ट्रॉनिक्स,टेक्सटाइल्स,सीमेंट तथा पर्यटन के क्षेत्रों के 5 राज्य स्तरीय सार्वजनिक उद्यमों के प्रबंध निदेशक के रूप में प्रभार ग्रहण करने के कारण सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के प्रबंध का उन्हें नजदीकी अनुभव है। इसके पूर्व वे वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार में संयुक्त सचिव थे तथा इसके पूर्व में न्यूयार्क,संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास में प्रथम सचिव के रूप में पदस्थापित थे।

श्री दीदार सिंह ने बरमिंघम विश्वविद्यालय,युनाइटेड किंग्डम से विकास प्रशासन में मास्टर डिग्री प्राप्त की है तथा वर्तमान में वे पंजाब विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य में पीएचडी कर रहे हैं। श्री दीदार सिंह ई-वाणिज्य तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ हैं तथा उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सेंटर,अंकटाड, डब्ल्यूएचओ तथा आईएलओ, जेनेवा सहित अनेक अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों के साथ ही कामनवेल्थ सचिवालय,लंदन के लिए अनुसंधान अध्ययन किया है। वे ई-वाणिज्य पर एक पुस्तक सहित अनेक पुस्तकों के लेखक हैं।

वर्तमान में श्री दीदार सिंह भारत यंत्र निगम लिमिटेड, त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लिमिटेड तथा हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन लिमिटेड के बोर्ड में सरकार की ओर से मनोनीत किए गए हैं।

अंशकालीन गैर-सरकारी निदेशक

65-वर्षीय श्री अविनाश चन्द्र वधावन बीएससी तथा मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग में बी टेक हैं। उन्होंने फ्रांस में एसोसिएशन पोर एल आर्गेनाइजेशन डेस स्टेजेज एन फ्रांस (एएसटीईएफ), ''इस्पात निर्माण तथा मिश्र इस्पातों का संसाधन'' में डिप्लोमा हासिल किया है।

बर्न एंड कंपनी लिमिटेड (मार्टिन बर्न ग्रुप) में संक्षिप्त कार्यकाल के बाद उन्होंने हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड, रांची में कार्यभार ग्रहण किया तथा वहां दो वर्ष कार्य किया। तदन्तर फ्रांस में अपने कार्यकाल के पश्चात उन्होंने महिन्द्रा यूजीन स्टील कंपनी लिमिटेड में कार्य किया तथा वहां वे 1973 तक रहे और तत्पश्चात उन्होंने हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड में कार्यभार ग्रहण किया। श्री वधावन नवम्बर,1985 से 31 जनवरी,1996 को अपनी सेवानिवृत्ति तक एचजेडएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रहे। इसके पश्चात,भारत सरकार ने जुलाई,1996 में उन्हें सरकारी उद्यम चयन समिति का सदस्य नियुक्त किया, तदनंतर उन्होंने पीएसईबी के अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया तथा जुलाई,1999 तक इस पद पर रहे।

श्री वधावन वैज्ञानिक,तकनीकी,औद्योगिक तथा अन्य सम्बद्ध पेशेवर संगठनों से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय निकायों से जुड़े हुए हैं। वे 1995-96 में अंतर्राष्ट्रीय जिंक संगठन, एशिया प्रशांत क्षेत्र के उपाध्यक्ष थे। वे एक दशक से अधिक समय तक अंतर्राष्ट्रीय लीड जिंक अध्ययन समूह,लंदन के सलाहकार पैनल के सदस्य के तथा इस विश्व संस्था में उन्होंने 1985 से भारत का प्रतिनिधित्व भी किया। वे हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड, इंडियन रेअर अर्थ लिमिटेड,मेकॉन, राजस्थान राज्य माइन्स एंड मिनरल्स लिमिटेड सदृश सरकारी उपक्रमों के बोर्ड में भी रहे। वे भारत में सरकारी क्षेत्र के उद्यमों की शीर्ष संस्था स्कोप से एक दशक से अधिक समय तक जुड़े रहे, पहले वे इसके सदस्य थे, तत्पश्चात

वे इसके उपाध्यक्ष बने तथा अंततः 1995-96 में वे इस संस्था के अध्यक्ष बने। वे राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला, क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, भोपाल तथा सीईसीआरआई, जो कि सीएसआईआर की प्रयोगशलाएं हैं, के अनेक वर्षों तक सदस्य रहे।

श्री वधावन 1992 में देश में स्थापित मटलर्जिस्टों की व्यावसायिक संस्था इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेरल्स के अध्यक्ष होने के साथ ही इस इंस्टीट्यूट की उदयपुर एवं चितौड़गढ़ शाखाओं के संस्थापक भी हैं। उन्हें इंडियन नेशनल एकेडमी फार इंजीनियरिंग का फेलो तथा इंटरनेशनल आफ इनर्जी इकोनोमिक्स, यूएसए का सदस्य भी निर्वाचित किया गया है।

वर्तमान में श्री वधावन विभिन्न कंपनियों/संगठनों/संस्थाओं के साथ अध्यक्ष/निदेशक/उनके शीर्ष निकायों के सदस्य के रूप में जुड़े हुए हैं। वे भारत सरकार के खान मंत्रालय के अन्तर्गत रिसर्च एडवाइजरी काउंसिल आफ जवाहर लाल नेहरू अल्युमीनियम रिसर्च डेवलेपमेंट एवं डिजायन सेंटर के अध्यक्ष हैं। वे विज्ञान भवन समाज, सीएलपीएम आदि सदृश अन्य संस्थाओं से या तो उनके अध्यक्ष/प्रेसिडेंट अथवा उनकी परिषदों के सदस्य के रूप में जुड़े हुए हैं।

श्री वधावन टाटा मेरालिक्स लिमिटेड, ट्रांसवे (इंडिया) लिमिटेड, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, जिंदल पालिस्टर लिमिटेड तथा रिलायंस सेल्युलोज प्रोडक्ट्स लिमिटेड के बोर्ड में भी शामिल हैं। वे भारतीय प्रबंध संस्थान, लखनऊ, मैनेजमेंट डेवलमेंट इंस्टीट्यूट, गुड़गांव, राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध संस्थान, फरीदाबाद आदि सदृश शीर्ष प्रबंध स्कूलों के अतिथि संकाय में भी हैं।

श्री वधावन प्राइसवाटर हाउस कूपर्स लिमिटेड, दि इंटरनेशनल कंसल्टेंसी कंपनी तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (आरआरएल, भोपाल), भारत सरकार के सलाहकार हैं।

श्री वधावन को कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें पेशेवर मेटलर्जिस्ट को आईआईएम द्वारा दिया जाने वाला सबसे बड़ा पुरस्कार प्लैटिनम मंडल आफ इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मेटल्स (आईआईएम) , मेटलर्जिकल उद्योग में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिए जाने वाले टाटा गोल्ड मेडल तथा ब्राल्को गोल्ड शामिल हैं। उन्हें सरकारी क्षेत्र में अपने योगदान के लिए राजीव गांधी एक्सेलेंस अवार्ड तथा अलौह क्षेत्र में विपणन एवं सामग्री की नई अवधारणा की वृद्धि के लिए सिल्वर मंडल भी प्रदान किया गया है।

50-वर्षीय डा. आनंद पाटकर एक प्रबंध सलाहकार हैं, जिन्हें कारपोरेट रणनीति, वित्त तथा नियंत्रण प्रणालियों में विशेषज्ञता हासिल है। वे विज्ञान स्नात्तक हैं तथा उन्होंने मास्टर्स इन मैनेजमेंट स्टडीज की डिग्री तथा प्रबंध वित्त में पीएचडी किया है। डा0 पाटकर को कारपोरेट प्लानिंग, बजटीय नियंत्रण प्रणालियों, मानव संसाधान तथा अन्य विभागों का विशद अनुभव है तथा उन्होंने नेल्को लिमिटेड, एसोसिएटेड कैप्स्यूल्स ग्रुप तथा ग्रीव्स लिमिटेड जैसे सम्मानित संगठनों में कार्य किया है। 1995 से वे एक स्वतंत्र प्रबंधन सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे हैं।

वर्तमान में डा. पाटकर एसडब्ल्यूआईएल लिमिटेड तथा प्राइमटाइमश्आईपी मीडिया सर्विसेज लिमिटेड के बोर्ड में हैं। वे डा0 ए.पाटकर एसोसिएट्स, प्रबंध सलाहकार के एकमात्र प्रोपराइटर हैं।

वे एसडब्ल्यूआईएल लिमिटेड की पारिश्रमिक समिति तथा भेल की लेखा परीक्षा समिति के सदस्य हैं।

62-वर्षीय श्री ज्ञान प्रकाश गुप्ता वाणिज्य से स्नातकोत्तर हैं। उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में 41 वर्षों का समृद्ध एवं विविध अनुभव है। उन्होंने अपने कैरियर की शुरूआत श्री राम कालेज आफ कॉमर्स, दिल्ली में लेक्चरर पद से किया। तदनंतर 1966 में उन्होंने आईडीबीआई में योगदान किया तथा 1992 में कार्यकारी निदेशक के पद पर पहुंच गए। श्री गुप्ता को जनवरी, 1997 में यूटीआई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया तथा बाद में जुलाई, 1998 में वे आईडीबीआई के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बने। वे जनवरी, 2001 में अपनी सेवानिवृत्ति की आयु पर पहुंचने के उपरांत इस पद से सेवानिवृत्त हुए।

वर्तमान में श्री गुप्ता हिन्दुस्तान एशेनाटिक्स लिमिटेड, जेएंडके बैंक लिमिटेड, नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड की लेखापरीक्षा समिति के अध्यक्ष तथा जेएंडके बैंक लिमिटेड, स्वराज इंजन लिमिटेड तथा भेल की लेखा परीक्षा समितियों के सदस्य हैं।

भारत सरकार द्वार बोर्ड को अधिक पेशेवर बनाने के लिए अपर-नामोल्लिखित गैर-सरकारी निदेशकों को शामिल किया जाना आवश्यक माना गया। इन व्यक्तियों को उद्योग एवं व्यापार के शीर्षस्थ टेक्नोक्रैट्स, प्रबंध विशेषज्ञों तथा सलाहकारों एवं व्यावसायिक प्रबंधकों में से चुना गया, जिन्होंने अपनी उच्च योग्यता सिद्ध की है तथा बो बोर्ड को व्यावसायिक एवं प्रबंधकीय सलाह प्रदान करने में महत्वपूर्ण एवं पूरक भूमिका निभाएंगे। इसके अतिरिक्त, उनकी नियुक्ति बोर्ड की संरचना से संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों के साथ सूचीकरण करार के खंड 49 के उपबंधों का अनुपालन करने के लिए कंपनी के लिए अनिवार्य है।

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां

1. वित्तीय विवरण,चल रही ऐतिहासिक लागत परम्परा के आधार पर तथा स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों और कंपनी अधिनियम,1956 के प्रावधानों के अनुसार तैयार किए गए हैं, जैसा कि कंपनी द्वारा अनवरत रूप से अपनाया गया है।

2. **स्थायी परिसंपत्तियां**

   स्थायी परिसंपत्तियां (राज्य सरकार से निःशुल्क प्राप्त की गई भूमि से भिन्न) अर्जन,या निर्माण अथवा संचयी मूल्यह्रास को घटाकर लिखित मूल्य पर प्राप्त की जाती हैं।

   लागत के अन्तर्गत वास्तविक/प्राक्कलित फैक्टरी लागत या बाजार कीमत, जो भी कम हो,में ली गई पूंजी कार्य के लिए आंतरिक अंतरण मूल्य सम्मिलित होता है। असाधारण घटनाओं के प्रभाव जैसे स्थायी परिसंपत्तियों के अर्जन के लिए प्रयुक्त दीर्घावधि देयताओं/कर्जे के संबंध में अवमूल्यन जैसी असाधारण घटनाओं को प्रभाव की लागत में जोड़ा/से घटाया जाता है।

   राज्य सरकार से निःशुल्क प्राप्त भूमि का मूल्य 1 रुपए लगाया गया है,सिवाए इसके क वह 16 जुलाई,1969 को या उसके पश्चात न प्राप्त की गई हो, क्योंकि उस मामले में यह भूमि संबद्ध राज्य सरकार से पूंजी आरक्षित से तदनुरूप क्रेडिट के आधार अर्जन मूल्य पर मूल्यांकित की जाती है।

   विशेष रूप से परियोनजाओं के लिए उधार ली गई निधियों और उसमें अभिनिर्धारित उपगत ब्याज लागत को संगत परियोजनाओं के कमीशनिंग के समय तक पूंजीगत किया जाता है।

3. **उधार लागतें**

   जो उधार लागतें प्रतिबंधक परिसंपत्तियों के विनिर्माण,अर्जन या निर्माण पर खर्च की जाती हैं, वे उन परिसंपत्तियों लागत के रूप में शामिल हैं।

   अर्हकारी परिसंपत्ति वह होती है,जो अभीष्ट उपयोग या बिक्री हेतु तैयार होने में आवश्यक रूप से 12 महीने से अधिक का समय लेती है।

   अन्य उधार लागतों को उस अवधि का व्यय माना जाता है,जिसमें उन्हें खर्च किय गया है।

4. **निवेश**

   (i) दीर्घावधिक निवेश लागत पर किए जाते हैं। ऐसे निवेशों में,अस्थायी के अलावा, मूल्याह्रास को मान्यता दी जाती है और इसके लिए उचित व्यवस्था की गई है।

   (ii) चालू निवेश लागत या उद्धृत/उचित मूल्य,जो भी कम है,पर किए जाते हैं। उद्धृत न किए गए चालू निवेश लागत पर किए जाते हैं।

   (iii) निवेश की लागत में परिग्रहण प्रभार – जैसे, दलाली,शुल्क तथा ड्यूटी शामिल हैं।

   मौजूदा राशि में यदि कोई कमी होती है या किसी की पूर्ति होती है तो उसे लाभ और हानि लेखा में प्रभारित अथवा क्रेडिट किया जाता है।

5. **राजस्व मान्यता**

   (i) उपभोक्ता के पक्ष में स्वामित्व को अंतरित करके महत्वपूर्ण जोखिमों और प्रतिफलों के आधार पर बिक्री को दर्ज किया जाता है। बिक्री के अन्तर्गत आंशिक पोत लदान द्वारा उपभोक्ता को प्रेषित किया गया माल आता है जो कि आदेशिती/अनादेशिती विचाराधीन औपचारिक बिल वाले होते हैं।

   (ii) लम्बे उत्पादन चक्र वाले मदों (गैस आधारित पावर संयंत्रों,वॉयलर आग्जिलरी, कम्प्रेशरों और औद्योगिक टर्बो सेटों सहित हाइड्रो और थर्मल सेट) के संबध में बिक्री राजस्व की मान्यता तकनीकी प्राक्कलनों पर तैयार होती है। जब पोत लदान का कुल मूल्य प्रापणीय मूल्य का 30 प्रतिशत या उससे अधिक हो तो उन पर प्रापणीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर विचार किया जाता है या इसके अभाव में उद्धृत दर पर विचार किया जाता अन्यथा उन पर वास्तविक/प्राक्कलित फैक्ट्री लागत या प्रापणीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत जो भी कम हो,पर विचार किया जाता है। शेष 2.5 प्रतिशत संविदा के अधीन आपूर्ति पूरी हो जाने पर राजस्व के रूप में मान्यता मिलती है।

   (iii) निर्माण और परियोजना प्रबंध सेवाओं से आय की मान्यता कार्य की पूर्णतया के आधार पर दी जाती है तथा इनका बिल की प्रतिशतता पर आधारित होता है ; अथवा

   अन्तर्भूत मूल्य,जिसकी गणना संविदा मूल्य के 97.5 प्रतिशत पर की जाती है तथा शेष 2.5 प्रतिशत को संविदा समाप्त होने पर आय के रूप में मान्यता दी जाती है।

(iv) इंजीनियरिंग सेवाओं से प्राप्त आय की मान्यता कार्य समापन और बिल प्रस्तुतीकरण की प्रमाणित प्रतिशतता पर आधारित प्रापणीय मूल्य पर होती है।

(v) बीएचईएल में निर्माण न किए गए उपस्कर/प्रणालियों और सिविल कार्य की आपूर्ति/निर्माण से प्राप्त आय की मान्यता ग्राहकों को किए गए प्रेषणों/परियोजना स्थल पर किए गए प्रेषणों/परियोजना स्थल पर किए गए कार्य पर आधारित होती है।

6. **पट्टे**

वित्तीय पट्टा

क. (i) 1 अप्रैल,2001 से पूर्व पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां

विनिर्मित और वित्तीय पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां सामान्य विक्रय मूल्य/उचित मूल्य/संविदागत मूल्य पर पूंजीकृत की जाती हैं और बिक्री के रूप में माना जाता है।

उक्त पर उस दर से मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है,तो मूल्यह्रास पर लेखा नीति के अनुसार,इस प्रकार की स्थायी परिसंपत्तियों के लिए लागू होती है। पट्टा किराए पर मैचिंग प्रभार पट्टा समकरण लेखा द्वारा तैयार किया जाता है।

वित्त आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है।

(ii) 1 अप्रैल,2001 को या उसके बाद पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां

विनिर्मित एवं पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों को सामान्य विक्रय मूल्य/उचित कीमत/एनपीवी पर बिक्री के रूप में माना जाता है।

वित्त आय को पट्टा अवधि के लिए माना जाता है।

प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागतें पट्टा शुरू होने पर खर्च कर दी जाती है।

ख. 1 अप्रैल,2001 को या उसके बाद पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां

पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों को उचित कीमत/एनपीवी/संविदागत मूल्य पर पूंजीकृत किया जाता है। उक्त पर उस दर से मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है,तो मूल्यह्रास पर लेखा नीति के अनुसार,इस प्रकार की स्थायी परिसंपत्तियों के लिए लागू होती है। यदि पट्टा परिसंपत्तियां,पट्टा अवधि समाप्त होने पर पट्टादाता को वापस करनी हैं, तो उनको उपयोगी अवधि या पट्टा अवधि, जो भी अल्प हो,के लिए उनका मूल्यह्रास किया जाता है।

किए गए पट्टा भुगतानों के पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों से संबद्ध वित्त प्रभारों एवं बकाया देयता की कमी, में विभाजित कर दिया जाता है।

प्रचालन पट्टा

पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां :

विनिर्मित और प्रचालन पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां पूंजीकृत की जाती हैं। उनमें होने वाली पट्टा अवधि में हुई आय माना जाता है।

पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां :

प्रचालन पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के लिए किए गए पट्टा भुगतानों को पट्टा अवधि में हुआ खर्च माना जाता है।

7. **मालसूची मूल्यांकन**

(i) मालसूचियों का मूल्यन वास्तविक/प्राक्कलित लागत या निवल प्रापणीय मूल्य,जो भी कम हो,पर किया जाता है।

(ii) गैस आधारित पावर संयंत्रों,बॉयलरों,बायलर आग्जिलरी,कम्प्रेशरों और औद्योगिक टर्बो सेटों सहित हाइड्रो और थर्मल सेटों के संयंत्रों में तैयार माल तथा जारी कार्यों में समाविष्ट वास्तविक/प्राक्कलित फैक्टरी लागत या प्रापणीय मूल्य के 97.5 प्रतिशत जो भी कम हो,पर किया जाता है।

(iii) संयंत्र में तैयार माल एवं चालू कार्य के मूल्यांकन के लिए लागत का अर्थ कारखाना लागत है,वास्तविक अनुमानित कारखाना लागत में विनिमित माल पर देय उत्पाद शुल्क शामिल है।

(iv) कच्चे माल,अवयवों,फुटकर औजारों,भंडारों एवं अतिरिक्त पुर्जों की लागत का अर्थ भारित औसत लागत है।

(v) जहां किसी संविदा को अंश स्वरूप व्यक्तिगत परियोजना की लागत और विक्रय मूल्य संबंधी वर्तमान आकलन हानि दर्शाता है वहां ऐसी परियोजना के संबंध में जिस पर कार्य आरंभ हो चुका है, प्रत्याशित हानि, को मान्यता दी जाती है। हानि निर्धारण में परियोजना से प्राप्त किल आय पर विचार किया जाता है,जिसमें निर्यातों/मानित निर्यातों पर दिए गए प्रोतसाहन भी शामिल होंगे।

(vi) उत्पादन आर्डरों के लिए खरीदे/निर्मित किए गए अवयवों और अन्य सामग्रियों जिसे अधिशेष घोषित किया गया हो उन्हें तकनीकी प्राक्कलनों के आधार पर राजस्व के अवशिष्ट मूल्य से मुक्त कर लिया जाता है।

8. **सेवांत लाभ**

भविष्य तथा कर्मचारी परिवार पेंशन योजना के अंशदान को प्राप्ति आधार पर लेखाबद्ध किया जाता है। सेवानिवृत्ति के समय उपदान अर्ध–वेतन छुट्टी नकदीकरण योग्य छुट्टी की देयता तथा सेवा निवृत्ति के उपरांत चिकित्सा लाभ का परिकलन बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है कर्मचारियों के संदर्भ में बीमांकित देयता प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के आरंभ में निर्धारित की जाती है।

9. **मूल्यह्रास**

(i) स्थायी परिसंपत्तियों पर (संविदा के अधीन विदेश में प्रयुक्त को छोड़कर) मूल्यह्रास प्रभारी कंपनी अधिनियम,1956 की अनुसूची-XIV में निर्धारित दरों के अनुसार सीधी लाइन पद्धति के अनुसार लगाया जाता है,ऐसा केवल उन मामलों में नहीं होता है,जहां मूल्यह्रास निम्नलिखित दरों पर प्रभारित किया जाता है :

	एकल पाली	दोहरी पाली	तिहरी पाली
सामान्य संयंत्र एवं मशीनरी	8%	12%	16%
स्वचालित/अर्ध-स्वचालित मशीनें	10%	15%	20%
निर्माण उपस्कर,पूंजीगत औजार एवं साज सामान	20%		
नगर भवन - द्वितीय श्रेणी	2.5%		
- तृतीय श्रेणी	3.5%		
रेलवे बगलती रेलपथ	8%		
लोकोमोटिव एवं वैगन	8%		
विद्युत अधिष्ठापन	8%		
कार्यालय एवं अन्य उपस्कर	8%		
ड्रेनेज,सीवरेज तथा जल-आपूर्ति	3.34%		
इलेक्ट्रॉनिक आंकड़ा संसाधन उपस्कर	20%		

स्थायी परिसंपत्तियों में जोड/से कटौती के मामले में मूल्यह्रास प्रभार यथानुसार मासिक आधार पर होता है।

(ii) भारत से बाहर प्रयोग की जाने वाली लंबी अवधि संविदाओं की अनुवर्ती स्थायी परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास प्रारंभिक संविदा की अवधि के दौरान होता है।

(iii) 10.000/-रुपए या कम लागत की स्थायी परिसंपत्तियों अथवा वे परिसंपत्तियां जिनकी लिखित कीमत वर्ष के प्रारंभ में 10.000/-रुपए या कम है, उनका पूर्णतः मूल्यह्रास होता है। वहां तक टाउनशिप भवनों का प्रश्न है वहां प्रति मकान (कोठरी) को लागत 10,000/-रुपए की सीमा के लिए आधार है।

(iv) निर्माण/परियोजना स्थल : सड़कों,पुलों और पुलियों की लागत संविदा अवधि के बाद परिशोधित कर दी गई है। जबकि शेड,रेलवे साइडिंग,विद्युत अधिष्ठानों और इस प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण कार्यों (पूर्णतः अस्थायी निर्माण,लकड़ी के कार्य को छोड़कर) पर 10 प्रतिशत अवशिष्ट मूल्य के बाद मूल्यह्रास किया जाता है।

(v) लकड़ी के कार्य जैसे पूर्णतः अस्थायी निर्माण कार्यों पर निर्माण के वर्ष में पूर्णतः मूल्यह्रास किया जाता है।

(vi) पट्टे पर ली गई जमीन और उस पर बने भवनों पर मूल्यह्रास पट्टे की अवधि समाप्त होने के बाद कर दिया जाता है। पट्टे पर ली गई जमीन पर बनाए गए भवनों का मूल्यह्रास उनकी उपयोगी अवधि अथवा पट्टे की अवधि जो भी कम हो, के बाद होता है।

(vii) यदि किसी नियत परिसंपत्ति पर दर्शायी जा रही राशि में विदेशी मुद्रा लेनेदेन संबंधी नीति के अनुसार कोई परिवर्तन हुआ है तो मूल्यह्रास योग्य उस अपरिशोधित परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास परिसंपत्ति की अवशिष्ट उपयोगी अवधि तक जारी रहेगा।

10. **अनुसंधान और विकास व्यय**

व्यय किए जाने वाले वर्ष में अनुसंधान और विकास व्यय लाभ और हानि लेखे में प्रभारित किया जाता है। अनुसंधान और विकास के प्रयोजनार्थ अधिग्रहित अचल परिसंपत्तियां पूंजीकृत की जाती हैं।

11. **कंपनी द्वारा/के विरूद्ध दावे**

(i) कंपनी के विरूद्ध निर्णीत हर्जाने के लिए दावे को समान लेन-देनों के अनुभवों द्वारा वर्धित उपलब्ध सूचना के संदर्भ में संभावित परिणामों के प्रबंधन के आंकलन के आधार पर लेखे में माना जाता है।

(ii) निर्यात सब्सिडी, शुल्क वापसी, सीमाशुल्क की वापसी और बीमा के लिए दावे प्राप्ति पर लेखे में लिए जाते हैं।

(iii) मूल्यवृद्धि दावे और/अथवा संविदा कार्य में परिवर्तनों को केवल तभी राजस्व के रूप में माने जाते हैं जब संविदाओं में ऐसे दावों अथवा भिन्नताओं की शर्तें हो और/अथवा ग्राहकों से उसकी स्वीकार्यता का साक्ष्य हो। तथापि, वृद्धि आंतरिक मूल्य तक प्रतिबधित होती है।

12. **विदेशी मुद्रा लेन-देनों के लिए लेखाकरण**

विदेशी मुद्रा लेन-देनों से उत्पन्न विनियम के अंतरों को आय अथवा उस अवधि, जिसमें वे होते हैं, में व्यय के रूप में माना जाता है।

अचल परिसंपत्तियों की वहन राशि में विनिमय अंतरों का समायोजन निम्नानुसार किया जाता है :

क. रूपांतरण के कारण विदेशी मुद्रा में अधिग्रहित अचल परिसंपत्तियों से संबद्ध देयताओं में किसी वृद्धि/कमी के लिए ;

ख. अचल परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के प्रयोजन से व्यय की गई देयताओं की वापसी-अदायगी पर ;

अचल परिसंपत्तियों के अतिरिक्त से संबद्ध अवमूल्यन/पुनर्मूल्यांकन सहित विनिमय दर में पूर्व असाधारण और स्थायी घटबढ़ के प्रभाव को आस्थगित राजस्व प्रभार के रूप में माना जाता है और ऐसी देयताओं की शेष अवधि में समामेलित किया जाता है।

13. **विदेशी शाखाओं के वित्तीय विवरणों का रूपांतरण**

(i) आय और व्यय की मदें मूल्यह्रास जिसे समतुल्य अचल परिसंपत्तियों के लिए अपनाई गई दरों पर परिवर्तित किया जाता है, को छोड़कर औसत दर रूपांतरित की जाती है।

(ii) चालू परिसंपत्तियों और चालू देयताओं को इतिशेष दर पर रूपांतरित किया जाता है जब कि अचल परिसंपत्तियों को लेनदेन करने के समय प्रभावी दरों पर रूपांतरित किया जाता है।

(iii) अचल परिसंपत्तियों से संबंधित को छोड़कर लेनदेनों की सभी भिन्नताओं को लाभ और हानि लेखे में लाया जाता है।

14. **वारंटियों के लिए प्रावधान**

(i) वर्ष के अंत में वारंटी के अधीन संविदाओं के संबंध में संविदात्मक दायित्वों के प्रावधान को संविदा के मूल्य के 2.5 प्रतिशत पर विचार किया जाता है। एक से अधिक उत्पाद की आपूर्ति के लिए संविदाओं के मामले में प्रत्येक पूरे किए गए उत्पाद के मूल्य का 2.5 प्रतिशत प्रदान किया जाता है।

(ii) सुधार कार्य पर वारंटी के दावे/व्यय को वास्तविक व्यय के वर्ष में प्राथमिक शीर्ष के अधीन लेखांकन किया जाता है।

15. **सरकारी अनुदान**

सरकारी अनुमानों को तब लेखाबद्ध किया जाता है जब उनकी वसूली की उचित निश्चितता हो।

अचल मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध अनुदानों को संगत परिसंपत्तियों की सकल लागत के अधीन समायोजित किया जाता है जबकि गैर-मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्तियों से संबद्ध को पूंजी प्रारक्षित निधि में जमा किया जाता है। राजस्व से संबद्ध अनुदान जब तक व्यय/हानियों के लिए प्रतिपूर्ति के रूप में प्राप्त नहीं किए जाते तब तक उन्हें उस अवधि, जिससे वे राजस्व की समतुल्य लागत के सिद्धांत पर; संबद्ध है, राजस्व के रूप में माना जाता है।

गैर-मौद्रिक परिसंपत्तियों के रूप में अनुदानों को अधिग्रहण की लागत पर अथवा नॉमिनल मूल्य पर लेखाबद्ध किया जाता है, अगर वे मुफ्त प्राप्त होते हैं।

16. **आस्थगित राजस्व व्यय**

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्कीम के अधीन किए गए एकमुश्त भुगतान को आस्थगित राजस्व व्यय के रूप में माना जाता है और उस अवधि, जिसके दौरान कंपनी द्वारा लाभ प्राप्त किया जाना प्रत्याशित है, में समाशोधन किया जाता है।

तुलन-पत्र

31 मार्च, 2003 की यथास्थिति के अनुसार

	अनुसूची	(लाख रुपये में) 31.3.2003 की यथास्थिति		(लाख रुपये में) 31.3.2002 की यथास्थिति	
निधियों के स्रोत					
शेयरधारकों की निधियां					
पूंजी	1	24476.00		24476.00	
आरक्षित और अधिशेष	2	455891.01	480367.01	422484.54	446960.54
ऋण निधियां					
प्रतिभूत ऋण	3	50000.00		50027.97	
अप्रतिभूत ऋण	4	3109.10	53109.10	16551.74	66579.71
			533476.11		513540.25
निधियों का उपयोग					
स्थायी परिसंपत्तियां					
सकल ब्लॉक		334930.69		318199.63	
घटाएं : अब तक का मूल्यह्रास		223027.97		205768.46	
		111902.72		112431.17	
जोड़े : पट्टा समायोजन लेखा		5147.44		5225.76	
निवल ब्लॉक	5	117050.16		117656.93	
चालू पूंजीगत कार्य	6	5869.75	122919.91	5666.96	123323.89
निवेश	7		1032.72		1034.35
चालू परिसंपत्तियां, ऋण तथा अग्रिम					
वर्तमान परिसंपत्तियां	8				
मालसूचियां		200105.61		199422.87	
विविध देनदार		407578.21		458407.08	
नकदी तथा बैंक शेष		132091.11		47658.92	
अन्य चालू परिसंपत्तियां		99.84		0.50	
ऋण तथा अग्रिम	9	94964.89		99649.65	
		834839.66		805139.02	
घटाएं :					
चालू देयताएं और प्रावधान					
देयताएं	10	394959.66		406886.45	
प्रावधान	11	80646.29		64460.09	
		475605.95		471346.54	
निवल चालू परिसंपत्तियां			359233.71		333792.48
आस्थगित कर परिसंपत्तियां			40739.52		30461.80
विविध व्यय					
(बट्टे खाते अथवा समायोजित न की गई राशि तक सीमित)					
आस्थगित राजस्व व्यय	12		9550.25		24927.73
			533476.11		513540.25
टिप्पणी	19				

अनुसूची 1 से 23 और महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां लेखों का अभिन्न अंग है।

एन.के. सिन्हा
सचिव

सी. श्रीनिवासन
निदेशक (वित्त)

के.जी. रामचन्द्रन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी समतिथि की रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे.सी. भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

दिनांक : 13 जून 2003
स्थान : नई दिल्ली

सुधीर मलिक
भागीदार

लाभ तथा हानि लेखा

31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लिए

	अनुसूची		(लाख रुपये में) 31.3.2003 को समाप्त वर्ष के लिए		(लाख रुपये में) 31.3.2002 को समाप्त वर्ष के लिए
उपार्जन					
कुल बिक्री (सकल)	13क	748221.99		728662.54	
घटाइए उत्पाद शुल्क		55191.56		46351.50	
कुल बिक्री (निवल)			693030.43		682311.04
अन्य परिचालन आय	13ख		33249.99		35905.75
अन्य आय	13ग		10123.48		7181.33
ब्याज आय (टीडीएस रु. 339.86 लाख (गत वर्ष 651.22 रुपये)	13घ		5388.94		5282.32
मुद्रा विचलन			2109.78		1022.75
पुनः लिखे गये प्रावधान			32878.08		27606.78
चल रहे कार्य, तैयार माल, और छीजन में वृद्धि/कमी	14		-4532.16		-3728.92
			772248.54		755581.05
निगर्म					
कच्चे माल व घटकों की खपत			296157.83		313298.12
भंडार और अतिरिक्त पुर्जों की खपत		19880.01		17378.70	
स्थापना एवं इंजीनियरिंग व्यय - उपठेकेदारों को भुगतान			44629.00		41758.21
कर्मचारियों को पारिश्रमिक तथा लाभ	15		150464.44		144461.72
उत्पादन शुल्क	16		100267.21		94674.74
निर्विर्माण, प्रशासन, बिक्री तथा वितरण के अन्य व्यय					
ब्याज और अन्य उधार लागते	17		5478.02		9697.57
मूल्यह्रास			18535.00		16920.16
धन व्यवस्थाएं	18		42030.83		32722.64
घटाएं : आंतरिक उपयोग के लिए किए गए कार्यों की लागत			1796.47		1065.44
			675645.87		669846.42
पूर्ण अवधि के समायोजनों से पूर्व लाभ तथा असाधारण मदें			96602.67		85734.63
घटाएं : असाधारण मदें	18क		15378.61		19999.61
पूर्व अवधि के समायोजनों से पहले के लाभ			81224.06		65735.02
जोड़े/घटाएं : पूर्व अवधि के समायोजन (निवल)	18ख		-980.60		548.19
कर–पूर्व लाभ			80243.46		66283.21
घटाएं : कराधान के लिए धन व्यवस्था	18ग		35792.19		19488.56
कर–पश्चात् लाभ			44451.27		46794.65
जोड़े :					
पिछले वर्ष से लाया गया लाभ शेष			1902.24		
विनियोग के लिए उपलब्ध लाभ			46353.51		46794.65
घटाएं : विनियोजन					
– विदेश परियोजना आरक्षित		116.24		102.01	
– बांड प्रतिदान आरक्षित		10000.00		10000.00	
– सामान्य आरक्षित		20000.00		25000.00	
– लाभांश		9790.40		9790.40	
– कार्पोरेट लाभांश कर		1254.40	41161.04		44892.41
तुलन–पत्र में अग्रेनीत शेष			5192.47		1902.24
प्रति शेयर मूल एवं अंतरित अर्जन (रु.में)			18.16		19.12
टिप्पणी	19				

अनुसूची 1 से 23 और महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां लेखों का अभिन्न अंग है।

एन.के. सिन्हा
सचिव

सी. श्रीनिवासन
निदेशक (वित्त)

के.जी. रामचन्द्रन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी समतिथि की रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे.सी. भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

सुधीर मलिक
भागीदार

दिनांक : 13 जून 2003
स्थान : नई दिल्ली

अनुसूची-1 शेयर पूंजी

	(लाख रुपये में) 31.3.2003 की यथास्थिति	(लाख रुपये में) 31.3.2002 की यथास्थिति
प्राधिकृत पूंजी		
10-10 रुपये के 32,50,00,000 (पिछले वर्ष 32,50,00,000) इक्विटी शेयर	32500.00	32500.00
निर्गमित, अभिदत्त और प्रदत्त पूंजी		
10-10 रुपये के 24,47,60,000 के पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयर जिनमें से नकद के अलावा विचार के लिए 7,41,11,200 (पिछले वर्ष 7,41,11,200) आबंटित शेयर	24476.00	24476.00
	24476.00	**24476.00**

अनुसूची-2 प्रारक्षित निधि और अधिशेष

प्रारक्षित निधि और अधिशेष		276.98		276.98
विदेशी परियोजना प्रारक्षित निधि				
अथशेष	3006.55		3389.73	
जोड़े : लाभ एवं हानि लेखा से अंतरित	116.24		102.01	
घटाएं: सामान्य प्रारक्षित निधि को अंतरित	680.47		485.19	
		2442.32		3006.55
शोधन प्रारक्षित लेखा				
अथशेष	10000.00			
जोड़े : लाभ एवं हानि लेखा से अंतरित	10000.00		10000.00	
		20000.00		10000.00
सामान्य प्रारक्षित निधि				
अथशेष	407298.77		354893.58	
जोड़े : विदेशी परियोजना प्रारक्षित निधि से अंतरित	680.47		485.19	
जोड़े : आस्थगित कर परिसम्पत्तियां (निवल) 1.4.2001 की यथास्थिति के अनुसार			26920.00	
जोड़े : लाभ एवं हानि लेखा से अंतरित	20000.00		25000.00	–
		427979.24		407298.77
लाभ एवं हानि लेखा		5192.47		1902.24
		455891.01		**422484.54**

अनुसूची–3 रक्षित ऋण

	(लाख रुपये में) 31.32003 की यथास्थिति	(लाख रुपये में) 31.32002 की यथास्थिति
बाँड–8.85% अपरिवर्तनीय, रक्षित प्रतिदेय कर योग्य बाँड	50000.00	50000.00
बैंकों से ऋण तथा अग्रिम		
– कैश क्रडिट		27.97
	50000.00	**50027.97**

अनुसूची–4 अरक्षित ऋण

वित्तीय संस्थाओं से (एक वर्ष के अंदर देय 5.60 लाख रुपये) (पूर्ववर्ती वर्ष 5.60 लाख रुपये)	8.40	14.0
– एक्सिम बैंक से (एक वर्ष के अंदर देय 307.28 लाख रुपये) (पूर्ववर्ती वर्ष 307.28 लाख रुपये)	460.92	1546.93
– बैंकों से (एक वर्ष के अंदर देय शून्य (पूर्ववर्ती वर्ष 12627.63 लाख रुपये)		12627.63
लीज पर ली गई परिसम्पत्तियों के लिए क्रेडिट (एक वर्ष के अंदर देय 808.38 लाख रुपये) (पूर्ववर्ती वर्ष 617.50 लाख रुपये)	2393.85	2128.60
उपार्जित तथा देय ब्याज		
राज्य सरकारों के ऋण	233.29	233.29
– पट्टे पर ली गई परिसम्पत्तियों के लिए क्रेडिट	12.64	1.29
	3109.10	**16551.74**

अनुसूची-5

(लाख रुपये में)

अचल परिसंपत्तियां	सकल ब्लॉक					शुद्ध ब्लॉक			
	01.04.2002 को लागत	वर्ष के दौरान वृद्धि/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौती/ समायोजन	31.03.2003 को लागत	पट्टा समायोजन लेखा	31.03.2003 तक मूल्यह्रास	31.03.2003 को	31.03.2002 को	वर्ष के लिए मूल्यह्रास
फैक्टरी/कार्यालय काम्प्लेक्स									
पूर्ण स्वामित्व प्राप्त भूमि (विकास व्यय सहित)	745.75	-	-	745.75	-	-	745.75	745.75	-
पटटे पर प्राप्त भूमि (विकास व्यय सहित)	643.94	9.92	-	653.86	-	43.64	610.22	603.47	3.17
सड़के, पुल और पुलियां	820.87	68.22	38.19	850.90	-	350.33	500.57	479.35	46.99
भवन	25487.25	925.69	519.68	25893.26	-	14632.86	11260.40	11277.76	835.08
पट्टे पर प्राप्त भवन	308.77	-	-	308.77	-	84.18	224.59	229.71	5.12
जल निकास, मल–प्रवाह तथा जलापूर्ति	1237.61	6.00	0.16	1243.45	-	806.74	436.71	465.88	35.00
रेलवे साइडिंग	762.18	2.34	-	764.52	-	747.08	17.44	19.47	4.37
संयंत्र और यंत्रावली	178503.80	13702.79	465.10	191741.49	-	144203.82	47537.67	43673.99	9783.17
निर्माण उपस्कर	12760.98	784.09	233.44	13311.63	-	11425.26	1886.37	2101.89	974.09
इलेक्ट्रानिक डाटा प्रोसेसिंग उपस्कर	6519.22	690.71	137.85	7072.08	-	5146.56	1925.52	1995.26	713.75
विद्युत संस्थापन	7549.30	317.22	3.87	7862.65	-	5456.99	2405.66	2469.30	384.53
इंजन और वैगन	1598.34	2.33	-	1600.67	-	1305.84	294.83	336.54	44.05
वाहन	1818.99	-	67.03	1751.96	-	1256.58	495.38	619.12	109.83
फर्नीचर एवं फिक्सचर	626.83	55.56	-	682.39	-	365.89	316.50	298.35	30.48
कार्यालय एवं अन्य उपस्कर	5203.90	383.91	78.10	5509.71	-	3773.37	1736.34	1659.28	279.51
व्यापार चिन्ह एकस्व उपस्कर	0.12	-	-	0.12	-	0.12	-	-	-
रुपये 10,000/- तक की स्थायी परिसंपत्तियां	3465.75	249.10	4.31	3710.54	-	3710.54	-	-	249.10
पट्टे पर दिए गए लोकोमोटिव	49714.88	-	-	49714.88	5147.44	20761.81	34100.51	38156.02	3977.19
पूंजीगत व्यय	44.05	72.58	-	116.63	-	44.96	71.67	21.29	22.20
पट्टे पर लिए गए इडीपी उपस्कर	1845.63	831.79	-	2677.42	-	695.10	1982.32	1656.28	505.75
पट्टे पर लिए गए कार्यालय/अन्य उपस्कर	609.84	50.70	-	660.54	-	107.26	553.28	572.21	69.63
	300268.00	18152.95	1547.73	316873.22	5147.44	214918.93	107101.73	107380.92	18073.01
टाउनशिप/आवासीय									
पूर्ण स्वामित्व प्राप्त भूमि (विकास व्यय सहित)	80.94	134.08	-	215.02	-	-	215.02	80.94	-
पटटे पर प्राप्त भूमि (विकास व्यय सहित)	311.85	-	122.32	189.53	-	39.91	149.62	273.85	1.91
सड़के, पुल और पुलियां	487.52	-	-	487.52	-	219.60	267.92	275.84	7.92
भवन	11943.17	19.34	2.73	11959.78	-	4202.79	7756.99	7981.78	243.45
पट्टे पर प्राप्त भवन	33.17	-	-	33.17	-	16.40	16.77	17.88	1.11
जल निकास, मल–प्रवाह तथा जलापूर्ति	1658.86	2.12	-	1660.98	-	1057.53	603.45	641.74	40.41
संयंत्र और यंत्रावली	832.94	9.03	-	841.97	-	583.38	258.59	306.08	56.50
विद्युत संस्थापन	1213.72	8.06	-	1221.78	-	1145.19	76.59	95.76	27.06
वाहन	114.71	-	-	114.71	-	88.96	25.75	31.61	5.54
फर्नीचर एवं फिक्सचर	29.00	0.90	24.24	5.66	-	3.34	2.32	19.00	0.37
कार्यालय एवं अन्य उपस्कर	1068.31	63.80	-	1132.11	-	585.54	546.57	551.53	68.76
रुपये 10,000/- तक की स्थायी परिसंपत्तिया	157.44	5.87	-	163.31	-	163.31	-	-	5.87
पूंजीगत व्यय		31.93	-	31.93		3.09	28.84	-	3.09
	17931.63	275.13	149.29	18057.47	0.00	8109.04	9948.43	10276.01	461.99
कारखाने और टाउनशिप का योग	318199.63	18428.08	1697.02	334930.69	5147.44	223027.97	117050.16	117656.93	18535.00
गत वर्ष	300404.54	20936.21	3141.12	318199.63	5225.76	205768.46	117656.93	114261.19	16920.16

सकल ब्लॉक में 31.3.91 तक प्रभारित रुपये 7815.31 लाख (गत वर्ष रु.7815.31 लाख) के छोटे मूल्य वाली स्थायी परिसंपत्तियां शामिल नहीं है। सकल ब्लॉक में अनुसंधान के लिए भारत सरकार से प्राप्त अनुदान में से खरीदी गई रुपये 2845.49 लाख (गत वर्ष रु. 2827.82 लाख) की परिसंपत्तियां और कार्यपालक अभिकरण के रूप में रखी गई, परिसंपत्तियां शामिल नहीं हैं, क्योंकि उक्त सम्पति कंपनी के निहित नहीं है।

31.3.2003 तक की अचल परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास में राजस्व में समायोजित अचल परिसंपत्तियों के रुपये 2219.97 लाख (गत वर्ष 2219.97 लाख रुपये) शामिल हैं।

जो परिसंपत्तियां कंपनी के स्थामित्व में नहीं हैं, उनके निर्माण व विकास पर लगाये गये कंपनी के अंशदान अथवा व्यय को सामान्य व्यय में दर्शाते हुए, प्रति पांच वर्षों में राजस्व के बट्टे खाते में डाल दिया जाता है। कंपनी के स्वामित्व में अथवा पट्टे पर नहीं ली गई भूमि पर 2810 लाख रुपये (2275.35 लाख रूपये गत वर्ष) की लागत से भवन निर्माण किए गए हैं।

टाउनशिप पट्टाधारित भूमि के संबंध में कटौतियां/समायोजन पूर्ण स्वामित्व प्राप्त भूमि में रूपान्तरण के कारण है।

अनुसूची-6
चालू पूंजीगत व्यय (लागत पर)

	(लाख रुपये में) 31.3.2003 की यथास्थिति	(लाख रुपये में) 31.3.2002 की यथास्थिति
चालू निर्माण कार्य – सिविल	1022.61	622.34
निर्माण भंडार (मार्गस्थ सहित)	201.56	209.40
संयंत्र और मशीनरी तथा अन्य उपस्कर		
– परिनिर्माण/संरचना कं अधीन परिनिर्माण की प्रतीक्षा में	3051.73	2873.10
– मार्गस्थ	1593.85	1962.12
	5869.75	**5666.96**

अनुसूची-7
निवेश

दीर्घावधि, जब तक अन्यथा उल्लेख न हो

शेयर :

लागत मूल्य पर नहीं (पूर्णतया प्रदत्त)

व्यापार :				
इंजीनिरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड में एक–एक हजार रूपये के 360 (गत वर्ष 360) इक्विटी शेयर	3.60		3.60	
ए पी गैस पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड में 10 रु. प्रति के 728960 (गत वर्ष 728960) इक्विटी शेयर पूर्ण प्रदत्त	91.12		91.12	
मैनेजमेंट एण्ड टैक्नोलॉजी एप्लीकेशन (इंडिया) लिमिटेड में 10–10 रुपये के शून्य (गत वर्ष 16,333) इक्विटी शेयर कोणार्क मेट कॉक			1.63	
लिमिटेड (केएमसीएल), भुवनेश्वर में 10/– रु. प्रति के 100000 इक्विटी शेयर संयुक्त उद्यम कंपनियों के शेयर	500.00		100.00	
		594.72		196.35
संयुक्त उद्यम कंपनियों में शेयर				
पावर प्लांट परफॉर्मेस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड के सममूल्य पर 10/– रु. प्रति के 19,99,999 (गत वर्ष 19,99,999) इक्विटी शेयर	200.00		200.00	
बीएचईएल जीई गैस टरबाइन सर्विसेज लिमिटेड के सममूल्य पर 10/– रु. प्रति के 19,99,999 (गत वर्ष 19,99,999) इक्विटी शेयर	238.00		238.00	
		438.00		438.00
शेयरों के आबंटन के लिए कोणार्क मेट कोल लिमिटेड (केएमसीएल) भुवनेश्वर को अग्रिम रूप से प्रदत्त				400.00
व्यापार इतर :				
बीएचईएल गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, हैदराबाद के सममूल्य पर 100 रुपये प्रति के 3 (गत वर्ष 3) शेयर		*		*
		1032.72		**1034.35**

* 1000/– रू. से कम मूल्य

अनुसूची-8
चालू परिसंम्पत्तियाँ

		(लाख रुपये में) की यथास्थिति 31.3.2003		(लाख रुपये में) की यथास्थिति 31.3.2002
मालसूचियां @				
(प्रबंधन द्वारा यथा प्रमाणित)				
भंडार तथा अतिरिक्त कलपुर्जे				
-उत्पादन	5957.67		7077.86	
-ईंधन भंडार	630.04		420.35	
-विविध	606.83		616.12	
		7194.54		8114.33
कच्चा माल और संघटक		50880.07		47088.09
मार्गस्थ माल		17804.27		14924.62
फेब्रिकेटर/ठेकेदारों के पास माल		3281.68		3547.31
छुट्टे औजार		891.03		911.67
रद्दी माल (अनुमानित प्राप्य मूल्य पर)		1329.97		1210.79
तैयार माल	22881.25		14552.66	
अंतर प्रभागीय मार्गस्थ अंतरण में –	4599.85		4009.02	
शामिल हैं :				
– सीईए द्वारा मॉनीटर किए गए विभिन्न एसईबीज/एनटीपीसी (पूल मैम्बर्स) के पास मौजूद गैर–बीएचईएल अतिरिक्त कलपूर्जों के लिए 417.40 लाख रु. (गत वर्ष 417.40 लाख रु.)				
– मार्गस्थ तैयार माल रु. 265.01 लाख रु. (गत वर्ष 839.04 लाख रु.)				
		27481.10		18561.68
चालू कार्य		93842.84		107413.61
(उप ठेकेदारों के पास पड़ी मदों सहित)				
		202705.50		201772.10
घटाएं : अचल माल के लिए धन–व्यवस्था	2170.58		1993.72	
अन्तः इकाई माल सची में लाभ हेतु धन–व्यवस्था	429.31		355.51	
		2599.89		2349.23
		200105.61		199422.87
@ महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति सं. 7 के अनुसार आंका गया				
विविध देनदार*				
-6 माह से अधिक समय से बकाया ऋण		220990.96		265872.14
-अन्य ऋण		254343.47		256376.51
		475334.43		522248.65
घटाएं : अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए धन की व्यवस्था		67756.22		63841.57
		407578.21		**458407.08**

* आस्थगित ऋण 146894.43 रु.
(गत वर्ष 146881.30 लाख रु.)

अनुसूची-8 (जारी)

			(लाख रुपये में) की यथास्थिति 31.3.2003	(लाख रुपये में) की यथास्थिति 31.3.2002
विविध देनदारों का ब्यौरा				
खरे समझे गए ऋण जिनके बारे में कंपनी के पास देनदारों की निजी जमानत के अतिरिक्त अन्य कोई जमानत नहीं है			407578.21	458407.08
संदिग्ध समझे गए ऋण जिनके लिए धन की व्यवस्था की गई			67756.22	63841.57
			475334.43	**522248.65**
नकद एवं बैंक शेष				
हाथ में नकद, चैक, डिमाण्ड ड्राफ्ट तथा स्टैम्प्स			430.47	119.37
मार्गस्थ में प्रेषित			795.14	103.55
अनुसूचित बैंकों में शेष				
चालू खाते			110304.27	46832.75
जमा खाते			20000.53	2.52
गैर–अनुसूचित बैंकों के पास शेष				
	वर्ष के दौरान अधिकतम शेष (रु. लाख में) 2002-03	(रु. लाख में) 2001-02		
चालू खाते				
-अरब बैंक, जॉर्डन	13.48	11.68	0.16	5.57
-बैंक ऑफ साइप्रस, निकोशिया	34.01	34.45		34.01
-बैंक मस्कट (ओमान)	290.71	2896.98	11.40	309.49
-बर्कलेज बैंक लिमिटेड, जाम्बिया	0.68	0.68	0.68	0.68
-भूमिपुत्र कॉमर्स (बैंक ऑफ कामर्स), मलेशिया	102.86	120.45	53.96	88.13
-इण्डो जाम्बिया बैंक, लुसाका	336.92	6.39	336.92	6.39
-नैशनल बैंक ऑफ इजिप्ट	11.67	33.35	11.17	11.31
जमा खाते				
-भूमिपुत्र कॉमर्स (बैंक ऑफ कामर्स), मलेशिया	146.41	145.15	146.41	145.15
			132091.11	**47658.92**
अन्य चालू परिसम्पत्तियां				
जमाओं पर प्रोद्भूत ब्याज			99.84	0.50
			99.84	**0.50**
चालू परिसम्पत्तियों का सार				
मालसूचियां			200105.61	199422.87
विविध देनदार			407578.21	458407.08
नकद और बैंक शेष			132091.11	47658.92
अन्य चालू परिसम्पत्तियां			99.84	0.50
			739774.93	**705488.87**

अनुसूची-9
ऋण तथा अग्रिम

		(लाख रुपये में) की यथास्थिति 31.3.2003		(लाख रुपये में) की यथास्थिति 31.3.2002
ऋण				
कर्मचारियों को ऋण	767.74		1216.48	
ऋण पर जारी सामग्रियां	2.61			
अन्यों को ऋण	47.25		52.75	
ऋणों पर प्रोद्भूत अथवा देय ब्याज	2619.20	3436.80	2923.25	4192.48
अग्रिम				
(नकद अथवा वस्तु के रूप में या प्राप्त किए जाने वाले मूल्यों पर वसूली योग्य)				
कर्मचारियों को	1514.71		1657.33	
खरीददारी के लिए	5689.61		7825.36	
अन्यों को	36327.22		29329.13	
पूंजीगत व्यय के लिए	736.82	44268.36	580.68	39392.50
जमा खाते				
सीमा शुल्क पत्तन न्यास और सरकारी प्राधिकारियों के पास शेष *{(जिसमें केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के अधिकारियों के पास डाकघर पासबुक को गिरवी रखकर प्राप्त 4.71 लाख रुपये (गत वर्ष 4.71 लाख रुपये शामिल हैं)}	14245.66		13356.83	
अन्य	35110.78	49356.44	28516.69	41873.52
आय कर भुगतान (55526.00 लाख रुपये के प्रावधान को घटाकर)				15898.11
		97061.60		101356.61
घटाएं: संदिग्ध ऋणों तथा अग्रिम के लिए की गई धन व्यवस्था		2096.71		1706.96
		94964.89		**99649.65**
ऋणों तथा अग्रिमों के ब्यौरे :				
खरे समझे गए ऋण एवं अग्रिम जिनके बारे में कंपनी पूर्ण सुरक्षित है		1398.26		3896.90
खरे समझे गए ऋण एवं अग्रिम जिनके बारे में कंपनी के पास देनदारी की निजी जमानत के अतिरिक्त अन्य कोई जमानत नहीं है		93566.63		95752.75
संदिग्ध समझे गए ऋण एवं अग्रिम जिनके लिए धन की व्यवस्था की गई		2096.71		1706.96
		97061.60		**101356.61**

	अधिकतम रकम वर्ष के दौरान (लाख रुपये में) 2002-03	2001-02		
कंपनी के निदेशकों से प्राप्त होने वाली राशि	0.89	1.11	0.57	0.72
कंपनी के अधिकारियों से प्राप्त होने वाली राशि	26.11	22.81	16.11	15.18

अनुसूची–10
चालू देयताएं

		(लाख रुपये में) की यथास्थिति 31.3.2003		(लाख रुपये में) की यथास्थिति 31.3.2002
स्वीकृतियां		1718.98		2778.48
विविध लेनदार				
-लघु उद्योग उपक्रमों की (ब्याज सहित) कुल बकाया राशि	7098.27		13213.34	
-अन्य विविध लेनदार	174568.38	181666.65	172501.55	185714.89
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम		180156.15		189542.41
ठेकेदारों से जमा राशि	6043.95		5611.64	
घटाएं : जमानत के रूप में प्राप्त जमाएं	204.56	5839.39	307.61	5304.03
निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में निम्नांकित राशि जमा की जाएगी :				
-अदावाकृत लाभांश*		39.39		33.75
अन्य देयताएं		23829.83		21623.06
प्रोद्भूत ब्याज, जो अभी देय नहीं है		1709.27		1889.83
		394959.66		**406886.45**

*निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में अंतरित किए जाने हेतु तुलन पत्र तिथि को कोई बकाया अथवा देय राशि नहीं है

अनुसूची–11
प्रावधान

कराधान के लिए प्रावधान (62505.63 लाख रुपये के आयकर भुगतान को घटाकर)	10237.90		
लाभांश	9790.40		9790.40
कंपनी लाभांश कर	1254.40		
संविदात्मक दायित्व	44331.21		38804.04
अन्य	15032.38		15865.65
	80646.29		**64460.09**

अनुसूची–12
आस्थगित राजस्व व्यय

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के अंतर्गत एकमुश्त भुगतान	9550.25		24927.73
	9550.25		**24927.73**

अनुसूची–13 क
कुल बिक्री

	(लाख रुपये में) को समाप्त वर्ष के लिए 31.3.2003	(लाख रुपये में) को समाप्त वर्ष के लिए 31.3.2002
प्रतिफल रहित बिक्री (उपभोक्ताओं को किए गए 315518.76 लाख रु. के प्रेषण सहित) (गत वर्ष 292793.42 लाख रु.)	657050.95	649004.94
बाहारी इरेक्शन और अन्य सेवाओं से आय	87025.10	77678.55
निर्माणकारी संविदा से प्राप्त राजस्व	4145.94	1979.05
	748221.99	**728662.54**

अनुसूची–13 ख
अन्य परिचालन आय

निर्यात प्रोत्साहन		14700.29		19043.03
पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों पर किराए से प्राप्त आय	8717.83		8887.91	
जोड़ें/घटाएं : पट्टा समीकरण लेखा	-78.31	8639.52	537.29	9425.20
छीजन बिक्री		5280.51		4445.13
अधिशेष स्टॉक की बिक्री/अंतरण से प्राप्तियां		60.89		62.17
अन्य		4568.78		2930.22
		33249.99		**35905.75**

अनुसूची–13 ग
अन्य आय

स्थाई परिसंपत्तियों की बिक्री से लाभ	351.32	183.44
निवेश पर लाभांश (146.19 लाख टी.डी.एस. (गत वर्ष शून्य लाख रु.)	1392.30	226.10
अन्य अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए सरकार से प्राप्त 7.58 लाख रु. (गत वर्ष 9.26 लाख रु.) के अनुदान सहित)	8379.86	6771.79
	10123.48	**7181.33**

अनुसूची–13 घ
ब्याज से प्राप्त आय

ग्राहकों से	274.12	4425.70
कर्मचारियों से	146.34	222.30
बैंकों से	1587.03	196.88
अन्य	3381.45	437.44
	5388.94	**5282.32**

अनुसूची–14
चालू कार्य, निर्मित माल, तथा छीजन में वृद्धि/(कमी)

		(लाख रुपये में) को समाप्त वर्ष के लिए 31.3.2003		(लाख रुपये में) को समाप्त वर्ष के लिए 31.3.2002
चालू कार्य				
अंतिम शेष	93842.84		107413.61	
प्रारंभिक शेष	107413.61	-13570.77	108809.45	-1395.84
निर्मित माल				
अंतिम शेष	22881.25		14552.66	
प्रारंभिक शेष	14552.66	8328.59	17472.66	-2920.00
छीजन				
अंतिम शेष	1329.97		1210.79	
प्रारंभिक शेष	1210.79	119.18	1207.62	3.□17
मार्गस्थ अन्तर प्रभाग अंतरण		590.84		583.75
		-4532.16		**-3728.92**

अनुसूची–15
कर्मचारियों को पारिश्रमिक और लाभ

वेतन, मजदूरी, बोनस, भत्ते तथा अन्य लाभ	115024.66	110968.41
उपदान निधि में अंशदान	9770.00	9097.37
भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान	9968.38	9816.58
समूह बीमा	213.25	327.32
कर्मचारी कल्याण व्यय	15488.15	14252.04
	150464.44	**144461.72**

2002-2003				2001-2002			
वेतन और भत्ते	अं.भ.नि.	उपदान निधि में अंशदान	अन्य	वेतन और भत्ते	अं.भ.नि.	उपदान निधि में अंशदान	अन्य
29.95	3.42	3.56	7.19	27.45	3.30	3.05	5.11

निदेशकगण (अध्यक्ष एवं
प्रबंध निदेशक सहित)

टिप्पणी :

उपर्युक्त आंकड़ों में समूह बीमा योजना के लिए भुगतान किया गया प्रीमियम शामिल नहीं है।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा कार्यकारी निदेशकों को ड्यूटी हेतु तथा ड्यूटी हेतु तथा ड्यूटी से भिन्न यात्राओं के लिए स्टाफ कार इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई है। उनकी नियुक्ति के निबन्धन एवं शर्तों के अनुसार निर्धारित दर से भुगतान करने पर प्रतिमाह 1000 कि.मी. की ड्यूटी से भिन्न यात्रा कर सकते हैं। कार इस्तेमाल करने के उपर्युक्त नियम, 1962 के उपबंधों के अनुसार आर्थिक मूल्य निकाला जाये तो यह 1.73 लाख रुपये (गत वर्ष 0.59 लाख रुपये) होगा।

अनुसूची–16
विनिर्माण, प्रशासन, बिक्री और वितरण के अन्य व्यय

		(लाख रुपये में) को समाप्त वर्ष के लिए 31.3.2003		(लाख रुपये में) को समाप्त वर्ष के लिए 31.3.2002
आवासीय सलाहकार के प्रभार		346.43		183.16
रॉयल्टी, तकनीकी प्रलेख और अन्य परामर्श प्रभार		2196.65		1522.89
किराया (आवासीय यूनिट के लिए 2202.42 लाख रु. शामिल– गत वर्ष 2116.08 लाख रु.)		3032.07		2926.25
उत्पाद शुल्क (निर्मित माल के स्टाक को शामिल कर)		17656.99		22802.95
बिजली एवं ईंधन		19996.05		18569.30
शुल्क तथा कर		1492.01		1315.59
बीमा		2931.22		2606.11
मरम्मतें :				
भवन		1155.42		1017.85
संयंत्र और मशीनरी		984.15		839.61
अन्य		3172.79		3655.35
निर्यात के संबंध में अन्य व्यय		2176.14		3131.86
अशोध्य ऋण एवं बट्टाकृत राशि		2118.97		774.66
निवेश पर हानि		1.52		
विविध व्यय		38918.65		34654.95
नकद बट्टा		53.09		5.11
प्रभारित किए गए निर्णीत हर्जाने		4027.42		655.29
दान		0.58		1.29
2.0–सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम विकास तथा समाज कल्याण व्यय		7.06		12.52
		100267.21		**94674.74**
टिप्पणी :				
मरम्मत में विभागीय अनुरक्षण पर हुआ निम्नलिखित व्यय सम्मिलित नहीं है :				
संयंत्र तथा मशीनरी	7653.79		9399.45	
भवन	1831.89		1801.53	
अन्य	1340.57	10826.25	2290.81	13491.79
निर्यात संबंधी व्ययों में निर्यात पर दिया गया एजेंसी कमीशन सम्मिलित है		**1104.89**		**3036.51**
अनुसंधान और विकास पर व्यय		7324.14		7964.71

अनुसूची–16 (जारी)

		(लाख रुपये में) को समाप्त वर्ष के लिए 31.3.2003		(लाख रुपये में) को समाप्त वर्ष के लिए 31.3.2002
लेखापरीक्षकों को भुगतान :				
----फीस (विदेशों में लेखापरीक्षकों को दिये गये 1.19 लाख रु. (गत वर्ष 1.32 लाख रु.) शामिल हैं)		18.15		17.05
----व्यय		17.31		11.28
----आय कर मामले (विदेशों में लेखापरीक्षकों को दिए गए 0.64 लाख रु. (गत वर्ष 6.59 लाख रु.) शामिल)		4.07		9.48
----प्रमाणन कार्य (विदेशों में लेखापरीक्षकों को दिए गए 0.03 लाख रु. (गत वर्ष 0.06 लाख रु.) शामिल)		2.61		3.34
----अन्य व्यावसायिक सेवाएं (विदेशों में लेखापरीक्षकों को दिए गए 0.41 लाख रु. (गत वर्ष 0.40 लाख रु.) शामिल)		0.53		0.50
लागत लेखापरीक्षकों को भुगतान		0.68		0.65
*मनोरंजन पर व्यय		350.95		349.79
*विदेशी यात्राओं पर हुआ व्यय (562 दौरों के लिए (गत वर्ष 383))		637.75		490.71
प्रचार एवं जन संपर्क पर व्यय				
वेतन, भत्ते तथा अन्य लाभ	348.23		378.80	
अन्य व्यय	530.25	878.48	458.60	837.40
निदेशकों की फीस		3.65		1.63

*प्रबंधन द्वारा यथाप्रमाणित

अनुसूची–17
ब्याज एवं अन्य उधार लागतें

निम्नांकित पर ब्याज :		
बांड	4425.00	1660.89
बैंक / वित्तीय संस्थाओं से उधार	415.37	5236.37
अन्य	972.96	3439.27
अन्य उधार लागतें	1.71	90.01
	5815.04	10426.54
घटाएं : पूंजीकृत उधार लागतें	337.02	728.97
	5478.02	**9697.57**

अनुसूची–18
प्रावधान

संदिग्ध ऋण, उधार तथा अग्रिम	11873.47	8123.78
संविदात्मक बाध्यताएं	14361.82	12982.50
अन्य	15795.54	11616.36
	42030.83	**32722.64**

अनुसूची–18 क
असाधारण मदें

	(लाख रुपये में) को समाप्त वर्ष के लिए 31.3.2003	(लाख रुपये में) को समाप्त वर्ष के लिए 31.3.2002
आय		
व्यय		
स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के लिए एकमुश्त भुगतान का परिशोधन	15378.61	19999.61
असाधारण मदें (निवल)	**15378.61**	**19999.61**

अनुसूची–18 ख
पूर्वावधि मदें

आय				
कुल बिक्री	181.96		410.47	
अन्य प्रचालनात्मक लागत	49.30			
अन्य आय	14.28		-6.58	
चल रहे कार्य, तैयार माल तथा छीजन में अभिवृद्धि	46.00		665.84	
अन्य		291.54	34.82	1104.55
व्यय				
कच्चे माल तथा संघटकों की खपत	-69.31		462.80	
कर्मचारियों के पारिश्रमिक एवं लाभ	1228.79		1.15	
मूल्यह्रास	-2.31		32.51	
उप–ठेकेदारों को भुगतान	68.09		31.77	
ब्याज	-30.74			
बिजली एवं ईंधन	3.24			
अन्य व्यय	74.38	1272.14	28.13	556.36
पूर्वावधि समायोजन (निवल)		**-980.60**		**548.19**

अनुसूची–18 ग
कराधान के लिए प्रावधान

चालू वर्ष के लिए				
-चालू कर	34200.00		24551.23	
-आस्थगित कर	-5048.57	29151.43	-3541.80	21009.43
गत वर्षों के लिए				
-कर	11869.91		-1520.87	
-आस्थगित कर	-5229.15	6640.76		-1520.87
		35792.19		**19488.56**

अनुसूची–19

व्याख्यात्मक टिप्पणियां

1. अग्रिमों को घटाकर उन ठेकों की अनुमानित राशि जिनका निष्पादन पूंजी खाते में शेष है, और 9405.38 लाख रु. की व्यवस्था नहीं हुई है, (गत वर्ष 11761.81 लाख रु.)
2. 1.4.2001 से पूर्व पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के संदर्भ में, विवरण निम्न प्रकार हैं :

(लाख रुपये में)

परिसम्पत्तियां	परिसम्पत्तियों की लागत		पट्टे की असमाप्त हुई अवधि हेतु देय किराए	
	2002-2003	**2001-2002**	**2002-2003**	**27001-2002**
कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण	8288.73	9915.21	2219.87	3785.22
भूमि और भवन	22.25	104.33	1.96	7.59
कार्यालय उपस्कर	933.47	1179.67	298.28	442.93
अन्य	11.78	11.78		0.59
योग	9256.23	11210.99	2520.11	4236.33

3. भूमि और भवन में शामिल हैं :
   क) 15126.667 एकड़ भूमि (गत वर्ष 15154.997 एकड़) और 52 फ्लैट (गत वर्ष 79 फ्लैट) और एक भवन (गत वर्ष एक भवन), जिनके बारे में औपचारिक हस्तांतरण (विलेख अभी निष्पादित नहीं हुए है और जिनमें 101.520 एकड़ भूमि (गत वर्ष 101.520) भी शामिल है, जिसकी लागत का अनंतिम भुगतान किया गया है,) पूर्व में किए गए प्रावधान में से रजिस्ट्रेशन प्रभार वे निवल स्टैम्प शुल्क को भुगतान पर लेखाकृत किया जाएगा।

   ख) 94.936 एकड़ भूमि (गत वर्ष 94.936 एकड़) रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के विभागों तथा दूसरों को पट्टे पर दी गई।

   ग) 180 एकड़ भुमि इनमें 100 एकड़ (गत वर्ष क्रमशः 180 एकड़ और 100 एकड़) 30.11.1990 तक लाइसेंस वाली शामिल है जिनका प्रयोग रक्षा मंत्रालय कर रहा है, और जिसके लिए आगे लाइसेंस जारी रहने हेतु सक्षम प्रधिकारी के अनुमोदन की प्रतीक्षा है।

   घ) 209.507 एकड़ (गत वर्ष 209.507 एकड़) भूमि प्रतिकूल कब्जे के अंतर्गत है।

4. 10,000 रुपये तक की प्रत्येक स्थायी परिसंपत्ति पर 100% मूल्यह्रास के प्रावधान के लाभ पर प्रभाव, पिछले वर्षों के इस तरह के प्रभाव पर बिना विचार किए, निम्न प्रकार है :

(लाख रुपये में)

	2002-2003	**2001-2002**
लेखा वर्ष में रु. 10,000/- मूल्य वाली परिसंपत्तियों पर चार्ज ऑफ किया गया मूल्यह्रास	446.35	275.11
उपरोक्त पर सामान्य मूल्यह्रास	157.79	88.37
चार्ज ऑफ की गई अतिरिक्त राशि	288.56	186.74

5. ग्राहकों को विक्रय एवं प्रेषण :

   (क) अनंतिम मूल्यों पर आधारित रु. 9083.64 लाख (गत वर्ष रु. 17003.80 लाख) शामिल हैं;

   (ख) अंतिम मूल्य सूचकांकों की सीमा तक, विक्रय ठेके के अनुसार, जिसके अंतर्गत प्रोद्भवन आधार पर वृद्धि दावे भी शामिल हैं, उत्पन्न वृद्धि दावों के लिए रु. 20468.77 लाख (गत वर्ष रु. 18193.95 लाख) शामिल हैं;

   (ग) ग्राहकों को भेजे गये प्रेषणों में शामिल उपस्कों का मूल्य रु. 1275.25 लाख (गत वर्ष रु. 5366.87 लाख) है जो ग्राहकों की ओर से उनकी प्रार्थना पर पड़े हैं और कंपनी द्वारा उनका मूल्य प्राप्त हो चुका है; और

   (घ) सुपुर्दगी में देरी के लिए संविदा की शर्तों के अनुसार मूल्य कटौती के रु. 612.97 लाख (गत वर्ष रु. 901.91 लाख) शामिल नहीं हैं।

6. प्रासंगिक देयताएं

(क) कम्पनी के खिलाफ दावों, जो ऋण के रूप में स्वीकृत नहीं किए गए, में शामिल हैं :

(i) आयकर की लम्बित अपीलें धन व्यवस्थाओं को घटाकर 15659.10 लाख (गत वर्ष रु. 29709.89 लाख)।

(ii) बिक्रीकर के रु. 32405.05 लाख (गत वर्ष रु. 28349.86 लाख) की मांग पर प्रतिवाद/न्यायालय आदेश के अधीन रु. 7838.64 लाख (गत वर्ष रु. 7392.75 लाख) का भुगतान किया गया तथा जो वसूली योग्य अग्रिम शीर्ष में शामिल हैं।

(iii) उत्पाद शुल्क के रु. 25367.10 लाख (गत वर्ष रु. 26524.53 लाख) की मांग पर प्रतिवाद/न्यायालय आदेश के अधीन रु. 1474.07 लाख (गत वर्ष रु. 1655.43 लाख) का भुगतान किया गया तथा ये वसूली योग्य अग्रिम शीर्ष में शामिल हैं।

(iv) सीमा शुल्क की मांगे रु. 8146.33 लाख (गत वर्ष रु. 5.82 लाख)।

(v) न्यायालय/माध्यस्थम् मामले रु. 8146.33 लाख (गत वर्ष रु. 4548.53 लाख), जिनमें से शून्य (गत वर्ष 21.07 लाख रु.) का भुगतान प्रतिवाद/न्यायालय आदेश के अधीन किया गया।

(vi) निर्णीत हर्जाना रु. 4996.05 लाख (गत वर्ष रु. 9827.00 लाख)।

(vii) संविदाकारों के काउन्टर दावे रु. 4156.63 लाख (गत वर्ष रु. 4113.52 लाख)।

(viii) अन्य रु. 1588.70 लाख (गत वर्ष रु. 1962.88 लाख)।

(ख) आई डी बी आई योजना के अन्तर्गत वर्ष के अंत में बकाया बिलों में रु. 20336.25 लाख (पिछले वर्ष रु. 30610.16 लाख) की छूट :

(ग) वर्ष की समाप्ति पर रु. 275804.62 लाख (पिछले वर्ष रु. 268503.18 लाख) की बकाया बैंक गारन्टी।

7. बैंकों से कुल 75000 लाख रुपये (गत वर्ष 75000 लाख रुपये) की नकद क्रेडिट सीमा तथा बैंक गारंटी/साख पत्र सीमा के संबंध में बैंकों के संघ द्वारा स्वीकृत कुल 750000 लाख रुपये (गत वर्ष 750000 लाख रुपये) की कंपनी की प्रति गारंटी/क्षतिपूर्ति देयताओं को कच्चे माल, संघटकों, चालू कार्य, तैयार माल, भंडारों, बही ऋणों तथा अन्य चालू आस्तियों के प्रथम प्रभार के द्वारा प्रतिभूत किया जाता है।

8. 1 करोड़ रुपये प्रत्येक के अंकित मूल्य वाले 500 करोड़ रुपये की राशि के 8.85% अपरिवर्तनीय, रक्षित, शोधक्षम कर योग्य दीर्घावधिक बांडों को 15.11.2001 को 7 वर्ष की अवधि के लिए जारी किया गया, जिसमें 5 वर्ष के पश्चात् पुट/काल विकल्प भी है। इन्हें अपार्टमेंट सं. ए./टी.–1, तृतीय तल, श्री कृष्ण अपार्टमेंट, गोअन स्केवयर, नागपुर स्थित कंपनी की अचल संपत्ति के न्यासियों के पक्ष में एक कानूनी रेहन एवं प्रभार द्वारा, हरिद्वार एवं रामचन्द्र पुरम स्थित कंपनी की अचल संपत्तियों के संबंध में टाइटल विलेख के जमा के माध्यम से इक्विटेबल रेहन द्वारा तथा कंपनी के चल संयंत्र एवं मशीनरी, मशीनरी अतिरिक्त पुर्जों, उपकरणों तथा सहायक सामग्रियों तथा अन्य चल संपत्तियों, वर्तमान एवं भविष्य दोनों की, (सिवाय उन विशेष सम्पत्तियों तथा बही ऋणों के, जिनके ऊपर अनन्य प्रथम प्रभार सृजित किया जा चुका है) सहित इन इकाईयों की सभी चल सम्पत्तियों को बंधक रखकर रक्षित किया गया है।

9 (क) कंपनी ने आयकर अपील अधिकरण में एक अपील दायर की है, जिसमें निर्धारण वर्ष 1992–93 से संबंधित प्रोद्भवन के आधार पर सामान्य एवं असाधारण मुद्रा विचलन से हुए 37745.00 लाख रुपये (गत वर्ष 37745.00 लाख रुपये) के दावों की नामंजूरी का मुद्दा उठाया है। चूंकि मांग समाप्त होने की उम्मीद की जाती है, अतः कानूनी निर्णयों के आधार पर इसके लिए कोई धनव्यवस्था नहीं की गई है। तथा राशि को ऊपर पैरा 6 (क) (i) में विगत की भांति आकस्मिक देयता के रूप में दर्शाया गया है। उक्त आय कर देयता के संबंध में आयकर विभाग द्वारा की गई 24974.61 लाख रुपये की मांग (गत वर्ष 24974.61 लाख रुपये) को आयकर विभाग द्वारा कंपनी को देय रिफंडों के प्रति समायोजित किया गया है तथा कंपनी इसे तुलन–पत्र में अनुसूची 9 – ऋण अग्रिम के अंतर्गत "अन्य जमाओं" के रूप में दर्शा रही है। तथापि, जैसा कि आयकर विभाग ने निर्धारित किया है कि उक्त दावा भुगतान आधार पर अनुज्ञेय है, अतः आयकर विभाग द्वारा परवर्ती वर्षों में इसका दावा किया गया एवं अनुमति दी गई तथा उससे प्राप्त रिफंडों को प्राप्ति के वर्षों में लाभ एवं हानि लेखे में समायोजित किया गया। उक्त अपील की अनुमति दिए जाने की स्थिति में पूर्व में अनुमति प्रदान की गई कर वापसी को लौटाना होगा। तदनुसार, वर्ष के दौरान लेखों में किए गए प्रवधान के अतिरिक्त 12200 लाख रुपये (ब्याज को छोड़कर) का प्रावधान किया गया है। राशि का प्रावधान करते समय विभाग द्वारा कंपनी को प्राप्य पूर्व के समायोजनों पर ब्याज की राशि पर विचार नहीं किया गया है।

(ख) इस वर्ष के दौरान आकलन अधिकारी ने पहले माफ की गई राशि को घटाकर आकलन वर्ष 1992–93 के लिए 1425.07 लाख रुपये की मांग की, जिसकी आंशिक रूप से 1304.00 लाख रुपये तक कंपनी को देय कर वापसी से समायोजित करके प्रतिपूर्ति की गई। कंपनी को यह कानूनी सलाह प्राप्त हुई है कि आयकर आयुक्त के मांग माफी प्रदान करने वाले पूर्व के आदेश की गलत व्याख्या पर आधारित है तथा समय प्रतिबंधित भी है विशेषज्ञ सलाह के आधार पर मांग के लिए कोई धनव्यवस्था नहीं की गई है। इसके अतिरिक्त मांग को रद्द करने के लिए कंपनी आवश्यक कदम उठाएगी।

12. अन्य देयताओं में सरकार के अनुरोध पर 1990–91 तक कंपनी द्वारा लिए गए विदेशी मुद्रा ऋणों के संबंध में भारत सरकार द्वारा मांगी गयी गारंटी शुल्क के लिए 10051.51 लाख रुपये (गत वर्ष 10051.51 लाख रुपये) की राशि शामिल है। इसे माफ किए जाने का मामला भारत सरकार के साथ उठाया गया है, क्योंकि ऋण लिए जाते समय (भारत सरकार द्वारा गारंटी प्रदत्त) इस गारंटी शुल्क की कोई शर्त नहीं थी।

13. अनुसूची 10 में दी गई देयता, जो कि लघु औद्योगिक उपक्रमों को देय है, कम्पनी की यूनिटों/प्रभागों के डाटाबेस से तय की गई है तथा उपक्रमों की एसएसआई स्थिति के अनुसार उनसे प्राप्त उत्तर के आधार पर अघतन की गई है। उन लघु औद्योगिक उपक्रमों, जिनका कंपनी के प्रति 30 दिनों से अधिक का बकाया है, के नाम अनुबंध में शामिल किए गए हैं।

14. स्वैच्छिक सेवा–निवृत्ति योजना 1999–2000 एवं 2000–2001 एवं 2001–2002 के अंतर्गत कंपनी द्वारा भुगतान की गई एकमुश्त राशि और लेखा नीति संख्या 16 के अनुसार उसे प्रभारित किए जाने के विवरण निम्न प्रकार हैं :

(लाख रुपये में)

	भुगतान की गई कुल एकमुश्त राशि	**2001-2002 तक प्रभारित**	**2002-2003 तक प्रभारित**	**आस्थगित शेष राशि**
	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
वीआरएस 1999-2000				
—1999-2000 में प्रदत्त	28913.10	24094.33	4818.77	*
—2000-2001 में प्रदत्त बकाया	9554.27	7961.92	1592.35	**
—2001-2002 में प्रदत्त बकाया	3.40	2.82	0.58	***
वीआरएस 2000-2001				
—2000-2001 में प्रदत्त	4833.84	2819.76	1611.26	402.82 ****
— 2001-2002 में प्रदत्त स्पिलओंवर	561.43	187.15	187.14	187.14 *****
वीआरएस 2001-2002				
—2001-2002 में प्रदत्त	21503.55	5375.86	7167.86	8959.83 ******
—2002-2003 में प्रदत्त	1.11		0.65	0.46 *******
कुल	65370.70	40441.84	15378.61	9550.25

* कुल एकमुश्त राशि का 1/6 1999–2000 में प्रभारित, 2000–2001 तथा 2001–2002 प्रत्येक में 1/3 तथा चालू वर्ष में शेष 1/6।

** कुल एकमुश्त राशि का 1/2 तथा 1/3 भाग क्रमशः 2000–2001 तथा 2001–02 में प्रभारित तथा कुल प्रभारित राशि का शेष 1/6 भाग राजस्व में वर्तमान वर्ष में प्रभारित।

*** 2001–2002 में 5/6 प्रभारित तथा शेष 1/6 चालू वर्ष में प्रभारित।

**** कुल एकमुश्त राशि का 1/4, 1/3 तथा 1/3 भाग क्रमशः 2000–2001, 2001–2002 तथा 2002–2003 में प्रभारित। शेष 1/12 का 2003–2004 में राजस्व में प्रभारित किया जाएगा।

***** कुल एकमुश्त राशि का 1/3 भाग 2001–2002 तथा 1/3 भाग 2002–2003 में प्रभारित करने के पश्चात्। शेष 1/3 भाग 2003–2004 में प्रभारित किया जाएगा।

****** कुल एक मुश्त राशि का 1/4 भाग 2001–2002 में तथा 1/3 भाग 2002–2003 में प्रभारित करने के पश्चात्। शेष राजस्व पर अगली दो लेखाकरण अवधियों में कुल एकमुश्त राशि के क्रमशः 1/3 तथा 1/12 भाग प्रभारित किया जाएगा।

******* कुल एकमुश्त राशि का 7/12 भाग 2002–2003 में प्रभारित करने के पश्चात्। कुल एकमुश्त राशि का 1/3 भाग 2003–2004 में तथा शेष 1/12 भाग 2004–2005 में प्रभारित की जाएगी।

15 (क) कंपनी ने परिसमाप्ति क्षतियों से संबंधित लेखाकरण नीति को इसे अधिक वस्तुनिष्ठ बनाने के प्रयोजन से संशोधित किया है। इस परिवर्तन के फलस्वरूप कर पूर्व लाभ पर प्रभाव 2292.71 लाख रुपये की कमी है।

(ख) कंपनी ने सेवानिवृत्ति के समय कर्मचारियों के यात्रा लाभों से संबंधित लेखाकरण नीति को लेखाकरण स्टैण्डर्ड 15 – सेवानिवृत्ति लाभों के लिए लेखाकरण के अनुरूप संशोधित किया है। इस परिवर्तन के कारण कर पूर्व लाभ पर 383.16 रुपये की कमी का प्रभाव पड़ा है।

16 (क) कंपनी ने बीमा स्पयर्स के लेखाकरण से संबंधित अपनी लेखाकरण प्रणाली में लेखाकरण स्टैण्डर्ड 10 – नियत परिसम्पत्तियों के लिए लेखाकरण की तर्ज पर संशोधित किया है। इस परिवर्तन के कारण कर पूर्व लाभ में 103.28 लाख रुपये की कमी हुई है।

(ख) कंपनी ने एल.टी.सी. की व्यावस्था के लिए अपनी लेखाकरण प्रणाली में संशोधन किया है। इस परिवर्तन के कारण कर पूर्व लाभ में 23.92 लाख की कमी हुई है।

17 लेखाकरण अवधि के दौरान नियत परिसंपत्तियों को आगे ले जाने के लिए समायोजित विनिमय हानि की राशि 94.33 लाख रुपये (61.82 लाख रुपये) है।

18 संबंधित पक्ष लेनदेन :

i) संबंधित पक्ष जहां नियंत्रण विद्यमान है (संयुक्त उद्यम) :
पावरप्लांट परफार्मेन्स इम्प्रूवमेंट लि. बी.एच.ई.एल. – जी.ई. गैस टरबाइन सर्विसेज प्रा. लि.

ii) अन्य संबंधित पक्ष (महत्वपूर्ण प्रबंध कार्मिक – कार्यकारी निदेशक) : सर्वश्री के.जी. रामचन्द्रन, इशान शंकर, एच.डब्ल्यू. भटनागर, आर.सी. अग्रवाल, सी. श्रीनिवासन, वीरेन्द्र कुमार

iii) लेन–देनों का ब्यौरा :

(लाख रुपये में)

विवरण	संयुक्त उद्यम		महत्वपूर्ण प्रबंधन कार्मिक		महत्वपूर्ण प्रबंधन कार्मिक के रिश्तेदार	
	2002-03	2001-02	2002-03	2001-02	2002-03	2001-02
वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद	958.00					
वस्तुओं एवं सेवाओं की बिक्री	983.45	956.44				
नियत परिसंपत्तियों की खरीद						
नियत परिसंपत्तियों की बिक्री						
पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियां						
लाभांश आय	1392.30	226.10				
रायल्टी आय	87.94	50.61				
वर्ष के अंत में भेल को देय राशि	328.58	407.53	0.57	0.72		
वर्ष के अंत में भेल पर बकाया राशि	508.38					
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	12.65	12.02				
संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान						
बट्टे खाते डाली गई राशियां						
पुरांकन की गई राशियां						
की ओर से दी गई गारंटियां	1880.00	205.00				
वेतन का भुगतान			44.12	38.91		

19. 1 अप्रैल, 2001 के पश्चात् वित्त पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों के ब्यौरे निम्नांकित हैं :

(लाख रुपये में)

		की यथास्थिति के अनुसार 31-3-2003	की यथास्थिति के अनुसार 31-3-2002
क.	न्यूनतम पट्टा भुगतानों का बकाया शेष		
	-एक वर्ष से अधिक	1111.14	826.68
	-एक वर्ष से अधिक किंतु पांच वर्ष से अनधिक	2096.16	2182.01
	-पांच वर्ष से अधिक	0.00	77.68
	तुलन पत्र तिथि को कुल न्यूनतम पट्टा भुगतान	3207.30	3086.37
ख.	ऊपर (क) का वर्तमान मूल्य		
	-एक वर्ष से अनधिक	808.38	617.50
	-एक वर्ष से अधिक किंतु पांच वर्ष से अनधिक	1585.47	1474.84
	-पांच वर्ष से अधिक	0.00	36.26
	तुलन पत्र तिथि को कुल न्यूनतम पट्टा भुगतान	2393.85	2128.60
ग.	वित्त प्रभार	813.45	957.77

20. भारतीय चार्टर्ड लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखाकरण स्टैण्डर्ड 20 के अनुसार प्रति शेयर अर्जन की गणना करते समय :
    क) लाभ एवं हानि लेखा में उद्घाटित मूल एवं तनुकृत प्रति शेयर अर्जन का परिमलन करने में अंश के रूप में ली गई राशि वर्ष 44451.27 लाख रुपये का निवल लाभ है; तथा
    ख) मूल एवं तनुकृत दोनों अर्जन परिकलित करने में हर के रूप में ली गई इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या 2447.60 लाख है।
    ग) शेयरों का अंकित मूल्य 10/– रुपये है। परिसम्पत्ति का खंडवार ब्यौरा निम्नांकित है

21. समय अंतर के कारण निवल आस्थगित कर परिसम्पत्ति का खंडवार ब्यौरा निम्नांकित है

(लाख रुपये में)

	की यथास्थिति के अनुसार 31.3.2003	की यथास्थिति के अनुसार 31.3.2002
आस्थगित कर परिसम्पत्तियां		
धनव्यवस्था	47289.14	43842.08
स्वैच्छिक सेनानिवृत्ति योजनाओं का आस्थगित राजस्व व्यय	3389.09	617.55
सांविधिक देय	2344.41	1236.24
माडवैट समायोजन	384.07	728.20
अन्य	1791.59	
	55198.30	**46424.07**
आस्थगित कर देयताएं		
मूल्यह्रास	14458.78	15962.27
निवल आस्थिगत कर परिसंपत्तियां	**40739.52**	**30461.80**

22. क्षेत्रीय सूचना

(लाख रुपये में)

क. प्राथमिक क्षेत्र–व्यावसायिक क्षेत्र

	31.03.2003 को समाप्त हुए वर्ष			31.03.2002 को समाप्त हुए वर्ष		
	विद्युत	उद्योग	योग	विद्युत	उद्योग	योग
I. क्षेत्रीय राजस्व *						
क. क्षेत्रीय राजस्व *	539447.14	262178.77	801625.91	539216.62	244348.92	783565.54
ख. अंतर क्षेत्रीय राजस्व * (ऊपर माना हुआ)	810.00	29254.11	30064.11	728.77	25706.00	26434.77
ग. प्रचालन राजस्व (बाह्य)* (अंतर क्षेत्रीय राजस्व के अतिरिक्त) *उत्पाद शुल्क सहित	538637.14	232924.66	771561.80	538487.85	218642.92	757130.77
II. क्षेत्रीय परिणाम						
क. क्षेत्रीय परिणाम	127373.21	27842.45	155215.66	121780.56	24449.24	146229.80
ख. सामान्य खर्चे (आय के अतिरिक्त)			54115.57			50249.41
ग. ब्याज पूर्व लाभ, डीआरई एवं आयकर (क)-(ख)			101100.09			95980.39
घ. ब्याज			5478.02			9697.57
ङ. बट्टे खाते में डाला गया आस्थगित राजस्व व्यय			15378.61			19999.61
च. आयकर पूर्व निवल लाभ (ग) - (घ) - (ङ)			80243.46			66283.21
छ. कर के लिए प्रावधान			35792.19			19488.56
ज. आयकर पश्चात निवल लाभ			44451.27			46794.65
III. परिसम्पत्तियां एवं देयताएं						
क. क्षेत्रीय परिसम्पत्तियां	475354.44	298260.14	773614.58	517515.53	293649.41	811164.94
ख. सामान्य परिसम्पत्तियां			185177.71			118332.32
ग. कुल परिसम्पत्तियां			958792.29			929497.26
घ. क्षेत्रीय देयताए	304097.66	116756.98	420854.64	305746.71	128307.84	434054.55
ङ. सामान्य देयताएं			54751.31			37291.99
च. कुल देयताएं			475605.95			471346.54
IV. अन्य सूचना						
क. स्थायी परिसम्पत्तियों के अर्जन की अवधि के दौरान खर्च की गई लागत	15432.39	1645.27		13075.94	3900.12	
ख. मूल्यह्रास	7553.69	9527.81		7112.80	4315.94	
ग. गैर नकद खर्चे (मूल्यह्रास के अतिरिक्त)	15709.22	4425.96		8569.67	3145.55	

ख. अनुपूरक क्षेत्र – भौगोलिक क्षेत्र

	भारत के साथ	भारत के बहार	कुल	भारत के साथ	भारत कि बहार	कुल
1 निवल बिक्री/प्रचालनों से आय	726160.91	45400.89	771561.80	658412.51	98718.26	757130.77
2 कुल सम्पत्तियां	936349.47	22442.82	958792.29	928231.88	1265.38	929497.26
3 स्थायी परिसम्पत्तियों के अर्जन की अवधि के दौरान खर्च की गई लागत	18654.64	132.37	18787.01	20711.79	2.69	20714.48

टिप्पणियां :

1. कम्पनी के उत्पाद एवं सेवाओं के क्षेत्र, जिससे वे बाजार में प्रमुखता से पहचाने जाते हैं, के आधार पर "विद्युत" एवं "उद्योग" क्षेत्रों के अंतर्गत समूह बना दिए गए हैं।
2. विद्युत क्षेत्र में विभिन्न विद्युत उत्पादन सेटों एवं उनके सहायक उपकरणों से सम्बद्ध उत्पाद और सेवाएं शामिल हैं।
3. उद्योग क्षेत्र में परिवहन, संचारण, विद्युत मशीनें, औद्योगिक सेट एवं डीजी सेट, दूरसंचार तथा अन्य औद्योगिक उत्पाद एवं प्रणालियों के उत्पाद और सेवाएं शामिल हैं।
4. अंतर–क्षेत्र अंतरण आपसी सहमति के मूल्यों पर किया गया है।
5. कंपनी ने परिशोधित हानियों से संबंधित अपनी लेखाकरण नीति में संशोधन किया है, जिसके परिणामस्वरूप विद्युत क्षेत्र के संबंध में क्षेत्रीय परिणामों में 2292.71 लाख रुपये की कमी हुई है।

23. भारतीय चार्टर्ड लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखाकरण मानक–27 के अनुपालन में संयुक्त उद्यमों से संबंधित प्रासंगिक प्रकटीकरण निम्नांकित हैं :

(क) संयुक्त उद्यम का नाम	निगमन का देश	भागीदारी का प्रतिशत
पावर प्लांट परफार्मेंस इम्प्रूवमेंट लि.	भारत	50 प्रतिशत
मेल–जी.ई., गैस टरबाइन सर्विसेज प्राइवेट लि.	भारत	से 1 शेयर कम

(ख) (i) संयुक्त उद्यमों की आकस्मिक देयताओं में कंपनी का हिस्सा 222.96 लाख रुपये है;

(ii) संयुक्त उद्यमों की पूंजी वचनबद्धताओं में कंपनी का हिस्सा 4.15 लाख रुपये है;

(iii) संयुक्त उद्यमों की ओर से दी गई कंपनी गारंटियां : 1880.00 लाख रुपये है;

(iv) 31.3.2003 को समाप्त हुए वर्ष के लिए लेखों के अनुसार संयुक्त उद्यमों में कंपनी के हित की कुल राशि :

(लाख रुपये में)

नियत परिसम्पत्तियां	506.84
निवल चालू परिसम्पत्तिया	627.66
विविध व्यय (बट्टे खाते में नहीं डाला गया)	5.06
प्रतिभूत ऋण	119.05
आस्थगित कर देयता	37.36
शेयर धारक निधि	983.15
आय	11682.25
व्यय	9864.89

(v) उपरोक्त सूचना संयुक्त उद्यम के अलेखा परिक्षित लेखों पर आधारित हैं।

24. कंपनी ने कोनार्क मेट कोक लि. (के.एम.सी.एल.), भुवनेश्वर में 10/– रुपये प्रत्येक (सममूल्य पर) के इक्विटी शेयर 500 लाख रुपये की राशि का निवेश किया है, ताकि कंपनी द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले उपकरणों के लिए आदेश हासिल किया जा सके। इक्विटी भागीदारी आदेशों के मूल्य के 7.5% तक सीमित है, जिसका अधिकतम मूल्य 2250 लाख रुपये है। के.एम.सी.एल. के इक्विटी शेयरों में निवेश के लिए सरकारी अनुमोदन प्रतीक्षित है।

25. उप–ठेकेदारों/फैब्रिकेटरों द्वारा धारित बकाया शेषों एवं स्टॉकों की पुष्टि के प्रत्युत्तर कुछ ही मामलों में प्राप्त हुए, कुछ में विवरण दिए गए हैं।

26. गत वर्ष के आंकड़ों को पुनर्वर्गीकृत/पुनःसमूहित किया गया है, जहां भी वर्तमान वर्ष की प्रस्तुतीकरण के लिए ऐसा करना व्यवहार्य है।

अनुसूची–19 क
तुलन–पत्र का सार तथा कंपनी का सामान्य व्यापार प्रोफाइल

i) पंजीकरण विवरण :

पंजीकरण संख्या | 0 | 0 | 4 | 2 | 8 | 1 | राज्य कोड | 5 | 5 |

तुलन–पत्र | 3 | 1 | (दिनांक) | 0 | 3 | (माह) | 0 | 3 | (वर्ष)

ii) वर्ष के दौरान एकत्र पूंजी (राशि लाख रु. में)

पब्लिक इश्यू	राई इश्यू
शून्य	शून्य
बोनस इश्यू	प्राइवेट प्रतिस्थापना
शून्य	शून्य

iii) निधियों के संग्रहण व परियोजना की स्थिति (राशि लाख रु. में)

कुल देयताएं	कुल परिसंपत्तियां
1 0 0 9 0 8 2 . 0 6	1 0 0 9 0 8 2 . 0 6

निधियों के स्रोत

प्रदत्त पूंजी	आरक्षित एवं अधिशेष
2 4 4 7 6 . 0 0	4 5 5 8 9 1 . 0 1
रक्षित ऋण	**अनारक्षित ऋण**
5 0 0 0 0 . 0 0	3 1 0 9 . 1 0

निधियों का नियोजन

शुद्ध स्थायी परिसंपत्तियां*	निवेश
1 2 2 9 1 9 . 9 1	1 0 3 2 . 7 2

* इसमें डल्यू आई पी पूंजी 5869.75 लाख रु. शामिल है।

शुद्ध चालू परिसंपत्तियां	विविध व्यय (आस्थगित राजस्व व्यय)
3 5 9 2 3 3 . 7 1	9 5 5 0 . 2 5
संचित हानि	**आस्थगित कर परिसम्पत्तियां**
शून्य	4 0 7 3 9 . 5 2

iv) कंपनी का निष्पादन (राशि लाख में)

कुल कारोबार *	कुल व्यय
7 4 8 2 2 1 . 9 9	6 9 2 2 9 6 . 6 2

* 55191.56 लाख रु. उत्पाद शुल्क का शामिल कर मालसूची में वृद्धि/कमी सहित कुल अर्जन, अन्य प्रचालनात्मक आय, अन्य राजस्व तथा टर्नओवर पर उत्पाद शुल्क का समायोजन वर्ष के लिए कुल व्यय के विरूद्ध 772540.08 लाख रुपये है।

कर–पूर्व लाभ	कर–पश्चात लाभ
8 0 2 4 3 . 4 6	4 4 4 5 1 . 2 7
अर्जन प्रति शेयर रु. में	**लाभांश दर**
1 8 . 1 6	4 0 %

v) कंपनी के तीन मुख्य उत्पादों/सेवाओं के नाम (मौद्रिक शब्दों में)

1. मद कोड सं. : 8 4 0 2 1 0
(आईटीसी कोड)
उत्पाद विवरण : पुर्जों के अलावा बॉयलर

2. मल कोड सं. : 8 5 0 2 3 9 0 2
(आईटीसी कोड)
उत्पाद विवरण : हाइड्रो टरबाइन सहित पूर्ण जेनरेटिंग सेट

3. मद कोड सं. : 8 4 1 1 8 2 0 6
(आईटीसी कोड)
उत्पाद विवरण : 115000 कि.वा. से अधिक क्षमता की गैस टरबाइन

अनुसूची–20
बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(लाख रुपये में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2002–2003 के दौरान बिक्री		1.4.2002 को तैयार को आरम्भिक स्टॉक		31.3.2003 को तैयार माल का अन्तिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
भोपाल							
स्विचगियन, कंट्रोलगियर, रेक्टीफायर, कैपेसिटर							
स्विचगियर : 11 के.वी. से 220 के.वी. उच्च गति वाले एयर ब्लास्ट सर्किट ब्रेकर्स	संख्या	3227 (2734)	5360.36 (4951.51)	71 (0)	116.24 (0.00)	0 (71)	40.77 (116.24)
कन्ट्रोल पैनल	संख्या	465 (606)	1444.77 (1109.55)	2 (100)	6.24 (66.34)	4 (2)	5.3 (6.24)
औद्योगिक कंट्रोलगियर	संख्या	6 (7)	725.43 (924.06)	0 (0)	0.31 (0.00)	(0)	(0.31)
ए.सी., / डी.सी. तथा डीजल प्रणालियों के लिए ट्रैक्शन कंट्रोलगियर	सेट	143 (192)	5061.89 (4891.64)	0 (0)	0 (0.00)	(0)	(0.00)
इलेक्ट्रानिक सहित	संख्या	345 (453)	4862.24 (3358.30)	0 (16)	0 (17.49)	(0)	(0.00)
रेक्टीफायर	एमवीए / संख्या	2656 (1818)	1533.38 (1230.93)	558 (0)	289.49 (0.54)	144 (558)	92.42 (289.49)
कैपेसिटर			644.26	0	0		11.42
बुशिंग		-	(626.81)	(0)	(14.25)	(0)	(0.00)
ट्रांसफार्मर							
विद्युत ट्रांसफार्मर (400 के.वी. तक)	एमवीए / संख्या	8827/58 (8567/65)	12321.55 (7976.03)	727/9 (350/4)	775.7 (807.29)	945/5 (727/9)	1634.22 (775.70)
इंस्ट्रूमेंट, वेल्डिंग, ट्रांसफार्मर और रिएक्टर	एमवीए / संख्या	0/560 (0/505)	1082.37 (2439.97)	0/61 (0/19)	55.25 (29.98)	0/41 (0/61)	52.78 (55.25)
औद्योगिम और ट्रेक्शन मशीन							
ए.सी., डी.सी. तथा डीज़ल सिस्टम के लिए ट्रेक्शन मोटरें, मुख्य तथा सहायक जेनरेटर	संख्या	2952 (3552)	25493.05 (24124.85)	64 (171)	333.28 (751.65)	68 (64)	641.97 (333.28)
औद्योगिम मशीनें, 1000 अश्व शक्ति तक की ए.सी. मोटरें, डी.सी. मोटरें व सभी प्रकार के जेनरेटर	संख्या	419 (479)	5214.12 (5585.05)	0 (11)	0 (121.59)	(0)	(0.00)
मरम्मत ठेका–ईएमआरपी	-		0 (2265.73)	0 (0)	0 (0.00)	0 (0)	0 (0.00)
हेवी रोटेटिंग प्लांट और टरबाइन							
1000 अश्वशक्ति संख्या से अधिक वाले बड़े विद्युत यंत्र	संख्या	102 (92)	5519.99 (4708.32)	1 (2)	22.7 (54.99)	1 (1)	56.41 (22.70)
वाटरव्हील आल्टरनेटर एवं वाटर टरबाइन और मिनी माइक्रो टरबाइन तथा जेनरेटर	संख्या / एमडब्ल्यू	8/T 1330	21962.85	0	1142.79	0	0
		7/G 1055	15364.58	0	391.6		
		(5/T) (395)	(11711.08)	(0)	(114.83)	(0)	(1142.79)
		(7/G) (795)	(10699.15)	(0)	(12.90)	(0)	(391.60)

अनुसूची–20 (जारी)
बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(लाख रुपये में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2002–2003 के दौरान बिक्री		1.4.2002 को तैयार को आरम्भिक स्टॉक		31.3.2003 को तैयार माल का अन्तिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
टर्बो आल्टरनेटर एवं	संख्या		6982.52		162.14		
स्टीम टरबाइन और			(0.00)		179.13		
हीट एक्सचेंजर्स		14 H.Ex	3271.13		0.00		
			(5635.89)		(70.27)		(162.14)
			(0.00)		(155.05)		(179.13)
		(15 H.Ex)	(4079.69)		(0.00)		(0.00)
अन्य			6862.43		0		
			(2676.60)		(27.91)		(0.00)
	कुल		**123706.92**		**3474.87**		**2535.29**
झांसी							
विद्युत ट्रांसफार्मर	संख्या	89	9596.84	0	0	2	249.51
तथा विशेष ट्रांसफार्मर		(86)	(8820.10)	(4)	(407.47)		
ईएसपी ट्रांसफार्मर	संख्या	176	1505.1				
		(81)	(676.48)				
एसीईएमयू ट्रांसफार्मर	संख्या	2	16.97				
			(-0.06)				
फ्रेट लोको ट्रांसफार्मर	संख्या	32	735.06				
		(32)	(714.58)				
इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफार्मर	संख्या	1200	1260.38	2	1.78	83	69.18
		(1507)	(1486.47)	(3)	(2.62)	(2)	(1.78)
बस डक्ट	संख्या / सेट		1596.04		49.56		19.3
			(1665.65)		(2.57)		(49.56)
ड्राई टाइप ट्रांसफार्मर	संख्या	65	732.73	15	66.04	8	16.02
		(43)	(448.44)	(7)	(13.32)	(15)	(66.04)
डीजल शंटर	संख्या	8	1391.37				
		(2)	(230.84)				
अन्य	संख्या		856.68		11.74		1.35
			685.54)		(9.22)		(11.74)
	कुल		**17691.17**		**129.12**		**355.36**
हीप, हरिद्वार							
विद्युत मशीनें	संख्या / सेट	109/104	2710.89	13/45	531.27	15/44	535.77
		(113/117)	(3167.17)	(17/39)	(628.55)	(13/45)	(531.27)
औद्योगिक नियंत्रण	संख्या		0	15	44.65	3	19.24
पैनल		(50)	(12.70)	(9)	(30.97)	(15)	(44.65)
टर्बो सेट	मे.वा. / संख्या	1945/5	55890.89		435.84		205.79
		(2330/6)	(45065.34)	-	(193.28)	(0)	(435.84)
हाइड्रो सेट	मे.वा. / संख्या	42/1	2680.69		5.94		
		(15/1)	(1376.99)	-	(0.56)	-	(5.94)

अनुसूची–20 (जारी)
बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(लाख रुपये में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2002–2003 के दौरान बिक्री		1.4.2002 को तैयार को आरम्भिक स्टॉक		31.3.2003 को तैयार माल का अन्तिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
सुपर रेपिड गन माउण्ड	संख्या	2	3430.32		89.15		89.15
		-	(185.94)	-	(89.15)	-	(89.15)
अन्य			17237.35		193.62		81.04
		-	(16893.96)	-	(107.27)		(193.62)
	कुल		**81950.14**		**1300.47**		**930.99**
सीएफएफपी, हरिद्वार							
स्टील कास्टिंग्स	एम.टी.	154.02	172.10	2.085	3.62	53.52	7.60
		(52.00)	(71.46)	(14.613)	(29.16)	(2.085)	(3.62)
स्टील फोर्जिंग्स	एम.टी.	134.01	340.03	24.622	50.90	14.46	25.29
		(45.964)	(129.18)	(31.610)	(63.73)	(24.622)	(50.90)
एन.एफ. कास्टिंग	एम.टी.			2.080	3.43		
						(2.080)	(3.43)
	कुल		**512.13**		**57.95**		**32.89**
बॉयलर प्लांट/एस.एस.टी.पी., तिरूचि							
बॉयलर	एम.टी.	+142481	157812.93	2569	1177.45	1294.00	1016.24
		+(129812)	(144875.77)	(1116)	(881.70)	(2569)	(1177.45)
वाल्वस	संख्या*	34108.00	11736.88	2658	123.05	969.00@	215.73
		(30258)	(11157.03)	(1397)	(198.97)	(2658)@	(123.05)
परिक्षण तथा अन्य सेवाओं से आय			7109.42				
			(6209.63)				
सीमलैस इस्पात नलियां	एम.टी.	2322.00	1002.25	21**	12.78**	4.00**	1.66**
		(2937)	(1209.19)	(5)	(3.23)	(21)	(12.78)
आर्मर्ड रिकवरी वेहिकल	संख्या						
		(9)	(3666.67)	(2)	(681.00)		
	कुल		**177661.48**		**1313.28**		**1233.63**
बी.ए.पी. रानीपेट							
बॉयलर सहायक	एम.टी.	6757	4485.39	3221	1063.67	2108	741.84
		(10401)	(4971.70)	(1701)	(567.71)	(3221)	(1063.67)
विंड मिल	एम.टी.		25.27				
			(60.46)				
परीक्षण तथा अन्य सेवाओं से आय			176.67				
			(244.48)				
बहारी निर्माण तथा अन्य सेवाओं से आय			628.48				
			(973.43)				
	कुल		**5315.81**		**1063.67**		**741.84**
हैदराबाद							
60 मे.वा. सेट	मे.वा.						
		(1+P)	(483.91)				

अनुसूची–20 (जारी)
बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(लाख रुपये में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2002–2003 के दौरान बिक्री		1.4.2002 को तैयार को आरम्भिक स्टॉक		31.3.2003 को तैयार माल का अन्तिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
110/120 मे.वा. सेट	मे.वा.	1+P	4746.67	1P	297.70		
		(1+P)	(5067.30)			(1+P)	(297.70)
लघु एवं मध्यम सेट	मे.वा.	18+P	21090.60		762.93	1P	374.29
		(7+P)	(11247.19)		(261.52)		(762.93)
पम्प तथा हीटर	संख्या	5+P	12402.13	1P	105.88	1P	12.66
		(2+P)	(8741.47)		(38.00)	(1+P)	(105.88)
कम्प्रेसर	संख्या	1+P	3600.31				
		(2+P)	(3185.62)				
गैस टरबाइन	संख्या	8+P	29746.34	1P	2952.33	3P	14234.82
		(3+P)	(50554.29)	(3+P)	(7940.14)	(1+P)	(2952.33)
सहायक उत्पादन ब्रेकर	संख्या	97.00	2154.26	56	280.75	48.00	406.95
		(205)	(2623.08)	(61)	(431.55)	(56)	(280.75)
बाउल मिल		43+P	15567.24				
		(29+P)	(14152.04)				
हीट एक्सचेंजर			0.00				
		(10+P)	(1477.63)				
इरेक्शन आय			455.56				
			(326.85)				
कास्टिंग			704.51		209.11		291.10
			(788.25)		(376.54)		(209.11)
अन्य (सेवायें)			8574.19				
			(6701.48)				
ब्रेकर्स स्पेयर्स			425.05				
			(503.54)				
ब्रेकर्स के अलावा स्पेयर्स			24590.37		60.51		
			(17894.71)		(60.51)		
	कुल		**124057.23**		**4669.21**		**15319.82**
औद्योगिक प्रणाली समूह							
कंट्रोल पैनल		298.00	421.11				
		(347)	(1231.60)				
मोटर एवं स्पेयर्स		9.00	9.45				
		(10)	(323.14)				
अन्य उपस्कर		599.00	4123.72				
		(426)	(3088.98)		(2.71)		
अन्य सेवाएं			523.03				
			(553.71)				
	कुल		**5077.31**		**0.00**		**0.00**
इलेक्ट्रॉनिक प्रभाग							
ऊर्जा मीटर							
क) एक फेज	संख्या	341668	2266.98	26847	180.19	2076.00	13.60
		(310841)	(2036.89)	(1650)	(8.01)	(26847)	(180.19)

अनुसूची–20 (जारी)
बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(लाख रुपये में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2002–2003 के दौरान बिक्री		1.4.2002 को तैयार को आरम्भिक स्टॉक		31.3.2003 को तैयार माल का अन्तिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
ख) बहु फेज	संख्या	125240	1733.97	32678	467.78	7946.00	76.37
		(93830)	(1517.23)	(3088)	(25.52)	(32678)	(467.78)
संधारित्र (कैपेसिटर) इलेक्ट्रोलाइटिक	संख्या			7674	(0.00)	7674.00	0.00
		(4232)	(2.95)	(7631)	(8.63)	(7674)	(0.00)
शक्ति युक्तियां	संख्या	2561	135.54	781	25.90	530.00	16.08
		(3949)	(140.69)	(740)	(18.13)	(781)	(25.90)
फोटोवाल्टेइक	कि.वा.	989.00	2014.93	154	401.28	66.00	437.73
		(887)	(2741.90)	(145)	(304.09)	(154)	(401.28)
टेलीकम्युनिकेशन	लाइन	110971.00	3251.38				
		(333776)	(9214.98)				
सिम्युलेटर (रक्षा इलेक्ट्रानिक्स)	सेट	86.00	1060.13				
		(172)	(4776.54)				
नियंत्रण उपस्कर	क्युबिकल्स	997.00	26220.73	7	12.13	2.00	223.11
		(876)	(20679.94)	(0)	(0.00)	(7)	(12.13)
	कुल		**36683.66**		**1087.28**		**766.89**
विद्युत पोर्सिलेन प्रभाग							
इंसुलेटर तथा बुशिंग	एम.टी.	5295.00	3546.23	431	251.75	380.00	246.66
		(7019)	(7215.84)	(576)	(444.89)	(431)	(251.75)
सेरेलिन	एम.टी.	1697.00	1775.48	20	29.19	4.00	4.31
		(962)	(905.88)	(50)	(29.19)	(20)	(29.19)
परीक्षण तथा अन्य सेवाओं से आय			11.96				
			(60.88)				
	कुल		**5333.67**		**280.94**		**250.97**
विद्युत समूह							
इरेक्शन, अन्य सेवाओं तथा अतिरिक्त पूर्जों से आय			110731.51		481.98		435.62
			(85843.91)		(417.40)		(481.98)
	कुल		**110731.51**		**481.98**		**435.62**
विदेशी परियोजनाएं समन्वयकर्ता यूनिट							
बिक्री, इरेक्शन से आय			38897.45		0.00		
अन्य सेवाएं एवं अतिरिक्त पुर्जे			(88638.95)		(603.83)		
	कुल		**38897.45**		**0.00**		**0.00**
जगदीशपुर							
विद्युतरोधी (इंसुलेटर)	सी.एम.टी.	5296.34	3772.46	330	207.23	318.31	146.30
		(4475.21)	(2825.11)	(381)	(192.81)	(330)	(207.23)
सेरेलिन	एम.टी.	700.93	770.69			8.30	10.69
		(456.76)	(488.53)		(0.00)		
इरेक्शन एवं सेवाएं							
			(1.69)				
	कुल		**4543.15**		**207.23**		**156.99**
गोंदवाल							
औद्योगिक वाल्व	संख्या			135	32.02	150.00	31.13
		(0)	(0.00)	(124)	(29.50)	(135)	(32.02)
	कुल		**0.00**		**32.02**	**-**	**31.13**

अनुसूची–20 (जारी)
बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(लाख रुपये में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2002–2003 के दौरान बिक्री		1.4.2002 को तैयार को आरम्भिक स्टॉक		31.3.2003 को तैयार माल का अन्तिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
टेक्नालोजी अंतरण केन्द्र हैदराबाद							
8 एचपी सर्वो मोटर्स	संख्या	0	0				
		(1)	(11.75)				
रेलवे हेतु समसीबीजी	संख्या	0	0				
		(4)	(25.06)				
12000 पी.आर.एम., 3 फेज	लॉट	1P	103.97				
400 एच.जेड. 30-40 के.वी.ए. अल्टरनेटर		(0)	(0.00)				
205 के.डब्ल्यू. 3300 पी.आर.एम.डी.सी. मोटर	संख्या	3P	27.00				
		(0)	(0.00)				
परीक्षण और सेवाओं से आय			159.51				
			(115.67)				
टैंक ट्रक ऑटोमेशन हेतु अतिरिक्त पुर्जे	लॉट	2.00	0.35				
		(1)	(10.28)				
ऑटोमेशन ऑफ टैंक ट्रक फिलिंग	सेट	1P	2.55				
		(1P)	(13.77)				
जी.टी.ओ. टाइप वेस्ट गेट थाइरिस्टर	संख्या	5.00	3.13				
		(0)	(0.00)				
स्टीम एंड वाटर रसायन	लॉट	1.00	13.57				
डायगनोस्टिक साफ्टवेयर		(0)	(0.00)				
सोलर गीजर	संख्या	20.00	3.40				
		(0)	(0.00)				
माइक्रोवेव सिंटरिंग प्रणाली	संख्या	1	1.55				
		(0)	(0.00)				
	कुल		**315.03**		**0.00**		**0.00**
सी.एफ.पी., रूद्रपुर							
एच.ए.डब्ल्यू.एम.	संख्या		0.00	8	0.40	8	0.40
			(0.00)	(8)	(0.40)	(8)	(0.40)
एस.डब्ल्यू.एच.एस.	संख्या	2842	292.79	243	12.48	71	2.45
		(2135)	(236.79)	(361)	(21.12)	(243)	(12.48)
सोलर लैन्टर्न	संख्या	17153	517.50	1190	15.72	168	1.85
		(16831)	(530.27)	(655)	(10.48)	(1190)	(15.72)
	कुल		**810.29**		**28.60**		**4.70**

अनुसूची–20 (जारी)
बिक्री, प्रारम्भिक स्टॉक एवं अन्तिम स्टॉक

(लाख रुपये में)

उत्पाद	इकाई	वर्ष 2002–2003 के दौरान बिक्री		1.4.2002 को तैयार को आरम्भिक स्टॉक		31.3.2003 को तैयार माल का अन्तिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
एचईआरपी, वाराणसी							
बॉयलर/टरबाइन एवं सहायक उपकरणों			1762.50		107.41		85.13
के लिए अतिरिक्त कुलपुर्जे एवं मरम्मतें			(2805.99)		(152.64)		(107.41)
	कुल		**1762.50**		**107.41**		**85.13**
उच्च अनुसंधान परियोजना							
अन्य (सेवाएं)			107.69				
			(58.85)				
	कुल		**107.69**		**0.00**		**0.00**
टीपीजी, भोपाल							
अतिरिक्त कलपुर्जे (सेवाओं सहित)			11350.66		318.63		
			(14823.11)	-	(0.00)	-	(318.63)
	कुल		**11350.66**		**318.63**		**0.00**
ओएसबीजी एंड ईएमआरपी							
मरम्मत एवं परियोजना कार्य			1714.19				
			(0.00)				
	कुल जोड़		**748221.99**		**14552.66**		**22881.25**

कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष के हैं।

* टन भार सही निर्धारित नहीं किया जा सका।

		संख्या	रु. लाख में
@	बॉयलर का डब्ल्यूआईपी माने गए आदि स्टॉक को छोड़कर	4392	155.68
		(2588)	(83.24)
	बॉयलर में प्रयोग हेतु वाल्वस	26432	3254.89
		(36694)	(2165.45)

** इसमें बॉयलर संयंत्र के लिए चल रहे कार्य के लिए 56 मीटर (27.68 लाख रुपए) का प्रारंभिक स्टाक और अंत स्टाक के 30 मी.टन (10.98 लाख रुपए) शामिल नहीं है।

'P' द्वारा आंशिक रूप से पूर्ण एकक, 'T' द्वारा टरबाइन, 'G' द्वारा जेनरेटर और 'H.Ex' द्वारा ऊष्मा विनिमायक (हीट एक्सचेंजर) को दर्शाया गया है।

+' इसमें फॉसिल बॉयलर हेतु बीएपी रानीपेट के संयुक्त कारोबार के 36587 मी. टन (गत वर्ष 27980 मी.टन) शामिल हैं।

अनुसूची–21
अनुज्ञप्त क्षमता, संस्थापित क्षमता तथा वास्तविक उत्पादन

क्र. सं.	उत्पाद	यूनिट	संस्थापित क्षमता 2002-03	संस्थापित क्षमता 2001-2002	वास्तविक उत्पादन 2002-03	वास्तविक उत्पादन 2001-2002
भोपाल						
1	टर्बो सेट					
	-स्टीम टरबाइन	संख्या	3	3	0	0
		मे.वा.	360	360	0	0
	-मेरिन टरबाइन	संख्या	2	2	0	0
		मे.वा.	24	24	0	0
	-न्यूक्लियर टरबाइन	संख्या	1	1	0	0
		मे.वा.	236	236	0	0
2	हाइड्रो सेट					
	-हाइड्रो टरबाइन	संख्या	12	12	8	5
		मे.वा.	720	720	1330	395
	-हाइड्रो जेनरेटर	संख्या	12	12	7	7
		मे.वा.	720	720	1055	795
3	बड़ी इलेक्ट्रिकल मशीन	संख्या	100	100	102	97
4	ट्रैक्शन मशीनें (टीजी/एजी. ब्लोअर मोटर, बीपीआरवी इत्यादि सहित)	संख्या	2850	2850	3048	3473
5	पावर ट्रासफार्मर	संख्या	65	65	56	71
		एमवीए	12000	10000	9049	8948
6	इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफार्मर	संख्या	200	200	540	547
7	इलेक्ट्रिकल मशीनें	संख्या	550	550	427	471
8	स्विचगियर	संख्या	3000	3000	3232	3061
9	कैपेसिटर	एमवीएआर	3200	3200	2242	2380
10	औद्योगिक कंट्रोल गियर	संख्या	250	250	18	7
11	ट्रैक्शन कंट्रोल गियर	सेट	220	220	143	192
12	नियंत्रण उपस्कर	संख्या	600	600	457	534
13	ऊष्मा विनियामक	संख्या	52	52	14	15
		एमटी	1100	1100		
14	नियंत्रण पैनल	संख्या	600	600	533	592
15	कैथोडिक प्रोटेक्शन सिस्टम	टोन	2700	2700	0	0
झांसी						
1	पावर ट्रांसफार्मर 33kv/ 132kv	संख्या/एमवीए	65/4000	65/4000	95/4713	91/4663
2	अन्य ट्रांसफार्मर					
	- विशेष कार्य ट्रांसफार्मर (ड्राइ टाइप ट्रांसफार्मर इत्यादि)	संख्या	180	180	63	59
	- ट्रैक्शन ट्रांसफार्मर (फ्रेट लोको और इसीईएमयू)	संख्या	140	140	129	66

अनुसूची–21 (जारी)
अनुज्ञप्त क्षमता, संस्थापित क्षमता तथा वास्तविक उत्पादन

क्र. सं.	उत्पाद	यूनिट	संस्थापित क्षमता		वास्तविक उत्पादन	
			2002-03	2001-2002	2002-03	2001-2002
	-इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफार्मर	संख्या	1960	1960	1301	1635
	-ईएसपी ट्रांसफार्मर	संख्या	*	*	200	110
3	बस डक्ट	सेट	@	@		
4	डीज़ल शंटर्स	संख्या	10	10	8	2
5	एसी लोकोमोटिव (6500 एचपी तक)	संख्या	30	30	-	-

* ईएसपी ट्रांसफार्मरों का विनिर्माण इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफार्मर की संस्थापित क्षमता का उपयोग करके किया जा रहा है।

@ बस डक्ट का विनिर्माण ट्रांसफार्मश्र की वर्तमान क्षमता के अंदर किया जा रहा है। 2001–2002 के वास्तविक उत्पादन के निम्नलिखित उत्पादों के लिए आंतरिक उपयोग हेतु किए गए कार्य शामिल हैं :

ड्राई टाइप ट्रांसफार्मर : 3 संख्या

हीप, हरिद्वार						
1	टर्बो सेट	मे.वा.	3500	3500	1945	2330
2	हाइड्रो सेट	मे.वा.	625	625	42	15
3	इलेक्ट्रिकल मशीन	मे.वा.	450	450	111	114
4	गैस टरबाइन @@	मे.वा.			150	450
5	सुपर रेपिड गन	संख्या	3	3	2	

@@ 600 मेगावाट गैस टरबाइनों के समकक्ष रोटर, मौजूदा थर्मल सेंट्स सुविधाओं में से गैस टरबाइन के लिए शेष संघटक जैसे गैस टरबाइनों, संघटकों के विनिर्माण के लिए संस्थापित क्षमता।

सीएफएफपी, हरिद्वार						
1	स्टील कास्टिंग	ए.टी.	6000	6000	3502	3117
2	स्टील फोर्जिंग					
	(क) हेवी फोर्जिंग	ए.टी.	2410	2410	581	841
	(ख) मीडियम फोर्जिंग	ए.टी.	3000	3000	1903	1642
3	बिलेट्स और ब्लूम्स	ए.टी.	4000	4000	131	446
4	सीआई कास्टिंग	ए.टी.	7170	7170		
5	एमएफ कास्टिंग	ए.टी.	250	250	23	20
हैदराबाद						
1	थर्मल सेट	मे.वा.	770	770	120	120
2	औद्योगिक टर्बाइन	मे.वा.	65	65	442.8	110.99
3	गैस टरबाइन और सहायक उपकरण	मे.वा.			425.1	440.8
4	कम्प्रेसर	संख्या			8	7
5	ड्राइव टरबाइन	संख्या	12	12	4	4
6	पम्प संख्या	137	137	61	52	
7	ब्रेकर्स	संख्या	1050	1050	89	200
	132 केवी ईक्यूए		1035xx	1035xx	319	622
8	बाउल मिल्स	संख्या	80	80	35	40

अनुसूची–21 (जारी)
अनुज्ञप्त क्षमता, संस्थापित क्षमता तथा वास्तविक उत्पादन

क्र. सं.	उत्पाद	यूनिट	संस्थापित क्षमता		वास्तविक उत्पादन	
			2002-03	2001-2002	2002-03	2001-2002
9	एच.पी. हीटर	संख्या	20	20	31#	45#
10	डी–एरेटर्स	संख्या			7	6

एचपी हीटरों की क्षमता का उपयोग करके विनिर्मित, एलपी हीटर, गैस कूलर और विशेष हीट एक्सचेंजर शामिल हैं।

xx 132 के.वी. के समान संख्या में ब्रेकर।

टिप्पणियां : क. मद संख्या (3), (4) और (10) के लिए संस्थापित क्षमता का उल्लेख अलग से नहीं किया जा सकता है। क्योंकि बीएचईएल, हैदराबाद में बिना किसी अतिरिक्त/न्यूनतम सुविधाओं के साथ इन उत्पादों में विविधता थी।

1) क्रम सं. (3) की गैस टरबाइनों और सहायक उपकरणों का विनिर्माण क्रम सं. (1) व (2) की सुविधाओं के उपयोग से किया जाता है।

2) क्रम सं. (4) के कम्प्रेसरों का विनिर्माण क्रम सं. (5) की सुविधाओं के उपयोग से किया जाता है।

3) क्रम सं. (10) के डी–एरेटरों का विनिर्माण क्रम सं. (9) की सुविधाओं के उपयोग से किया जाता है।

ख. मद संख्या (1), (2) और (3) के सामने दिये गये वास्तविक उत्पादन आंकड़ों में वे सेट्स शामिल हैं, जिनके लिए सिर्फ आंशिक सेटों का आदेश दिया गया था, जैसे टरबाइन रहित अथवा जेनरेटर रहित सेट।

ईडीएन, बंगलौर

1	ऊर्जा मीटर	संख्या	600000	600000	418986	460050
2	नियंत्रण उपस्कर	क्यूविकल	1200	1200	1099	1000
3	विद्युत युक्तियां	संख्या	30000	30000	7788	8537
4	फोटोवोलटेक्स	केडब्ल्यूएस	2000	2000	1038	1070
5	दूरसंचार	लाईंस	275000	275000	110971	333776
6	सिमुलेटर्स (डिफेंस इलेक्ट्रोनिक्स)	सेट	*	*	86	172

* उत्पाद मिश्रण के आधार पर मात्रा में भिन्नता के कारण इसका पता नहीं लगाया जा सकता।

तिरूची

1	बॉयलर्स	एम.टी.	108000+*	108000+*	104619+*	104991+*
2	वाल्वस	एम.टी.	2712*A	2712*A	4769	4258
3	न्यूक्लियर स्टीम जेनरेटिंग उपस्कर	मे.वा.	382/500**	382/500**	XX	XXX
4	सीमलैस स्टील ट्यूब	एम.टी.	40000	40000	21038	20376
5	आर्मर्ड रिकवरी व्हीकल	संख्या	25	25	0	7

\+ प्रक्रिया उद्योगों के लिए उपस्कर के विनिर्माण हेतु 5000 मीटरी टन शामिल है।

** 235 मेगावाट के 6.5 स्टीम जेनरेटर और 6.5 रिएक्टर हैडर्स (अथवा) 500 मेगावाट के लिए 4 स्टीम जेनरेटर और 4 रिएक्टर हैडर्स के अनुकूल।

A गोइंदवाल/आईवीपी के 788 मी.टन को छोड़कर।

* उपसंविदा और उप सुपुर्दगी शामिल है।

XX क्षमता का उपयोग 2002–2003 के दौरान न्यूक्लियर परियोजनाओं तथा अन्य हीट एक्सचेंजरों, प्रेशर वेसल्स, 2 नग 500 मेगावाट स्टीम जेनरेटरों, 4 स्टैंडबाइ कूलर्स तथा 35 हैरपिन हीट एक्सचेंजरों के विनिर्माण के लिए किया गया।

XXX क्षमता का उपयोग न्यूक्लियर परियोजनाओं तथा अन्य हीट एक्सचेंजरों, प्रेशर वेसल्स, 2 न्यूक्लियर स्टीम जेनरेटर, 1 पैसिव कूलर तथा 1 प्री कूलर, 1 ब्लीड कूलर, 2 स्टैंडबाइ कूलिंग एच.एक्स तथा 4 स्टैण्डबाइ कूलर्स का निर्माण 2001–2002 के दौरान किया गया है।

अनुसूची–21 (जारी)
अनुज्ञप्त क्षमता, संस्थापित क्षमता तथा वास्तविक उत्पादन

क्र. सं.	उत्पाद	यूनिट	संस्थापित क्षमता		वास्तविक उत्पादन	
			2002-03	**2001-2002**	**2002-03**	**2001-2002**
बीएपी, रानीपेट						
	बॉयलर के सहायक उपकरण	एमटी	57000	57000	42430	42238
आईवीपी, गोइंदवाल						
	औद्योगिक वाल्व्स	एमटी	788	788	560	616
		संख्या			4907	4854
ईपीडी, बंगलौर						
1	इन्सुलेटर्स और बुशिंग	सीएमटी	6250	6250	5330	5214
2	समन्वायोजित उत्पाद	एमटी			7625	8253
3	सेरेलीन	सीएमटी	745	745	815	769
4	सेरेलीन (समन्वायोजित)	एमटी			2328	1639
आईपी, जगदीशपुर						
1	इन्सुलेर्टस	सीएमटी	6000	6000	5377	4641
2	सेरेलीन	एमटी	330	330	769	508
सीएफपी, रूद्रपुर						
1	एस.डब्ल्यू.एच.एस.	संख्या	4000	4000	2680	2020
2	सोलर लैन्टर्न	संख्या	4000	4000	16152	17377

अनुसूची–22

		31.3.2003 को समाप्त वर्ष के लिए	31.3.2002 को समाप्त वर्ष के लिए
			(लाख रुपये में)
आयात और निर्यात के संबंध में सूचना			
आयात का मूल्य			
लागत, सीमा और मालभाड़ा के आधार पर			
कच्चा माल		40700.18	28617.23
संघटक तथा अतिरिक्त पुर्जे		80187.17	102789.58
पूंजीगत माल		7422.13	6376.58
निम्नलिखित के लिए विदेशी मुद्र में व्यय का कारण			
रॉयल्टी		240.43	104.76
काम की जानकारी, व्यावसायिक परामर्श शुल्क		743.33	1344.64
ब्याज तथा अन्य (विदेशी स्थलों सहित)		1606.06	1613.97
लाभांश : @			
क) अनिवासी शेयर धारकों की	(संख्या)	326	269
ख) धारित शेयरों की	(संख्या)	38164670	38815286
ग) लाभांश की सकल राशि		1526.59	1164.46
- स्रोत पर काटा गया कर शून्य रुपए (गत वर्ष शून्य रु.)		222.47	
घ) लाभांश का वर्ष		2001-2002	2000-2001

@ अनिवासी शेयरधारकों को 2000–2001 और 2001–2002 से सधित लाभांश का भुगतान विदेशी मुद्रा में नहीं किया गया, जिसका भुगतान क्रमशः 2001–2002 और 2002–2003 वित्तीय वर्षों के दौरान किया गया। भुगतान भारत में उनसे सम्बद्ध बैंकरों अथवा पावर ऑफ अटार्नीधारकों को किया गया है और इसीलिए विदेशी मुद्रा में किए गए लाभांश भुगतान की निश्चित राशि का पता नहीं चल सकता है।

	31.3.2003 को समाप्त वर्ष के लिए	31.3.2002 को समाप्त वर्ष के लिए
कच्चे माल, संघटक, भंडार और अतिरिक्त कलपुर्जों की खपत का मूल्य		
# आयातित (सीमा शुल्क सहित)	132609.63	144531.36
स्वदेशी	183428.21	186145.46
कुल खपत का प्रतिशत		
आयातित	42	44
स्वदेशी	58	56
विदेशी मुद्रा में आय		
माल का निर्यात (एफओबी आधार पर) **	42928.76	97464.30
ब्याज	0.56	127.01
उत्थापन प्रभार	1168.34	1252.75
विविध	24.80	102.73

** इसमें मानित निर्यात के कारण रु. 148190.20 लाख (पिछले वर्ष रु. 117850.09 लाख) शामिल नहीं है।

सरणीबद्ध मदें जहां कहीं भी अभिनिश्चित हैं, सम्मिलित की गई हैं।

अनुसूची–23

उपयोग में लाये गये कच्चे माल तथा संघटकों का विवरण		31.3.2003 को समाप्त वर्ष के लिए		31.3.2002 को समाप्त वर्ष के लिए	
सामग्री का वर्ग	इकाई	मात्रा	मूल्य (रु. लाख में)	मात्रा	मूल्य (लाख रु. में)
लौह सामग्री	एमटी	159,467		120,410	
	मीटर	4,349,266		3,988,324	
	संख्या	613,240		1,027,122	
	वर्गमीटर	24,985		31,826	
	किलोग्राम	29,651,662		28,349,851	
	अन्य	44		3	
			73604.92		65778.57
अलौह सामग्री	एमटी	99,004		96,056	
	मीटर	145,706		131,903	
	संख्या वर्गमीटर	169,253		118,635	
	किलोग्राम	1,025			
	किलोग्राम	2,999,243		3,410,500	
	आरएल	14,580		11,914	
	सेट			420	
	अन्य	9,223		9,220	
			7198.13		9753.51
विद्युतरोधी सामग्री	मीटर	26,766,467		28,278,578	
	एमटी	62,499		4,317	
	संख्या	108,235		94,755	
	वर्गमीटर	350,256		219,386	
	किलोग्राम	769,488		888,542	
	एम 3			2	
	एलटी	2,852,316		4,124,254	
	आरएल	133,270		132,212	
	एम 2	30,193		71,941	
	केएल	1,926			
	एसटी	974		1,360	
	अन्य	44,896		62,827	
			6017.94		6763.47
इंसुलेटेड केबल तथा चुम्बकीय तार	मीटर	324,823		322,273	
	संख्या	5,511			
	किलोग्राम	12,174		246	
	अन्य	2			
			264.93		211.39
संघटक			202938.26		224489.62
अन्य			6133.65		6301.56
			296157.83		**313298.12**

एन.के. सिन्हा
सचिव

सी. श्रीनिवासन
निदेशक (वित्त)

के.जी. रामचन्द्रन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी समतिथि की रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे.सी. भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

दिनांक : 13 जून, 2003
स्थान : नई दिल्ली

सुधीर मल्लिक
भागीदार

31.03.2003 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण

(लाख रुपये में)

	2002-2003	2001-2002
क. परिचालन कार्यकलाप से नकद प्रवाह		
लाभ एवं हानि खाते के अनुसार	**80243.46**	**66283.21**
कर–पूर्व निवल लाभ		
के लिए समायोजित	15378.61	19999.61
असाधारण मदें	18532.69	16952.67
मूल्यह्रास	78.31	-537.29
स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री से लाभ	-351.32	-183.44
निवेश पर हानि	1.52	0.00
अदा किया गया ब्याज	5447.28	9697.57
ब्याज/लाभांश आय	-6781.24	-5508.42
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ	**112549.31**	**106703.91**
समायोजन		
व्यापार एवं अन्य प्राप्त के लिए	39467.61	-34276.76
मालसूची के लिए	-682.74	4051.32
संदेह व्यापार	-7057.97	51774.22
परिचालनों से प्राप्त नकद	**144276.21**	**128252.69**
अदा किया गया प्रत्यक्ष कर	-19933.90	-26113.36
असाधारण मदों से पूर्व नकद प्रवाह	**124342.31**	**102139.33**
असाधारण मदें	-1.11	-22068.38
परिचालन कार्यकलापों में प्रयुक्त निवल नकद	**124341.20**	**80070.95**
ख. निवेश कार्यकलापों से प्राप्त नकद		
नियत परिसंपत्तियों की खरीद	-18664.69	-20714.48
नियत परिसंपत्तियों की बिक्री और खरीद	652.83	1308.53
निवेशों की बिक्री	0.11	0.00
ब्याज और लाभांश प्राप्तियां	6985.95	5882.41
निवेश कार्यकलापों में प्रयुक्त निवल नकद	**11025.80**	**13523.54**
ग. वित्तीय कार्यकलापों से नकद प्रवाह		
अल्पावधि उधार	-27.97	-99626.99
ऋणों की चुकौती	-13453.99	63645.50
अदा किया गया लाभांश	-9784.76	-8091.71
अदा किया गया ब्याज	-5616.49	-8118.87
वित्तीय कार्यकलापों में प्रयुक्त निवल नकद	**28883.21**	**52192.07**
घ. नकद और नकद के समकक्ष वस्तुओं में निवल वृद्धि	**84432.19**	**14355.34**
नकद एवं नकद समतुल्य का आरभिक शेष	47658.92	33303.58
नकद एवं नकद समतुल्य का अंतिम शेष	132091.11	47658.92

एन.के. सिन्हा
सचिव

सी. श्रीनिवासन
निदेशक (वित्त)

के.जी. रामचन्द्रन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी समतिथि की रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे.सी. भल्ला एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट

दिनांक : 13 जून, 2003
स्थान : नई दिल्ली

सुधीर मल्लिक
भागीदार

अनुसूची - 19 की बिंदु संख्या 13 का संदर्भ लें

ट्वेन्टी फर्स्ट सेंचुरी फैब्रिकेटर्स	अन्नापूर्ण इंजी. वर्क्स
ए बांड स्ट्रैण्ड्स प्रा. लि.	अनपम इंजीनियरिंग
ए.बी. मेटल फार्मर्स (प्रा.) लि.	इन्ट्रिब टेक्नीक प्रा. लि. चेन्नई
ए. एन. इन्स्ट्रूमेन्ट्स प्रा. लि.	अनुपम इण्डस्ट्रीज
ए. पाल एंड कंपनी	अराबली मिनरल्स प्रा. लि.
ए. आर. इंजी. वर्क्स	ए. आर. सी. आई.
ए. वी. इंजीनियर्स	आरको इलेक्ट्रो टेक्नोलॉजीज (प्रा.) लि.
आरथी इजी.	अरक्कयास नेशनल इंजी. एंड फांउड्री
आथी इण्डस्ट्रीज	आर्मसेल म्हे प्रा. लि.
अब्दुल करीम एंड सन्स	अरूद्रा इंजीनियर्स प्रा. लि.
एकुरेट इंजीनियरिंग इन्ड.	अरूण प्लास्ट प्रा. लि.
एक्मे इजीनियर्स एंड फैब्रीकेटर्स	अरूण स्ट्रक्चरल्स
एक्मे फार्जिंग्स (प्रा.) लि.	अरूण एंसिलियटी इण्डस्ट्रीज
एक्रो ट्रांस कंट्रोल्स	अरूण मशीन टूल्स, मदुरै
एक्यूसाइज गेज एंड टूल्स (प्रा.) लि.	अरूण इंटरप्राइज
आदर्श इलेक्ट्रोप्लेटिंग वर्क्स	अरूणोदय इंजी. वर्क्स
एडेप्ट फ्लूडायन (प्रा.) लि.	अरविन्द फुटवियर प्रा. लि.
एडवान्स कूलिंग सिस्टम प्रा.	आसी स्टील इन्डस्ट्रीज (प्रा.) लि.
एडवान्स वाल्व्स प्रा. लि.	असबा इन्डस्ट्रीज
एरोवेन्ट प्रोजेक्ट्स प्रा. लि.	अशोक इलेक्ट्रॉनिक्स
ए. एफ. नोमान एंड कंपनी	अशोक मशीन टूल्स कारपो.
एफलान इंजीनियरिंग कारपोरेशन	एशियन स्ट्रक्चरल्स
अगाते इलेक्ट्रो इंसुलेंट्स प्रा.लि.	अगेट इलेक्ट्रो इन्सुलेन्ट्स प्रा. लि.
एजाइल हेवी इंजी. प्रा.लि.	एजाइल हैवी इंजी (प्रा.) लि.
एग्रो ऑटो ग्रिंड इंजीनियर्स प्रा.लि.	एग्रो आटो ग्राइंड इंजीनियर्स (प्रा.)
एहसान अली इंजीनियरिंग वर्क्स	अहसान अली इंजी. वर्क्स
आयषु कास्टिंग्स प्रा.लि.	आयषु कास्टिंग्स प्रा. लि.
अजमेर मिनरल्स	अजमेर मिनरल्स
एक्सन मैकेनिकल इंटरप्राइजेज	अक्सॉन मैकेनिकल इंटरप्राइजेज
एलर्ट इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज	अलर्ट इंजी. इंटरप्राइज
अल्फा टूल्स प्रा.लि.	अल्फा टूल्स प्रा. लि.
एल्फ्रेड हरबर्ट	अल्फ्रेड हरबर्ट
ऐलियासन्स इंडस्ट्रीज़	एलियासन्स इण्डस्ट्रीज
एलाएड रबर प्रोडक्ट्स	एलायड रबर प्रोडक्ट्स
एलुकोट एप्लिकेर्टस प्रा.लि.	आलुकोट एप्लीकेटर्स प्रा. लि.
अम्बरनाथ ट्रांसफार्मर एण्ड इलेक्ट्रिकल्स लि., मुम्बई	अम्बरनाथ ट्रांस एंड इलेक्ट्रिकल्स लि. मुम्बई
अमर इंजीनियरिंग वर्क्स	अमर इंजीनियरिंग वर्क्स
अमर रेडियो कारपोरेशन	अमर रेडियो कारपोरेशन
अम्बीगार्ठ इंजी. वर्क्स	अम्बेगई इंजी. वर्क्स
अम्बिका फोर्जिंग्स, बंगलौर	अम्बिका फोर्जिंग्स बंगलौर
अम्बो इंडस्ट्रीज	आम्को इण्डस्ट्रीज
ए.एन. इन्स्ट्रूमेंट्स लि.	ए. एन. इन्स्ट्रूमेन्ट्स लि.
आनंद ऑटो इंजिनियरिंग वर्क्स	आनन्द आटो इंजी. वर्क्स
आनंद फैरोमेक	आनन्द फेरोमैक
आनंद उद्योग, मुम्बई	आनन्द उद्योग मुम्बई
आंध्रा बैंक एकाउंट, हैदराबाद हैवी मशीनिंग इं.	आंध्रा बैंक एकांउट हाइड.
अनिल इंजीनियरिंग वर्क्स	हैवी मैशिनिंग इंड.
अनाई वालनकान्नी फैब्रीकेटर्स	एण्ड्रू इंण्डस्ट्रीज

ए. एस. पी. प्रा. लि. हावड़ा
असरानी स्टील प्रा. लि.
एसोसिएटेड आटोमैट्स
एसोसिएटेड इंजीनियर्स
आसवानी इंजी. कंपनी
आउमा (आई.) लि., बंगलौर
आटोपार्ट्स एंड एक्सेसरीज
ए. वी. इंजी. वर्क्स
ए. वी. वाल्वस लि.
अवैद टेक्नोवेटर्स नई दिल्ली
अमी कंप्यूडाटा फार्म्स प्रा. लि.
बी. फोर टेक इण्डस्ट्रीज
बी. के. इंटरप्रारजेज
बी. टी. सोल्डर प्रा. लि.
बी. मी. के. इंडस्ट्रीज
बाबू मैन्युफैक्चरिंग कंपनी
बाबू इंजी. इंडस्ट्रीज
बाबू भाई नरोत्तमदास एंड कंपनी
बेबी इण्डस्ट्रीज
बडवे इंजीनियर्स प्रा. लि.
बालाजी इंजी. वर्क्स
बालाजी इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
बालाजी इंजीनियरिंग वर्क्स
बालाजी इण्डस्ट्रीज
बालामुर गांव इंजी. वर्क्स
बलिगा लाइटिंग इक्विपमेंट प्रा. लि.
बंगलौर माइन्स एंड मिनरल्स प्रिड्ट्स
बंगलौर नॉनफेरस कस्टिंग्स
बन्नारी इंजी. इण्डस्ट्रीज
बन्सल फैबवेल इण्डस्ट्रीज
बरोदा बुशिंग एंड इन्सुलेटर्स
बेन्ड ज्वायंट्स
बेस्ट वुड पैकर्स
भाभा इंजी. उद्योग
भगीरथ कोच बिल्डर्स
भंडारी ऑफसेट प्रिन्टर्स
भनवार सेल्स
भाराकाथ मेटल बिल्डर्स
भारत बेस्टो फैब
भारत इंजी. इंटरप्राइजेज
भारत इंजी. वर्क्स
भारत फैब्रिकेटर्स
भारत मेटल अबरेटर्स
भारत मिनरल्स
भारत स्टैम्पिंग प्रोडक्ट्स
भारम स्टील वायर प्रोडक्ट्स
भारत ट्रेडिंग कं.
भारत वायर रोप्स लि. मुम्बई
भारतीय इलेमेच कारपो.
भिलाई प्रेसिजन
बंगलौर (एन.) फेरस
बंगलौर मैलबल कास्टिंग्स प्रा. लि.
कलकत्ता इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स
कैनरा बैंक, भाग ए. सी. माइक्रोफ्लो प्रा.
कैनरा बैंक, फतेहनगर खाता एटलस फास्टेनर्स
कैनरा मेटल वर्क्स
कैन्ड्स इलैक्ट्रिकल्स प्रा. लि.
कैप्रोनिक्स प्रा. लि.
कैप्सूल इण्डस्ट्रीज
कार्बो इंजी.
कार्बो इंजी. वर्क्स
कास्ट एलायज
कास्ट एलायज, चन्नई
कावेरी इंजी. वर्क्स
सेन्ट्रल इंडिया फैब्रिकेशन्स
चाबी इलैक्ट्रिकल्स
चकसन इंजी. कं.
चमन इंजी. वर्क्स
चम्पक मिनरल्स एंड केमिकल्स
चैम्पियन इंजी. इण्डस्ट्रीज
चन्द्रा इन्डस्ट्रीज
चौधरी एंड सन्स (फार्जिंग्स)
भोपाल कम्प्यूफेरल्स प्रा. लि.
भोपाल इंजीनियरिंग
भोपाल टिम्बर्स
भूपेन्द्र इंजी. इंटरप्राइजेज
भुवनेश्वरी इण्डस्ट्रीज
बिमको इंजी. वर्क्स
बिन्दा मेटल्स प्रा. लि.
बिंदु इंटरप्राइजेज
विश्वेसर गैल्सेनाइजर्स प्रा. लि.
बिशानी उद्योग
ब्लास्टर्स एंड कोरोजन प्रिवेन्टर्स
ब्लू माउंट मशीन वर्क्स
ब्लू स्केयर
ब्लू माउंट मशीन वर्क्स
बी. एम. इंजी. वर्क्स
बी. एन. पचल
बम्बई आयल सील्स कं.
बायड स्मिथ प्रा. लि.
ब्यायज टाउन इंड. ट्रेनिंग सेन्टर
ब्रांइट फ्लेम
बाइट इंजीनियर्स एंड फैब
ब्राउन हाइटेक स्ट्रक्चर प्रा. लि.
बी. एस. बी. के. इंजीनियर्स लि.
बुन्देलखंड इण्डस्ट्रीज
चेला इंजी. वर्क्स
चेम्प्रोमेम इंजीनियर्स नागपुर
चेमट्राल्स इंजी. प्रा. लि.
चेतना इंजी. कंपनी

क्लोरो कंट्रोल इक्विपमेंट कं.
चौहान फैब्रिकेटर्स
कोयम्बटूर सुपर एलायज (प्रा.) लि., कायम्बटूर
कोयम्बटूर सुपर एलायज (प्रा.) लि.
कामेट ब्रास प्रोडक्ट्स
कनेक्ट वेल इंडस्ट्रीज प्रा. लि.
कंट्रोल इंजी. कंपनी
कापर स्ट्रिप्स प्रा. लि.
कास्मिक इंजीनियर्स काम्बाइन
क्राफोर्ड इण्डस्ट्रियल्स
क्रेसेन्ट स्प्रिंग्स
क्रेसेन्ट वाल्वस मैन्यु. कं. प्रा. लि.
क्रेसेन्ट वाल्वस मैन्यु. कं. प्रा. लि.
क्राउन फर्नीचर एंड सा मिल
सी. एस. एस. इलेक्ट्रिकल्स प्रा. लि.
सी. वी. के. इण्डस्ट्रीज
डी. के. इलेक्ट्रो–मैक. कार्पो.
डलेल इंटरप्राइजेज
दरशनी इंटरप्राइजेज
दत्तात्रय इंजी. वर्क्स
बाइट कम्युनिकेशन प्रा. लि.
सी. ए. जी. इक्विपमेंट (प्रा.) लि.
कैलबर्ग इंजीनियरिंग
दवशानी इंटरप्राइजेज
दीपक गैल्वेनाइजिंग एंड इंजी. इण्ड. प्रा. लि.
दीपक इंडस्ट्रियल इंजी. वर्क्स
दीपक इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
दीपात्री सिलिकान्स
डेफ्री इंजी. प्रा. लि., कोयम्बटूर
डेल्टा कारपोरेशन
डेल्टा मोटर्स
डेल्टा ट्रांस कन्डक्टर्स (प्रा.) लि.
डेट्रिव इन्स्ट्रू. एंड इलेक्टिक लि.
डेट्रिव इन्स्ट्रूमेन्टेशन एंड इलेक्ट्रिक्स लि.
डेवर इंटरप्राइलेल
देवी कृपा इंजी. वर्क्स
देवी स्ट्रक्चरल्स
धनलक्ष्मी डाय कास्टिंग्स
धनलक्ष्मी इंजी. इंडस्ट्रीज
धातु निर्माण प्रा. लि.
धवन इंजी. वर्क्स
डायइलेक्ट्रिक कारपोरेशन
दिनेश इंजीनियरिंग कारपोरेशन
एवरेस्ट इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज
एवॉन
एक्सेल इंडस्ट्रीज
एक्सेल प्रासेस (बंगलौर) प्रा. लि.
एक्सेलसियर इंजी. वर्क्स
फैब्रो मेक इंडिया
फैब टेक इंडिया
फैववेल इंजीनियर्स एंड फैब्रिकेटर्स
फमेक इंजी.
फार्मर इंजीनियर्स
फैशनेबल फर्नीचर
फास्टनर्स एलायड प्रोडक्ट्स प्रा. लि.
फास्टनर्स मैन्यु. प्रा. लि.
एफ. सी. जी. पावर इंडस्ट्रीज
एफ. सी. आई. ओ. ई. एन.
कनेक्टर्स लि.
डी. जे. पी. इण्डस्ट्रीज
दून गैल्वेनाइजिंग प्रा. लि.
डी. एस. एम. इण्डस्ट्रीज
डी. टी. एल. मशीन्स प्रा. लि.
दम दम मेटएलॉय
दम दम वाल्वस एंड बियरिंग्स (प्रा.) लि.
डी. वाई. इंजीनियर्स
डायनमिक क्रेन्स प्रा. लि.
ई. पी. प्रोडक्ट्स
ईगल प्रोडक्ट्स (इंडिया)
ईस्ट कोस्ट इंटरप्राइजेज लि.
इस्टर्न इलेक्ट्रिकल्स
इस्टर्न मिनरल्स
ई. बी. एम. एन. ए. डी. आई. इनटरनेशनल प्रा. लि.
इफिसियेन्ट फास्टेनर मैन्युफैक्चर
इलास्टो टेक (इंडिया) प्रा. लि.
इलास्टोमेरिक इंजीनियर्स
इलेक्ट्रो ऑटो इंडस्ट्रीज
इलेक्ट्रो मैकेनिकल्स
इलेक्ट्रोनिक्स एंड इंडस्ट्रिय एन्स.
एल्मेका वर्क्स
एम. सी. इंजी. वर्क्स
फी एन फी मेटलर्जिकल्स
फेब टेक इंडिया
फेरोकेन
फाइबर पाली ग्लास
फाइव स्टार इंडस्ट्रीज
फ्लैश फार्ज प्रा. लि.
फ्लोकॉल सिस्टम्स प्रा. लि.
फ्लोरीकॉन इंटरप्राइजेज
फ्लूइड लाइन इंजी.
फार्ब्स मार्शल (हाइड) लि.
फ्रेन्ड्स केबल इंडस्ट्रीज
जी. के. एंड सन्स
जी. बी. इंजी. इंटरप्राइजेज (प्रा.) लि.
जी. के. इंजी. कारपोरेशन
जी. एस. एलॉय कास्टिंग लि.
जी. एस. इंजी. वर्क्स
जी. एस. एलॉयज कास्टिंग्स प्रा. लि.
जी. टी. आई. इलेक्ट्रो प्लेटिंग एंड गजलक्ष्मी इंजी. एंड इंटर
गाला स्प्रिंग्स

गाला स्प्रिंग्स प्रा. लि.
गैलेक्सी कंट्रोल्स प्रा. लि.
गनेश इंजी. वर्क्स
गार्गी इंडस्ट्रीज
गास्केट इंडिया प्रा. लि.
एमिक मोटर्स प्रा. लि.
एम्परर इंजी. वर्क्स
एम्परर इंडिया
इम्पावर कंट्रोल सिस्टम प्रा. लि.
इंजीनियर्स इंटरप्राइजेज
एनेम एक्सेल इंजी. प्रा. लि.
एन्टेक आई. आर. डी.
इंटरनेशनल (आई) लि., मुम्बई
इंटरप्राइजिंग इंजीनियर्स
इंटरप्राइजिंग मार्केटिंग इंजीनियर्स
ई. पी. ई. प्रोसेस फिल्टर्स एंड एकुमुलेटर्स प्रा. लि.
इक्युपमेंट इंजीनियर्स प्रा. लि.
एस. एस. इंजी. वर्क्स
एसेन इलैक्ट्रॉनिक्स
युरोफ्लेक्स ट्रांशमिशन (इंडिया) प्रा. लि.
एवर ब्राइट इंजी.
गौरी इंडस्ट्रीज
गौतम उद्योग
गायत्री मेटल वर्क्स
जी. बी. एम. मैन्यु. प्रा. लि.
जी. ई. ए. इनर्जी सिस्टम (इंडिया) लि.
जी. ई. आई. गोदावरी इंजी. लि.
गेलाइल इंडस्ट्रीज
जेम इक्विपमेंट्स
जेनरल इंजी. वर्क्स
जेनरल मेकेनिकल वर्क्स
गाजियाबाद इस्पात उद्योग प्रा. लि.
ग्लासफायर एंड एलायड इंड.
गो–गोल इंजी. इंडिया
गोल्डन प्लास्टिक इंटरप्राइजेज
गोल्डन वर्कशॉप
गुडलास नेरोलैक पेन्ट्स लि.
गोपी कृष्ण इंडस्ट्रीज
ग्रोवर फार्जिंग्स
गुजरात स्मेल्टिंग एंड रिफायनिंग
गुलाब चंद कोचर
गुलटेक चंद कोचर
गुलटेक फैब्रिकेटर्स
गुप्ता इंजीनियरिंग कारपोरेशन
गुरू इंजी. वर्क्स
गुरू नानक इंजी. वर्क्स
गुरू नानक स्टील
ग्वालियर टैंक्स एंड वेसल्स लि.
एच. गुरू इंस्ट्रूमेंन्ट्स (प्रा.) लि.
एच. गुरू इंस्ट्रूमेंन्ट्स (साइ) प्रा. लि.
एच. कुमार एंड कंपनी
हरिहर मशीन टूल्स
हरिहर एलॉय कास्टिंग्स लिमिटेड तिची
हरिथा इंडस्ट्रीज
हीट प्रॉसेस इन्ट्रूमेन्ट्स
हाइड एअर इंजीनियर्स प्रा. लि.
हाइडैक्स हाइड्रालिक्स प्रा. लि.
हैदराबाद कास्टिंग्स लि.
हैदराबाद इंजी. वर्क्स
हैदराबाद हैवी इंजी. प्रा. लि.
हैदराबाद मेट केम प्रा. लि.
हैदराबाद पैटर्न एंड फाउंड्री
हैदराबाद पावर सर्विसेज एंड इंजीनियर्स
हाइड्रोपैक इंडिया
हाइड्रोपैक (इंडिया) प्रा. लि.
हाइड्रोपैक इंजीनियरिंग
आई. एस. पी. पावर लि.
आई. एस. इंजीनियरिंग वर्क्स
आई. ए. इंजी. वर्क्स
आयडियल इण्डस्ट्री
इफ्तकार टिक्बर
आई. एम. आई. मशीन टूल्स प्रा. लि.
इम्पैक्ट हैमर एंड मैलेट्स
इम्पैक्ट सेफ्टी ग्लास वर्क्स प्रा. लि.
इनापुरी एंसिलियटी इंडस्ट्रीज
इंड आटो प्रोडक्ट्स
इंदर इंजी. इण्डस्ट्रीज
हैवी फैब
हैवी फैब इंडस्ट्रीज
हैवी मेटल्स एंड ट्यूबस प्रा. लि.
हेमा इंडस्ट्रीज
एच. आई. हारवेस्ट डिस्क (इंडिया)
हिमाचल शॉट्स एंड मेटल (प्रा.) लि.
हिमालय इलेक्ट्रो प्लेटिंग वर्क्स
हिमालय स्टील
हिमगिरी इंजी. इंडिया
हिमटेक प्रेस कं. बहदराबाद
हिंद इलेक्ट्रॉनिक इंडिया
हिंद प्रेस प्रोडक्ट्स
हिंदुस्तान फार्जिंग्स
हिंदुस्तान जेवेल प्रा. लि.
हिंदुस्तान ट्रेडिंग एंड इंजी.
एच. आई. – आर. ई. एल. कम्पोनेन्ट्स (इंडिया) लि.
हाइटैक इंजीनियर्स
हाइटैक हैवी इक्विपमेंट्स प्रा. लि.
हितेन फास्टनर्स प्रा. लि.
एच. एम. टी. लि.
एच. एम. डब्ल्यू. मेटल वर्क्स (प्रा.) लि.
इंडियन मेटल्स एंड एलॉयज मैन्युफैक्चरिंग
इंडियन रबर प्रोडक्ट्स

इंडियन टिम्बर प्रोडक्ट्स (प्रा.) लि.
इंदिरा इण्डस्ट्रीज
इंडमेक इंडस्ट्रियल कारपोरेशन
इंडमेक इंडस्ट्रिकल्स
इंडो इंजी. इंटरप्राइजेज
इंडोम एप्लायन्स कं.
इंडोटेक प्रेसिजन प्रोडक्ट्स
इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल
इंडस्ट्रियल कम्पोनेन्ट मैन्यु.
इंडस्ट्रियल फास्टेनर्स
इंडस्ट्रियल टेप्स एंड फैबिक्स प्रा. लि.
इंफोकंट्रोल सिस्टम्स इंक इन्नोवेशन्स
इन्नोवेटर्स
इंस्ट्रूमेंटशन इंजीनियर्स प्रा.
इन्स्ट्रूमेंन्ट्स एंड कन्ट्रोल्स
इन्टरलिन इंडस्ट्रीज
इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल स्टिरिंग
इंटरनेशनल इंडस्ट्रीज स्प्रिंग
इन्द्रा विद्युत लि.
होनवार इलेक्ट्रोड्स लि.
हावड़ा केमिकल वर्क्स
हायड एयर इंजी. वर्क्स
हायड एअर इंजी वर्क्स गोआ
हायड एअर इंजी वर्क्स लोनावला
इरेस्को इलेक्ट्रिकल्स (प्रा.) लि.
ईश्वर पैकेजिंग
आई. टी. एल. इण्डस्ट्रीज लि.
इयप्पन इंजी. इण्डस्ट्रीज प्रा. लि. चेन्नई
जे. सी. इण्डस्ट्रीज
जे. डी. एम. इंटरप्राइजेज
जे. के. मिनरल्स
जे. एम. एस. इंजीनियरिंग प्रा. लि.
जाडॉन इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज
जगदीप फाउंड्री
जगदीप मशीन टूल्स
जय गणेश इंजी. इण्डिया
जैन मेटल कम्पोनेन्ट्स
जयराज इण्डस्ट्रीज
जय पी मशीन इंडिया
जयंती वुड वर्क्स
जयराम इंजीनियरिंग वर्क्स
जायसवाल नेको लि.
जयश्री इंटरप्राइजेज
जिंदल इजेक्ट्रॉनिक्स प्रा. लि.
जे. एम. पी. आटो
जे. एम. पी. मैन्युफैक्चरिंग
कोठारी इण्डस्ट्रीज
कोट्टम इंजीनियरिंग इंड. (प्रा.) लि.
कौशिक प्रेशर वेसल्स
कृष्णा इंजी. कंपनी (प्रा.) लि.
कृष्णा इंजी कंपनी (प्रा.) लि.
कृष्णा गैल्वेनाइजिंग
कृष्णा गियर्स प्रा. लि.
कृष्णागिरी इंजीनियरिंग वर्क्स
के. आर. वाई. एफ. एस. लैमिनेशन प्रा. लि.
कुमार इण्डस्ट्रीज (इंजीनियर्स एंड फाउण्डर्स)
कुमार इंजी. वर्क्स
कुमारन इंडस्ट्रीज
कुणाल इंडस्ट्रीज
कुंदन इंडस्ट्रीज लि.
के. वे. के. इंजी. वर्क्स
क्वालिटी फार्जड फिटिंग्स
ज्वालापुर इंजीनियरिंग वर्क्स
ज्योति इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
ज्योति इंजीनियरिंग
ज्योति इंडस्ट्रीज
ज्योति मैल्यिेबल
के. बी. कम्प्यूटर्स फार्म
के. सी. एस. फास्टनर्स
के. के. सिस्टम्स
के. के. इंजीनियरिंग वर्क्स
के. एस. इंस्ट्रूमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड
कार्थिक वर्क्स
कल्याण इण्डस्ट्रीज
कल्याणी इंजीनियरिंग वर्क्स
कामकोटि फैब्स
कामकोटि इण्डस्ट्रीज
कंकानाला एशासिएट्स
कनखल इंजी. इण्डिया
कन्नापिरन इंजी. इण्डस्ट्रीज
कानपुर मेटल प्रोडक्ट्स
कारेण प्रेसिजन मेसर्स प्रा. लि.
कारेण प्रेसिजन मशीनरी लि.
कथिर मलाई इंजी. वर्क्स
के. इंजी. वर्क्स
के. पी. मेटल उद्योग
एल. एन. इण्डस्ट्रीज
लैग्युना इंटरप्राइजेज
लखोटिया बेल्टिंग प्रा. लि.
लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स
लैवसन एंड टुब्रो
लक्ष्मी डायकास्टिंग
लक्ष्मी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
लक्ष्मी इंजीनियरिंग
लक्ष्मी इंटरप्राइजेज
लीक प्रूफ इंजी. (इ.) प्रा. लि.
ली वेडला इण्डस्ट्रियल कारपोरेशन
लेना इण्डस्ट्रीज
लेटर इम्पोरियम एंड यूनि. पब्लिकेशन
लेवकॉन इन्स्ट्रूमेंट्स प्रा. लि.

लेवकॉन इन्स्ट्रूमेंट्स प्रा. लि.
लिफ्ट वेल इंजी.
लिफ्टिंग इक्विपमेंट्स एंड एक्सेसरीज
लाइट इंजी. मेटल इण्डस्ट्री
लायड इन्सुलेशन्स
लोन स्टार इण्डस्ट्रीज
लुना कार्बन ब्रश मैन्यु. इंटरप्राइजेज
एम. एंड एस. इंजी. वर्क्स
एम. जी. एम. इण्डस्ट्रीज
एम. के. इण्टरप्राइजेज
एम. पी. के. मशीन टूल्स
के एस इंजीनियर्स
केल्ड इलेनटॉफ्ट इंडिया प्रा. लि.
खिलान इंजीनियरिंग वर्क्स
किरणमयी इंजीनियरिंग वर्क्स
किसान मैकेनिकल वर्क्स
किसान स्टील्स प्रा. लि.
किस्मत इण्डस्ट्रीज
किथ इंजीनियरिंग
कियोश इलेक्ट्रॉनिक्स
क्लेमेन इंजीनियरिंग कारपोरेशन चेन्नई
एम. एस. इंजीनियरिंग वर्क्स
एम. वी. फाण्ड्री
मैशिनेड इण्डस्ट्रीज
मशीन फेब टेक
माधवी इंजीनियरिंग वर्क्स
मध्य प्रदेश कुप्रो मेटल्स प्रा. लि.
महादेव इण्डस्ट्रीज
मद्रास इण्डस्ट्रियल प्रोडक्ट्स चेन्नई
मैगिकट टूल्स लिमिटेड
महावीर इंजीनियरिंग वर्क्स
महेन्द्र एंड कंपनी
महेश वेल्डिंग वर्क्स
महेश्वर इंजी. इण्डस्ट्रीज
मलिक इलेक्ट्रो मैकेनिकल इण्डस्ट्रीज
मालुफैब इण्डस्ट्रीज
मनोज कनसल्टिंग इंजीनियर्स
मैनोमीटर इंडिया प्रा. लि.
मनु सीलिका उद्योग
मार्क नेटर्वक
मल्टी फैब्स
मल्टी टैक इंजीनियर्स
मल्टी मेटल इण्डस्ट्रीज
मल्टीटेक्स फिल्टरेशन इंजीनियर्स प्रा. लि.
मुरूगन इण्डस्ट्रीज
मुथुमीणा इंटरप्राइजेज
मैसूर पालिमर
मैसूर पालिमर्स प्रा. लि.
एन. वी. इंटरप्राइजेज
एन. एफ. प्राइवेट लिमिटेड
मारमेक प्रा. लि.
मार्शल सन्स एंड कंपनी
मरूधर लैमिनेशन्स (प्रा.) लि.
मारूथि मेटल्स एंड प्लास्टिक्स प्रा. लि.
एम. ए. एस. कम्प्यूटर फाम्स
मास पार्ट्स
मास्टर फैब इण्डस्ट्रीज
मयंक इंडस्ट्रीज
मेक फैब
मेकैनो इंजीनियरिंग कं.
मेकनोटेक इण्डस्ट्रीज
मेक्सट्रू फैब्रिकेटर्स
मीटर पाइफ फोडक्ट्स प्रा. लि.
मेही उद्योग
मेकास्टर इंजीनियरिंग
मेटल एड्स
मेटल क्राफ्ट इण्डस्ट्रीज
मेटैलिक बेलॉस (इंडिया) प्रा. लि.
माइका ग्लास इण्डस्ट्रीज
माइकाप्लाय
माइक्रो इंजीनियरिंग वर्क्स
माइक्रो प्रेसिजन प्रोडक्ट्स
माइक्रो प्रेसिजन प्रोडक्ट्स (प्रा.) लि.
एन. एस. इंजीनियरिंग कंपनी (प्रा.) लि.
नादी एअर टेक्निक्स प्रा. लि.
नाग फास्टेनिंग्स सिस्टम्स
नागचन्द्र प्लास्टो मेटल्स (प्रा.) लि.
नागमलाई स्ट्रक्चरल्स
नागप्पा स्प्रिंग्स
नागर्जुना फैब्रिकेटर्स
नागश्रीनिवास इंजी. वर्क्स
नागी इंटरप्राइजेज
नागपाल इंजीनियरिंग वर्क्स
नागनुर पुल्वर
नाकारानी इंटरप्राइजेज
नमशिवाय इंड. कं.
नन्दा इन्सुलेशन डिटेल्स
ननरा इंजी. वर्क्स
ननरा फैब्रिकेशन
नटराज इण्डस्ट्रीज
नाथन इण्डस्ट्रीज
नेशनल कार्बन ब्रश फोडक्ट्स
नेशनल इण्डस्ट्रीज
नवभारत पैकेजिंग प्रा. लि.
एन. सी. केबल
न्यू भारत इंजी वर्क्स
न्यू कैपिटल इण्डस्ट्रीज
न्यू धीमान इंजीनियरिंग
माइक्रॉन इण्डस्ट्रीज
माइक्रोसाइन प्रोडक्ट्स

माइका इंजीनियर्स मुम्बई
मिनरल्स ग्राइन्डर्स
मित्तल उद्योग
एम. जे. इंजीनियरिंग वर्क्स न्यू दिल्ली
माडर्न एलायड इण्डस्ट्रीज
माडर्न फैब्रिकेटर्स
माडर्न फैब्रिकेटर्स एंड इंजी.
माडर्न मशीन कम्पोनेन्ट्स
मोदी राम हजारी लाल
मोहन पेन्ट्स
मोंगा पाइप इंडस्ट्रीज प्रा. लि.
मोपती इंजी. इण्ड. प्रा. लि.
मॉटवाले प्रा. लि.
एम. पी. पी. टेक्नोलॉजिज प्रा. लि.
मुध क्लेज
मुकेश इण्डस्ट्रीज
न्यू फैब्रिकेटर्स
न्यू. एस. के. इण्डस्ट्रीज
निर्मल इंजी. वर्क्स
निर्मल इंटरप्राइजेज
नितिन इण्डस्ट्रीज
नित्य इंटरप्राइजेज
एन. एम. सी. कार्बोनिक
नोबल इंटरप्राइजेज
नोवा फ्लेक्स केबल
न्युक्लियस इलेक्ट्रो इंटरप्राइज
आबलम इलेक्ट्रिकल इण्डस्ट्रीज
ओम शक्ति इंजीनियरिंग
ओम विनायक इंजीनियरिंग वर्क्स
ओम विश्वासी मेटल एंड इंजी. वर्क्स
ओमेगा इंजीनियरिंग वर्क्स आर्बिट
आरिएण्ट मेटल इण्डस्ट्रीज
ओरिएण्ट प्लांट्स एंड इक्विपमेंट्स
आरियन, त्रिची
पी. एन. इंटरप्राइजेज
पी. वाई. आर. इंजी. वर्क्स
पी. आई. मेटल प्रोडक्ट्स
पी. आर. अकास्टिकल इंजी. वर्क्स (प्रा.)
पी. एस. स्टील ट्यूब्स (प्रा.) लि.
पी. वी. के. इंजीनियर्स
पी. वाई. आर. इंजीनियरिंग वर्क्स
पैक एंड डेक
पैकेजिंग एंड ज्वायंटिंग्स
गास्केट्स (प्रा.) लि., चेन्नई
पद्मा मशीन शॉप एंड एलायड इण्डस्ट्रीज
पद्मावती इंजी. वर्क्स
पाल इंजीनियरिंग कारपोरेशन
पाल इंजीनियरिंग वर्क्स
पाल इंजीनियरिंग
पाल इण्डस्ट्रीज
पंच धातु
पैरागॉन इण्डस्ट्रीज
पारामाउण्ट फैब्स
पाराशक्ति इंजी. वर्क्स
प्रामेन इण्डस्ट्रीज
प्रणाम एशोसिएटेड इण्डस्ट्रीज
प्रसाद इंजीनियरिंग वर्क्स
प्रतिभा इंटरप्राइजेज
प्रवीण इलैक्ट्रॉनिक्स
प्रयोग इलैक्ट्रिकल्स (प्रा.) लि.
प्रेसी पैक
प्रेसाइज इंजीनियरिंग प्लास्टिक्स
प्रेसीजन इलैक्ट्रानिक्स काम्पो
प्रेसीजन इंजीनियरिंग कंपनी
प्रेसीजन इन्स्ट्रूमेंट्स एंड इलैक्ट्रॉनिक्स
प्रेसीजन मशीन टूल्स
प्रेसीजन स्टील एंड कम्पोनन्ट्स
प्रेकॉन मशीन टूल्स प्रा. लि.
प्रीमियर इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज
प्रीमियर फास्टनर्स
प्रीमियर इण्डस्ट्रीज, त्रिची
प्रीमियर प्लेट फैब्रिकेशन कंपनी
प्रेसिडेंट इंजी. वर्क्स, मुम्बई
प्रेशर एंड टेक्परेचर
प्राइम इंजीनियरिंग सर्विस
प्रासेस एड्स
प्रोफेशनल मार्केटिंग सर्विसेज
प्रोग्रेसिव यूल्स एंड कम्पोनेंट्स
पाराशक्ति इंटरप्राइजेज
पारी इंजीनियरिंग वर्क्स
परमाथी इंजीनियरिंग
पटेल फैब मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग
पतनी सिस्टम्स प्रा. लि., सिकन्दराबाद
पी. के. साइंटिफिक ग्लासवेयर्स
पी. वी. इंजीनियरिंग इंटरप्राइज
पेनैन्ट इंजीनियरिंग
परफेक्ट इंजी. वर्क्स
परफेक्ट रिफ्रैक्ट्री
परमली वालेस लि.
पेटचिन टूल्स
पायनियर इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज
पाइपलाइन्स एंड प्रासेस इक्विपमेंट्स (प्रा.) लि.
प्लासोटेक इंटर प्राइजेज
प्लास्टिक प्रोडक्ट इंजीनियरिंग
प्लाज्मा कटिंग इक्विपमेंट प्रा. लि.
पालि–पम्प इण्डस्ट्रीज
पॉलिकैब वायर्स प्रा. लि., मुम्बई
पालिगॉनरिफ्रैक्ट्रीज प्रा. लि.
पालिटेक इंटरप्राइजेज
पी. टी. सी. इण्डस्ट्रीज लि.

पुनिथा इंजीनियरिंग वर्क्स
पूर्णिमा इलैक्ट्रिकल इण्डस्ट्रीज
पुष्पा इंजीनियरिंग
पाइरो इलैक्ट्रिक इन्स्ट्रूमेंट्स गोआ प्रा. लि.
पाइरोटेक कंट्रोल (इंडिया) प्रा. लि.
पाइरोटेक इलैक्ट्रॉनिक्स (प्रा.) लि.
क्वालिटी इंजीनियरिंग एंड इन्शुलेशन प्रोडक्ट्स
क्वालिटी इंजीनियरिंग वर्क्स
क्वालिटी इंजीनियरिंग वर्क्स, ट्रिची
क्वालिटी इंजीनियर्स
क्वालिटी प्रोफाइल्स (प्रा.) लि.
क्वांटम इन्सट्रूमेंट्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स
क्यू. वाई. एक्स. आटोमैट्स
आर. जे. इण्डस्ट्रियल कारपोरेशन
आर. एम. एच. कारपोरेशन (वर्कशाप)
आर. इण्डस्ट्रीज
आर. ए. फैब्रिकेटर्स
आर. बी. फार्जिंग
आर. जी. इंजीनियरिंग वर्क्स
आर. बी. इंटरप्राइजेज
राकम इण्डस्ट्रीज
पूजा केबल्स (प्रा.) लि.
पूजा केबल्स प्रा. लि.
पुंडी मध इंजीनियरिंग एंड एलायड वर्क्स
पूरनमल एंड संस हरद्वार
पावर गियर प्रा. लि.
पावर लाइन इण्डस्ट्रीज
पारादीप मेटल ट्रीटमेंट
रचना इण्डस्ट्रीज
रैडिएन्ट केबल्स लि. हैदराबाद
रैडिएन्ट केबल्स (प्रा.) लि.
राहुल इंजीनियरिंग वर्क्स
राज इंजीनियर्स
राज फांउंड्री एंड वकर्शाप
राजीव गुप्ता
राजेन्द्र इंजीनियरिंग वर्क्स
राजेश इंजीनियरिंग वर्क्स
रजनी फैब
राजसी इंजीनियर्स
राज्य लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स
रक्षाज इंटरप्रइजेज
राम सागर एंड संस
रामाकृष्णा इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
रामाकृष्णा इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
रामाकृष्णा इंजीनियरिंग वर्क्स
रामाकृष्णा आटो टेक इंजीनियर्स (प्रा.) लि.
रमन स्ट्रीप्स एंड असलाइड इंडस.
रमना इंजीनियरिंग वर्क्स
रमेश इंजीनियरिंग वर्क्स
रामसंस फैबीटेक्स
रंगासायी अलाय कास्टिंग
रसब इंजीनियरिंग वर्क्स
रस्म इंटरप्राइजेज
रासू टूल्स प्राईवेट लि.
रासविन रबर्स
रत्ना फैब्रिकेटर्स
रत्ना टूल एंड इंजीनियरिंग प्रा. लि.
रत्ना इंजी. कं. प्रा. लि.
रवि इंजी वर्क्स
रवि इंजीनियरिंग वर्क्स
रवि स्ट्रक्चरल्य
रविचक्र मशीन टूल्स
रविकिरण सिदेमिक्स प्रा. लि.
रेडसन इंड्स.
रिजनल इंजी. वर्क्स
रिलाएबल इलैक्ट्रानिक्स
रिलायंस इंजीनियर्स लि.
रेनाल्ड केम. इक्विप. प्रा. लि.
ऋषि आटोमेट्स
ऋषि कार्बोनिक्स लि.
आर एम एच फैब्रिकेसंस (प्रा.) लि.
रोबोट इंस्ट्रूमेंट्स इंडिया
रोहित इंटरलाकस एंड आटोमेशन प्रा. लि.
रूड़की इंजी. वर्क्स
रायल गास्केट
रायल गास्केट कंपनी
आर. एस. स्टील वर्क्स नई दिल्ली
आर. एस. एम. इंजी. वर्क्स
रूचि स्ट्रिप्स एंड एलायज लि.
रूंगरा स्टील
रूप रबर इंटरप्राइजेज
एस. आर. आर. इंजीनियरिंग वर्क्स
एस. सी. प्रोडक्ट्स
एस. जे. मेटल वर्क्स
एस. के. इंडस्ट्रीज
एस. के. सिस्टम्स प्रा. लि.
एस. नूर एंड संस
एस. आर. एम. इंटरप्राइजेज
एस. एस. रबर प्राईवेट लि.
एस. वी. इंजीनियर्स
सचबार रबर प्रोडक्ट्स
साधना प्रिंटिंग प्रेस
सागर इंडस्ट्रीज
साई इंजीनियरिंग वर्क्स
साई फैब
साई सारंग इंजीनियर्स
साई सर्फेस रोटिंग
सैनी इंजी. वर्क्स
सैनी इंटरप्राइजेज
शक्ति इंजी.

शक्ति फोर्जिंग
शक्ति इंड्स.
साल्जगीटर हाइड्रोलिक्स प्रा. लि.
समीर इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
संपूर्ण मैन्यूफैक्चरिंग टेक्नालाजीज प्रा. लि.
सामुंडी मशीन वर्क्स
संजय फैब्रिकेटर्स
संत सेवी उद्योग
सांताराम आटोमोबाइल्स
संतोष इंटरप्राइजेज
शारदा फैब्रिकेटर्स
सरला इंजी. वर्क्स
सारथी इंजी. इंटरप्राइजेज प्रा. लि.
श्रवणन इंड्स.
सरीन स्टीन
सरेलीट्रोनिक्स प्रा. लि.
सच्चिदानन्द प्रिसिजन टूलिंग
सत्यबाला इंटरप्राइजेज
सत्यम इंडस्ट्रीज
सत्य फैब्रिकेटर्स प्रा. लि.
सत्यम इंडस्ट्रीज
सौरभ मैटल्स प्रा. लि.
स्वरूप इंडस्ट्रीज
एस. बी. ई. एम. प्रा. लि.
एस. बी. एम. आर. सी. पुरम ए/सी एस. एस. पाइप फिटिंग एडं फोर्जिंग्स
एस. बी. एच. आर. सी. पुरम ए/सी टेक्नोस्ट्रेंथ
एस. बी. एच. बाला नगर ए/सी पानम कंट्रोल्स
सांइरिफिक मेस–टेकनीक प्रा. लि.
स्कोप इंजी वर्क्स
सी शेल प्लास्टिक्स
सीमा इंटरप्राइजेज
सीताराम इंजी. इटरप्राइजेज
सेलवेल इंजी. प्रोडक्ट्स
सेल्वी इंडस्ट्रीज
सेनापति साइमंस इन्सूलेशन
सेंथिल इंजी. वर्क्स
सेटान इलैक्ट्रिकल प्रोडक्ट्स
शक्ति श्री
शामस्टोर्न
शेंज लेबोरेट्रीज
शंकर मशीन टूल्स
शांता सेल्स
शांता सेल्स कारर्पोरेशन
शांति धनलक्ष्मी
शेप इंजी. कं. प्रा. लि.
शेप इंजी.
शीला इंडस्ट्रीज
शेरी फोर्ज प्रा. लि.
शेट इलैक्ट्रिकल्स (प्रा.) लि.
शिव इंजी. वर्क्स
शिवालिक इंजीनियरिंग
शिवानी गैल्वैनाइजिंग एंड इंजीनियरिंग
शिवगंगा पेपर कन्वर्टर्स
शिवप्रा क्रेन्स प्रा. लि.
शराव इंजी. वर्क्स
श्री केबल्स एंड कंडक्टर्स (प्रा.) लि.
श्री केबल्स एंड कंडक्टर्स (प्रा.) लि.
श्री हंस अलाय लिमिटेड
श्री पूजा प्रिंटर्स
श्री जी फास्टनर्स
श्री राम इंजीनियरिंग इंडस्ट्री
श्री दुर्गा आयल एंड स्टील वर्क्स
श्री लक्ष्मी इंजी. वर्क्स
शुभम् इंटरप्राइजेज
सिमेग इंडस्ट्रीज
सिग्मा इंडस्ट्रीज
सिल्कांस इलैक्ट्रिकल मैन्यू. कं. प्रा. लि.
सिंघाई मोजी लाल एंड संस
सीताराम सन वुडकैम प्रोसेस
शिवा इंजी. वर्क्स
शिवशक्ति इंडस्ट्रीज
शिवशक्ति मशीन टूल्स
एस. के. सिस्टम्स प्रा. लि.
स्किल्ट फैब्रिकेटर्स प्रा. लि.
स्काइलैब इंडस्ट्रीज
एस. एम. टूल्स
स्मार्ट एन्ग्रेवर्स
सोरवी ब्रदर्स
सोत इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड
सदर्न गास्केट प्रोडक्ट्स
सदर्न लुवरिकेशन प्रा. लि.
सावेनियर सिद्मिक्स
एस. सी. ए. इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
स्पक्ट्रा इक्विपमेंट्स प्रा. लि.
स्पीड स्टील इंडस्ट्री
स्प्रिंग स्पोर्ट
श्री अत्रे इंटरप्राइजेज
श्री भारत इंजी–वर्क्स
श्री गायत्री इंडस्ट्रीज
श्री ज्योति इंटरप्राइजेज
श्री राम वेल्ड प्रोडक्ट्स
श्री रामा इंजी. इंटरप्राइजेज
श्री वेंकर हरि इंजी. वर्क्स
श्री वेंकटेश्वर
श्री वेकटेश्वर सिरेमिक
श्री अकिलानंदेश्वरी इंजी वर्क्स
श्री बाला जी इंड्स.
श्री बाला भुरूगन कैमिकल्स
श्री बाला भुरूगन इंजी. वर्क्स प्रा. लि.

श्री भवानी इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
श्री धन भूषणनम इंजी.
श्री दुर्गा इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री दुर्गा आयल वर्क्स
श्री दुर्गा स्ट्रक्चरल्स
श्री इंजी वर्क्स
श्री गणेश इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री ज्योति इंजी. वर्क्स
श्री के. आर. एस. इंडस्ट्रीज
श्री कंदन इंडस्ट्रीज
श्री लक्ष्मी इंजीनियरिंग इंडस्ट्री
श्री लक्ष्मी इंडस्ट्रीज
श्री लक्ष्मी कृष्णा इंजी. वर्क्स
श्री लक्ष्मी विट्रियस
श्री एम. इंडस्ट्रीज
श्री मंजुनाथ इंडस्ट्रीज
श्री राजेश्वरी इंजी इंटरप्राइजेज
श्री रामा इंजीनियरिंग इंड.
श्री रमना इंडस.
श्री सबरी स्ट्रकचरल्स
श्री शस्त्र इंजीनियरिंग वर्क्स
श्री श्री इंजी. वर्क्स
श्री वेलभुरूगन फैब्रिकेटर्स
श्री वेंकटेश्वर गियर व्हील्स
श्री वेंक्टेशवर मैक. एडं इलै. इंजी. वर्क्स
श्री विष्णु टूल टेक प्रा. लि.
श्री विजयलक्ष्मी इंजी. वर्क्स
श्री भरीयमन स्ट्रकचरल्स
श्रीनिवास इंजी. कं.
श्रीनिवास इंडस्ट्रीज
श्री साई इंजीनियर्स एडं फैब्रिकेटर्स
श्रीवास ब्लास्ट टेक
सरूजन फैब्रिकेटर्स एडं इंजीनियर्स प्रा. लि.
स्टार पैकेजिंग
स्टार ड्राइव बसडक्ट्स प्राइवेट लि.
स्टील आर्ट इंडस्ट्रीज
स्टील क्राफ्ट
स्टीलनेट ब्रिज बियरिंग (प्रा.) लि.
स्टर्लिंग बैनिसिज (बी लोर) प्रा. लि.
स्ट्रिप इन मेटल इक्विपमेंट
स्ट्रवन्टो फैब
स्टाइन
सुबालक्ष्मी इंजी. वर्क्स
सुमद्रा इंडस्ट्रीज
सुरर्शन इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
सुदर्शन इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, चेन्नई
सुधा इंजीनियरिंग वर्क्स
सुणो इंडस्ट्रीज
सुकेजय एसोसिएट्स
सुकेजय उद्योग
सुकरूत उद्योग
सुमिका
सुमुका इंडस्ट्रीज
सुंदरम् पेंट्स प्रा. लि.
सुपर इंजी. कंपनी
सुपर इंजीनियरिंग वर्क्स
सुपर गास्केट इंडस्ट्रीज
सुपर इंडस्ट्रीयल कम्पोनेंट्स
सुपर वोडाइट ज्वाइंटिंग्स प्रा. लि.
सुरेन्द्र इंजीनियरिंग वर्क्स
सुशार फास्टनर्स
स्वस्तिक इंटरप्राइजेज
स्वस्तिक मेटल डिस्ट्रिब्यूटर्स
सिस्टम एड्स
टी. एन. राजन इंजी. इंडस्ट्रज
टी. वी. इंजीनियरिंग
टालब्रोस प्राईवेट लि.
टालसन इंडिया फरीदाबाद
तमिलनाडु एसोसिएशन आफ दी ब्लाइंड
टेप एंड टेप इंडस्ट्रीज
टेपेक्स कार्पोरेशन
टास्का फाइबर्स प्राईवेट लिमिटेड
टी. ई. सी. इंजीनियर्स
टेक फैब
टेक्नीकन
टेक्नोफैब इंजीनियरिंग लि.
टेक्नोलोजी प्रोडक्ट्स
टेक्नोप्लास्ट
टेक्सप्लास
टेकसप्लास (इंडिया) प्रा. लि.
थापसंस कैमिकल्स
दी अनुप इंजीनियरिंग लि.
दी डेल्टा मोटर कं.
दी हैदराबाद हैवी इंजी. वर्क्स
दी हैदराबाद हैवी इंड.
दी कर्नाटका मेटल इंडस्ट्रीज
दी एम एम टी सी
दी मोटवानी मैन्यू. कं. प्राईवेट लि.
थर्मोपैडिस प्रा. लि.
थर्मोवेल इंसुलेशन एंड पैकेजिंग प्रा. लि.
थिल्लई इंजीनियरिंग
थिल्लई इंजीनियरिंग वर्क्स
थिरूपेरूमल इंजी. इण्डस्ट्रीज
टाइड स्टील कंपनी
तिरूमाला इण्डस्ट्रीज
टोंक एंड एसोशिएट्स (प्रा.) लि.
टूल फैब
टोशीवाल ब्रदर्स (प्रा.) लि.
ट्रैकोली इंजीनियरिंग प्रा. लि.
ट्रांसफार्मर इण्डस्ट्रीज

ट्रांसपावर इण्डस्ट्रीज
ट्रांसविक इण्डस्ट्रीज
ट्रायोमेक इंजीनियरिंग प्रा. लि.
टर्बो मशीनरी इंजी (प्रा.) लि.
टर्न–मैक्स
तुशाको पम्प्स प्रा. लि.
उबह इन्स्ट्रूमेंन्ट्स प्रा. लि.
उदयमाला फैब्स
अल्टीमेन्ट एलॉयज (प्रा.) लि.
अल्ट्राफिल्टर (इंडिया) प्रा. लि.
युनीएक्सेल एजेन्सीज एंड सर्विसेज प्रा. लि.
यूनीग्लास इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि.
युनिक इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
युनिक वाल्वस प्रा. लि.
युनीटेक मशीन लि.
युनीटेक मशीन प्रा. लि.
युनाइटेड इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
युनाइटेड इंजीनियर्स
युनाइटेड मेटल क्वायनर्स
युनाइटेड मेटल्स (इंडिया)
युनाइटेड रबड़ इण्डस्ट्रीज
युनीटेक निट्रिंग
युनीवर्सल इंजी. वर्क्स
युनीवर्सल इंजीनियर्स
युनीवर्सल ह्वायस्ट ओ.–फैब्रिक
युनीवर्सल इण्डस्ट्रीज
युनीवर्सल ट्रांसफार्मस
उप्पल फेरोकास्ट प्रा. लि.
अपर इंडिया स्पेशल कास्टिंग्स लि.
उत्सव इलेक्ट्रो–मेक प्रा. लि.
वी. एल. इण्डस्ट्रीज
वी. आर. के. इण्डस्ट्रीज
वी. एस. इंजीनियरिंग वर्क्स
वाकोसील्स
वाल्टेक कंट्रोल्स प्रा. लि.
वैल्यू ट्रेक इंजीनियर्स
वैनगार्ड इण्डस्ट्रीज
वैपकॉन मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियर्स
वरसा केबल्स प्रा. लि.
वारटेक इंजीनियर्स (प्रा.) लि.
वरूणि इण्डस्ट्रीज
वसन इण्स्ट्रीज
वसन्ती हैवी मशीनिंग (प्रा.) लि.
वायुवोधन उपकरण प्रा. लि.
वीसन इनर्जी सिस्टम्स प्रा. लि.
वीसन मेटल्स एंड कंडक्टर्स लि.
वेंकटेश्वर इंजीनियरिंग वर्क्स
वेनटेक फाउण्ड्रीज
वीनस इंजीनियरिंग कंपनी
वीनस पम्प
वेस्टॉस होस डिवीजन प्रा. लि.
विद्युत कार्बन प्रोड. प्रा. लि.
विद्या इंटरप्राइजेज
विद्युत कार्बन प्रोडक्ट्स प्रा.
विजयनाग इंडस्ट्रीज
विजय इंजी. एंड बदर्स
विजय इंजीनियरिंग
विजय इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज
विजय पावर एंड स्पेयर्स
विकास मशीन फैब्स (प्रा.) लि.
विमलेश इण्डस्ट्रीज (प्रा.) लि.
विनिर इंजी. प्रा. लि. बंगलौर
विपिन इंडस्ट्रीज
विरदी इंजी. वर्क्स
विरदी इंजीनियरिंग वर्क्स
विष्णु फार्ज इंडस्ट्रीज लि.
वी. के. ए. एन. शॉट ब्लास्टिंग इंडस्ट्रीज
वी. के. एन. इंजीनियरिंग इंटरप्राइजेज
वी. के. एन. इंटरप्राइजेज
वी. के. एन. इण्डस्ट्रीज
वी. के. एन. स्ट्रक्चरल्स
वी. के. आर. इंजीनियरिंग वर्क्स
वुल्कान इंजीनियरिंग वर्क्स
व्यास प्रोडक्ट्स
वियन्थ इंजीनियरिंग
वधवा बदर्स इंजीनियरिंग
वेल्ड फैब्रिकेटर्स
वेल्डवेल इंजीनियर्स
वेलफ्लेक्स पालिमर्स प्रा. लि.
वेस्टर्न इंडिया फार्जिंग्स लि., पुणे
विनक्राफ्ट
वुड एंड इन्सुलेशन प्रोडक्ट्स
वुड स्पॉट
योगश्री हैवी इंजीनियरिंग (प्रा.) लि.
योगेश्वर एलाय कास्टिंग प्रा. लि.
योग्य इंटरप्राइजेज
वाई–वे इण्डस्ट्रीज
जेब्रा वेबलिफ्ट प्रा. लि.

उत्पाद रूपरेखा

तापीय विद्युत संयंत्र

- जनोपयोगी सेवा तथा संयुक्त–चक्र प्रयोगों के लिए स्टीम टर्बाइनों, बॉयलर्स एवं 500 मेगावाट तक के जेनरटर्स, सुपर क्रिटिकल स्टीम साइकल मानदण्डों वाले बॉयलर्स एवं स्टीम टर्बाइनों तथा 660 मेगावाट युनिट आकार के समतुल्य जेनरटरों का निर्माण करने की क्षमता। 1000 मेगावाट युनिट आकार के लिए सुविधाएं उपलब्ध।
- सी.पी.पी. अनुप्रयोगों के लिए स्टीम टर्बाइन्स, बॉयलर्स एवं जेनरेटर्स, संपीडन, निष्कर्षण, पृष्ठ दबाव, अन्तःक्षेपण अथवा इनमें से किसी भी प्राकार के स्टीम टर्बाइन्स के संयोग के निर्माण की क्षमता।

गैस आधारित विद्युत संयंत्र

- 260 मेगावाट (आई.एस.ओ.) रेटिंग तक के गैस टर्बाइन्स।
- उद्योग एंव जनोपयोगी सेवा उपयोगों के लिए गैस टर्बाइन आधारित सह–उत्पादन एवं संयुक्त–चक्र प्रणालियां।

जल विद्युत संयंत्र

- समतुल्य जेनरेटर्स सहित कपलान, फ्रैन्सिस एवं पेल्टॉन प्रकार के कस्टम–निर्मित परम्परागत हाइड्रो टरबाइन, समतुल्य मोटर–जेनरेटर्स सहित पम्प टर्बाइन्स।
- मिनी/माइक्रो हाइड्रो सेटा।
- हाइड्रो स्टेशनों के लिए गोलीय, बटरफ्लाय एवं रोटरी वाल्व्स एवं आक्सिलियरिज

डी. जी. विद्युत संयंत्र

- एच.एस.डी., एल.डी.ओ., एल.एस.एच.एस., प्राकृतिक गैस/बायोगैस आधारित डीजल जेनरेटर विद्युत संयंत्र, इमर्जेन्सी, शीर्ष के साथ ही ट्रंकी आधार पर भार कार्यों के लिए 20 मेगावाट तथा 11 किलोवाट वोल्टेज की रेटिंग वाले युनिट।

औद्योगिक सेट

- 1.5 से 120 मेगावाट की रेटिंग वाले औद्योगिक टर्बो सेट।
- 3 से 260 मेगावाट (आई.एस.ओ.) रेटिंग के गैस टर्बाइन्स एवं मैचिंग जेनरटर्स।
- नोदन प्रयोगों तथा सह–उत्पादन अनुप्रयोगों के लिए औद्योगिक स्टीम टर्बाइन एवं गैस टर्बाइन्स।

बॉयलर्स

- जनोपयोगी सेवा के लिए कोयला, लिग्नाइट, तेल, प्राकृतिक गैस अथवा इन ईंधनों को मिलाकर उपयोग करके 30 से 500 मेगावाट तक की क्षमता वाले स्टीम जेनरेटर्स; 1000 मेगावाट युनिट आकार तक के सुपर क्रिटिकल मानदण्डों वाले बॉयलर्स का निर्माण करने की क्षमता।
- औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए कोयला, प्राकृतिक गैस, बायोमास, लिग्नाइट, तेल, बैगास अथवा इन ईंधनों के सम्मिश्रण का उपयोग कर 40 से 450 टन प्रति घंटे की क्षमता वाले स्टीम जेनरेटर्स।
  - पल्वेराइज्ड ईंधन फायरड बॉयलर्स।
  - स्टोकर बॉयलर्स।
  - एटमोस्फयरिक द्रवीकृत बेड दहन बॉयलर्स।
  - सर्कुलेटिंग द्रवीकृत बेड दहन बॉयलर्स।
- हीट–रिकवरी स्टीम जेनरेटर्स।
- कागज उद्योग के लिए 100 से 1000 टन प्रति दिन की सूखे ठोसों की क्षमता वाले रासायनिक रिकवरी बॉयलर्स।
- प्रेशर वेसल्स।

बॉयलर्स आक्जिलियरीज

- पंखे
  - स्वच्छ हवा अनप्रयोगों के लिए 25 से 800 m^3/s क्षमता तथा 120 से 1480 एम गैस कालम दाब वाले एक एवं दो चरण के एक्सियल रिएक्शन पंखे।
  - स्वच्छ वायु तथा चिमनी गैस अनुप्रयोगों के लिए 7 से 600 m^3/s तथा 700 एम गैस कालम दाब वाले एक्सल इम्पल्स पंखे।
  - स्वच्छ हवा ताा धूल–भरे 400°ब तक के ताप वाले 4 से 600 m^3/s क्षमता तथा 150 से 1800 एम गैस कालम दाब वाले सिंगल एवं डबल–सक्शन रैडियल पंखे।
- एअर–प्रीहीटर्स
  - बॉयलर्स एवं प्रक्रिया भाईयों के लिए जंगस्टार्म रोटरी रिजेनरेटिव एअर–प्रीहीटर।
  - 1000 मेगावाट तक की जनोपयोगी सेवाओं के लिए वृहत रिजेनरेटिव एअर–प्रीहीटर्स।
- ग्रैविमेट्रिक फीडर्स।
- पल्वेराइजर्स
  - 100 टन प्रति घंटा की क्षमता के मंद एवं मध्यम गति के बाउल मिल्स।

– उच्च–राख संघटक वाले निम्न श्रेणी कोयला पल्वेराइजिंग के लिए ट्यूब मिल्स।

- पल्स जेट एवं रिवर्स एअर टाइप फैब्रिक फिल्टर्स (बैग फिल्टर्स)।
- इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर्स
  – जनोपयोगी सेवा तथा औद्योगिम अनुप्रयोगों के लिए 99.9% कुशलता वाली किसी भी क्षमता के इलैक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर्स।
- मैकेनिकल सेपरेटर्स।
- सूट ब्लोअर्स
  – वृहत् रिट्रैक्टेवल सूट ब्लोअर्स (12.2 एम. तक परिवहन), वाल डिस्लैगर्स, रोटरी ब्लोअर्स एवं न्यूमेटिक, इलेक्ट्रिक अथवा मैनुअल मोड में कार्य करने वाले ताप प्रोब्स एवं संबंधित नियंत्रण पैनल।
  – रिजेनरेटिव एटर प्रीहीटर्स के लिए स्विवेल आर्म टाइप सूट ब्लोअर्स।
- वाल्व्स
  – जनोपयोगी सेवाओं के लिए उच्च–दाब तथा निम्न–दाब बायपास वाल्व्स।
  – स्टीम, तेल तथा गैस कार्यों के लिए 600 एम.एम. व्यास, 250 किग्रा प्रति cm^2 दाब तथा 540^0c ताप तक के लिए उच्च एवं निम्न–दाब वाल्व्स, गेट, ग्लोब, नान–रिटर्न (स्विंग चेक एवं पिस्टन लिफ्ट चेक) प्रकारों के कास्ट एवं फार्जड स्टील वाल्व्स।
  – 200 किग्रा प्रति cm^2 दाब वाले तथा 550^2c तक ताप वाले सेट प्रेशर के लिए उच्च–दाब सेफ्टी वाल्वस तथा स्वचालित विद्युत कार्यित दाब राहत वाल्व्स।
  – 175 किग्रा प्रति cm^2 दाब तथा 565^2c तक के ताप के के सेट प्रशर के लिए विद्युत, प्रक्रिया एवं अन्य उद्योगों में अनुप्रयोगों के लिए सेफ्टी रिलीफ वाल्व्स।
- सेरेमिक–लाइन्ड पी. एफ. बेन्ड्स।

पाइपिंग प्रणालियां

500 मेगावाट तक के विद्युत स्टेशनों के लिए सतत लोड हैंगर्स, क्लैम्प एवं हैंगर संघटक, वैरिएबल स्प्रिंग हैंगर, संयुक्त साइकिल प्लान्ट्स, औद्योगिक बॉयलर्स एवं प्रासेस उद्योग।

हीट एक्सचेन्जर्स एवं प्रेशर वेसल्स

- सी.एस./ए.एस./एस.एस./नान–फेरस शेल एवं ट्यूब हीट एक्सचेंजर्स तथा प्रेशर वेसल्स।
- वायु–शीतलित हीट एक्सचेन्जर्स
- सर्फेस कन्डेन्सर्स
- स्टीम जेट एअर इजेक्टर्स
- कालम्स
- रिएक्टर्स, ड्रम्स
- एल.पी.जी./प्रोपेन स्टोरेज बुलेट्स
- एल.पी.जी./प्रोपेन माउण्डेड स्टोरेज वेसल्स
- फीड वाटर हीटर्स

पम्प्स

- 600 मेगावाट तक की जनोपयोगी सेवा के लिए उपयुक्त विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए पम्प
- बॉयलर फीड पम्प्स (मोटर अथवा स्टीम टरबाइन चालित)।
- बॉयलर फीड बूस्टर पम्प्स।
- सर्कुलेटिंग वाटर पम्प्स।
- लुब्रिकेटिंग ऑयल पम्प्स।
- स्टैण्डबाइ ऑयल पम्प्स।

पावर स्टेशन नियंत्रण उपकरण

- माइक्रोप्रोसेसर आधारित वितरित डिजीटल नियंत्रण प्रणालियां।
- डाटा अधिग्रहण प्रणालियां।
- आदमी–मशीन इन्टरफेस।
- एस.सी.ए.डी.ए. के साथ उप–स्टेशन नियंत्रण।
- स्टैटिक एक्साइटेशन उपकरण/स्वचालित वोल्टेज रेगुलेटर
- इलैक्ट्रो हायड्रुलिक गवर्नर कंट्रोल।
- टर्बाइन सुपर वाइजरी प्रणाली एवं नियंत्रण।
- बर्नर प्रबंध प्रणाली।
- इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर्स के लिए नियंत्रण।
- एच.पी./एल.पी. बायपास वाल्वस के लिए नियंत्रण।
- सूट ब्लोअर कंट्रोल।
- आक्सिलियरी प्रेशर रिडक्शन एवं डी–सुपरहीटिंग प्रणाली।
- विद्युत स्टेशन नियंत्रणों का संतुलन।
- गैस टर्बाइन कंट्रोल प्रणाली।

स्विचगियर

इनडोर एवं आउट प्रयोगों के लिए तथा 400 किलावाट तक के वोल्टेज रेटिंग वाले विभिन्न प्रकार के स्विचगियर।

- न्यूनतम ऑयल सर्किट बेकर्स (66 kv-132kv)।
- वैक्युम सर्किट ब्रेकर्स (3.3 kv-33kv)।
- गैस इन्सुलेटेड स्विचगियर्स (36 kv)।

बस डक्ट्स

- 500 मेगावाट तक की जनोपयोगी सेवाओं के जेनरेटर पावर उत्पादन के लिए उपयुक्त एशोसिएटेड उपकरण सहित बसडक्ट्स।

ट्रांसफार्मर्स

- 400 kv तक के वोल्टेज के लिए पावर ट्रांसफार्मर्स।
- 500 kv रेटिंग तक के एच.वी.डी.सी. ट्रांसफार्मर एवं रिएक्टर।
- 400 kv रेटिंग तक के सिरीज तथा शंट रिएक्टरः
  - 400 kv तक के करेंट ट्रांसफार्मर।
  - 220 kv तक के इलेक्ट्रो–मैग्नेटिक वोल्टेज ट्रांसफार्मर।
  - 400 kv तक के कैपिसिटर वोल्टेज ट्रांसफार्मर।
- 10 एम.वी.ए तक के 33 kv कास्ट रेजिन ड्राय टाइप ट्रांसफार्मर।
- अर्थिंग; भट्ठी; रेक्टीफायर; इलैक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर; फ्रेट लाको; ए.सी.ई.एम.यू. तथा ट्रैक्शन के लिए विशेष ट्रांसफार्मर।

इन्शुलेटर्स

- हाई टेंशन सेरामिक इन्शुलेटर्स
  - स्वच्छ एवं प्रदूषित वातावरणों के ए.सी./डी.सी. अनुप्रयोगों के लिए 45 से 300 ज्ञछ इलैक्ट्रोमैकेनिकल शक्ति के लिए डिस्क/सस्पेंशन इन्शुलेटर्स।
  - रेडियो फ्री डिजाइन सहित 33 kv तक के पिन इन्शुलेटर्स।
  - 33 kv स्टैक्स तक के अनुप्रयोगों के लिए पोस्ट इन्शुलेटर्स।
  - 800 केवी एसी तक्था = 500 केवी एचवीडीसी ट्रांशमिशन लाइनों के लिए डिस्क इन्सुलेटर (एस इन्सुलेटर की आपूर्ति करने वाला भेल पहला निर्माता है)।

कैपिसिटर्स

- 400 केवी तक के अनुप्रयोगों के लिए 250 केवी एआर रेटिंग तक की औद्योगिक एवं विद्युत प्रणालियों के लिए पावर कैपिसिटर्स।
- 400 केवी तक के वोल्टेज के लिए कटिलंग/सीटीवी कैपिसिटर्स
- कैपसिटर के ऑन/ऑफ नियंत्रण हेतु सालिड स्टेट स्विच

ऊर्जा मीटर

- सिंगल फेज, पाली-फेज तथा विशेष प्रयोजन के इलैक्ट्रो-मैकेनिकल तथा इलैक्ट्रॉनिक मीटर।

इलैक्ट्रिक मशीन

एसी स्किवरल केज, स्लिपरिंग, सिंक्रोनस मोटर, औद्योगिक अल्टरनेटर तथा डीसी मशीनों का उत्पादन नीचे वर्णित रेंज के अनुसार किया जाता है। विशेष प्रयोजनार्थ मशीनों का निर्माण अनुरोध पर किया जाता है।

- सुरक्षित क्षेत्र प्रयोग के लिए एसी मशीन
  - औद्योगिक मोटर
  - स्किरल केज 150 से 35000 केवी
    स्लिरंग 150 से 15000 केवी
  - सिंक्रोनस मोटर 1000 से 17500 केवी
  - वैरिसबल स्पीड ड्राइव
    सिंक्रोनस मोटर 1000 से 17500 केवी
    इन्डक्शन मोटर 200 से 35000 केवी
- खतरनाक क्षेत्र प्रयोगों के लिए एसी मशीन
  - फ्लेम प्रूफ (एक्स 'डी') 150 से 1600 केवी
  - प्रेसराइज्ड (एक्स 'पी') 150 केवी तथा अधिक
  - नॉन स्पार्किंग (एक्स 'एन') विभिन्न गति वाले
  - इन्क्रीज्ड सेफ्टी (एक्स 'ई') सिंक्रोनाइजश एवं स्कवरल केज
- डी सी मशीन
  - मिल ड्यूटी 3.5 से 186 केवी
  - मध्यम/बृहत् 75 से 12000 केवी
- औद्योगिक अल्टरनेटर
  - स्टीम टर्बाइन, गैस टर्बाइन 2000 केवी से
    तथा डीजल इंजन चालित 60,000 केवी
- वोल्टेज एवं इन्क्लोजर
  वोल्टेज एसी-415 केवी से 138000 वी
  डीसी - 12000 वी तक
  - इन्क्लोजर एसपीडीपी, सीएसीडब्ल्यू, सीएसीए, टीईटीबी

कम्प्रेशर्स

- विभिन्न आकार के सेंट्रीफुगल कम्प्रेशर, स्टीम टर्बाइन/गैस टर्बाइन/मोटर द्वारा चालित, सभी प्रकार के गैसों की हैंडलिंग कर औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए ; रेंज में 800 कि.ग्रा.प्रति सीएम2 तथा 350,000 एनएम3/घंटा तक के दाब शामिल हैं।

नियंत्रण गियर

- औद्योगिक नियंत्रण गियर
  - इस्पात, एल्युमीनियम, सीमेंट, कागज, रबर, खनन, चीनी तथा पेट्रोरसायन उद्योगों में प्रयोग के लिए नियंत्रण पैनल एवं क्युबिकल।
  - 2500 एचपी रेटिंग तक के स्लिपरिंग इंडक्शन मोटरों के लिए लिक्विड रोटर स्टार्टर।

- वैरिएबल-स्पीड मोटर के लिए लिक्विड रेगुलेटर

- कान्ट्रैक्टर
  - 660 वी तक के बोल्टेज के लिए एलटी एअर/ब्रेक टाइप एसी
  - 600 वी तक के बोल्टेज के लिए एलटी एअर ब्रेक टाइप डीसी कांट्रैक्टर
  - 11 केवी तक के वोल्टेज के लिए चटी वैक्युम टाइम एसी
- ट्रैक्शन कंट्रोल गियर
  - रेलवे व अन्य ट्रैक्शन प्रयोगों के लिए कंट्रोल गियर उपकरण
- कंट्रोल एवं रिले पैनल
  - 400 केवी वोल्टेज के लिए कंट्रोल पैनल तथा उत्पादन स्टेशनों तथा ईएचवी उप-स्टेशनों के लिए कंट्रोल डेस्क
  - कंट्रोल एवं रिले बोर्ड
  - तापीय, गैस, हाइड्रो तथा न्युक्लियर सेटों के लिए टर्बाइन गेज बोर्ड
  - टर्बाइन इलैक्ट्रिकल कंट्रोल क्युबिकल्स
  - आउटडोर-टाइप कंट्रोल पैनल तथा मार्शलिंग कियोस्क, स्विंगिंग टाइप सिंक्रोनाइजिंग पैनल तथा मोबाइल सिंक्रोनाइजिंग ट्रांली
  - ट्रांसफार्मर टैप चेंजर पैनल

सिलिकॉन रेक्टीफायर

- अल्युमीनियम/तांबा/जिंक स्मेल्टिंग जैसे औद्योगिक प्रयोगों के लिए, रसायन उद्योग के लिए तथा एसी/डीसी ट्रैक्शन प्रयोग के लिए मैचिंग जेनरेटरों के साथ सिलिकॉन पावर रेक्टिफायर।

थायरिस्टर जीटीओ/आईजीबीटी उपकरण

- डीसी ड्राइव तथा सिंक्रोनस मोटर के लिए थायरिस्टर क्नवर्टर/इनवर्टर उपकरण
- थायरिस्टर हाई करंट/हाई वोल्टेज पावर सप्लायर
- जीटीओ/आईजीबीटी का उपयोग कर स्टैरिक एसी वैरिएबल-स्पीड ड्राइव सिस्टम
- एचवीडीसी ट्रांशमिशन के लिए थायरिस्टर वाल्वस तथा कंट्रोल
- हाई फ्रिक्वेन्सी इंडक्शन हीटिंग इक्विपमेंट
- रिएक्टिव पावर प्रबंध के लिए थायरिस्टर वाल्व एवं कंट्रोल

विद्युत यंत्र

- हाई-पावर कैपेसिटी सिलिकॉन, थायरिस्टर यंत्र तथा सोलर फोटोवोल्टिक सेल

परिवहन उपकरण

- एसी इलेक्ट्रिक लोओमोटिव
- एसी-डीसी हुयल वोल्टैज इलैक्ट्रिक लोकोमोटिव
- डीजल-इलेक्ट्रिक शंटिंग लोकोमोटिव
- डीजल हायड्रुलिक शंटिंग लोकोमोटिव
- ओएचई रिकार्डिंग-कम-टेस्ट कार
- इलैक्ट्रिक ट्रैक्शन इक्विपमेंट (डीजल/इलैक्ट्रिक लोको, इलैक्ट्रिक मल्टिपुल यूनिट, डीजल मल्टीपुल यूनिट तथा शहरी परिवहन प्रणालियां)
- ट्रैक्शन मोटर
- इन्डक्टर
- ट्रैक्शन जेनरेटर/अल्टरनेटर
- रेक्टि फायर
- बॉगीज
- वैक्युम सर्किट ब्रेकर
- आक्जिलियरी मशीन
- माइक्रो प्रोसेसर आधारित इलैक्ट्रिक कंट्रोल उपकरण
- पावर कनवर्टर/इनवर्टर
- आक्जलियरी आपूर्ति के लिए स्टैटिक इनवर्टर
- लोकोमोटिव कंट्रोल रेसिटेन्ट्स अर्थात फील्ड डाइवर्टर, डायनमिक ब्रेकिंग रेसिस्टर तथा इंडक्टिव शंट
- ट्रैक्शन कंट्रोल गियर
- वैसल ट्रैफिक प्रबंध प्रणाली
- बैटरी पावर वाली सड़क वाहन
- प्रदूषण नियंत्रण के लिए सेरामिक कैटालिटिक कनवर्टर।

तेल क्षेत्र उपकरण

- तेल रिग्स

  9000 मीटर तक की गहराई की खुदाई के लिए अनेक प्रकार के ऑन-शोर उपकरण, वर्फ ओवर उपकरण, मोबाइल उपकरण, हेली-उपकरण, डेजर्ट उपकरण, जिनमें मैचिंग ड्रा-वर्क्स तथा ह्वाय स्टिंग उपकरण सहित निम्नांकित होंगे -
  - मास्टर एंड सबस्ट्रक्चर
  - रोटेटिंग इक्विपमेंट
  - पम्प सहित मड प्रणाली
  - पावर पैक एवं रिग इलेक्ट्रिक
  - रिग इन्स्ट्रमेन्टेशन
  - रिग युटिलिटीज एवं सहायक सामान
- तेल हेड्स एवं क्रिसमस ट्री/सब-सी उपकरण :
  - 10,000 सीएसआई तक के कार्यकारी दावों के लिए हेड एवं एक्स-मस ट्री।

- चोक एवं किल मैनीफोल्ड
- मड वाल्व
- ब्लॉक वाल्व्स
- मडलाइन सस्पेंशन प्रणाली
- केसिंग सपोर्ट प्रणाली
- सब-सी तेल हेड।

कास्टिंग्स एंड फार्जिंग्स

- सख्त अंतर्राष्ट्रीय विनिर्देशें वाले क्रीप रेसिटेन्ट मिश्र इस्पात, स्टेनलेस स्टील तथा मिश्र स्टीलों के अन्य दर्जों के अत्याधुनिक भारी कास्टिंग्स एवं फार्जिंग्स।

सीमलेस स्टील ट्यूब्स

- एएसटीएम/एपीआई तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसर कार्बन स्टील तथा निम्न-मिश्र इस्पातों में 19 से 133 एमएम व्यास तथा 2 से 12.5 एमएम की वाल मोटाई वाले विभिन्न प्रकार के हॉट-फिनिस्ड तथा कोल्ड-ड्रान सीमलेस स्टील ट्यूब्स
- स्टडेड ट्यूब्स
- उच्च निष्पादन ताप ट्रांसफॉर्मर प्रयोगों के लिए विस्तारित सरफेस ट्यूब्स
- स्थायरल फिन्ड ट्यूब्स
- हीट रिकवरी स्टीम जेनरटरों, इकोनोमाइजर तथा ताप भट्ठियों केलिए उच्च-आवृत्ति रेसिस्टेंस वेल्डेड फिन्ड ट्यूब्स।

गैर-परम्परागत ऊर्जा प्रणालियां

- 250 केडब्ल्यू रेटिंग तक के वायु विद्युत जेनरेटर
- सोलर पी.वी. प्रणालियां एवं विद्युत संयंत्र
- सोलर वाटर हीटिंग प्रणाली
- सोलर लैण्टर्न
- बैटरी शक्ति वाले सड़क वाहन।

दूरसंचार

- स्विचिंग उपकरण - आरएएक्स,
- मैक्स - एल, मैक्स - एक्स एल

उड्डयन

- लाइट एअरक्राफ्ट

प्रणालियां एवं सेवाएं

- विद्युत उत्पादन प्रणालियां
  - टर्नकी पावर स्टेशन
  - कम्बाइन्ड-सायकल विद्युत संयंत्र
  - कोजेनरेशन प्रणालियां
  - विद्युत स्टेशनों का आधुनिकीकरण एवं पुनःस्थापन।
- परिवहन प्रणाली
  - ट्रैक्शन प्रणाली
  - शहरी परिवहन प्रणालियां
  - औद्योगिक प्रणालियां
  - औद्योगिक ड्राइव एवं नियंत्रण प्रणालियां।

ऊपर की सभी प्रणालियों के लिए निर्माण, उद्घाटन, कार्य एवं रख-रखाव सेवाएं, स्पेयर्स प्रबंध एवं परामर्श सेवाएं।

अपशिष्ट के विरूद्ध अभियान
War on Wastages (Wow!!)

बीएचईएल के मूल्य संवर्धन के लिए वर्ष 2002-2003 के दौरान अपशिष्ट में कमी एक महत्वपूर्ण केन्द्र बिन्दु था। संगठन में छीजन को न्यूनतम करने के उद्देश्य से एक निदेशित कार्यक्रम "अपशिष्ट के विरूद्ध अभियान" आरंभ किया गया। अपशिष्ट तथा अपशिष्ट परम्पराओं के संबंध में एक विस्तृत अंकेक्षण किया गया तथा अपशिष्ट न्यूनीकरण,अपशिष्ट रिसाइक्लिंग तथा सामग्री के पुनःउपयोग पर जोर देकर कम से कम अपशिष्ट उत्पन्न करने वाले उपकरण एवं प्रक्रियाओं का चयन किया गया एवं अपनाया गया। इस प्रकार,अपशिष्ट को नियंत्रित करने के विचार तथा उससे उत्पन्न होने वाले लाभों को पूरा दोहन किया गया। बचत करने के लिए अपनाए गए विभिन्न साधन हैं : सभी तकनीकों, नामशः ऊर्जा संरक्षण, रिसाइक्लिंग, बचाव, आर्थिक प्रापण, बेहतर वित्तीय एवं वाणिज्यिक प्रबंध, प्रथम बार उपयोग आदि का सम्मिलित उपयोग और इस प्रकार पुनःकार्य करने तथा अस्वीकृति से संबंधित बचत, वैल्यू इंजीनियरिंग आदि।

वर्ष 2002-2003 के दौरान अपशिष्ट के विरूद्ध अभियान से कुल 69 करोड़ रुपए की बचत हुई, जो कंपनी के लिए निवल लाभ है।